चिरायतादिगणप्रकटपछांनै ॥ अथअष्टादशांगकाथः ॥ चौपई ॥ समआनेऔषधदशमूल ककडशृं-गीकौडकचूर पटोलदुरालभापुष्करमूल कौडवीजभिडंगीलेसमतूल अष्टादशांगकाथयहकह्यो स-न्निपातज्वरहरतालह्यो श्वासकासहृदग्रहकोनाशैं हिडकीवमनहरैसुखभासे जोइवासकाससन्निपात-मंझार त्रिषावहुतहोलषोविकार दशमूलमिलावेपुष्करमूल मघासहितहोइदुःखनिर्मूल किरायता-देवदारूमंगवाय दशमूलीसंगकौडमिलाय इंद्रजवापिपलीधनीयांआन सुंठगजापिपलीसमतिहठान काथवनायपीवैजोरोगी तंद्रावकडवादखंगसोगी अरुचीदाहमोहसभटरै इवाससंयुक्तसन्निपातहिहरै इत्यपरोष्टादशांगकाथः ॥ अथवृहत्यादिकाथः ॥ चौपई ॥ दोइकंडचारीपुष्करमूल ककडशृंगीकौड-कचूर कोगडवीजपटोलअनाय भाडिंगीसंगजुवांहरलाय सभसमलेकरकाथवनावै उपद्रवसहसन्नपा-तनसावै ॥ अथसटयादिकाथ ॥ चौपई ॥ कचूरकिरायतापुष्करमूर छोटीकंडचारीतिंहपूर सुंठदुराल-भापाठापाय ककडशृंगीगिलोयमिलाय सभसममेलकाथयहकरै सान्निपातनिद्रासंगहरै इवासकासहृ-दग्रहमिटजावे पार्इवशूलहरसुखउपजावै ॥ अथवृहतसटयादिकाथ ॥ चौपई ॥ कचूरकिरायतापुष्करमू-ल सुंठगिलोयवरचसमतूल त्रायमानरहरानसुरदार दुरालभाकौडपापडाडार मंजिष्टाककडशृंगीआन श्रेष्टहरीतकीताहिमिलान भाडिंगीलेछोटीकंडचारी समयहऔषधजेऊप्रचारी विधिसोकाथजुयहकर-देय सान्निपातज्वरनाशकरेय खांसीजावेनिद्राश्वास रातौजागरणतृष्णानास मुखशोषदाहत्रिदोष-विनाश वंगसैनमेंकियोप्रकास ॥ अथकायफलादिकाथ ॥ चौपई ॥ कायफलवरचपापडाजान पाठा-हरडाकिरायताठान जीरासुंठिमघाभाडिंगी दयारसटीकटुधनियांशृंगी सभसमलेकरकाथवनावे आ-द्रकरसहिंगुपायपिवावे सन्निपातज्वरश्वासजुकास करणशूलगलग्रहहोइनाश अकडीगरदनशोथमिटावे हिडकीअवरउपद्रवजावे जोइसमोंदशमूलरलाय अभिन्याससन्नपातनसाय पितअधिकसटयादिप्रसस्त वृहत्यादिकफाधिकयहशस्त कायफलादिवाताधिकजान विवरोकाथनकोइहमान दोहा निदानचिकित्सास हितसभकीनोसन्नउचार वंगसैनमतभाष्योंअवसुनअवरप्रकार चौपई शुंठगिलोयपाठातिहजान गजपी-पलदशमूलपछान इंद्रजवअरुकिरायताआनो वासाकचूरताहिमैंठानो सन्नहतौजसदूरनिवारै वंगसैनयाही विस्तारै ॥ अन्यच ॥ गिलोयकिरायतामुत्थरआन रक्तचंदनकौडाचिरौंजीठान पद्मकाष्टकंडियारीभिडिंगी-पापडकौडनिंबलेचंगी धनियासुंठवासापुनलेय पुष्करमूलताहिमोदेय करैकाथसुखप्रातपिलावै दाहवृ-द्धशीतज्वरजावै अवरश्वासमूर्छाहोयनाश अरुचीवमनतृषाहरताश कासवृद्धिकोदूरनिवारै शिरपीडाग-लरोधविडारै भ्रमनिद्राहिकाआनाह सन्निपातएतेदुःखजाह ॥ अन्यच ॥ गिलोयरक्तचंदनकोल्याय पद्मककाष्टहरीडसुपाय सुंठइंद्रजवभिडंगीजानो अमलतासखसपाठामानो धनियांमुत्थरकौडपछान सवमिलकाथकरैवुधवान पिपलीचूर्णसंगसोपीय तंद्राकासश्वासहरलीय ज्वरफुनदाहसुदूरनिवारै मलमूत्र-त्रिदोषसोईपरिहारै गुडूच्यादिगुणयाहिकोमान पाचनदीपनउत्तमजान ॥ अन्यच ॥ दालहलददेव-दारूआन इंद्रजवकेसरप्रियंगूठान अमलतासपाठासकचूर खसकिरायतादर्भकोमूल गजपीपलत्रा-यंतीआन पद्मकाष्टगिलोयसमठान धनियांसुंठमुत्थरअरुवाला हरडपापडाकौडसह्माला छोटीकं-डियारीफुनल्यावै पुष्करमूलज्ववांसापावै ककडसिंगीदंतीमघआन वडीकंडियारीतामैंजान इनसव-हीकोकाथवनाय पीवेइतनेरोगनसाय विष्मज्वरसन्निपातनिवारै धातुस्थितज्वरनैतिकटारै द्वाह्निक-त्रितीयचातुर्थिकजाय मलज्वरआगंतुकहिनसाय दाहकठिनज्वरहोवेहान दुर्जयहोयतौभीहरमान यह-

ऋषियोंनेकियोप्रमान वंगसेननेकियोबखान ॥ अन्यच ॥ सुंठकालीमिरचकोआनै पिपलीअरुदसमूलपछानै कचूरगिलोयभिडंगील्याय समस्तवस्तलेकाथवनाय जोरोगीपीवैपरभात तत्क्षणसन्निपातहोएवात ॥ अन्यच ॥ वासापर्पटनिंवकेपत्तर दंथरधनियांमुत्थरसंगधर सुंठदेवदारूमंगवाय वचइंद्रजवभखडेपाय पिपलामूमसमकाथवनावै सन्निपातअतिसारहटावै श्वासखांसीअरुचीसुविडारै शूलहरैएतेगुणधारै ॥ अन्यच ॥ दशमूलवचसुंउजोआनै नखद्वयमेलकाथसोठानै वातकफजसन्निपातनिवारैवंगसैनमोयाहिउचारै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाकायफलकौडमंगाय द्याररक्तचंदनसमपाय फालसापद्मकाष्टकोलेय सववस्तूसमप्रमाणकरतेय कर्षकर्षमात्रासवलेवै इनवस्तूकोअर्ककरेवै पीवैसन्निपातहतजाय ज्वरवहुचिरकालेहुहटाय अमृतसमइहअर्कपछानो ग्रंथमाहिशुभकियोवषानो ॥ अन्यच ॥ कचूरअवरदशमूलमंगाय ककडसिंगीमर्चमिलाय सुंठमघांअरुपिपलामूल इहवस्तूलेसमकरतूल काथसुपीयसन्निपातहिहरै कपलदेवइहविधउच्चरै ॥ अन्यच ॥ कांफलत्रिफलाद्यारमंगाय फालसेरक्तचंदनातिहपाय पद्मकाष्टकौडदंथरसमलेय रात्रिशीतजलदेयभिगोय प्रभातमलैसोपाणीपीवै पित्तप्रधानसन्नपातहरीवै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरपापडाखस्सदियार सुंठीत्रिफलाजवांसाधार नीलकपत्रकमीलाटवी किरायतापाठाधम्मनीसवी कौडमुलठीपिपलांमूल मुस्तादिगणजानोतूल जलतिहपीयपित्तपरधान सन्निपातहोयतत्क्षणहान मन्यास्तंभउरक्षतजाय हनुस्तंभसिरग्रहसुहटाय ॥ अन्यच ॥ सुंठपीपलीमरचोल्याय मुत्थरहरिडवहेडापाय आमलेनिंवअरुपाठाधरै कोगडत्वचकौडचिरायतावरै पटोलपत्रगिलोयीसमल्याय याकेकाढेकोजलचाय पीवैसन्निपातज्वरहरै वंगसैनमतयोंहोउच्चरै ॥ अन्यच ॥ अमलतासदंतीजढल्यावै विल्वत्रिवीसमकाथवनावै छानेवस्मेपत्रकोचूरण घृतामिलायतिहकरैसुपूरन पीवैरेचनहोयातिहमाहि सन्निपातरोगहतजाहि ॥ अन्यच ॥ विजोराआदरकरसाहिमंगावै सैंधालूनपीपलीसुमिलावै पीवैसन्निपातहोयनाश अरुचीकासगुल्मनहितास अग्निमांधएतेदुखहरै ग्रंथकारयाहीउच्चरै ॥ अन्यच ॥ जिहनरसन्निपातज्वरमाहि कंपहोयवकवादकराहि, चेष्टारहेनकाहुकीजरै पुराउनगृतनगनईनतरै मांसशोराप्रमाणजोहोत वटेरातीतरवतकखरगोश शोराइनहिपिलावैताहि रोगजायरोगीसुषपाहि ॥ अन्यच ॥ वह्मीरहसनगिलोयतिलआन इनकाकाथकरैजुसुजान संचितसन्निपातज्वरजाय रोगजायरोगीसुखपाय जोअसंतसन्निपातहटजाहि कफकरआमाशयवरआहि तौभीतंद्राजागतलहो वंगसैनमतयोंहीकहो ॥ अन्यच ॥ कफप्रकोपकरकारणकहों जातेलक्षणताहिश्रुतलहों असंतपथ्यद्रव्यखावनसे मांसादिकरसअतिहारनसे दिननिद्राअरुक्षीरखावनसे दुर्वलनरअल्पवातहोवनसे श्लेष्मकोपहोवतफुनताहि सोईउत्पतिरोगकराहि मारुतताडनमोरुकवावै धमनीनाडमांहिचलजावै कठिनतंद्राप्रगटावैतवै ताकेलक्षणकहहोंअवै नेत्रदेषनभातिलेहोन पुतलीफिरतरहैयुगतौन नेत्ररोमसवचंचलरहैं मानोनेत्रपडतसुनकहैं जेकरकंडहिभारपडजाय मुखखुलादंदउोष्टप्रगटाय कंठमाहिकफपिछलरहै तारसाहितवाहिरसोवहै कंठहिमारगसवरुकजाय अनेकविकारदेहिप्रगटाय औसोरोगपुरुषजिहहोय तीनदिवसउपायकरसोय नाहिवचैनहिमृतवसहोवै तिहउपायग्रंथनमोजोवै तेलमालकंगुनीकोआन पिंडारकजढसाथमिलान नासाचाढनताहिसुमानतंद्राजायसुखकायप्रगटान॥अन्यच सैंवानोनश्वेतमिरचमंगावै सर्षपकुठचारोसमपावै अजामूत्रसोंताहिपकाय नासादेयतंद्रादुखजाय ॥ अन्यच ॥ अपुरनामजोपंक्षीअहै तिहविष्टामखीरसंगगहै अंजनकरैतंद्रादुखजाय ग्रंथकारइह-

कह्योवनाय ॥ अन्यच ॥ जाफलमुंगकौडवचआन कालीमर्चसैंधाफुनठान अजामूत्रसंगपीसवनाय अंजनकरैतंद्रादुखजाय ॥ अन्यच ॥ पुलादमारेयाहुआमगाय चिह्नालोधरसुमांपाय मर्चगऊपित्तेसोंपी से सेवैतंद्रादुखसभखोसे ॥ अन्यच ॥ सन्निपातउत्पन्नतंद्राजोय वैद्यउद्यमकरहरहैसोय तंद्राहरत-सन्निपातविडारै सुखहिसाध्यसुताहिविचारै सन्निपातमोतंद्राजोय जानअतिकष्टउपद्रवसोय.

॥ अथअन्यग्रंथांतरअनुसारसन्निपातत्रयोदशलक्षणचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ सन्निपातज्वरकेसभीलक्षणकरोंवषान अवरचिकित्साभिन्नकरभाषोंलषोसुजान ॥ चौपई ॥ उष्णदेहमोंशीतसमात उत्पतहोयतुरतसन्नपात अपनीठौरकरौविसतार भिन्नभिन्नलहै-वैद्यविचार ॥

॥ अथत्रयोदससान्निपातनामानि : ॥

॥ चौपई ॥ संधिकअंतिकरुग्दाहपछानो चितभ्रमशीतांगतंद्रिकमानो कंठकुवजपुनकरणकमान-भग्ननेत्ररक्तष्टीवीजान पुनपरलापकीनपरकाश जिग्हकअरुसुनियेअभिन्यास त्रयोदशसन्निपातयोसही-वैद्यराजधन्वंतरकही ॥

॥ अथसन्निपातआयुदिनानि ॥

॥ दोहा ॥ सप्तवर्षदिनसंधिककह्योअंतकदशदिनआह तीनवरषचितभ्रमरहैवीसदिवसरुग्दाह-॥ चौपई ॥ शीतांगपक्षएकसोरहै दिनपचीसतंद्रककेकहै कंठकुवजदिनचौदहमान तीनमासकर णकपहिचान भग्ननेत्रदिनआठसुकहे दशदिनरक्तष्टीवीलहै दिवसचतुर्दशहैपरलाप षोडशादिन जिग्हकतनव्याप ॥ दोहा ॥ अभिन्यासपक्षएककहैजाविधमानविचार धन्वंतरआगेकहैलक्षणसुन-उपचार.

॥ अथसंधिकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ संधियोमेंअतिपीडाहोवै सोजाजाहिरमुखकफजोवै निद्रानाहिजाहिकोहोय कासरो-गपीडाअतिजोय जिहसन्निपातइहलक्षणरहै संधिकनामसन्निपातसोकहै

॥ अथसमस्तसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ संधिककह्योप्रथमहिनिदान तैलसंभालूमर्दनठान सूक्ष्मपथ्यपाछेतेदेह सन्नपात सभनाशकरेह.

॥ अथसंधिकसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अथकाथ ॥ पुष्करमूलिभडंगीपाय विल्वत्वचारहसनपुनल्याय अजवायण मघसुंठीलीजै दशमूलकिरायताइकसमकोजै औषधतेरांटंकजुयेह सेरप्रमानपक्कजललेह कीजैका-थअग्नितपाय अष्टविशेषरहैतवषाय ॥ दोहा ॥ कह्योकाथजोग्रंथमतमुनियेचितदेतास शूलजा यसभदेहतैं संधिकहोयाविनाश ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाविधाराआनिऐरहसनताहिगिलोय देवदारुपु नलीजियेसुंठशतावरिहोय औषधसभइकसमकरोकीजैकाथउवाल अष्टविशेषजुराषियेगुग्गुलुटंकत्रैघाल-

दिवसचतुर्दशलगापियेसन्निपातनरहाय श्याममोठतंडुलकणकरोटीपथठहराय षारीअमलीवस्तुघृतवंर जैशीतलवारि पानीभत्तउवालदेसान्निपातज्वरटारि ॥ अन्यच ॥ विश्वाछिन्नाएरंजढरहसनपथ्यादयार प्रातसमयउठपीजियेयहीक्राथहितकार सकलसमीरशरीरतैंदाहरोगसभजाय व्याधीरहैजुपथ्यसोंसन्निपातनरहाय ॥ चौपै ॥ सुंठगिलोयजुवासाआनै रहसनअभयाकौडपछानै बिल्वस्योनाकखंभारीपावै पाटलदेवदारुजुमिलावै हलदशतावरअवरकचूर समलेकूटकरैसभचूर करैक्राथरोगिहिंपीवावै संधिकसन्निपातमिटजावै सन्निपातज्वरशूलविनाशै रोगमिटैतनदुतिपरकाशै ॥ अथअविलेह ॥ दोहा ॥ ग्रंथिकहरडैघारपुनवासाताहिमिलाय एरणतैलमिलायकेसोअविलेहचटाय सन्निपातज्वरनाशहोयतनआरोग्यलषाय यहभाष्योअविलेहजगशास्त्रमतीसुखदाय ॥ इतिसंधिकसन्निपातसमाप्तम्

॥ अथअंतकसन्निपातलक्षणनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ नित्यरहैसिरकंपमैंअंगवहुपीडाहोय मोहरहैचेष्टासिथलनिष्फलवकतासोय अंतरबाहिरदाहजिहहोवेव्याकुलदेह हिडकीज्वरस्वासकासहैयमपुरकरैसुगेह रोगअसाध्यपछानयहताकोकछुनउपाय तौभीताहिउपायसुनग्रंथकारमतभाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ जुवांसामघांसुंठमंगवाइ दोयकडियारीपतांसहिपाइ औषधक्राथवनायपिवावै अन्तकसन्निपातमिटजावै पाचनदोषहरणइहमान रोगहरणयाहीपहिचान॥ अन्यच ॥ पतीसपटोललेकर्कटशृंगी पुहकरमूलत्रायमाणसुचंगी सभसमऔषधक्राथवनाय पीयअंतकसन्निपातमिटाय ॥ अन्यच॥ कचूररास्नागिलोयमगावै ककडसिंगीपतीसहिपावै कंडिआरीअरुपुषकरमूल पाठाकौडऔषधसमतूल क्राथकरैपीवैहितभाय अन्तकसन्निपाततिहजाय ॥ दोहा ॥ दानपुन्यहरियशश्रवणविष्णुचरणकोंध्यान चारवेदषटशास्त्रकहिं यहऔषधपरमान ॥ इतिअंतकसन्निपातसमाप्तम् ॥

॥ अथरुग्दाहसन्निपातलक्षणनिरूणम् ॥

॥ दोहरा ॥ दाहप्रबलचित्तभ्रमरहैश्रमअरुमोहपछांन बकैप्रयोजनविनहितऊर्ध्वासशूलतिंहमान कंठपीडमन्याहनूत्रिषाजुव्यापैताह वैद्यग्रंथलक्षणकहैसान्निपातरुग्दाह

॥ अथचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथक्राथ ॥ चौपई ॥ सुंठीमघपीपलजुगिलोय इटसिटत्रायमानसंजोय रहसनकंडयारिसुरदारवरचाभिंडंगीधमहांडार पित्तपापडातिक्तापावै अरुकिरायताहरडमिलावै मेलेतामोपुष्करमूल भसऔषधकूटोसमतूल विधिवतसोंयहक्राथवनावै रोगीकोंपरभातपिलावै सन्निपातरुग्दाहविनाशै कंठशोषज्वरतृष्णानाशै श्वासकासअंगपीडजाय दिनमोनिद्रातिंहनहीआय निसकोनिद्राआवैतास सुखसोंसोवैसाहितहुलास ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ ब्राह्मीमरचजवायणपाय तिक्तामुत्थरकौडमिलाय निंवकिरातालेनक्रमाल पंचमूलकटुतोरीघाल करेक्राथव्याधीकोंदेहि व्यथासन्नरुग्दाहहरेहि ॥ अन्यच ॥ हरडपापडामुत्थरआंन कौडद्राक्षयहसमकरठांन करैक्राथपीवैउठप्रात व्यथामिटैतनतैंसान्निपात ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ पत्रवेरनिंवकेलेय झगचंदनतामोघसदेय लेपनकोजैकरपदताह व्यथासन्नजावैज्वरदाह ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ चंदनअगरमुत्थरलेआवै माषननखकरपूरमिलावै धूपदेयव्यर्थाहिउठप्रात नाशहोइरुगदाहसन्नपात ॥ इतिरुगदाहसान्निपातलक्षणचिकित्सा

॥ अथचित्तभ्रमसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ दाहपीडबहुतापभ्रमविकटनयनउनमाद गायनरोदनहास्यपुनिरतकरतबकवाद.

॥ अथचित्तभ्रमसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ भाडिंगीत्रिफलात्रिकुटाय तिक्तावरचकिरायतापाय दालहलदरहसनसुरदार त्रायमानब्राह्मीपुनडार वांसाधनियांहलदपटोल निंवसंभालूपुष्करमोल त्रिवीगिलोयकाकडिकंडचारी पाटलइंद्रयवइटसिटडारी यहसमस्तवरतसमलेहु करोकाथरोगीकोंदेहु सन्निपातचितभ्रममिटजाय ज्वरअंगपीडसमस्तमिटाय मिटेमूर्छाप्रलापउन्माद अरुमिटजावैतिसबकवाद चिमडेदांतघुलहिततकाल दाहहास्यमिटनयनविहाल देषसिंहज्योंगजकोत्रास त्योंइत्यादिरोगहोएनाश ॥ अन्यच ॥ पटोल पापडामुत्थरगिलोय निंबत्वचाजुकिरायताहोय त्रिफलावांसाकौडमंगाय अजवायणपुनताहिमिलाय लीजेसभयहएकसमान काथपांनमारुतरुजहान सन्निपातज्वरहोवैनाश शास्त्रमतीसोकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ कंड्यांरीमुत्थरपायगिलोय तिक्ताचंदनआनसमोय पटोलवहेडेसुंठमिलाय परपटयअइंद्रयवपाय आनकिरायतापुष्करमूल धमांहभिडंगीकरसमतूल करैकाथपीवेजोप्रात सन्निपातचितभ्रमघात मूर्छातृष्णाहिक्काशूल श्वासकासहोवेनिरमूस अतिनिद्रादाहअष्टज्वरनाश रोगामिटैंतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ हरडपापडामुत्थरलीजैं पाटलकौडद्राक्षसुभनीजै नैपालीकिरायताआन सभसमलेकूटोहितमान करैकाथरोगीपीवाय सन्निपातभ्रमचित्तमिटाय इतिसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तं

॥ अथशीतांगसन्निपातलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ अंगासिथलमोहत्रिषाप्रकाश श्लेष्मशीतउपजेतनतास कंपप्रलापक्रमअतिदहे अंतरदाहसुरविगरोरहै श्वासकासहिक्कापीडतहोय छर्दशीतांगचिन्हलषसोय

॥ अथशीतांगचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ अक्कजडअरुजीरामंगवाय मरचांसुंठमघांफुनपाय भिडिंगीकंडियारीककडसींगी पुष्करमूललेयसोचंगी सबसमानगोमूत्रमिलाहि सिद्धकरैपीवैहितचाहि सतिांगसन्नअरुमोह जश्वास प्रबलहरेकफगुनपरकाश इनरोगनकोदूरसुकरै भावप्रकाशमोयाहिउचरै ॥ चौपई ॥ मीठाभागचारसोंलेहु वंगटांकएकधरदेहु मरचभागषटआनमिलाय फटकडीद्वादशभागरलाय चंदनचूरासमतिंहआन आद्रकरससोंपीसमिलान रतीचारभरगोलीकरै शीतांगीमुखभीतरधरै सान्निपातमूर्छापरिहरै पथसोंरहैअपथ्यनकरै ॥ अन्यच ॥ एकटांकपाराजोआनै दोयटांकगंधकतिहठानै मीठाटंकएकतिंहपाय सभतेंदुगुणागुडरु मिलाय गुटिकाकोकनवेरसमान प्रातसांझषावैहितमान सान्निपातशीतांगमिटावै अचेतनताअरुमूर्छाजावै ॥ अथपंचाननगुटिका ॥ चौपई ॥ एकटंकपाराजुमंगावै गंधकदोयटंकतंहपावै मीठाएकटंकजुमिलाय अगलीवस्तुसुनोचितलाय तिंहसमत्रिफलात्रिकुटाठानै चित्रामुत्थरविडंगसमानै पीससमस्तदुगुणगुडपाय गुंजासमगोलीबंधवाय गोलीअचैशीतांगमिटावै श्वासकासकृमशूलनसावै बद्धकोष्ठगुल्मअतिसार प्रमेहविनाशैयहउपचार ॥ अन्यच ॥ ब्राह्मीसुंठीपुष्करमूल तज्जशतावरिपिपलामूल केशरलौंगपिप्पलीआन जांफलपुनजावत्रीठान संखाहुलीलेमरच-

मिलावै वरचलायचीचित्रापावै दोइअजवायणसारजुलीजै गजकेशरअभ्रकसंगदीजै अकरकराजुकुलांजनठानै पत्रतमालतेजवलश्रानै यहसमसमसभत्रस्तुपिसावै दुगुणीद्राक्षमुनक्कापावै दोइटांकभरगोलीकीजै नितरोगीकोंप्रातहिंदीजै सान्निपातशीतांगमिटावै श्वासकासचितभ्रममिटजावै बद्धकोष्टसभवातविकार पीडाअंगमिटैसुविचार ॥ अथधूडा ॥ दोहा ॥ सोयेबीजपीसायकैमर्दनव्याधीअंग धूडाश्रेष्टजुयहकह्योवैद्यकग्रंथप्रसंग ॥ इतिशीतांगसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथतंद्रकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमतापकेकालमोंझुकीदृष्टिरहैक्षीण बिनबोलेंदेखैनहींतंद्रामोंरहैलीन अतीसारकफकंठपुनश्वासकासज्वरदेह जिव्हाश्यामकठोरहैकंटयुततंद्रकएह तृषादाहरहकायमेंकंडूकंठसुजजाय देहीक्लमअरुकर्णमोपीडावहुवरभाय,

॥ अथतंद्रकसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथअंजन ॥ चौपै ॥ पीपलमनछलकूटपिसावो मीठातेलमंगायरलावो अंजनव्याधीनयनोपाय तंद्रकसन्नपातामिटजाय ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटासैंधावरचमंगावै सरसोंहिंगूकटुकीपावै सोयेबीजशिरसिकेबीज सभऔषधइकठीसमलीज धेनुमूत्रसोंताहिपिसावै गोलीमरचसमछांहिसुकावै ॥ अडल्यछंद ॥ धेनुमूत्रसोंघसकरनेत्रोंडारहै भूतप्रेतपुनमिरगींतंद्राटारहै ज्वरचौथाउन्मादअचेतनमानसै सुखसोंरोगीहोयअरोग्यताजानसे ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ हरडकंडयरीपुष्करमूल सुंठगिलोभिडंगीसमतूल करैक्काथप्रातहिंपीवावै दालमोठकीअथ्यधराहै सन्निपातज्वरतंद्राजाय वैद्यकग्रंथनकह्यासुनाय ॥ इतितंद्रकसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथकंठकुव्जसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अत्यंतश्वासअरुचीप्रगटाय वकवादहनुस्तंभहोयजाय अंगपीडकंपतनवहुवर तृषाअत्यंतजानातिहताकर ॥ दोहा ॥ कंठग्रहेशिरदूखैहेदाहमोहज्वरशीत कंठकुवजलक्षणकहैसुनोकानदेमीत-

॥ अथकंठकुवजसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ त्रिकुटाकटुकीमुगमंगावै गजपीपलाकिरायतपावै हलदीहरडइंद्रयवठान त्रिफलावायविडंगामिलान चित्रापावैपुष्करमूर अरुकचूरसभसमकरपूर करैक्काथप्रातहिपीवावै अपथ्यनपावैरोगमिटावै रहैपथ्यदिनसातप्रमान कंठकुवजज्वरकीहोइहान ॥ अन्यच ॥ कक्कडशृंगीमुत्थकचूर त्रिफलात्रिकुटापुष्करमूर कोगडसुंठीकौडमिलाय हरडकायफलाचि[illegible]पाय चवकविडंगकिरायतावासा कौडमिलावैपुनसंगतासा सभसमऔषधकूटमंगावै क्काथकरेसोंताहिपिवावै कंठकुवज सन्निपातविनाश वातचौरासियातैनाश मोठभातकोपथ्यपवाय ज्वरनाशैयोंकह्योसुनाय ॥ अथनसवार ॥ चौपै ॥ टंकएकसरपंषहिवीज दोयटंकमघपीपलदीज पीसनासव्याधीकोदेय कंठकुवजकोनाशकरेय ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ त्रिकुटातेरीबीजकटुजलसोंतिन्हैपीसाय नासादेजडतामिटैकंठकुवजमिटजाय ॥ इतिकंठकुवजसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम्.

॥ अथकरणकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कंठपीडफुनखेदरहैतन गर्मशरीराहिहैविजिहजन कर्णपसलीमेंसूजनपरै तिहपीडावो लापनसरै श्वासवकडवादवहुहोय खेददाहरहैअतिजोय जाकेलक्षनअैसेठान कर्णकसन्निपाततिहजान

॥ अथकरणकसन्निपातचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ सुंदरगोकाघीउलेकानवीचजोपाय करणकपीडानाशहैकह्योग्रंथकेभाय ॥ अन्यच ॥ ॥ दोहा ॥ अमरवेलहिंगुवरचकुंठसैंधवसुंठीपाय अर्कदुग्धसौंलेपकरकरणग्रंथमिटजाय ॥ अन्यच । ॥ लेप ॥ दोहा ॥ सुंठकलौंजीकायफलकुलत्थलेहुसमजान उष्णातोयसौंलेपकरहोवेकरणकहान ॥ ॥ अथक्काथ ॥ चौपइं ॥ कायफलमुथांकौडभिडंगी वरचकणाधनियांपुनशृंगी जीरापित्तपायडसुरदार- दालहलदइंद्रयवडार पुष्करसुंठीअवरकिरात हिंगूआद्रकरसक्काथप्रभात अैसेंपिवैक्काथवनाय करणक- सन्निपातज्वरजाय दोहा ॥ श्वासकासगलसीसकीव्यथाहोयसभघात सुखउपजावैअंगमोंहरैकरणक- सन्निपात ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रहसनपाठाकौडभिडंगी पुष्करसुंठशतावरिशृंगी मघांपीपलीयहस मआनै ॥ करैक्काथपीवैहितमानै करणकसन्निपातमिटजावै ॥ अपथ्यतजैयोंभाषसुनावै इस्त्रीसंगतजै- निशिभोजन दिनकौशयनतजैअरुवैंगन सूरणलसनमूलसभजात शाकमांसत्यागेविख्यात आद्र- करसकोसेवनकरै पेठातोरीशालिपथधरै ॥ दोहा ॥ कंठसीसदुखनारहैवातचौरासीजाय वैद्यग्रंथमत- भाष्योईश्वरवचनलषाय ॥ अन्यउपाय ॥ दोहा ॥ सैंधवपीपरपीसकेदांतनकौजैदांत जिव्हापरले- मर्दियेमुखशोधनहोइजात ॥ इतिकरणकसन्निपातचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथभग्ननेत्रसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ श्वासअचेतनज्वररहैकरैविलापप्रलाप मोहकंपतनकासहैभग्नदृष्टिभ्रमव्याप श्रवणहा- निअंगपीडवहुयहलक्षणविख्यात वैद्यग्रंथमतभाष्योभग्नदृष्टिसन्निपात ॥

॥ अथभग्नदृष्टिसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथअविलेहः ॥ चौपई ॥ सोनमाषीअरुमघांमंगावै कौडसभसिमपीसमिलावै माष्योसाथमि- लायचटाय भग्नदृष्टसन्निपातमिटाय ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ मनछलमरचकणासमलेय अंजनज- लसौंपीसकरेय भग्नदृष्टिज्वरकोयहहरै भूतप्रेतवातसभटरै ॥ अन्यच ॥ वरचमरचअरुलेम- घपीपर सैंधाहिंगुसभीयहसमकर आंजैनेत्रांजलपीसाय नाशैभग्नदृष्टिअंगवाय ॥ अथनसवार ॥ चौ- पई ॥ मरचवरचमघपीपलआनै मुत्थूसमुद्रझागसमठानै पुनरसलसुनजुतामोपाय भलैंपसिनसवार बनाय व्याधीनरकोंदेवजोय भग्नदृष्टिज्वरमेटैसोय होयसोचेतनतनसुखपावै वैद्यकमतयोंभाषसुनावै ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ त्रिफलाकटुकीअरुकंडयारी मुथ्रूनिंबरजनीदोयधारी जढपटोलऔषधसम- भाय करैक्काथरोगीहिंपीवाय भग्नदृष्टिसन्निपातनसावे भाष्योंसभसोंमनचितलावे ॥ अन्यच ॥ जढ- पटोलकटुकोजुकिरात धनियांसमकरक्काथप्रभात व्याधीनरकोंसोऊपिलावै भग्नदृष्टिसन्नपातमटावै ॥ अन्यच ॥ धनियांहरडनिंबसुरदार जढपटोलमुथकटुकोडार समकरक्काथप्रातउठलेय भग्नदृष्टि- ज्वरनाशकरेय ॥ इतिभग्नदृष्टिसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥



॥ अथरक्तष्ठीवीसन्निपातलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ कायामेंकुंडलपडेंकालेलालसुनैन तृषालगैमुखसोखतासूरतघनटाहिचैन ॥ चौपई ॥ रक्तचलैमुखनासिकमाहीं टूटतदेहछर्दज्वरताहीं उदरअफाराअरुअतिसार प्रलापअरुचयहलक्षणधार ॥ दोहा ॥ श्वासमोहभ्रमत्तापकरहिडकीजिन्हाश्याम इन्हलक्षणपहिचानिएरक्तष्ठीवीनाम

॥ अथरक्तष्ठीवीसन्निपातचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ नेत्रमालपद्माकसुगहै चंदनवालापन्हीलहै तज्जकायफलवायविडंग धावेसमकरलीजैसंग मिसरीषोडशभागामिलाय टांकपांचनितव्याधीषाय रक्तष्ठीवीज्वरहोइनाश वैद्यग्रंथमतकीनप्रकाश ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ पाषाणभेदाचित्रापुनलीजै नसवारपीसव्याधीकोंदीजै रक्तगमनमुखनाशरहावै वैद्यकमतयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच ॥ घसपठोलतंडुलजलपाय व्याधीकोंनसवारचढाय रक्तगमनसूकैततकाल ज्योंजलसूकैग्रीष्मकाल ॥ अथपाणा ॥ चौपई ॥ रसवासामधुसोंकरपान रक्तगमनथांभेमुखघ्राण भाष्योंसिद्धयोगपरिमान रक्तष्ठीवसन्नकीहान ॥ अथ लेपन ॥ चौपई ॥ वोलमुसवरअरुविजैसार पसिनिंवूकोरसडार तीनचारलेपनकरभाल रुधिरगमनथांभैततकाल ॥ अथमंजिष्ठादिक्काथ ॥ चौपई ॥ मंजीठनिंबवासात्रायमान चंदनपाठाधमाहाठान त्रिफलात्रिविकिरायतालेहू गिलोयविडंगबकायनदेहू कोगडषैरपापडापाय इंद्रवारुणीकौडमिलाय पटोलपतीसवावचीपावै समसभऔषधपीसमिलावै अष्ठविशेषक्काथकरलेय व्याधीपुरुषहिंप्राताहिंदेय कंडूमंडलथिंभविनाशै व्रणगजचर्मकुष्ठसभनाशै ददरीचंवललूतनिवारै रक्तगमनमुखनाशविडारै सातदिनापथधरयहदीजै रक्तष्ठीवीसन्नपातहरीजै ॥ अन्यच ॥ कौडपापडाआनाकिरातअवरधमाहावासापात अरुवहुफलीताहिमेंपावो समऔषधलेकाथबनावो मिसरीटंकपायपीवावै रक्तष्ठीवीरुधिरमिटावै ॥ इतिरक्तष्ठीवीसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथप्रलापकसन्निपातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वेगउटेकंपेगिरेबाहिरंतरतताय जंघपीडअरुदाहहोइसुरतविकलबकवाय भूतछायानहितासमोंविनाअर्थकाहिवात इन्हलक्षणतैंजानियेपरलापकसन्नपात ॥

॥ अथपरलापकसन्निपातचिकित्सा ॥

॥ अथजायफलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ जाफलतज्जविडंगपछानो लाचीदोअजवायणठानो भंगाकिरायतात्रिकुटापावै जलवत्रीअभ्रकसुमिलावै बालाचोबचीनिगजकेसर पिपलामूलबहेडेसमधर अरुहफीमतिन्हमध्यरलावै कूटपीसचूरणकरवावै मधुसोंटांकदोयनितपावै प्र— अवरसंध्याभुक्तावै श्वासअपच्यअरुचपरलाप पथ्यरहैमैंटैसंताप ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटापांचभागलेपूर पांचभागतिंहमध्य कचूर तिन्हतैंअर्धकिरायतापावै सभऔषधएकत्रकरावै कूटपीसमैदासमछांन पावैतीनटांकपरिमांन॥ सन्निपातपरलापनसायभाष्योश्रीमहादेवसुनाय॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकुठविडंगामिलावै हिंगुवरचसैंधाजुमिलावै हरडभिडंगीचित्राठानै अजमोदाकिरायतामानै कूटपीसकरवस्त्रछनाय सभ गुतरुणागुडजीमलाय गुटकामुंगसमांनबनावै नितउठप्रातीहकालपिवावै सर्वदोषहरसुखउपजाय सन्नि

पातपरलापनसाय साकनिदोषभगंदरजावै बवासीरपुनगुल्मनसावै कोष्टबद्धहृदरोगविनाशै तनभीत रसुखकोंपरकाशै भूतप्रेतवैतालअरिष्ठ शूलविसूचीविस्फोटकनष्ट उदरदोषकेजाहिविकार व्याधीर-हैसुपथ्यविचार ॥ अन्यच ॥ पारागंधकअरुहरताल सुहागात्रिफलात्रिकुटाडाल रसभगरेसंगगुटिकाकरो चणकप्रमानसुमात्राधरो प्रातसमयजोव्याधीषाय प्रलापकसन्निपातनरहाय ॥ अथअंजन ॥ ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटासैंधवआन मालकंगुणीसरसोंठान कौडवरचसभयहसमआनै अ-जामूत्रकीपुटइकठानै गुटकाचणकप्रमाणबंधावै आंजैनयनप्रलापमिटावै तिमरनेत्रपटभ्रममिटजाय-उन्मादनह्वाताभूतनसाय दूजातीजाचौथाताप अपस्मारकोहरसंताप ॥ अथक्काथः ॥ चौपै ॥ त्रिवीतगरअसगंधकृतमाल ब्राह्मीपत्रमालतीडाल अरुशंखाहुलीकोजढआनै हरडसुंठापित्तपापडाठानै-मरचांद्राक्षमनक्कालेय क्काथकरैव्याधीकोंदेय पाणीभत्तउबालपिलावै प्रलापकसन्निपातमिटजावै ॥ अ-न्यच ॥ बालामुथ्रसुंठलेवासा पुनदशमूलमिलावैतासा दोइचंदनपित्तपापडापावै सभसमलेवेकूट पिसावै करैक्काथरोगीकोंदेय चारपांचदिनलोसुनलेय सन्निपातपरलापविनाशै यहीक्काथआठोज्वर-नाशै अरुशीतांगव्यथासुनिवारै मारुतकोपसमस्तविडारै इतिप्रलापकसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथजिंव्हकसन्निपातलक्षम् ॥

॥ दोहा ॥ तालूसोंजिव्हालगैकांटेहोहिकठोर रैनदिनासोवैनहींश्वासकासज्वरजोर मूकरहैंसुनहैंन हींजिव्हकइंहपरकार वैद्यग्रंथयोंभाष्योजिव्हकसन्नविचार ॥

॥ अथजिव्हकसन्निपातचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटातिक्कापरपटआन अरुगिलोययहसभसमठान पीसछाणकरचूरणकरै टांकदोयमिरजादाधरै प्रातसघृतसोंरोगीषावै जिव्हकसन्निपातमिटजावै ॥ अथलेपन ॥ दोहा ॥ पी-पलमरचाकिरायतासैंधवसमपीसाय मर्दनाजिव्हाकीजियेकांटेदूरकराय ॥ अन्यच ॥ अकरकरापुनइंद्रय-वलेतुलसीकेबीज सुंठमरचसमलीजियेरसजुविजोरादीज जिव्हालेपनकीजियेजिव्हाशुद्धकराय वैद्य-कमतयोंभाष्योजिव्हकरोगनसाय ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाकेसरलौंगजुलेहू जावत्रीपुनता-मोंदेहू पैरकाष्टरसलेहुनिकास तासंगगोलीवांधैतास गोलीकोकनवेरसमान व्याधीषावैबडीविहान जि-व्हकसन्निपातामिटजावै अवरहुंवातजरोगनसावै ॥ अथकुरली ॥ चौपई ॥ सुंठचवकअरुचित्रा-पीपर एलाधनियांपत्रचंवेधर निंबहाल्योंग्रंथकजान तैलातिलनकोंसमतिंहठान ॥ दोहा ॥ इन्ह-औषधकोक्काथकरकंडयारीरसपाय प्रातसांझादिनतीनलौंकुरलीसातकराय जिव्हाकोमलसरसहोइ-कंडूदूरलषाय सन्निपातजिव्हकहरै कंठरोगमिटजाय ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ देवदारुअरुनिंबहररि सुंठपटोलपुष्करलेवीर हलदगिलोइपापडापाय औषधसमलेक्काथकराय व्याधीकोंदीजैपरभात स-न्निपाताजिव्हकहोएघात ॥ इतिजिव्हकसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअभिन्याससन्निपातलक्षम् ॥

॥ चौपई ॥ तीनोदोषकोपतहोयजवै छातीनाडिवैठततवै कचेरूपवधहोयेहोन एकठौरमेंक-ठेतौन बुद्धइंद्रियनकोमोहनकरै ऐसोरूपदोषहोयवरै अभिन्याससन्निपातअघोर उत्पन्नकरैदेहअ-

तिसोर लक्षणसुनमनकरेविचार निश्चलगात्रश्वासनिरधार काहूप्रकारचेष्टानहिरहै देषनमाहिसमर्थ-नचहै इंद्रियनकोशब्दादिकमाहि ज्ञाननरहैबुद्धकीताहि सिरडोलतरहबारंबार भोजनकीइछानहिधार शब्दगुणोगुणआवतजाय पीडाकरैअत्यंतहिताय बुद्धिनरहैश्रुतहिबीचार गायनकरैहीनश्रुतधार ऐ-सोलक्षणजिहनरहोय वैद्यउचितहैत्यागनसोय इनलक्षणकरकोइकबचै जाकेलक्षणघटइहरचै नि-द्राबहुतहोयजिहमाहि ताहिहतौजसवैद्यकहाहि अंगसबहिजिहकार्यविहीन अभिन्यासतिहजानप्रवीन जोअगाधजलवस्तूपरै तुर्तपकाडियेतौकछुसरै जोथोडीदेरीपडजाय तौतिहकछुहाथनहिआय अभि न्याससन्निपातहिमाहि तुर्तचिकित्साहितकरचाहि जेकरदेरचिकित्सापरै तासोरोगीतुर्तहिमरै ॥ अ थअभिन्यासचिकित्सा ॥ चौपई ॥ जोरापुष्करमूलमंगावे एरंडसुंठकचूराहिपावै त्रायमानदसमूल पछान ककडसिंगीवासाआन भडिंगीपुनरनवासमलेय गोमूत्रसोंक्काथकरेय पीवैरोगीहृदयशुद्धकरै अभिन्यासरुजकोंदुःखहरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विजोरेजढपाखाणहिभेद विल्लकत्थकंडियारीलेत पाठाऔरइरंडजढल्याय इनवस्तूगोमूत्रामिलाय क्काथवनापीवैहितचावे अवरहिसैंधालूनसुपावे क्काथ करैसोपीवेइहविध सैंधालूनपाणीकाढसिध अभिन्याससान्निपातनिवारै शूलहरैवंगसेनउचारै ॥ अन्य च ॥ चौपई ॥ कंडयारीवासाऔरभिडंगी कचूरमेलसमंककडश्रिंगी पुष्करमूलजलपायपकाय अभिन्यासकफदूरवहाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ भिडंगीपुष्कररहसनआन बिलकत्थसुत्थरसुंठसमान दशमूलपिपलीक्काथवनाय हिंगआद्रकमघचूरणपाय इनसंयुक्तपीवैरोगीजन कठिनसन्नि पातजावाततताछिन अभिन्यासकाठिनतिहजाय कलेजापसलीपीडहटाय आनाहरोगइहहरैसुजान वंगसेनमोंकीनवखान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दोदंतीअरुदोकंडियारी एरंडविजोरेजढसमडारी मघांपायक्काथजोकरै अभिन्यासरेचनतेंटरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दोकंडियारीगिलोयसुआंन मुनक्काजीरात्रिकुटाठान ककडसींगिवायाविडंग समलेक्काथवनायसुचंग छानताहिफुनचावलपावै गोघृतमेलेक्काथवनावै पीवैहिडकीश्वासानवारै अभिन्यासषासीसभटारै कवजीवायूरुकीयोहोय मूत्ररोधसवहतांसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ कंडिआरीपुष्करमूलमंगाय भिडंगीकचूरजुवासापाय ककडसिंगीसमकाथवनाय पीवेअभिन्यासकफजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तूंवीजढत्रिफलामंगवा वै अमलतासकौडत्रिवीसोपावै क्काथकरेजवखारसमेत पियेमैलज्वरहटेसुहेत ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ कौडहरीडात्रिवीअरुदंती त्रायंतीअमलतासमअती क्काथजौखारसैंधेसंगपीय मैलच लैज्वरहटेसुजीय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सूंठमघांमर्चसैंधानून इनवस्तूकोसमलेचून आद्र करससोंचाटेताहि होशआयवेहोशीजाहि अथवायाहिनसवारजोकरे तौभीहोशचित्तमोंधरे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विजौरेरसआदरकरसचाय गर्मकरैसौंचलविडपाय सैंधातीनोलैंनसमडारै नसवारतहिनासाजोंधारै चैतन्यहोयमूर्छांतिहहारै वंगसैनमोंयाहिउचारै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सिरीषवीजपुनसैंधानौन पिपलीमनशिलवर्चसमतौन लशुनरसहिगोमूत्रसुसंग पीससलायिनयनसोंचं ग अभिन्याससन्नपातहिमाहि होशआयवेहोशीयाहि ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सिरीषवीजमर्च-मंगवावे अजामूत्रमोंपीसरलावे ताहिसलाइंनयननपाय होशआयवेहोशीजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हिंगुसुंठकटुतीक्षणवस्तु विजोरेरससोंपीसप्रशस्तु मुखमोदेयअभिन्यासहटाय मूर्छांजायचैतन्यताआय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रजीरामर्चमगाय दोंनोकाडियारीपिपलीपाय करंजवीजकरंजजढआनै

मजीठसुंठत्रायंतीठानै इनकाथहिसोंकंठरुकहोय सोछूटैहितकारकजोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जढक रंजूपटोलचित्राआन मंजीठत्रायंतीजीराठान दोनोंकंडियारीत्रिकुटापावै इनकोकाथकंठवंधछुटावै जाहि प्रकारचिकित्साजोय अभिन्यासमेकहिहैसोय इसप्रकारअभिन्यासहिमाहि चेष्टानाहितिहजोगहैयाहि मस्त कपादमेंदाहसुजोत तीक्ष्णउपायजिहचेतनहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषसन्निपातज्वरअंत कर्णमू लमोसोजतं कठिनहोयतिहवचतानाहि विरलाकोईवचैसुनताहि ताहिउपायसुनोसुविचार जोलिखि याहैचिकित्सासार लहूछुडायघृतपानसुकरै कफपितहरनलेपसोधरै औरशमनवस्तुनसोंचाय कवलग्रह करणाहितभाय इसविधसोंकरशोथहिटरै आगेउपायऔरतिहकरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गेरूशिलाजी तमंगवाय शुंठीमर्चकटफलतिहपाय कांजीसोंजहपीसवनावे लेपकरैसोजामिटजावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पुरातनसठीचावलमंगावै ज्वरहटानऔषधतिहपावै पिछताहिवायूषवनावै पीवैसन्निपातज्वरजावै पचैवचैनाहीमरजाहि वंगसैनमोकह्योसुनाहि ॥ अथनसवार ॥ दोहा ॥ लौंगमरचपीपलमहूस मलेपीसोतास उष्णोदकसंगनाकदेअभिन्यासहोइनाश ॥ अथअंजन ॥ दोहा ॥ सुंठमरचवचमुथूमघसिरसबीजसमआन पायमैनफलगूत्रसोंपीसोजरतमिलान उत्तमअंजनजहकह्योव्या धीनेत्रनपाय अभिन्याससन्नपातकोंततक्षणदेपनसाय ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ हरडैमोथभडिंगीआनै निंवाकिरयताकौडपछानै हरनौलीजढमघअरुकेसर पषाणभेदवालाविल्लकथधर, त्रायमानचित्रासुरदार पुष्करमूलइंद्रजवडार सुंठकायफलकोगडपावै मरचकंकोलपुनसंगमिलावै सभसमवस्तूकूटपिसाय कंडयारीरसकाथमिलाय ऊपरात्रिकुटापायपिलावै अभिन्याससन्निपातमिटावै मूर्छामोहअतिनिद्रानाशै आठोंज्वरदुःखशूलविनाशै श्वासकासमंदाग्निमिटावै वातत्रिषाजिन्हकरुजजावै करनकइत्यादिकजुन साय सिंहदृष्टिज्योंमृगभगजाय हरिद्रादिकउत्तमयहकाथ रोगवहुतनाशैसुनगाथ ॥ अन्यच ॥ त्रायमा नलेपुष्करमूल पुनडारैतामोदशमूल समलेकरैकाथसुबनाय प्रातहिरोगीकोंपीवाय कफज्वरअभिन्या- ससान्निपात इत्यादिकवातरोगकरघात ॥ अन्यच ॥ पाठासुरतरुनिंबविल्वकत्थ पषाणभेदपुनशृंगीमुत्थ एरणजढसैंधवलेपाय व्याधीकोंसोप्रातपिवाय अभिन्याससन्निपातमिटावै अवररोगकफशूलनसावै भूतप्रेतकीपीडाटरै सुखउपजायदोषसवहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ एरणजटाभिडंगीआन कचूरक- लौंजिगिलोयसमान कूटपीसचूरणकरवावै रोगीकोंसहगूत्रपिलावै नित्यप्रातत्रैटंकप्रमान अभिन्यासज्व- रकीहोइहान पथ्यरहैवातांगमिटावैं श्रीअश्विनीकुमारयोंगावैं ॥ दोहा ॥ सन्निपातत्रयोदशकहैलक्षण- अवरउपाय वैद्यकग्रंथविचारकैभाषारचीबनाय ॥ इतित्रयोदशसन्निपातलक्षणचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथआगंतुकज्वरनामउत्पत्तिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शस्त्रादिकघातप्रथमसोकह्यो भूतादिकसोदूसरलह्यो तीसरविषआदिकजोखाइ चतुर्थमानसीव्यथासुनाइ राजागुरूमातपितुआदि तिरस्कारकरअरुक्रोधादि कामशोकभयस्नेहसुद्वेष इ न्हसेआगंतुकज्वरलेष आगंतुकज्वरहीमंझार यथाकारणत्रैदोषविचार वातपित्तकफतीनहिजोय प्र वेशकरैजाहीकोसोय ॥

॥ अथशस्त्रादिककेघातसेंउत्पन्नज्वरकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जोपीडाहोकरशस्त्रप्रहार ताकोवायूकोंपविचार सोइरक्तकोबिगारतरहै पीडासू- जनशरीरबहुगहै सोशरीरमोवायुखेदअति ताहिचिकित्सासमझग्रंथमति ॥

॥ अथशस्त्रादिकआगंतुकज्वरयतन ॥

॥ चौपई ॥ इसज्वरमोलंघननकराय कसैलीगरमवस्तुनहिखाय चीकणमधुरवस्तुरसमास गर्मपटीबांधेफुनतास ॥ अन्यच ॥ घृतमिलायमालिशतिहजोग जेकरचोटलगनकीहोग रुधिरछुडावन तिहहितजान औरटकोरताहिपरमान अन्यचिकित्सा मार्गषेदकर्णादिकभेद श्रमअंगभंगहोयजोखेद वृक्षागिरणउत्पतज्वरजोय ताहिचिकित्साइहहितहोय दूधकाडवामांसरसचाय औरपुलावउदितसोखाय जेकरमार्गखेदकरहोय तेलघृतहिसोअभ्यंगकरसोय दिननिद्राउचिततिहभाय भावप्रकाशमतकह्योबनाय ॥

॥ अथभूतादिकलगनेसेउत्पन्नज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ कायामोअतिरहैउद्वेग रोवैहांसैकांपतनलेग चित्तस्थिरनाहिभ्रमबहुहोय भूतादिकप्रवेशसोजोय ॥

॥ अथभूतादिकयतन ॥

॥ चौपई बंधनताडनाहितवरताहि मंत्रयंत्रअरुतंत्रकराहि प्रथमभूतादिककेझाडनेकामंत्र ऊँनमो ऊँन्हांन्हींन्हूंनमोभूतनाथायकायसमस्तभुवन भूतानिसाधयसाधय हुंहुंइतिमोरपंखसेइहमंत्रपढझाडे तौभूतादिकजाइपुनःमंत्र ऊँनमोनारासिंहाय हिरण्यकशिपुवक्षस्थलविदारणायत्रिभुवनव्यापकाय भूतप्रेतपिशाचशाकिनीकीलोन्मूलनायस्तंभोद्भव समस्तदोषान्हर २ सर २ चल ॥ कंप २ मथ २ हुंफट २ ठह २ महारुद्रोजापयतिस्वाहा इसनृसिंहमंत्ररक्षाकोपढकरमोरपंखसेझाडेतौं भूतादिकनहीरहैं.

॥ अथभूतादिककेबुलानेकामंत्र ॥

ऊँनमोभगवतेभूतेश्वरायकिलकिल तरवायरौद्र दंष्ट्राकरालवक्राय त्रिनयनभूषिताय धगधगितप्रसंगललाटनेत्राय तीव्रकोपानलायामिततेजसे पाशशूलखट्वांगडमरुकधनुर्वाणमुद्गर भूपदण्डत्रासमुद्राव्याग्रदशदोर्दण्डमंडिताय कपिलजटाजूटकूटाईचंद्रधारिणे भस्मरागरंजितविग्रहाय उग्रफणिपतिघटाटोपमंडितकंठदेशाय जय २ भूत डामरेश आत्मरुपं दर्शय २ नृत्य २ सर २ चल २ पाशेनबंध २ हुंकारेणत्राशय २ वज्रदंडेनहन २ निशितखंडेनछिंधि २ शूलाग्रेणाभिंधि २ मुद्गरेणचूर्णय २ सर्वग्रहाणां आवेशय २ इसेंमंत्रसेंगोकेघृतमे गुग्गुलुमिलाय बहुतसीवारधूपदे उर इसीमंत्रसेसवकों अधिमंत्रिनकरके उसकोमारे तौवहमनुष्य निश्चय बककर जैसाहोइ वैसाकहे पीछेउसीमंत्रसे लिखकर निंबकेपत्ते औरसर्षपकीकांचमिलाकरधूपदे ॥

॥ अथभूतादिककेउत्तारनेकोअंजन ॥

॥ चौपै ॥ हिंगुलसुनपानीपीसावै नासिकदेभूतादिकजावै अंजनकरभूतादिकजाय तंत्रविचारयाहिप्रगटाय.

॥ अथभूतादिकउतारनेकातंत्र ॥

॥ चौपै ॥ अष्टपत्रतुलसीकेल्यावै कालीमिरचआठतिहपावै सहदेवीबूटीरविवार पवित्रलेयतीनोमिलसार तिहतवीतकरकंठमोधारै भूतादिककोदोषनिवारै-

॥ अथविषभक्षणकृतज्वरलक्षणं ॥

धूडासामुखजिहनरआहि अतीसारवररुचअन्ननाहि तृषाकरेअंगसूईपरै तैसीपीडाअंगसलवधरै मूर्छा लक्षणअैसेजाहि विषकृतज्वरजानोतुमताहि.

॥ औषधीगंधकृतज्वरलक्षण ॥

मूर्छाहोसिरपीडाधरै वमनआयछीकबहुकरै इनलक्षणगंधजज्वरजान भावप्रकाशमतकीनबखान

॥ अथास्यचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ गंधऔषधीविषतेजोज्वर पित्तजऔषधकरिएहितवर काथजुहोवेविषहिनिवार चिकित्सा-ताहिसुगंधविचार यत्नकरैउद्यतगंधहीसों जोलेखनमोकहेसुहितसों दालचीनीलाचीमंगवाय तमा-लपत्रनागकेसरपाय मुसककपूरकंकोलअगरवर कुंकुमलवंगताहिकोहितधर.

॥ अथक्रोधज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ तनकांपैमस्तकज्वरपीडाजास पित्तज्वरलक्षणक्रोधप्रकास.

॥ अथक्रोधज्वरकायत्न ॥

॥ चौपै ॥ मिठेशीतलबहुवचनरसाल विनोदलोभमनधरहिविसाल.

॥ अथमानसज्वरउत्पत्तीलक्षणं ॥

॥ जौपै ॥ इष्टमित्रपुत्रस्त्रीधनआदि नष्ठजाहिबडरोगविष्यादि ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ क्रोधज्वरहि-पित्तहरऔषधवर पित्तदूरकरक्रोधताहिटर ॥ अन्यच ॥ कामहिक्रोधटरतवुधजान क्रोधहितेकामाहिटल-मान कामक्रोधदौदोषहटावै तवहिज्वरीइहरोटरावै तिरस्कारमानसअतिवरै अतीसारमलीनचितधरै-चित्तभ्रमस्वासअश्रुपातइत्यादि मानसज्वरकेलक्षणव्याधि.

॥ अथमानसज्वरकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ याज्वरमोतत्वज्ञानफुनधैर्य्य मिष्टअन्नभोजनहितवैर्य्य व्यंजननूपसुमधुररसाल तिहते-मानसज्वरमनटाल.

॥ अथकामज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जिहकामहिज्वरप्रगटतहोय अरुचीदाहतनसूकेसोय लज्जानिद्राधैर्य्यविनासै हृदयदु-खसंभोगमनग्रासै निस्वासतंद्राभ्रमअतिहोय कामहिज्वरप्रगटावतसोय,

॥ अथकामज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ अत्यंतचतुरनारीअतिशीतल सोलावर्षतिहभोगेहितबल कामज्वरहितिहमनतेंजाय ग्रं-थवागभटकह्योउपाय.

॥ अथस्त्रीकेकामज्वरकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छासर्वशरीरमैहोय मरोडप्यासलगनैनचपलोय कुचमर्दनचिततिहकोवरै तनपर्साहृदेदा-हअतिधरै भोजनमैंअरुचीप्रगटाय लज्जानिद्राकायचुकाय धेर्य्यरहैसोतनमंझार इहलक्षणज्वरकामविचार-

॥ अथभयज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ आनंदयुक्तवार्तातिहजोग भयनाशैमनहोतनिरोग अथागंतुकज्वरेहेजुवशादोषोत्पत्तिक्रमम्माह ॥ चौपै ॥ भयकामशोकसेकोपैवात क्रोधसेपित्तकोपकरजात भूतावेशभूतसमहोय तीनोदोषकुपितकरजोय ॥ अथशोकादिकज्वराचिकित्सा ॥ श्रेष्टवाक्यहितचितकरताहि शोकनिमित्तजिहलाभकराहि हर्षमानअत्यंततिहकरै कामशोकभयइहसभटरे

॥ अथजीरणज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ इक्कीसदिनापीछेज्वरहोयसूक्ष्मरहैतनभूषनसोय दुर्बलकायउदरफियमान जीर्णज्वरकेलक्षणजान

॥ अथजीर्णज्वरयत्न ॥

॥ चौपई ॥ वसंतमालतीरसहिप्रमाण जीर्णज्वरादिकहरतपछाण मासावर्कसुवर्णमंगाय दोमासेवूकामोतीपाय तीनमासेशंगरफफुनलीजै मासेचारमर्चसंगदीजें अठमासेखपरीयाल्याय प्रथमगोमूत्रमोंशुद्धकराय फुनसबदारूखरलसुकरै तिहप्रमाणगोमाषनधरै तामोखर्लनिंबूरसपाय वजनप्रमानखलंकरवायजबतकअतिचीकनताआवे तबतकखरलअत्यंतकरावे रत्तीअथवादोइपरमाण पीपलसहतसंगकरहैपान खाइरोगिजीर्णज्वरजाय धातुविकारगर्मीनरहाय संग्रहणीमूत्रकृछ्रअरुस्वास कासप्रदरइनरोगविनास पुनः कंडयारीगिलोयसुंठसमआन काढादसदिनअजीरणहान पुनः कचूरपित्तपापडासुंठीआन नागरमोथाकटुकीजान कटेलीचिरायताकोसमलीजै जवकुटकरदोटंकधरीजै तिहकाढादोवषतजुपीय दिनग्याराजीर्णविषमहरीय इहवैद्यविनोदग्रंथमहिकह्यो उदितसुकाढानामयहलह्यो

॥ अथअन्यप्रकारअजीरणज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हृदयदुःखतनभारीजानो वमनअरुचअरुदीनपछानो लागैरेचनबहुताडिकार इसविधलक्षणकींनउचार

॥ अथअन्यप्रकारजीर्णज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासोंचलपिपलामूल अरुसेंधासभलेसमतूल कूटपिसटांकपरिमांन तप्तनीरसोंकीजैपान प्रातसमयजोभक्षणकरै तापअजीरणरसकोंहरै श्वासकासपुनहरहैसोय निश्चैमनमोआनोजोय ॥ अन्यच ॥ हरडजवायणहलदमगावो त्रिकुटासौंचलताहिमिलावो लवंगलायचीयहसमआन निंबूकोरसदुगुणाठान तप्तनीरसोंटांकजुढाई प्रातहिंपीवैरसज्वरजाई ॥ अन्यच ॥ त्रिवीहरडमघपीपलआनै सुंठीनिंबूकोरसठानै यहसमरस्तनीकैंपीसाय तप्तजलहिंदोइटंकजुषाय तापअजीरणहोइहैनाश पचैअन्नहोयक्षुधाप्रकाश ॥ अन्यच ॥ हरडआमलेचित्रालीजै सोंचलपीपलइकसमकीजै कूटपीसमैदासमछान चूरणदोयटांकपरिमान तप्तनीरसोंपीवेजोय रसज्वरनाशतुरतहीहोय ॥ अन्यच ॥ हलदीगठीभूनमंगावे नीकैपीसिवस्त्रछनावे अजामूत्रसंगटांकजुदोयपीवैरसज्वरनासेसोय ॥ अन्यच ॥ हरडजवायणसौंचलआंन पीसतप्तजलसोंकरपांन तापअजीरणरसहोइनाश ग्रंथमतायोंकीनप्रकाश ॥ अथमर्दनतैल ॥ अन्यच ॥ तैलतिलनअंगमर्दनकरै-

तापश्रजीरणकोंसोहरै ॥ अथअंजन ॥ चौपई ॥ हरडपीपलीमिरचांलेय सैंधायहसमपीसध रेय गोमूत्रसोंनेत्रनपाय तापश्रजीरणताकोजाय ॥ इतिअजीर्णज्वरचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथमलज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा॥ मलज्वरकेलक्षणजितेलिखेजुग्रंथनिदान अपनेमनमोसमुझकैतेतेकरोंवषान ॥ चौपई ॥ दाहशोषपरलापलहीजै अस्थिपीडशिरपीडलषीजै अरुभ्रमएतेलक्षणजान मलज्वरकेयहकीनबषान-

॥ अथमलज्वराचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडजवायणचित्राश्रान दोनोजीरेकरोमिलान निंबकचूरसुपीसामिलाय सभसमलीजैचूर्णबनाय प्रातटंकदोसेविनिहार मलज्वरकोतबमिटैविकार ॥ चौपई ॥ हरडजवा यणसौंचललेहि कूटपीसचूरणकरदेहि तप्तोदकसोंरोगीषावै मलज्वरताकोभाग्योजावै ॥ अथक्काथ ॥ ॥ चौपई ॥ अमलतासकीगिरीमंगावै त्रिवीहरडसौंचलसमपावै क्काथकरैपीवेपरभात मलज्वर-कोयहकरहैघात ॥ अन्यच ॥ मुथरांग्रंथिकअरुकन्याल हरडकौडयहसमलेघाल क्काथकरेपीवेपरभात मलज्वरकोजहकरहैघात ॥ अथलेपः ॥ चौपई ॥ यहरडपीपलीकौडमंगावै पुनकिरायतासंगमिलावै अवरमुसबरताहिमिलाय यहसमस्तनीकेंपीसाय तत्तनीरसोंउदरालिपावे भिटेविकारज्वरीसुखपावे मैलद्रवै ज्वरहोवैनाश दालमोठपथदीजैतास ॥ दोहा ॥ मलज्वरकीइहभांतसोकरीचिकित्सागान लक्षणभा षेंषिदज्वरजैसेंकहैनिदान ॥ इतिमलज्वराचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथषेदज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ निद्राजृंभास्वेदतनअंगपीडपहिचांन जहलक्षणज्वरषेदकेजानोपुरुषसुजांन

॥ अथषेदज्वराचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ मीठातैलतिलोंकाल्यावै पीसकायफलताहिमिलावै अंगज्वरीकेमर्दनधरै पुनस्नानतप्तो दककरै वाकेवलतिलतैलमलावै तप्तोदकसोंस्नानकरावै तुरतषेदज्वरहोइहैनाश ग्रंथमतीयोंकीनप्रकाश ॥ इतिषेदज्वरचिकित्सा ॥

॥ अथमलज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ षेदज्वरइहभातसोंकरीचिकित्सागान लक्षणभाषोंदृष्टज्वरजैसेंकहैनिदान जृंभावमनअ शक्तिताउदरपीडफटअंग यहलक्षणज्वरदृष्टिकेप्रगटकैरीतिंहभंग

॥ अथदृष्टिज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटासौंचलसैंधापाय अजवायणपुनहरडमिलाय लघुलाचीशतावरीलीजै पुन चित्राजुइकत्तरकीजै पुनलेडारोपुष्करमूल सभऔषधपीसोसमतूल तत्तनीरसोंटंकदोइषावे उदरशूलदृ ष्टिज्वरजावे ॥ अन्यच ॥ दोहा ॥ त्रिकुटाहिंगुचिरायतापीसोसमकरआन प्रातटंकतप्त नीरसोंषायदृष्टिज्वरहान ॥ इतिदृष्टिज्वरचिकित्सा ॥



॥ अथरक्तपित्तज्वरलक्षणम्

॥ चौपई ॥ रक्तसकफजोहृदयतेपरै दाहमोहछर्दभ्रमधरै मुखपाकेकरहैबकवाद रक्तपित्तज्वरल षोअनाद

॥ अथरक्तपित्तज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

। दोहा ॥ रक्तपित्तमिश्रतजुज्वरतासाचिकित्साजांन चूरणादिसभभाषहोंजैसैंग्रंथप्रमान ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ चंदनवालाधावैआन पन्हीपद्मकायफलठान अवरतज्जतजपत्रमिलाय सभऔषधपि सोसमभाय दोयटांकपरभातजुषावै रक्तपित्तज्वरतनतैंजावै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाद्राक्षमनकाल्यावे नैत्रमालवासापुनपावे पुनअनारदानासंगठान कूटपीसमैदासमछान अजादुग्धसोंटांकजुएक प्रात पियेमनधारविवेक रक्तपित्तज्वरहोवतहान ऐसेंजानोंग्रंथप्रमान ॥ अन्यच ॥ श्रीखंडादिचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ श्रीखंडसुंठमघमरचमंगावे तजलवंगद्राक्षाजुमिलावे जीराधनियांनेतरमाल रक्तचंदन अरुपत्रतमाल केसरहलदमुलठीआन पुनतिसमांहिछुहारेठान अरुमिलायतिंहपीपलमूल यहसभऔ षधलेसमतूल कूटपसिकरवस्त्रछनाय सभऔषधसममिसरीपाय टांकदोयशीतलजलसंग प्रातषायमनधा रउमंग रक्तपित्तज्वरतुरतहिंनाशे श्वासकासपरमेहविनाशे क्षईविष्मज्वरअर्शमिटावे अतीसारपुनदाह नसावे अवरभगंदररोगनिवारै धातुपुष्टकरबलतनधारे पथ्यहिंरहैंअपथ्यनषाय भाष्योचूर्णबहुसुखदाय ॥ अन्यच ॥ इकइकटंककुठलाचील्यावे चंदनचूराचारमिलावे जीरादोइमुलठीतीन षोडशटां कशरकराचीन्ह सभऔषधयहकूटपिसाय शीतलजलहिटांकदोषाय रक्तपित्तज्वरशूलमिटावै हस्त पादअंगदाहनसावे जिन्हाशोकअरुचकोंनाशै पथसोंरहैविनारुजभासै ॥ अथक्वाथ: ॥ चौपई ॥ चंदनमुत्थरनेतरमाल रक्तचंदनमधुमहूतमाल यहसभसमलेक्वाथजुकरै पीवैरक्तपित्तज्वरहरै ॥ अन्यच ॥ कौड किरायतपरपटआन वासाअवरधमाहांठान पायबहुफलीक्काथबनावे प्रातहिंमिसरीपायपिलावे रुधिरश्रवै मुखनासाजास रक्तपित्तज्वरसहितविनाश ॥ इतिरक्तपित्तज्वरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथआमपित्तज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ दोनोंचंदनकुठपछानो गजकेसरजुमनक्कामानो पत्रतमालआमलेपावे अ- मलीपुनतिहमांहिसमावे दालचीनीहीवेरमिलैये दाडिमब्रह्मदंडीछडकहिये औषधइकसमलेहुपिसाय सभसममिसरीपीसमिलाय मासेपांचप्रातउठषाय आमपित्तज्वरदूरनसाय योनिशूलकटिशूलमिटावै हृद- यशूलगुदशूलगवावै अंगपीडशिरपीडविडारै अवरविकारनेकविधटारै इतिआमपित्तज्वरचिकित्सासमाप्तम्

॥ अथसप्तधातुगतज्वरलक्षणम् ॥

॥ अथप्रथमरसस्थितज्वरलक्षणम् ॥ चौपई ॥ हृदयदु:खतनभारीजान वमनअरुचतादीनपछान ला- गेरेचनबहुताडिकार रसज्वरलक्षणकीनउचार

॥ अथरक्तस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफसंगरक्तहृदयतैंपरै दाहमोहछर्दभ्रमधरै गात्रपीडअतिकरबकवाद रक्तस्थितज्वरल- होअनाद

॥ अथमांसस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छालेमुखअरुअवरहुअंग तप्तवहुतमूर्छामनभंग तप्तहुवाडमुखसौंनिकसाय त्रिषामोहवि-क्षेपलषाय मूत्रवलवहुआवतरहै मांसस्थितज्वरलक्षणकहै

॥ अथमेदस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वारंवारपस्वेदजुआवै त्रिषासुमूर्छाहर्षनसावै छर्दअरुचदुर्गंधभनीजै करैप्रलापदुःखसौं-छीजै

॥ अथअस्थिगतज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हाडजुकडकैपीडाहोय रेचनअंगछडपडीजोय वमनकूजनआवैवहुश्वास अस्थिगतज्व रकरैप्रकाश

॥ मज्जास्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हिडकीमोहउरदाहजुकास शीतवमनमूर्छाबहुश्वास मर्मछेदयहलक्षणजान मज्जास्थि तज्वरजाहिपछान

॥ अथवीर्यस्थितज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वीर्यगिरैनहिधीरजगहै जाकोलिंगषडाहीरहै वीर्यस्थितसोज्वरहीजान वैद्यकम तसोकीनप्रमान दोहा रक्तमेदरसमांसगतज्वरसोसाध्यवषान अस्थीगतकष्टसाध्यहैभाषैवैद्यसुजान वीरजगतिजोज्वरकह्यीसोअसाध्यलषलेहू तासउपायवनैनही भाषसुनायोएहू

॥ अथसप्तधातुगतजज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रसगतलंघनवमनकरावै टकोररक्तगतमाहिसुखावै शमनलेपअरुरक्तछुडाय मांस-गतज्वररेचनभाय मेदगताहिमोमेदहरनहित अस्थिगतवातशमनऔषधमित वस्तिकर्मअभ्यंगम-र्दनहित शुक्रगतहिमृतउपायनकछुमित

॥ अथआमाशयगतज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ आमाशयमोयहीउपाय मुस्थरापिपलामूलमंगाय कौडहरडसमक्काथजुकरै आमाशयज्वरनिश्चैहरै

॥ अथकालज्वरलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ सीसतप्तपरस्वेदतनकरपदशीतलजास ताकोकछूउपायनहिं यमपुरकरहैवास

॥ अथविष्मज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई जिसकोनैमकालकानाहीं ज्वरकोवेगतनसदारहाहीं षांसीअल्पररहैपुनताको होतरहै दुर्बलतनवाकौं प्रथमहोयज्वरपुनातिसत्यागै कुशतामौंजुअपथ्यहिलागै वस्तुअहितसेवनतैंजोय विषमतापकीउत्पतहोय वातपित्तकफयहजोतीन इन्हतैंइककोआश्रयलीन ऐसोज्वरसोविष्मक हीजै इन्हलक्षणतैंयानपतीजै

॥ अथविष्मज्वरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ जीरणज्वरतैविष्मज्वरकामक्रोधभयथाय सोनिदानपाछैकह्योअवसुनलेहुउपाय अथक्काथ
॥ चौपई ॥ हरडपटोलकौडमुथआनै करैक्काथमधुताहिमिलानै जोरोगीप्रभातउठपीवै विष्म
तापजावैसुखथीवै अनुवासनवस्तीपरकार स्निग्धवस्तुअन्नपानविचार वातप्रधानविष्मज्वरजोय इनकारण
नवृत्तसोहोय पित्तप्रधानज्वरमोहितकार रेचनअथवादुग्धघृतहार अथवातिक्तशीतलवस्तूकर जीतलेयताही
कोवुधवर वमनफुनपाचनवस्तूपाय रूक्षेअन्नपानाहितभाय कसेलीगर्मवस्तुलंघनते कफप्रधानज्वरजीतइननते
अथआमलक्यादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ धात्रीफलमघपीपलपावै सैंधाचित्राहरडमिलावै सभसमपीसिचूरणकरै
टांकदोयमिरजादाधरै जलसोंप्रातहिंपीवैजोय जीर्णअवरविष्मज्वरषोय क्काथः ॥ चौपई ॥ मुत्थर-
धात्रीफलजुगिलोय कंडचारीपुनसुंठसमोय करैक्काथमघमधुयुतपीवै नाशविष्मज्वरताकोथीवै अन्य-
उपाय ॥ चौपई ॥ बिल्ववृक्षकोवंदाआनै पीसतक्रसोंअचैविहानै विष्मतापकीपीडाजाय वंग-
सेनयोंकह्योसुनाय अन्यच लसुनकल्कतिलतैलमिलावै नित्यजुषायविषमज्वरजावै वातरोगपुनना-
शकराय वैद्यकमतयोंदियोदिषाय ॥ अन्यच ॥ जीरागुडमिश्रतजोषावै मंदाग्निवातविष्मज्वरजावै
अथवृद्धपिप्पली ॥ चौपई ॥ केवलएकमघांमंगवावे पांचप्रमाणप्रथमदिनषावै प्रतिदिनपांचोपांच-
वधाय शतप्रमाणजवपीपलषाय इसीप्रकारघटावतआवै अजादुग्धसोंविष्मगवावै दूधभातदीजै
पथतास वातजरोगविष्मज्वरनाश अर्शगुल्मकासअरुश्वास उदररुधिररुजशोथविनाश अथअवि-
लेह ॥ चौपई ॥ आनत्रिवीकोंभलेंपिसावै मधुमिलायपरभातचटावै अथवाहरडमधुसंगमिलाय चाटेप्रभा
तजोनरहितचाय ॥ अथअंजनम् चौपई ॥ सैंधानूनपिपलीकेचावल मनशिलतिलपीसकरैसुनिश्चल
नयनोंअंजनताहिकोकीजै तांसोंविषमज्वरहिहरीजै होयविष्मज्वरताकोनाश मंडमिलायमद्यपथतास-
मोरजुकुकुंटतीतरमास इन्हकोरसपथकह्योप्रकाश ॥ अथधूप ॥ निंबपत्रअरुवचकुठचाय
हरडसर्षपघृतसंगमिलाय गुग्गुलधूपनित्यजोदेवै विष्मतापनाशैसुखलेवै ॥ अन्यच ॥ जोज्वरविषैकंप-
बहुहोय विडालपुरीषधूपदेसोय विष्मतापकीपीडानाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ सह-
देवीभद्राकोंआनै वरचनाकुलीइकसमठानै कूटपीसधूपदेजोय नाशविष्मज्वरतातेंहोय अन्यच-
मोरपंखकेचंदडेल्यावै देवैधूपविष्मज्वरजावै ॥ अन्यच ॥ वृद्धधूपः ॥ चौपई ॥ इक्षुगंधावचकुठमंगाय
निंबपत्रयवहरडमिलाय स्वेतसर्षपाघृतजुमिलावै धूपजुदेयविष्मज्वरजावे गुग्गलुरोहिषवर्चमंगावै
रालनिंबअर्कफुलपावैं अगरकाष्ठदेवदारुसोआन याकोधूपविषमज्वरहान अपराजितधूपया-
हिकोमांनो वंगसेनमतयाविधजांनो ॥ अथमाहेश्वरधूपः ॥ चौपई ॥ बटतरुकीजोजटापछान सर्पकांचु
मैनफलठान विष्ठाविडालघृतसंगमिलाय वांसत्वचागोशृंगरलाय शिवनिर्माल्भूतकेशीआन यवगो-
हाडाहिंगुवचमान] मरचैछागलरोमलहीजै मयूरचंद्रकासर्षपलीजै यहसभअजामूत्रपिसवाय रोगी-
आगैंधूपधुषाय यहमाहेश्वरधूपकहावै सर्वज्वरनकोनाशकरावै ग्रहपीडाडाकिनीपिशाच भूतप्रेतदुः-
खहरलहुसाच ॥ अथनसवार ॥ मघांआमलेहिंगमंगावै दारहलदवचसर्षपपावै थोंममेलअजामूत्रसम-
पाय नासादेयज्वरहिदुखजाय एकाहिकादिज्वरहिकोंटारै श्रेष्ठयोगयहवैद्यउचारै ॥ अथघृतप्रकारः-
॥ दोहा ॥ घृतप्रकारअवकहितहोंजोज्वरमोंअधिकार रोगीकीसहरूक्षताहरैसमस्तविकार ॥ चौ-
पई ॥ लंघनवमनअवरलघुभोजन अरुऔषधज्वरहरनलपोमन इन्होउपायनज्वरजुनजावै तिसअंतर-

रौक्षतालषावै ताहियकघृतविधीप्रकासै सकलरूक्षतासहज्वरनासै ॥ अथनिंवादिघृत ॥ चौपई ॥ निंबपत्रवरचकुठआन हरडैंलैंसमचूरणठान घृतमोंपायपकावैषाय विषमज्वरादिरौक्षताजाय ॥ अथबिल्वादिघृत ॥चौपई ॥ बिल्यकोलअग्निमंथपुनआनै अरुत्रिफलायहसभसमठानै इन्हकाक्राथ करैसुबनाय दधिमिलायघृतपायपचाय याघृतकोंरोगीनितपीवै विष्मज्वरादिजायसुखथीवै ॥ अथचंदनादिघृत ॥ चौपई ॥ चंदनाचित्रावासाआन सुंठीकोगडमुथरांमान कौडत्रायमानपुनजानो षसधात्रीसारवापछानो अवरमनकाद्राक्षरलाय यहसभअर्धअर्धपलपाय श्रेष्टवारदिनयहसभआनै दुग्धप्रमाणआढिकमोंठानै अर्धतुलाभरघृततहांपावै घीउपकायछाणनितषावै बलअनुसारविष्मज्वरजावै नैतिकद्वितीयत्रितीज्वरजावै चातुर्थिकपुनताहिप्रकाशै उन्मादश्वासअरुकासविनाशै अपस्मारमिर्गीहिइनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अथक्षीरकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ त्रिफलावायविडंगमंगावै दाडिममुत्थरमंजीठमिलावै कमलप्रियंगूलाचीजान कुठदंथरपुनचंदनठान हलदीवालात्रिवीमिलाय वरचसारवाद्दयदंतीपाय एलाबालुकवनेकेवीज सूरकरणीसभसमकरलीज तालीसपत्रसुरदारुजुकेसर कुसममालतीयहसभसमधर सभहीकूटघृतमोंपावै घृतसोंदुगणादुग्धरलावै अग्निजगायपकावैसोय घृतकोंछाणधरैनरजोय बलअनुमाननितापतिषावै कासश्वासविष्मज्वरजावै अरुउन्मादादिकरुजजेते होंहिनाशइसघृतसोंतेते ॥ अथषट्पलकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ सुंठीपीपलचित्राजानो चवक पिप्पलामूलपछानो यहपांचोपलपलपरिमाण कूटद्रोणभरजलमोंठान चतुर्थभागजलरहैशोषजब सैंधा लवणतंहपलडारैतब पुनतिसजलकोंघृतमोंपाय भलीप्रकाररूजीजोषाय पीनसश्वासकासज्वरजावै पांडुरोगअर्धांगमिटावै शोषअवरदुर्बलतानाशै मंदअग्निअरुलिफविनाशै ॥ अथमहाकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ क्षीरकल्याणघृतकीजोवस्तू सोऊऔषदलेयसमस्तू पुनजीवनीगणत्रिकुटापावै घृतसौंचौगुणदुग्धमिलावै वस्तुसमस्तरलायपकाय पीवैविष्मादिकज्वरजाय कृशताशोथजायअपस्मार अजीर्णादिसभजांहिविकार अवरनपुंसकताहरजावै वैद्यकमतयोंप्रगटजनावै ॥ अथअमृतषट्पलघृत ॥ चौपई ॥ सुंठचवकयवक्ष्यारमिलावै पीपलमूलमघचित्रापावै यहसभलेपलपलपरिमाण प्रस्थएकघृतकरोमिलान पकवावैघृतलेहुनिकार तामोप्रस्थरसआढ्रकडार पक्कभयोघृतजानेजबही पादधिमंडपकावैतबही इसघृतकोंषावैनरजोय एकाहकद्वाहकसभषोय त्रितीयकअवरचतुर्थकजाय विषमतापतनमोंनरहाय क्षुधाकरैतनरंगबनावै बलकरहैतनपुष्टकरावै श्वासकासइत्यादिकनाशैं बंगसेनयोंप्रगटप्रकाशैं ॥ अथतैलप्रकारनिरूपणम् ॥ दोहा ॥ घृतपरकारवषान्योंकहोंतैलपरकार जैसेंग्रंथमतीलहीतैसेंकरोंउचार ॥ अथलाक्ष्यादितैल ॥ चौपई ॥ लाक्ष्यारसआढकपरिमान तैलप्रस्थइककरोमिलान रसअरुतैलामिलायपकावै पुनदधिमंडप्रस्थइकपावै तामोऔषधकरोमिलान सुनलीजैसीकरोंबषान सौंफहलदमूर्वाकुठजानो रेणुकाकौडमुलठीमानो रहसनदेवदारुमुत्थरआन यहसभअक्षअक्षपरिमान चंदनअश्वगंधसोलीजै कूटसमस्तभांडमोंदीजै मंडतैलएकत्रमिलाय अग्निऊपरधारपकाय सिद्धतैलकरदेहमलावै वातजरोगविष्मज्वरजावै श्वासकासपीनसमिटजाय कंडूअरुदुंगंधनसाय त्रिकपृष्ठकीपीडानास शूलजुगात्रस्फुटनविनाश ग्रहसमस्तकीपीडानाशै गौरवतातनकीसुविनाशै यहतैलकह्योअश्विनीकुमार सिद्धतैलयहरोगनिवार ॥ अथषट्चरणतैल ॥ चौपई ॥ लाक्ष्याअवरमुलठील्यावै मंजीठमूर्वाचंदनपावै अरुसारवासमलेपीसाय तैलमांहिसोंपायपकाय तनमोंमर्दनकरैबनाय ज्वरस-

मस्तकीपीडाजाय ॥ अथअष्टचरणतैल ॥ चौपई ॥ लाक्ष्याहलदीकुठमंजीठ सज्जीसुंठीमुत्थरईठ मूर्वाचंदनयहसमभाय षट्गुणतैलसुपायपकाय विधिवतसोंतनमर्दनकरै दाहशीतज्वरपीडाहरै ॥ अथषट्तक्रतैल माषणसहितछाछकोलेवै ताहूकेसमतैलरलेवै तक्रसहितसोंतैलपकावै पुनताहूस. मछाछमिलावै इसीप्रकारतैलषट्वार पकवावैयोंलेयसुधार मर्दनतनपरविधिवतकरै दाहशीतज्वरत. तक्षणहरै ॥ अथअंगारकतैल ॥ चौपई ॥ द्राक्षामूर्वाहलदीदोय मंजीठकंड्यारीकटुकीसोय इंद्र. वारुणीरिहसनपाय सैंधवमांसीताहिमिलाय अरुसतावरीयहसमआनै इकआढिककांजीमोठानै प्रस्थ. प्रमाणतैलमोंपाय अग्नीऊपरधारपकाय मर्दनरोगीविधिवतकरै सर्वज्वरनकोंसोऊहरै ॥ अन्यच ॥ ला. क्ष्यादितैल ॥ चौपई ॥ प्रथमलाक्षरसलेहुनिकार ताहिसमानतैलतिंहडार तैलचतुर्गुणदधीमिलावै पुन. यहऊैषधपीसरलावै असगंधकुठरहसनयहजान हलदीमूर्वाकौडपछान चंदनरेणुमुलठीपावै सौंफद्यार. मुत्थरसुमिलावै तैलपकायसुमर्दनकरै सर्वजातकेज्वरकोंहरै अंपस्मारउन्मादमिटावत दुःखामिटैतन. सुखउपजावत यक्षराक्षसअरुभूतपिशाच इन्हकोदोषहरैलषसाच ॥ दोहा ॥ तैलप्रकारवषान्योबंग. सेनअनुसार वैद्यचतुरयहसमझमनपुनकरहैउपचार ॥

॥ अथसंततसततज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वररसअरुधातुमंझार रहैनिरंतरकीनउचार वेगनिरंतरराषैजोय संतिज्वरलक्षण. सोहोय ॥ चौपई ॥ जोज्वररक्तधातुमोंरहै दोइवारदिनमोंआगहै सोज्वरसततभलेंपहिचान भा. षसुन।योग्रंथनिदान ॥

॥ अथसततसंततज्वरचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ निंबजुद्वादशटंकमंगावै तीनभागत्रिकुटासुमिलावै त्रिफलालवणतीनजुमिलाय यव. क्ष्यारअवरसज्जीदोपाय अजवायणटंकपांचसुरलावै कूटपीसकरवस्त्रछनावै एकैटंकतप्तजलसंग प्रातहिपीवैकरैनभंग ज्वरनेतकद्दाहकामिटजाय त्रितीयकचातुर्थिकनरहाय ॥ अथनैतिकज्वरक्वाथ ॥ चौपई ॥ पटोलपत्रनवीनसुआनै कौडइंद्रयवसमलेठानै क्वाथसुकरकैजुपीवैतास नैतिकज्वरअरुसभ. ज्वरनाश त्रायंतीकौडजवासाआन कालीटेरनसमक्वाथबनान वातादिकसंततज्वरमाहि पीवैरोगीह. तैसभजाहि ॥ अन्यच ॥ पटोलइंद्रजवासाल्यावै हरडनिंवगलोयसमपावै क्वाथकरतपीवैपरभात सं. ततज्वरकोंकरहैघात ॥ अन्यच ॥ पाठामुत्थरकौडपटोल कालीटेरनक्वाथसमतोल ॥

॥ अथअन्येद्युज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसकेरसआश्रयजोहोय दिनमोंएकवारचढसोय अन्येद्युज्वरताकोभाषैं तापने. तकीपुनतिहआषै ॥

॥ अथद्वितीयकत्रितीयकज्वरकोक्वाथः ॥

॥ चौपई ॥ त्रिफलामुथ्द्राक्षजुपटोल त्रिकुटानिंबलेहूसमतोल क्वाथकरैपुनसितामिलावै पी- वैद्वितीयत्रितीयज्वरजावै ॥ चौपई ॥ द्राक्षपटोलनिंबफुनमुत्थर गिलोयइंद्रजवत्रिफलासंगधर स- बसमरात्रिजलहिमोपाय शीतलजलतिहप्रातपिवाय द्वितीयज्वरटरताइहकारण ग्रंथप्रमाणकह्योसुविचार

रण ॥ अन्यच ॥ निंबमुनक्कापटोलमंगावै अमलतासत्रिफलासंगपावै वासाक्राथकराहिहितकार-
एकाहिकज्वरकौंतिहटार ॥ अन्यच ॥ त्रिफलानिंबपटोलहिपत्तर मुनक्कामुत्थरकोगडअन्येद्युहर ॥
॥ अथमंत्रः ॥ अंगबंगकलिंगेषुसौराष्ट्रमगधेषुच वाराणस्यांचयद्वृत्तंतदेकान्हिकसंस्मर योसौसरस्व-
तीतीरेह्यपुत्रस्तापसोमृतः तस्मैतिलोदकंदद्यात्मुंचत्येकान्हिंकज्वरं एतन्मंत्रेणवाश्वत्थपत्रंहस्तःप्रतर्पयेत्
॥ अथांजनं ॥ चौपई ॥ ऊर्णनाभकोजालमंगावै ज्वलतदीपपरताहिधरावै ताकोकज्जलनय-
नोंडार ज्वरद्वितीयकीपीडाटार ॥

॥ अथत्रितीयकज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वरहोइमेदगतगावै दिवसतीसरैसोप्रगटावै कफअरुवातपित्तयहतीन इन्हत्रि
भेदकरलखैप्रवीन जोकफपित्तदोषतैंहोय कटिरोगीकीपकडेसोय कफअरुवातदोषतेंजान पृष्टगहैसो
ज्वरपहिचान वातपित्तदोषतैंजोई शिरपकडेपीडाकरसोई ॥

॥ अथत्रितियकज्वरकोक्काथ ॥

॥ चौपई ॥ चंदनमुत्थरउशीरगिलोय. धनियांसुंठक्काथकरसोय मधूशरकरापायपिलाय त्रिषा-
दाहत्रितीयकजाय ॥ अन्यच ॥ किरायतागिलोशुंठीअरुचंदन तृतीयकक्काथजानआनंदन ॥

॥ अथचातुर्थिकज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अस्थिअवरमज्जागतहोई दिवसचतुर्थवेगकरसोई सोऊचतुर्थिकपांचप्रकार भाष
सुनाऊंतासविचार जंघांतैंजोवेगकरावै सोकफतैंप्रगटैमनल्यावै सीसआदितनपूरवभाग तिसतैंवेगसो
वातविभाग देहमध्यतैंवेगकरावै पित्तदोषतैंसोप्रगटावै कटितैंतलैजोवेगप्रकाशै तीनदोषतैंसोज्वरभा
सै भूतदोषतैभीहोइआवै चातुर्थिकज्वरयोंकहिगावै ॥ दोहा ॥ छठैदिवसजोतापहै षडाइकहैं
तिसनाम सप्तमदिनसप्ताहिहोजानोनरअभिराम दशमेदिनजोतापहोइताकोंकहैदशाह द्वादशदिनजो-
ज्वरचढेसोकहिद्वादशआह ॥

॥ अथचातुर्थिकज्वरकाथः ॥

॥ चौपई ॥ कौंडकिरायतासुंठजुआनै चंदनमुथूगिलोयजुठानै धात्रीफलसंगआनमिलावै स
भसमलेकरक्काथबनावै प्रातसमयजोभक्षणकरै तापचतुर्थिकतातेंहरै ॥ अन्यच ॥ हरडसुंठसारवा
सुरदार वासाधात्रीफलपुनडार करैक्काथमधुमिसरीपाय प्रातपियेचातुर्थिकजाय ॥ अन्यच ॥
स्थिराआमलीहरडमंगावै देवदारअरुयवासापावै सुंठीयहसभसमकरजान क्काथकरैमधुसितामिलान-
प्रातहिंरोगीपानकराय मंदतीव्रचातुर्थिकजाय ॥ अथनसवार ॥ चौपई ॥ कोमलपत्रआंवकेआ
नै कूटपीसतिन्हकोरसछानै प्रातहिउठजोलेनसवार तापचतुर्थिकदूरनिकार ॥ अन्यच ॥ सरीह
पुष्पदोहलदमिलावै कूटपीसगोकाघृतपावै व्याधीकोंदेवैनसवार चातुर्थिकज्वरकीपीडाटार
॥ अन्यच ॥ अगस्त्यवृक्षरसपत्रनिकार चातुर्थिकपरलेनसवार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥
नटशृंगाररजआदितवार गोपयसोंपयिचतुर्थिकटार ॥ अन्यच ॥ इटसिटसितकीजढकोंआन प
यसोंपीयचतुर्थिकहान ॥ अन्यच ॥ तांबूलसदाजोभक्षणकरै तापचतुर्थिकताकोटरै ॥ अन्यच ॥
सहदेवीजढलेगलबांधै तापचतुर्थिककोंयोंसांधै ॥ अन्यच ॥ बिल्वकथचूरणबलहिप्रमान श्वेतम-

ऊश्वेतबछराजान ताहिदुग्धसंगजोयहपीय आतवारषटोदिनथीय चातुर्थिकज्वरयाहिनिवारै बंगसैन-मतताहिउचारै ॥ अन्यच ॥ गिलोयआमलेमुत्थरआन चातुर्थिकज्वरकाथप्रमान ॥ अन्यच ॥ अंबाडेखंडसहस्रमंगाय घृतसंगपेयसुजानबनाय त्रैदिनताहिजोइनरपीवे चातुर्थिकज्वरताहिनथीवे और विध ॥ चौपई ज्वरहिबेगकीचिंताकरैनर ताकेत्रासक्षोभचितज्वरवर ताहिउपायजानकरयोग अद्भुतचालभ्रमायचितरोग ॥

॥ अथविष्मज्वरभेददाहसीतज्वरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नित्यहिजाकोमंदज्वररहै रूक्ष्यताअरुसोजाहोयदहै सोरोगहिवहुक्लेशकरजाय बध्य-अंगदुखश्लेष्मप्रगटाय तिहश्लेष्मादिकवातज्वरवरै वातविलासनामतिहधरै ॥ यत्न ॥ कफघा-तज्वराचिकित्साजोय वातविलासमोजानलेसोय

॥ अथविष्मज्वरभेदप्रलेपकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ संधिइस्थितकफजोहोय दूषतआमाशयचलेसोय प्रलेकंपज्वरहिप्रगटाय अंगभारेदाहयु कसुकराय तनमोमंदज्वरहिविकार शीतलगैअंगछेदनहार जोयहराजरोगनरवरै तौंताहिकेप्राणकों हरे इहदूषतशरीरसुकजाय प्रलेपकविष्मज्वरनामकहाय ॥ यत्न ॥ श्लेष्मरोगमोकहेप्रमाण सोयामो औषधजानप्रधान

॥ अथअर्धनारीश्वरविष्मभेदलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोभोजनतरकियेप्रमाण उदरनपचैकरैअपचान कफपित्तभीदुष्टहोयजाय दूषण अतिकरज्वरप्रगटाय कफविकारकरअर्धशरीर सीतलसूनपडैबहुपीर अर्धशरिरसपित्तआवैर· अर्धनारीश्वरनामतिसधरै

॥ अथनरसिंघशरीरवतविष्मभेद ॥

॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषकोऊर्धगतहोय रक्तपित्तफुनवातमध्यजोय अंतविषेकफहोयप्रधान नाभिऊर्धतिसजलनप्रमाण नाभिअधोगतसीतलपरै तांतेनारसिंघनामकरधरै ॥ यत्न ॥ बासा-कोगडगिलोयमंगाय दारहलदरहसनएरंडामिलाय छेमासेऔषधपरमाण कुटकरकाथपीयसुखजान- ॥ अन्यच ॥ द्राक्ष्याकाथप्रथमइहकह्यो अर्धनारीमोउचितसोलह्यो

॥ अथरात्रिज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफअरुवातसमहोवैजाको पित्तघटतकायामहिताको तीक्ष्णअथवामंदज्वरहोय· रात्रिविषैज्वरप्रगटैसोय धूपअत्यंतदेहजलनसमान वातअधिकसेवनहोइजान इनविकारकररात्रि-मोआय ताहिचिकित्साकरोबनाय ॥ यत्न ॥ गिलोयमवांदोनोतमआन दोदोपैसेताहिप्रमान काथकरेप्रातहिउठपीय रात्रिज्वराहिकोहरसुखलीय पुनः लाजावंतीमूलमंगावे लालसूत्रबंधशिखा धरावै पुर्णिमावाअष्टमीतिथहोय शुभनक्षत्रविचारकरजोय पुनः वसमेजढवाभृंगराजजढल्याय-वाकायांकोंठीजढमंगवाय हस्तबांधशुभदिनशुभवार रात्रिज्वरहिकोलेतिहटार पुनः एककलश पूर्णजलभरै ऊपरताकेपूडेशुभधरै दीपकचौमुखलेयबलाय तिलजलतर्पणइसमंत्रकराय ॥ अथमंत्रः ॥

गंगाजमुनयोर्मध्येश्रपुत्ररतापसोमृता रात्रिज्वरविनाशायतस्मदद्यात्तिलोदकं श्रघंदेयसोकुंभउठाय. ग्रामसोंबाहरचुराइधराय इहकारणरात्रिज्वरहरै होरउपायनकोईफुनकरै

॥ श्रथभेदविष्मज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कायपित्तदूषित्तजबहोय कफदूषितासिरहाथपगजोय सीतलकरैबहुयोश्रस्थान पित्तकायां गर्मश्रंग्यतलजान

॥ श्रथश्रन्यभेदाविष्मज्वरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफशरीरमेंदुष्टहोयरहै पित्तदूषितसिरहाथपगदहै याप्रमाणहथपैरजलान कफशरीरसी-तलकरमान

॥ श्रथविष्मज्वरकाभेदसंसर्गजज्वरलक्षणंचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जैसेंदोप्रकारकाहोई श्रागेलक्षनसुनिएसोई वातकफहिजुगदुष्टहोयजवै इस्थिततनशीतलकरतवै प्रगटपित्तपाछैगरमाहि सीतगर्मताहिप्रगटाहि तीनोकुपितरूपतिहजान इहज्वरकष्टसाध्यपरमान ॥ औरप्रकार ॥ पित्तदुष्टकायापरजवै बहुनदाहप्रगटावततवै शांतहोयकफवातप्रगटावै सोकायासीतलकरवावै इहप्रकारतीनोकृतमान श्रत्यंतकष्टसाध्यज्वरजान ॥ यत्न ॥ चौपई ॥ सुंठवराहीकंदरखसतीन तेरा तेरामासेचीन सोंलापलपाणीतिहपाय फुनपाकहिमोसोउौटाय जवहिचारपलपाछैरहै रोगीसेवरोगकोदहै पाचनश्रेष्ठइहजानप्रबीन वैद्यउचितजानोहितचीन ॥ श्रन्यच ॥ जाहीपुरुषदाहज्वरवरै ताहीउचितचिकित्साकरै निंबपत्रमर्हांनपीसाय चारपलपाणीमोंजुघुटाय पुनकररससोलेहुनिकार छेमासेमखीरसंगडार दस मासेमिसरीमेलापिलाय दाहज्वरताहींसोंजाय ॥ श्रन्यच ॥ जाहिपुरुषदाहश्रतिहोय ताहिजलसमजोमतसोय रोगीपेटपसारकरसोवै ताहिनाभिपात्रजलहोवै कांसीश्रथवातांम्रकोपातर ताहिधारजलसीतलहितवर सोधाराश्रतितुर्त्तज्वरहरै दाहनिवारशांतीमनधरै ॥ श्रन्यच ॥दाहपुरुषकोइहहितजान जहांसरोवरवरकमलखिडान औरफुहारेलुटतेहोवन देषप्रसन्नदाहसबखोवन ॥ श्रन्यच ॥ इस्त्रीसोलावर्षविचार जोबनवंतसुंदरसिंगार दाहिपुरुषजातिहगललाय छातीश्राकर्षनदुखजाय परउत्तिष्टक्रियानाहिसेवै हितप्री तीसंगप्रीतकरेवै ॥ श्रन्यच ॥ घृतगोकासौंजलसोंधोवै ताहिघृतहिमर्दनश्रंगजोवै पुनजवसत्तूजलसोंकरै हिरदयलेपदाहकोंहरै ॥ श्रन्यच ॥ उन्नाबश्रामलेसंगजलमेल हृदयलेपकरदाहज्वरठेल ॥ श्रन्यच ॥ पलाशवीजश्रम्लीसंगघोटै नाभिऊर्धलेपदुखछूटै ॥ श्रन्यच ॥ बेरपत्तनिंवकेपत्तर पाणीमोमलखूबपाइवर जोऊघज्जऊपरकोश्रावै नाभिऊर्धमलैदुखजावै ॥ श्रन्यच ॥ श्रनारपतरउनावकेपत्तर बेरपतलोधरकैथपातवर विजोरेरससोंपीससिरलाय तृषादाहसबदूरकराय ॥ श्रन्यच ॥ पीलाचंदनश्ररुबेरकेपत्तर तगरमुलठीश्वेतचंदनवर पीसकांजीसोघृतहिमिलाय सिरमोलेपेदाहज्वरजाय ॥ श्रन्यच ॥ महुकडरि समखरिसंगलीजै सेंधानौनघृतसंगमिलीजैं सिरलेपेमुखतालूजनल औरदाहसवमेटैताछिन॥ श्रन्यच॥ गंढीलेपत्रकालीवेलचंदन तिलसमलेयकांजीसंगपीसन सिरलैपेदाहतृषामिटजाय भावप्रकाशमोकह्योउपाय ॥ श्रन्यच ॥ ठंडाजलमखीरसंगमेल कंठपर्यंतमुखतृषाहरेल दाहनिवारैसोखताहरै वमनकरैतौभीदुखटरै॥ श्रन्यच॥ कमलपत्रनीलोफरश्रान श्रस्थलकमलनालीजढठान पुहकरमूलकेवडाखसल्यावै मजीठपद्मकाष्टगेरीसमपावै सरियालाकालीवेलफुनलोधर बालावणचूडखरजूरसंगधर मुत्थरश्रामलसता-

वरीसमान पलपलऊौषधपलहिप्रमान ल्यावैचतुरसमझबुधवान पानीएकद्रोणगटकान चौथाभागरहे तवचाय कपडछानकरजुदाधराय दोइप्रस्थलाखरसचाय आगेऊौषधमेलवनाय पलवारहदूधसिरका-पलअठ चारोपलकांजीकरेइकट तिलकातैलप्रस्थइकदीजै आंचधरेपाणीपकलीजै पाणीजलैते-लयवरहै पुनतिहतेलछानकरगहै ताहितेलसोंमर्दनजान तृषादाहज्वरहोवेहान ॥ अन्यच ॥ अतिसी-तहिपीडितनरजोय गर्मस्नानजलकरहैसोय रूईवारेस्मवस्त्रअंगधार ऊर्नवस्त्रहमामहितकार इनकारण-दुखसतिनिवार वंगसैनमोकियोउचार ॥ अन्यच ॥हरडनाकुलीकौडअरुआमल गुग्गुलग्रंथिपर्णरो-चकभल कचूरपीपलामूलधमनीनर वचंकुष्टपीसोसमलेधर शीतआर्तजोमानुषहोय धूपधुखायसी-तलताखोय वाइहवस्तुपाणीसंगमेल गर्मकरनाभिऊर्धमलरेल वाइनऊौषदऊौरमिलाकर सेंधानोनपु-टकंडेखारवर सजीखारअठपलहिप्रमान इकठकरैजोचतुरसुजान पीसमहीनत्रैसेरकांजीवर चारसेरते लताहिसंगधर आंचप्रमाणतेलजबरहै मर्दनकरैतनशीतकोदहै ॥ अन्यच ॥ दहीमिलाईफुनगोमूतर द्रोनोमेलसमअग्नीपरधर सोमलकायस्नाननरकरै सीतलताकेदुखसबहरै ॥ अन्यच ॥ दियारसजंसुहांजने-पत्तर पाणीघोटकायलेपैनर शीतनिवारदेहीसुखहोय वंगसैनमतप्रगटतसोय ॥ इतिशीतपित्तज्वरचिकित्सा

॥ अथजरिणज्वरलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ इक्कीदिनपीछेज्वरजवहोय सूक्ष्मरहैतनभूषनसोय दुर्बलकायउदरफियमान जीर्णज्वर-केलक्षणजान

॥ अथजीरणज्वरयतन ॥

कंडियारीशुंठगिलोयमंगाय मघांसर्वसमक्काथवनाय जीर्णज्वरअरोचकफुनस्वास पीनसअग्निमांद्यअ-रुकास सायंकालपीवेनरजोय एतेरोगहरैहितहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गिलोयक्काथमघपायजोपीय जीर्णज्वरकफहतकरलीय ॥ अन्यच ॥ पंचमूलक्काथमघपाय पीवेजीर्णज्वरनरहाय ॥ अन्यलेह ॥ गि-लोइस्वरसमघमधूमिलाय पीवेकफजीर्णज्वरजाय स्वासकासअरुअरुचिनिवारै एतेरोगदेहतेंटारै ॥ अन्यच सुंठमघांजीर्णज्वरहरै अग्निमांद्यकोदूषनटरै ॥ अन्यच ॥ गिलोयक्काथशीतलकरवाय चतुर्थपादमधुसं-गमिलाय पीवेजीर्णज्वरहोयभंग वंगसैनइहकह्योनिसंग ॥ अन्यच ॥ जवासावालामुत्थरल्याय कटु-कीशुंठसमचूर्णकराय कोशाजलकरशाथजुपीय सर्वज्वरनकोंहरतालीय ॥ अन्यच ॥ मुनक्काकंडियारी-ककडसिंगी गिलोयशुंठमुत्थरलेचंगी रक्तचंदनकचूरजुवासा कौडपाठाकिरायतास्वासा पद्मकाष्ठ-खसवालाल्यावै कंडियारिपुष्करमूलसमपावै अष्टादशांगचूर्णतिहनाम जीर्णज्वरअरुचीहतकाम स्वा-सकासहरैफुनऔर शोजादूरकरैसवघोर सिरकीगौरवतासुहटावै शूलहरैइंद्रियनकेबधावै रुचीकरैताहिके-कारण नासाद्दारविरेचकरावन मधुअथवालघुतैलहितकार ताहीकरनसवारहितधार ॥ अन्यच ॥ मघां-मुलठीअरुजोधमणी चंदनलालफुनकालीटेरणी इनकाकाढादूधसंगपीवै जीर्णज्वरतत्क्षणहरलेवै ॥ अन्यच ॥ रक्तकरीरकेपुष्पमंगाय कुठआमलेधनियापाय महीनपीसगर्मजलसंग सिरलेपैजीर्णज्व-रभंग ॥ अन्यच ॥ स्वेतफूलअरणीजढल्यावै त्रैतवाररविचढननपावै शिखावांधजीर्णज्वरजाय ज्यों-दुर्जनपापहिहतकाय ॥ अन्यच ॥ कौडपापडाचिरायताल्यावै मुत्थरगिलोयसमक्काथवनावै नित्यपीवे-जीर्णज्वरटरै ग्रंथकारमतअैसेधरै ॥ अन्यच ॥ जिहजीर्णज्वरीनींदहतहोय पिपलीमूलचूर्णहितजोय-

गुडमिलायचाटेजोरोगी चिरकालनिद्राहोयसुभोगी ॥ अन्यच ॥ मध्यानसमैंभठामंगवाय माटीलेपकरै तिहचाय फुनभूंनैसायंकालउमंग मधुसोंखायनिद्राबहुअंग ॥ अन्यच ॥ पंचमूलइकभागधरीजै ग॰ ऊदूधआठभागफुनलीजै पाणीचारभागतिहपाय क्षीरपकायदूधरहजाय तौउतारकरछानसुलीजै पीवै॰ श्वासकासइतकीजै शिरपीडापीनसामिटजाय जीर्णज्वरोइहरोगछुडाय ॥ अन्यच ॥ अथक्षीरपाकाः मिसरीसुंठछुहाराल्यावै मुनक्काघृतपुतदूधपकावै साथमक्षीरपीवैहितभाय दाहजीर्णज्वरतुर्तमिटाय ॥ अन्यच ॥ भखडेवमनीअरुकंडियारी गुडसुंठघृतदूधसोंका ढी बंधमूत्रमलसोजनिवारै जीर्णज्वरीकोइहदुखटारै ॥ अन्यच ॥ बिलकत्थपुनर्नवाजुमंगाय इनसों॰ अठगुणदूधतिहपाय चारगुणापाणीतिहडार खीरपकायदूधरहेसार जोरोगीपीवैतिहचाय सर्वज्वरन॰ कोंयिहमिटाय ॥ अन्यच ॥ त्रिवीपिपलीकालीटेरण त्रिफलासर्वमिलायकरचूरण समानताहिमिसरी॰ सुमिलाय खावैरोगएतेमिटजाय आमाशयदोखअजीर्णज्वर अंगगौरवरेचनकराहितवर ॥ अन्यच ॥ बिलकत्थवाएरंडजडल्याय ताकोपायदूधपकवाय सोपीवैजीरणज्वरहरै ग्रंथकारऐसेविधधरै ॥ अन्य॰ च ॥ मुलट्ठीअमलतासकोल्याय मुनक्काकौडजवासापाय त्रिफलापटोलपत्रजलपीवै रेचनकरसन्नि॰ पातहरीवै जीर्णज्वरनरहैइहकारण ग्रंथकारइहकीनविचारण ॥ शिक्षा ॥ चौपई ॥ ज्वरीक्षीणत्रमन॰ अरुरेचन योग्यनाहिंतुंसमझविचक्षण मलहटानतिहहितवरजान दुग्धसेनिरूहवस्तीपरमान जवज्व॰ रसुकरोगीकोभाय अरुचीअंगपीडदरसाय ॥ विवर्णअंगमलिनकररहे शोधनताहिवैद्यवरकहै जोनकरैताकोफिइकारन पुनप्रवेशजुरकरैविचारण ज्वरसंतापजीर्णजवहोय रूक्षनरहिवायुकुतहिहोय ताकोपरमवैद्यघृतदाय संशमनवस्तूसोताहितभाय कल्याणघृतषट्पलिकाघृत इहघृतपीनजांकोजानोहित ॥ अन्यच ॥ जांगलीकुकंटयुवामंगाय पादउदरविष्टाविनचाय तिहमांसरसपलशतकाढै फुनइहऔ॰ षधतांमोगाढै जुगकंडियारीककडशृंगी उनावलेकुलथकचूराभिडंगी आमलेपुष्करमूलमंगाय वृहत्पं॰ चमूलवरपाय तुलाप्रमाणइहवस्तूलेय कचेदोमनजलातिहदेय काढतचौथाभागजवरहै छानतोनम॰ नदुग्धगोवहै सेरआठगोकाघृतपाय अग्नीपरधरफेरपकाय पीपलमूलत्वचलघुपंचमूल इहवस्तूएकसेर॰ समतूल कलकवनायपात्रमोपाय पाकसिद्धहोयहेठातिहचाय छानउदितपात्रधरसोय यथादोष॰ बलज्वरनरजोय मात्रापीयऔषधपचजाय सठीचावलपथ्यहितखाय इसप्रकारएतेदुखटरै जीर्णज्व॰ रगात्रशोषपरिहरै कासस्वासराजरोगनिवारै विष्मज्वरहरपुष्टवलधारै बलअधिकअग्निउजलाय ग्रं॰ थकारमतकह्योबनाय कुकंटघृतइहनामप्रमान प्रसिद्धसर्वजनकियोवषान ॥ अन्यच वासागिलोय॰ त्रिफलामंगवाय त्रायमाणअवरजवासापाय काथकरेदुगणादुधपाकर घृतसुपायपकायअांचधर मुनक्का॰ स्वेतचंदननीलोफर शुंठमघमुत्थरकल्कताहिकर घृताहिमात्रजवरहैस्वभाय तिहघृतजीर्णज्वरमि॰ टजाय ॥ अन्यच ॥ मघांचंदनमुत्थरमंगवावै कौडइंद्रजवखसतिहपावै आमलीआंबलेकालीबिल मुनक्कापतीसपूरकर्णीमिल अमलवेतसबिल्वफुनल्याय कंडियारीत्रायमानतिहपाय इनवरतूकरघृतसि॰ द्धकरै सोघृतजीर्णज्वरकोंहरै क्षयीकाससिरपीडहटाय पार्श्वशूलअरुचीमिटजाय अंगदाहविष्मज्व॰ रहरै एतेगुणजोघृतइहिफुनिकरै पिपल्यादिघृतजाहिप्रमाण दुग्धपाइकोंइकहताजान ॥ अन्यच ॥ बो॰ डपीपलद्राक्षअरुरुंबल पाशिविजयसारजंबूफल अर्जुननिंबसप्तछदल्याय शरीषखैरकौडखसपाय का॰ लीटेरणगिलोयअरुवासा अवरपापडावर्चलेखासा मालकंगुनीमुत्थरसमपाय इनकरासिद्धतैलपकवाय

सोतैलसर्वजीर्णज्वरहरै बहुगुणनामताहिकोधरै ॥ अन्यच ॥ जीरणज्वरपुनसवज्वरमाही पक्वाशयआश्रितदोषजुजाही ताकरस्नेहवस्तीहितजान निरूहवस्तिकरणफुनमान ॥

॥ अथअन्यमतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वसंतमालतीरसहिप्रमाण जीर्णज्वरादिकहरतपछाण मासावर्कसुवर्णमंगाय दो मासितूकामोतीपाय तीनमाशेशंगरफफुनलीजै चारमाशेकालेमरचधरीजै आठमासेखपरीयाल्याय प्रथमगोमूत्रसोंशुद्धकराय फुनसवदारूखरलसुकरै तिहप्रमाणगोमाखनधरै तामोखरलनिंबूरसपाय वज नप्रमाणतिहखरलकराय जवतकचीकनताआरहै तबतकखरलअत्यंतकरवहै रत्तिअथवादोइपरमाण पीपलसहितसंगताहिमिलान खाइरोगिजीर्णज्वरजाय धातुविकारगर्भनिरहाय संग्रहणीमूत्रकृच्छ्रअरु स्वास कासप्रदरइनरोगननास ॥ पुनः ॥ कडेआरीगिलोयसोंठसमआन काढादसदिनअजीरणहान ॥ पुनः ॥ कचूरचित्रपापडसुंठआन नागरमोथाकटुकीजान कटेलीचिरायताकोसमलीजै जव कुटकरदोटंकधरीजै तिहकाढादोवषतसुपीय दिनजारांजीर्णविषमहरीय इहवैद्यविनोदग्रंथमहिकह्यो उदितसुकाढानामयहलह्यो ॥

॥ अथसर्वज्वरेघृततैलादिकमाह ॥

॥ चौपई ॥ गिलोयमंगायकल्करससिद्ध त्रिफलावावासारससिद्ध मुनक्केकल्करससिद्धजुहोय धमनीकरसिद्धतैलघृतजोय सर्वज्वरनमोजानप्रमाण भावप्रकाशमोकियोवखान ॥ अन्यच ॥ मघांपिप्पलामूलमंगावै चवकशुंठचित्रातिहपावै सैंधानूनसवपलपलजान औरपायतिहमाहिप्रमान दुग्धसेरतीनतिहडारै प्रस्थएककघृतपायसवारै सिद्धहोयघृतएतेगुणकरै प्लीहविष्मज्वरताछिनहरै क्षीरषटकघृतयाकोनाम बहुगुणकारकदेहीकाम ॥ अन्यच ॥ धमणीकंडियारीभषडाल्यावै दंथरभागदोमुत्थरपावै त्रायमाणपापडानिंवमंगावै जवासासूरकरणिसमपावै आठोगुणजलपायपकाय क्वाथकरैतामोयहपाय पुष्करमूलकचूरअरुइमली मुनकामेदाआमलीसुभली कल्ककरैदुग्धहिफुनडार घृतसोंदोगुणकाथहिधार आंचधरैजवघृतहीरहै सोघृतज्वरहिंकाससभदहै राजरोगशिरशूलचुकावै पसलीपीडसवनष्टकरावै ॥ अन्यच ॥ वासानिंवगिलोयलेखासा पंचमूलत्रिफलासुजवासा मुलठीमुनक्काकसीराभिडंगी कर्षकर्षवस्तुलेचंगी गोघृतप्रस्थमोंपायपकावै सोघृतवलअनुसारजुषावै सर्वप्रकारज्वरकोहरलेवै इहघृतसर्वज्वरहिहितसेवै वृद्धवासादिघृतयाकोनाम सर्वचिकित्साजानाहितकाम ॥ अन्यच ॥ मजीठपतीसवचमंगवाई लेदेवदारुहरडतिहपाइ हलदीकोडपलपलयहलेय द्रोणजलहिमोकाढेतेय पादसेषरहैपुनिछान प्रस्थघृतहितिहपायपकान आर्द्रकहिंगुजवक्षारमिलावै पिपलीवासजीखारसुपावै सैंधा सौंचलविडअरुसांवर समुद्रलूनपांचोकरहितवर एकएककर्षसवलेय पीसमहीनघृतपावैतेय सोघृतक फज्वरहरताजान वध्मविहडकीअरुचीहतमान गलग्रहपांडुप्रमेहअरुस्वास अर्शपलीहअपस्मारफुनकास उदावर्तमंदाग्निनिवारै राजरोगकमिकुष्टविडारै इनरोगनकोअमृतकरजान मंजिष्टादिघृतक्रियोवखान ॥ अन्यच ॥ कुलत्थवेरफलत्रिफलाल्यावै दशमूलीदोदोपलपावै द्रोणजलहिमोकाढेपाय चतुर्थ भागघृतप्रस्थमिलाय चवकसुंठअरुपिपलामूल चित्रामघाअरुपुषकरमूल सौंफआमलेहिंगुकचूर

औरवस्तुलेसभसमचूर तुंबरुअर्कजढपतीसमंगाइ वचंकिरायताजवांसापाइ मुत्थरककडासिंगीलेवै महूकीलेजढपाठासेवै कौडसुहांजनवावचीजान मालकंगुणीजुगहलदीठान कंडेयारीपटोलनिंबसी ल्याय काहजवानमुचकंदसुपाय मदनोद्भवाइहसमहीपावे प्रमानताहिआगेकहलावे कर्षकर्षप्रमान- अरुक्षार अर्द्धपलहिजुआनतिहडार पांचोलूनपलपलपरिमाण प्रत्थघृताहिमोताहिपकान सोघृतदी- पनहृदरोगानिवारै पलीहसंग्रहणीगुल्मविडारै श्वासअर्शजीर्णज्वरहरै कुलथादिघृतनामयहधरै ॥ अन्यच ॥ धमनीमजीठमुलठमंगाय कमलफूलपद्मकाष्टफुनपाय चंदनसमुद्रझगहलदीडारी नीलोत्पलवालाकु- टकरसारी तैलपकायफुनऔषधपावे दहीमलाइदूधमिलावे चौगुणपायतेलरहजाय एतेरोगहरतगुण- दाय वातपित्तजीर्णज्वरहरै वलादीतैलमर्दनसुखकरै ॥ अन्यच ॥ जाकोज्वरहिपुरातनहोय कफपि त्तजुगघटताजोय अग्निदृढवररूक्षवद्धकोष्ट अनुवासनवस्तीहिततुष्ट चंदननीलोफरकसीरवर मुलठीलघुदंतीकीजढधर अश्वगंधकरषमात्रकुटछान कचेतोलआठसेरजलपान तैलपायपकायसवारै अनुवासनवस्तीहितधारै ज्वरफुनज्वरकृतवातनिवारै गुणीतैलइहकायसवारै ॥ अन्यच ॥ अमलतास खसराडमंगावै थंदरमुद्गपर्णीफुनपावै मुलठसूरकरणीमाषपर्णी इनवस्तूरुमक्काथसुकर्णी शेषरहैतौप्रयं- गुअरुराड मुत्थरमुलट्ठीसौंफातिहगाढ इनवस्तुकल्कलेयवनाय तिसकरघृताहिमखीरपकाय तिहवस्तो- आतिहीहितकार वंगसैनसोजाहिविचार जोईश्वरहजारमुखधार औरचराचरजगतस्थितिकार कर्ताह- र्तासर्वमनधरै ताहिस्तुतीसहस्रनामसोकरे इहज्वरसवहीकाहरधार श्रुतिस्मृतिमोनिश्चलसार-

॥ अथहरिद्रकज्वरलक्षणनिरूपनं ॥

॥ दोहरा ॥ हृदयमध्यकफवातपितज्वरउपजावैआय कंठसुकावैदाहतनपीतवर्णताछाय

॥ अथहरिद्रकरोगज्वराचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हरिद्रकतापाचिकित्साभाषों जैसेंग्रंथलिखत्यिोंआषों पक्तापरेचनदेतास हृद्रकज्व- रकोहोएविनाश ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ हरडेमोथाकिरायतालीजै वासामघांनिंबसुलहीजै द्राक्षगि- लोयपिप्पलामूल क्काथकैरसभलेसमतूल मधुमिलायपीवैपरभात पीतवर्णहृद्रकज्वरघात ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ वासापरपटमोथमंगाय निंबमूलकीछालसुपाय सौंफपद्माषगिलोयआनीजै धान्याककन्या- गिरीलषलीजै कौडरक्तचंदनपहिचान द्राक्षकिरायतासमकूटान प्रातहिक्काथकरैनितपीवै हृद्रकनाशै. अतिसुखथीवे ॥ अन्यच ॥ कौडकिरायताहलदीपावै निंबपटोलसारवाल्यावै इटसिटपावैअवरगि- लोय सभसमलेवैकूटैसोय पीवैक्काथनित्यनरनारि पीडातापहरिद्रकटारि ॥ अन्यच ॥ चंदनमु- त्थागिलोयमंगावै नेत्रमालपरपटछडपावै इटसिटसुंठीधानियांपाय कौडमूरवाषसजुमिलाय केतकिचं- वेलीकीजढआनै रक्तचंदनजहसभसमठानै ॥ दोहा ॥ करैजुक्काथवनायकैपीवैनित्यप्रभात हृद्रकज्वरकोना शहोइअरुनाशेसन्निपात ॥ अथगुटिका ॥ चौपई ॥ हरडपिप्पलीआनपतीस अरुकिरायतातामोपीस स- भयहऔषधएकसमान पीसछानकरगुटकाठान जलसोंविरसमानवनावै प्रातरुमयउठरोगीषावै तापहरिद्रिकहावैनाश रोगीतनमोसुखपरकाश ॥ अथसमस्तज्वरकोसुदर्शननामचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडआमलेतुंठीलीजै कौडमघांकंडयारीदीजै गिलोयमुलठीपुष्करमूर ककडशृंगीवरचकचूर शालिजुपरणीहलदमिलाय अगरधमांहांपरपटपाय कलौंजीलेमूर्वात्रायमान लोचनवालाकोगडठान

लेतजपत्रपतीससुरदार मोथपटोलजवायनडार चित्रापीपलामूलमिलावो समऔषधएकत्रकरावो सभतैंअर्धकिरायताठान कूटपीससभकरोमिलान चूरणपीजैजलसोंप्रात बलअनुसाररुमुझयहवात आठोज्वरततकालविनाशै दाहशीथतंद्राकोंनाशै कामलावातपांडुहतकरै त्रिषाशूलसन्नपातहिंहरै छर्दउवार्काश्वासजुकास नाशहोंहिलपलीजैतास गंडगलग्रहहृदभारीजान एतेरोगकरैयहहान ॥ दोहा ॥ चक्रसुदर्शनज्योंहरिकरैदैत्यभयदूर त्योंहिसुदर्शनचूर्णयहकरैज्वरादिकचूर ज्वरनिदान-भाष्योंसकलकीनचिकित्सागान सन्निपातलक्षणयथाभाषोंसुनोसुजान

॥ अथज्वरकेदशउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ तृषा खांसी स्वास अरुहिचकी वमन मांस अतीसार अरुचकी बद्धकोष्ट अंगभेद मूर्छाइ इहज्वरउपद्रवदशविधगाइ

॥ अथउपद्रवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोज्वरहोइअन्यरोगतिहसाथ सोज्वरदूरकरणहुसरात प्रथमहिताहिहनोअतिचातर पाछैज्वरहिचिकित्साअतिवर क्षुधातृषाज्वरइस्त्रीजान कासश्वासबेटेपरमान हिचकीवमनबेटीतिहदोय अतीसारज्वरभाईजोय अरुचिभेहनवद्धकोष्टभानजा अफारसुसरमूर्छावांदीसा जोवलवानताहिकोहनै तौरोगहिकोंनिवृत्तताभनै

॥ अथज्वरतृषायत्न ॥

॥ चौपै ॥ धनियांनागरमोथापित्तपापड वरइहमानकूटदोइदोटंकधर दिनसतकाढाकरजोपीय तृषादाहअतीसारहरलीय.

॥ अथज्वरखांसीयत्न ॥

॥ चौपई ॥ पीपलपीपलमूलसुंठवर भडंगीखैरसारबहेडाधर कटेलीअडूसाकुलंजनआन इहसमइकइकटंकपरमान काढासतदिनदेहुसुजान इसकाडेसोंज्वरखांसीहान

॥ अथज्वरस्वासयतन ॥

॥ चौपई ॥ मिरचपीपलीनागरमोथा ककडसिंगीभडंगीसमोथा पुष्करमूलसभीसमले टंकका-ढादिनसातकरे पीवैरोगीज्वरश्वासनरहै रोगजायरोगीसुखगहै

॥ अथज्वरहिचकीयत्तन ॥

॥ चौपई ॥ जलमैंपीससैंधानोनपाय नासदेयहिचकीमिटजाय पुनः मोरपंखकीराखजुकरै पीपलसहितामिलायसोवरै सातदिननमोंइहाविधकरै हिचकीवमनज्वरादिकहरै

॥ अथज्वरवमनयत्न ॥

॥ चोपई ॥ इकटंकगिलोकाढाकरदेय सहतामिलाज्वरवमनहरेय पुनः दोइरत्तीमाखिकीविष्टा सहत मिलाइवमनज्वरनष्टा पुनः चावलखीलपीपलीसहित चाटैछर्दीज्वरनारहित



॥ अथज्वरअतीसारयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सुंठपतीसलैनागरमोथा चिरायतागिलोकुडछालसमोथा जबकुटकाढाटंकदोइकरै सातदिनाज्वरअतीसारहरै पुनः पीपलपीपलामूलचव्यधर चित्रकसौंठवेलगिरिसमकर नागरमोथा चिरायताआन कोगडछालइंद्रजबमान लेसभकोसमजवकुटकरेय दोइटंककाढानितलेय अतीसारमुखशोथअरुस्वास कासवमनतृषासबनास

॥ अथज्वरमूर्छायत्न ॥

॥ चौपई ॥ करंगुलगिरीअरुदाषमंगावे पित्तपापडाहरडछिलकापावे समइहदोइटंकपरमान काढादेमूर्छाहरजान

॥ अथज्वरमेंबद्धकोष्टयाअफाराहोयउस्कायत्न ॥

॥ चौपई ॥ सबूनलेयवातीबनवाय ताहिगुदाभीतरयरवाय बद्धकोष्टफुनअफाराहोय ततक्षणनास होइहेसोय

॥ अथज्वरमैजोमुखसूकैअरुजिव्हाहिरैसैहोएतिस्कायत्न ॥

॥ चौपई ॥ मिश्रीऔरअनाररसल्यावे ताकेकुरलेहितबतलावे अथवादाषअनाररसपाय कुरलीकरइ खसोषमिटाय

॥ अअज्वरमेंनिद्राजातिरहैउस्केआउनेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ आलुबुखाराएकमंगाय रत्तीएकतिसवंगरलाय सहतमिलायचाटैहितलाय निद्राआवे भूखलगजाय ॥ अतीसारसंग्रहणीजोहोय सोभिदूरहोयसुनसोय पुनः एकटांकपिपलामूलपिसाय गुड मेंखाइनिद्राबहुआय पुनः एरंडऔरअलसीकोतेल कांसकीथालीमोघसमेल अंजनकरैनिद्रातिहआय भावप्रकाशमतकह्योबनाय

॥ अथज्वरउत्तरगयाहोयउसका लक्षण ॥

॥ चौपई ॥ सबशरीरहौलाहोइवहै मस्तकखुर्कओटपपडीरहै इंद्रीसकलविषयश्रुतसाधै काहाविकारसब जातविषाधै शरीरमाहिपरसीनाआवै क्षुधालगैअरुछींकदरसावै मलप्रवृत्तहोवैदृढमान तबज्वरजात जानवुद्धवान जबतकबलनहिंआवैकाय तबतकपथ्यसाधनाहितचाय मैथुनअरुव्यायामनहिकरै बोज उठानअतिभोजननहिवरै

॥ अथरसप्रकारनिरूपणम् ॥

दोहा रसप्रकारअवकहितहौंसुनलीजोचेतधार जैसेवैद्यकशास्त्रमोंकीनोंभलेउचार अथसर्वस्वरज्वरांकुशरस चौपई रसगंधकयवक्षारमंगावै सुहागासज्जीषारीमिलावै टंकटंकभरयहपीसाय वरचटंकछैपीसरलाय तीन टंकमीठापुनपावै करइकत्रपुनकूटपिसावैं आद्रकरससोंखरलकराय गुंजाभरगोलीबंधवाय गुटिकाएकज्व रीजोपावै नेतिकद्वितित्रितीज्वरजावै तापचतुर्थैककासजुस्वास क्षईछर्दपीनसकफनाश जायअरुचिजो पयसोंरहै औषधसेवैसभज्वरदहै अथपित्तजएकांत्रज्वरकोज्वरांकुश चौपई चूनाकलीइकभागमंगावै ताके

समहरतालमिलावै रसकुआरसोंषरलकरीजै टिकीसंपुटमांहिधरीजै लेपनकरगजपुटदेतास शीतलहोइ. तौलएनिकास तन्ननीरसोंरत्तीदोय प्रातसमयषावैजोसोय नैतिकत्रितीयचतुर्थिकजाय एतेज्वरतत कालमिटाय ज्वरनाशनयहजानसुजान वैद्यकशास्त्रनमोंपरिमान ॥ अन्यच ॥ पाराइकदोइगंधकलेय विषमरचांत्रैत्रैसंगदेय तांबात्रैअभरकपुनचार सुहागात्रैजुभूनकरडार यामदोइनिंबूरसपाय विधिसों-ऐतैंषरलकराय रत्तीदोइमात्राठहरावै छालवहेडेमधुसोंषावै नैतिकदूजातीजाजाय ज्वरचातुर्थिक. जायविलाय कफषांसीसोहोइहैहान सुखउपजावैग्रंथप्रमान ॥ अन्यच ॥ मनछलएकटंकभरलीजै चूनाकलीदोटंकभनीजै नीलाथोथाटंकदोइपाय जलसोंपीसगुटिकावनवाय सोगुटिकाहांडीमोंकरै मुखलेपैअग्नीपरधरै चारघडीलौंअग्निदिवावै शीतलकरजातैंनिकसावै औषधदोइरतीपरिमान चार. टंकसकैरअनुपान प्रातसमयनितषावैजोय दुग्धभातपथ्यलषसोय नैतिकद्वितीत्रितीज्वरजाय चातु. र्थिकज्वरजायनसाय अपनेमनमोंनिश्चयठान रुद्रकह्योयहवचनप्रमान अथनागज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ मीठामघांजुपीपलमूल इकइकटंकलेहुसमतूल पायसुहागाटंकजुचार मरचसुंठपंचपंचडार आद्र. करससोंतिन्हेंभिगाय तीनदिवसलगयतनकराय निर्गुंडीभिंगरारसपावै यामदोयलौंषरलकरावै गोली-चणकप्रमानकरीजैं पानपत्रसोंप्रातहिदीजैं पथ्ययुक्तव्याधीजोरहै ज्वरदुःखमिटैपरमसुखलहै अथभै· रवरसज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ पाठाजाफलजावतिआन लौंगटांकटांकयहठान पीपलसुंठअकरकरा, जोय इन्हैपायटंकदेदोय मरचांटंकचारलषपावै रसआद्रकसोंषरलकरावै गोलीचणकप्रमाणकरीजै व्याधीकोंनितप्रातहिंदीजै शीतवातकफज्वरनरहाय अवरसर्वज्वरतनतैंजाय अथहुतासनरस ॥ चौपई ॥ सिंगरफमीठामरचांआन रोहूपित्तातामोठान निंबूरससोंषरलकरावै गोलीमूंगप्रमाणबंधावै प्रातहिगुट. कान्यधीषाय ज्वरशीतांगसन्निपातमिटाय षांसीधांसीदूरपलावै रोगरहितहोइनरसुखपावै अथरस. चिंतामणज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ पारागंधकमरचसुपीपर स्वेतश्यामजीरेपुनसौंचर लोनसमुद्रअवरविड-सांभर यवक्षारसुहागालेसज्जीधर सिंगरफसुंठविषअकरकराय अभरकहाफूइकसमभाय कूटपीस-आद्रकरसपावै यामचारलगषरलकरावै गुटकापांचटंकभरठानै व्याधीषावैनित्यविहानै सन्निपात-ज्वरशूलमिटावै विष्मज्वरादिसभीज्वरधावै आममवेसीकफहोइनाश दुःखजायतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ रसगंधकइकटांकटांकभर त्रिकुटाकिरातधतूरबीजधर टाकदोयदोतामोपाय आद्रकर-ससोंषरलकराय प्रातअवरसंध्यालषपाय वातपित्तकफशीतमिटाय उदरव्याधसभहींज्वरजावै वैद्यकशास्त्र-प्रगटयोंगावै अथवज्रभज्वरांकुशरस चौपईपारागंधकविषयवक्षार सज्जीअवरसुहागाडार इकइकटंकवस्तु यहलेय मरचांटांकअष्टभरदेय आद्रकरससोंषरलकराय गोलीमुंगप्रमाणबंधाय तुलसीदलसोंप्रातहि· षावै नैतिकआदिसभीज्वरजावै मूंगभातपथ्यसोंषाय दुःखमिटैतनसुखप्रगटाय ॥ अथशीतभंजीसि-द्धज्वरांकुश ॥ चौपई ॥ शंखभस्मलेटंकअठारा अर्धभागहरतालउचारा नीलाथोथागंधकआन त्रै-त्रैटंकसुजानप्रमान इकइकदिनषरलपायरसकुआर सूकैटिक्कीकरैसुधार हस्तप्रमानगर्ततनाय शी-तलकरवाहरनिकसाय गुंजाप्रमाणषंडसोंषावै दूधगावभत्तपथ्यधरावै नैतिकद्वितीत्रितीयज्वरजाय अ· रुज्वरशीतचतुर्थमिटाय सूक्ष्मज्वरकोनाशकरावै भारद्वाजयोंप्रगटसुनावै ॥ अथकनकसुंदरीरस ॥ चौ-पई ॥ मरचपीपलींसुंठमंगावै दोयजवायणलौंगमिलावै दोइदोटंकसभीयहआन टंकएकभरमीठा ठान नीरधत्तूरेषरलकरावै पहरएकलगयोंलपपावै सूकेचूरणकरधरजोय रत्तीएकषवावैसोय ज्वरशीतांग

करैयहनाश कफज्वरकोभीइोएविनाश कनकसुंदरीरसुइहनाम शिवजूकह्योपरमसुखधाम ॥ अथलघुज्वरांकुशरस ॥ चौपई ॥ रसगंधकचित्राअरुनाग त्रिकुटातजपीसोसमभाग रसभंगरेसोंचणकप्रमान गोलीजलमिसरीसोंपान शीतांगआदितेरहिसनिपात श्वासकासशूलकरघात कफभ्रमवातचौरासीहरै सिद्धज्वरांकुशलघुसुखकरै ॥ अथमहाज्वरांकुशरस ॥ चौपई ॥ रसगंधकविषटंकदोइदो त्रिकुटातीनटंकधरसंगसो कनकबीजदोइटंकामिलावै सभइकठेकरपीसरलावै अडिल्यछंद रसआद्रककेसाथपरलसोकीजिये रसआद्रकसोंदोयगुंजाभरदीजिये वातपित्तकफतापअंगतेंजावही विष्मद्वितीयतृतीयचतुर्थिकनारही सूक्ष्मज्वरअरुशीतउदरकीव्याधहर महाज्वरांकुशनामहरैदुःखपथ्यधर ॥ अन्यच ॥ कनकसुंदरीरस ॥ चौपई ॥ सिंगरफगंधकपिप्पलीआन मरचसुहागातामोठान मीठाकनकबीजपुनल्यावै समसमऔषधपीसछनावै विजयारससेंगुटीबंधान मात्राचणकप्रमाणपछान गोलीतंदुलजलसोंपान अतीसारसंग्रहणीहान ॥ दोहा ॥ रसप्रकारभाष्योभलैंशास्त्रनकेअनुसार ॥ करैचिकित्सासमुझकैसोवैद्यचतुरसंसार ॥ इतिरसक्रियाज्वरांकुशप्रकारसमाप्तम् ॥

॥ अथसर्वज्वरेदैवपायनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ दैवउपायवषानहौंसकलज्वरनपरिमाण औषधतैंरहजायजोइहउपायज्वरहान ॥ चौपई ॥ श्रीविष्णुसहस्रनामकोपाठ करैकरावैदृढकरहाठ अपामार्जनकोमार्जनकरै मृत्युंजयआदिजापअनुसरै स्वर्णरौप्यअन्नादिकदान गोमहिषादिदानदुःखहान अरुजिसग्रहकीपीडाहोय ताजपपूजाकरहैसोय अरुताग्रहहितदानकरावै इन्हैउपायनरोगामिटावै सकलरोगकीऔषधदान वेदस्मृतपुराणपरमाण हरिकोभजनश्रवणमनआनै विप्रसंतकीपूजाठानै पार्वतीसअनुचरोंकेसंग अरुमंत्रनयुतसहितउमंग शिवपूजनपार्थिवकरवावै रोगज्वरादिकक्षयहोइजावै ॥ दोहा ॥ दैवउपायवषानयोंबंगसेनअनुसार रोगसमस्तानिवर्तकरयहनिश्चयमनधार ॥ इतिदैवउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथनक्षत्रविचारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ कहैंनक्षत्रविचारकोंज्वरप्रविसेंजिन्हमांहि तिन्हकेफलआगेसुनोकष्टावालिकहिंगाहि ॥ चौपई ॥ प्रविशेज्वरजुधनिष्टामांहि दशदिनतकज्वररहियेंगांहि षटदिनवाद्वादशदिनजानो ज्वरतैंमुक्तहोइयोंमानो जोशतभिषमोंज्वरपरवेश षट्द्वादशदिनरहैकलेश भाद्रपदाभीइसीप्रकार षटद्वादशदिनकीनउचार परइसमोंइकविवरोअहै पूर्वाकोफलमरणोंकहै जोउत्तरामोंज्वरहोएप्रवेश सार्धचतुर्दशदिनजुकलेश जोरेवतिमोंज्वरसंचार चारदिवसवाअष्टविकार जोअश्विनीमोंज्वरसंचरै षटादिनलोंनरदुःखकोंधरै जोभरणीमोंज्वरप्रगटावै पांचदिनालोंमृत्युकरावै जोकृतिकामोंज्वरप्रगटाय सप्तदिवसलगसोदुःखदाय सप्तमदिनलगदूरनहोय दिनइकीसरहैज्वरसोय जोइकीसादिननमंझार होइनदूरजोतापविकार दिनपंतालीसोंउपरंत निश्चेमरैसोरोगीजंत जोरोहिणिमोंज्वरपरवेश यारांवादिनअष्टकलेश जोमृगशिरमोंज्वरसंचार षटवादसदिनरहैविकार आर्द्रामोंजोज्वरसंचरै उपरंतपंचदिनमृत्युसुकरै इसउपरंतजुजीवतरहै संतामरणात्रिपक्षमोंगहै पुनर्वसुमोंजोज्वरप्रगटावै दिवसत्रयोदशज्वरमिटजावै इसउपरंततापजोरहै दिवससताईमोंसुखगहै पुष्यनक्षत्रहिंज्वरप्रगटावै तीनरात्रिवासतरहावै श्लेषामोंजोज्वरआभासै दीर्घकालकरनरहिंविनाशै मघांवीचजोज्वरसंचरै द्वादशदिनमृत्युसोकरै जोद्वादश-

दिनलगनरजीवै तौनमरैंश्रेंसेलषलीवै जोपूर्वांफालगुनिमंझार जिहनरकोंज्वरकरसंचार दुःखरहैदं-शरात्रिपर्यंत सुखउपजैतातैउपरंत जोउत्तराफालगुनिज्वरआवै आठवानवइकाविंशरहावै हस्तनक्ष-त्रमांहिज्वरजानै उपरंतसतदिनसुखकोंमानै चित्रामोंदिनअष्टप्रमान जोनजायपुनचित्राजान स्वाती-मोंजोज्वरप्रगटावै दशादिनरात्रिपर्यंतरहावै जोउपरंतरहैयोंमान तीनपक्षमोंहोइज्वरहान विशाखा-मोंजाकोंज्वरआवै दिनइकीसमोंमृत्युकरावै अनुराधामोंज्वरसंचरै अष्टमदिनलौंज्वरनरवरै जोदिन-आठउपरदुःखधरै ताकोवैद्यउपायनकरै सोरोगीअवश्यकरमरै यहनिश्चयनिजमनमोंधरै ज्येष्ठामोंदि-नपांचप्रमाण रोगीमरैनहोइकल्यान याहीतेउपरंतजुरहै दिनद्वादशमोंआनंदलहैं मूलामोंजोज्वरप्र-गटावै दिनदशरहैंसुयोंलषपावै दशदिनवीचनहोवेहान दिनइकीसउपरंतसुखमान पूर्वाषाढा-मोंज्वरजास नवदिनलौंमिरयादातास उत्तराषाढामोंज्वरजाहि एकमासदिननवदुःखताहि श्रवणवि-षैंदिनआठप्रमाण ताउपरंतहोइकल्याण ॥ दोहा ॥ प्रथमनक्षत्रविचारलैवैद्यजुवुद्धिउदार पाछैराजा-दिकनकोंसमुझकरैउपचार ॥ इतिज्वरप्रवेशनक्षत्रदिनसंख्यासमाप्तम् ॥

॥ अथसमस्तनक्षत्रेज्वरप्रवेशउपायनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरप्रवेशाजिंहाजिहनक्षत्रमों तिन्हतिन्हकोउपचार भाषसुनावोंसमुझकैबंगसेनअनु-सार ॥ चौपई ॥ धनिष्टामोंउत्पन्नज्वरजोय समंत्रउदुंबरहोमिसोय शतभिषमोंउत्पतज्वरजानै समं-त्रहवनजलपुष्पजुठानै पूर्वाभाद्रपदाजुमंझार समंत्रहवनशालीभतधार उत्तराभाद्रपदाज्वरमानै हवनस-मंत्रसघृतभतठानै रेवतिमोंज्वरजबलषपरै सखंडफलनकोहवनसुकरै अश्विनीवीचतापतनजाहि समिधांस्वीरवृष्याहिततााहि भरणीमध्यजुज्वरसंचरै काचेचावलहवनसुकरै कृतिकामोजोज्वरहोइजास केवलदधीहोमैहिततास रोहिणीमध्यजुज्वरप्रवेश सर्वबीजहोमैउद्देश मृगाशिरमोंजोज्वरलषपावै पा-यसहोमसमंत्रकरावै आर्द्रामोतिलतंडुलजान होमकरैयुतमंत्रप्रमान पुनर्वसुमोंजोज्वरप्रकाश तंडुल-हवनकरैहिततास पुष्यविषैघृतक्षीरमिलाय हवनसमंत्रकरैचितलाय श्लेषामोंजोज्वरप्रगटावै सर्वौष-धकोहवनकरावै ॥ सर्वौषधनाम ॥ कुठमांसीहलदींदोइजान मघांवरचमुत्थरंलुहारमान ॥ अन्यप्रका-रसर्वौषधि ॥ छडगुडीनखवचाकुठमान बालारजनीदोनोजान कर्चूरचंबुकमुथ्छलीरापावै सर्वौषधमु निजनहिवतावै मघाविषैंशालितंडुलजानै अक्षतपूर्वाफालगुनिमानै उत्तराफालगुणीमंझार घृततंडुल-होमैहितधार हस्तमांहिदधिहवनकरावै चित्रामोपयमधुहोमावै स्वातीमोंजोज्वरलषलीजै घृतगुडतं-डुलहवनकरीजै विशाखामोयवकोटाजान अनुराधामोंमसुरप्रमान ज्येष्टामोजोज्वरलषपैये पीतपु-ष्पवारवर्णहोमैये मूलामोंप्रविसेज्वरआय मूलीहवनसमंत्रकराय पूर्वाषाढामोंज्वरजानै वासमतीको-हवनसुठानै उत्तराषाढामोंज्वरहोय रूपाहवनकरावैसोय तासअभावपुष्पसितजानै यथासमरथहव-नकोंठानै श्रवणविषैंजाकोंज्वरहोय सर्वरत्नहोमैनरसोय तदअभावमोंतंडुलजान कष्टावालेयोंकीन-वषान ॥ अथमृत्युयोगः ॥ चौपई ॥ श्लेषाआर्द्रापूर्वातीन विशाखाकृतकाज्येष्टाचीन धनिष्टाशतभि-षाभरणीजान मंगलशनिरविवारपछान चतुर्थीषष्ठीद्वादशीजोय नवमीयोगयहदिनतपहोय मृत्युयो-गताकोंपहिचानो रोगीमरेनसंशामानो ॥ दोहा ॥ नक्षत्रविचारकह्योभलैबंगसेनअनुसार करैचिकि-त्सासमुझयहतासाचीकित्सासार ॥

॥ अथज्वररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरकेपथ्यापथ्यसभभाष्योंभलीप्रकार समुझाचिकित्साजोकरैतहांनहोयविकार

॥ अथनवीनज्वरेपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनअवरलंघनपहिचानो मांडपानप्रस्वेदहिमानो कटुअरुतीक्षणइसकोंखावै ज्वरनवीन केपथ्यलषावै ॥ अथनवीनज्वरेअपथ्यमाह ॥ चौपई ॥ स्नानविरेचनऔषधकाथ सरद वस्तुस्वादिकलहुगाथ व्यायामअरुतनवुटणाजानो दिनमांनिद्राश्रमणपछानो क्रोधअवरतनपवनल गावन मद्यपानगुरुवस्तूषावन मांसदुग्धघृततक्रमठाय बहुभोजनसुअपथ्यलषाय ॥ दोहा ॥ ज्वरन वीनकेपथअपथभाषैभलैंबनाय मध्यज्वरीकेकहितहोंसुनहोमनाचितलाय

॥ अथमध्यज्वरेपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ बासमतीअरुसठीदोऊ यहतंडुलजुपुरातनहोऊ अरुवृंताकसुहांजणजाण करेलेपटो लककोडेमान मुंगीमोठमसुरअरुचणै अवरकुलत्थनकोरसगणै इन्हसभकोरसद्राक्षअनार द्रावक शाकहरीडविचार यहसभमध्यज्वरीकेपथ्य इन्हतैंवाहिरसकलकुपथ्य ॥ दोहा ॥ मध्यज्वरी केपथअपथभाषेभलीप्रकार पथ्यपुरातनतापकेकहोंसुनोंचितधार

॥ अथपुरातनज्वरेपथ्यम् ॥

॥ चौपई ॥ रेचछर्दअंजननसवार रुधिरनिकासनहरडविचार तैलाभ्यंगतनवुटणाधरै नाडेकोज लपानसुकरै एरंडतैलमलावैदेह सितचंदनपापडालषेह लवावटेरातीतरमोर कुक्कुटहरणपुनलहो चकोर इन्हसभनकेकहैजुमास पुरातनज्वरकेपथलषतास चंद्रचांदनीजानसुजान इस्त्रीकंठलगनप थमान गौबकरीकोपयघृतमानै जरिणज्वरकेपथ्यपछानै इन्हतेंअवरवस्तुजोहोय जीर्णज्वरेअपथक हेसोय ॥ दोहा ॥ जरिणज्वरकेपथ्यसभअरुअपथ्यनिरधार सन्निपातज्वरकेकहोंपथ्यापथ्यविचार

॥ अथसान्निपातज्वरेपथ्यम्

॥ चौपई ॥ आमवातकफहरजोलहिये सन्निपातमोंपथ्यसुकहिये गंडूषअवरअंजननसवार हृदि शोधनपुनकीनउचार स्वेतकुलत्थमहीनापिसावै सोबहुताकेअंगमलावै हस्तपादकंठउरमांहि मस्तक अवरकपोलमलांहि सन्निपातामेंलंघनपथ्य शीतलजलअरुअन्नअपथ्य ॥ दोहा ॥ सन्निपात केपथअपथभाषेग्रंथनिहार अवरहुंवहुतेज्वरनकेअवसुनकरोंउचार ॥

॥ अथवहुज्वरेपथ्यापथ्यम् ॥

॥ चौपई ॥ षेदहुतेंजोतनज्वरहोय तैलमलनवुटणापथसोय व्रणाजक्षतजज्वरजातनलहिये व्र णव्यतकोउपायपथकहिये कुट्यादिकवस्तुगंधकरजोय ज्वरनरतनमोंउपजतहोय पित्तशांतिपथ्यातिसजा नो अवरप्रकारनमनमोंआनो अरुअभिचारशापतैंजोय नरकेतनज्वरउतपतहोय दानहवनजपतपप थमानो अवरभावनाहितउरठाना जोग्रहपीडाउतपातनतैं प्रगटहोइज्वरजाकेतनमैं ताग्रहपूजनपाठ करावै जपकरवावैदानदिवावै यहीपथ्यताकोपहिचान करैजुनाहिअपथ्यसोऊमान जोबहुक्रोधहुतेंज्व

रहोय पित्तहरनवस्तूपथसोय अवरहुंहितआचरणसुपथ्य भाषियहपथ्यनकरैकुपथ्य कामशोकभयतैंज्वरहोय वातहरनवस्तूपथसोय अवरदिलासाहर्षबढावै कामादिकज्वरकेपथगावै ज्वरभूतादिडाकिनीजोय जोजाकेतनउत्पतहोय ताकोबंधनताडिनपथ्य लिखोशास्त्रमेंयहविधितथ्य मनकेक्षोभहुतैंज्वरजोय उपदेशजुसंतशास्त्रपथसोय सर्वज्वरनकोपथ्यबताए जैसेंशास्त्रनतैंलषपाए विष्णुसहस्रनामकोपाठ करैसुनैकरवावैहाढ देवपितृगुरुब्राह्मणजजै मंगलाचरणनारायणभजै यहसभज्वरकोपथ्यपछान अवरपथ्यनाइन्हेसमान सभरोगनकोंपथहरिनाम अवरदानधारोउरधाम ॥

॥ अथज्वरवेगसमयकेअपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वेगज्वरनकेमध्यमेंकहोंअपथ्यविचार सोकवहूंनहिचाहिएसुनहोवुद्धिउदार

॥ चौपई ॥ रक्तपुष्पकीमालाजान रक्तवस्त्रपुनलषोसुजान अतिभोजनअरुदांतनलहिये अमलजुपत्रशाकपुनकहिये वमनअवरशीतलजलपान हिंदवाणाकेलापहिचान अरुतांबूलभक्षणसुनलेहु ज्वरकेवेगअपत्थसुएहु ॥

॥ अथज्वरमुक्तअपथ्यनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ ज्वरकेमुक्तहूयेंहूयेंजेऊअपथ्यजुमान तिन्हसभहीकोंकहितहोंसमजोपुरुषसुजान

॥ चौपई ॥ इस्त्रीसंगभ्रमणइसनान अतिभोजनव्यायामपछान जबलगबलआवैनहिदेह तबलगतजैअपथ्यजुएह ॥ दोहा ॥ पथ्यअपथ्यसभज्वरनकेभाषेभलीप्रकार पथ्यगहैत्यागैअपथसोसुखिया संसार ॥ इतिसमस्तज्वररोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ निदानचिकित्साज्वरनकीअरुसमस्तसन्निपात विचारनक्षत्रपथअपथसभीभलैंकीनविख्यात ॥

॥ अथकर्मविपाकउपायज्वरको ॥

॥ चौपई ॥ जोनरपूर्वजन्ममहोइक्रूर नीचकर्मदुराचारमतिपूर तिंहसंतितज्वरकरैप्रहार तासउपायकरोउपचार ॥

॥ अथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ जातवेदकामंत्रपरधान अष्टोत्तरजपकरैसुजान फूलहजारकलशजलधरै सोजलशंभुजलैरीधरै इसीमंत्रब्रह्मभोजकराय यथाशक्तपुनदानदिवाय कलसमध्यमांसीअरुऔषध पाइताहिजलकरैस्नानविध

॥ अथज्योतिषज्वरको ॥

॥ दोहा ॥ देवगुरूकीदशामेबुधजोकरैप्रवेश अथवानिसिपतदशामेकेतूकरैनिवेश सूर्यपडैजानीचघरअथवाचंदपडजाय तौप्राणीकोरोगज्वरसदारहैलपटाय सूरजनीचउपायइहआकृष्णमंत्रकरजाप मुंगाअथवामणीकोअंगधारहरपाप मनशिलालाचीमुलठकेसरखससदियार कमलबीजफुन्नपुष्पवरकरस्नानज्वरटार दधिसुतनीचउपाययहपलासकाष्टकरहोम मोतीरजतधरअंगमोमंत्रजापकरसोम चंदनीचमेस्नानपहपंचगव्यअरुसीप कुमुदछालअरुफडिकसोंमज्जनकरैसमीप गऊदानसूरजप्रतीचंदचांदीशेखमान सोप्राणीज्वरमुक्तहैसंतापसुदूरपछान ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथसन्निपाततथासंततज्वरेकर्मविपाक ॥

चौपई ॥ जोनरदाहसीतज्वरवैरे अर्थवासंन्नपातज्वरचैरे ऐसेज्वरकरपीडतहोय तासउपायकहेहितसोय

॥ अथउपाय ॥

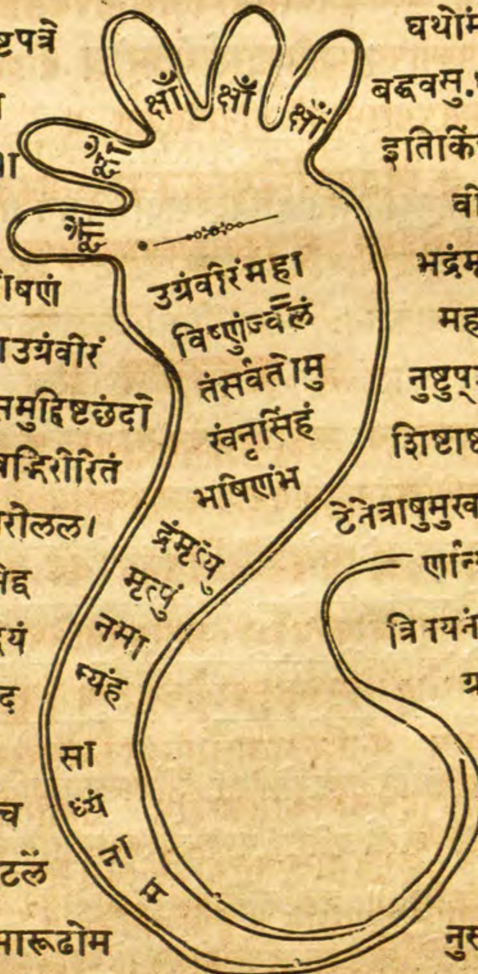
॥ चौपई ॥ कुंभरत्रणंचांदीवापीतल यथाशक्तमृतिकाकरनिश्चल सोकुंभउचितप्रीतसोंकरै तंडुल-पांचद्रोणपरधरै घृतअथवाखंडगुडसोंभरै वामक्षीरदधीतिलकरै यथाशक्तबलपूरणकरताहि तिहकुंभ-पुष्पमालापहिराहि श्वेतगंधकरलेपनवरै पूर्वमंत्रसोंहवनचरुकरै श्रुतशूलायमंत्रसनमान विधिविधान-पूजनजपदान यथाशक्तकंचनकरदान शिवनिमित्तइहकरैमहान इहविधिसर्वज्वरनकोहरै सन्निपातनैतिक-ज्वरटरै द्वितीयतृतीयचातुर्थिकहोय पक्षकमासकहनैज्वरसोय ॥ दोहा ॥ ज्वररुजसववरननकियोकार-णसहितउपाय उदररोगवरननकरोंसोसुनियेचितलाय ॥

॥ अथज्योतिषसन्नपातको ॥

॥ दोहा ॥ जोकेतूअंतरदशावुधपडैगोआय अथवाशनिकीदशामोराहुदशापडजाय तोवुधकर-पीडावरेजपवुधमंत्रमहान पुटकंडेकोकाष्ठलेहवनस्वर्णकरदान गोअक्षतफलगोरोचनासिपीस्वर्णमक्षीर-शतावरकलसमोडारकरस्नानकरेमतिधार जोराहूकरपीडावरैकयानमंत्रजपसार दूर्वासोंअतियज्ञकरदूधवि-प्रमनधार सुर्मालोधरधंमनिकालेतिलसोइआन घनमुत्थरधान्यखीललेपाइकरेइस्नान नीलमपहरेअंगमोसं-न्नपातज्वरजाय औरअंतरेजोलिखेसबहीतापनसाय ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ श्रीनृसिंहयंत्रधारणेनभूतज्वरशांतिः
बीजंसाध्यसमान्वितं तंप्रविलिखेन्मध्येष्टपत्रे
ह्लिप्याबहिर्वेष्टयेत् बाह्येकोणगवीज
हामयरिपुप्रध्वंसनंश्रीपदंयंत्रप्रकाशोयथा
भिधास्येविधिवन्नारसिंहंमहाहनुंउग्रं
पदमाभाष्यसर्वतोमुखमीरयेत्न्टासिंहंभीषणं
कोमंत्रोद्वात्रिंशदक्षरः मंत्रप्रकाशोयथाउग्रंवीरं
भीषणंभद्रंमृत्युमृत्युंनमाम्यहं ऋषिर्ब्रह्मासमुद्दिष्टछंदो
रासुरनमस्कृतःचतुर्भिर्हृदयंवर्णैःशिरस्तावद्भिरीरितं
तावद्भिर्नयनंप्रोक्तमस्त्रंस्यात्करणाक्षरैःशिरोलल।
गलेपार्श्वद्वयेपुनःअपरांगककुादिचन्यसेद्
निजनुवासंत्रस्तरक्षोगणंजानुन्यस्तकरद्वयं
क्रमनिशंदंष्ट्रोग्रवक्त्रोल्लसज्वालाजिह्वमुद
क्षंजयेन्मंत्रतत्सहस्रंघृताक्तैःपायसान्नैः
भवेन्मंत्रीसिद्धिमंत्रप्रतापवानइति किंच
शांतिःतथाचोक्तंशारदातिलकेषोडशपटले

॥ तथाचोक्तं शारदातिलकेषोडशपटले
घथोमंत्राणांन्श्रुतिशोविभज्यविलिखे
वद्धवसु.धागेहद्वयेनावृतं यंत्रंक्षुद्रविषग्र
इतिकिंच नरसिंहमंत्रोद्धारोयथाअथा
वीरंवदेत्पूर्वंमहाविष्णुमनंतरंज्वलंतं
भद्रंमृत्युमृत्युंवदेत्ततः नमाम्यहमयंप्रो
महाविष्णुंज्वलंतंसर्वतोमुखंनृसिंहं
नुष्टुप्उदाहृतम् देवतानरसिंहोस्यसु
शिष्टाष्टभिःसमादिष्टाषडि.कवचमीरितं
ष्टैनेत्राषुमुखबाह्वंघ्रिसंधिषु साग्रेषुकुक्षौहृदये
र्णान्यथाक्रमात् माणिक्याद्रिसमप्रभं
त्रिनयनंरत्नोल्लसत्कूर्परणबाहुभ्यांधृतंशखच
ग्रकेशनिचयंवंदेनृसिंहंविभुं वर्णल
प्रजुहुयाद्विधिवत्पूतेनले एवंकृते
श्रीनृसिंहमंत्रलक्षजपेनभूतज्वर
विशेषात्क्षुद्रभूतादिनाशनोयंमनुः



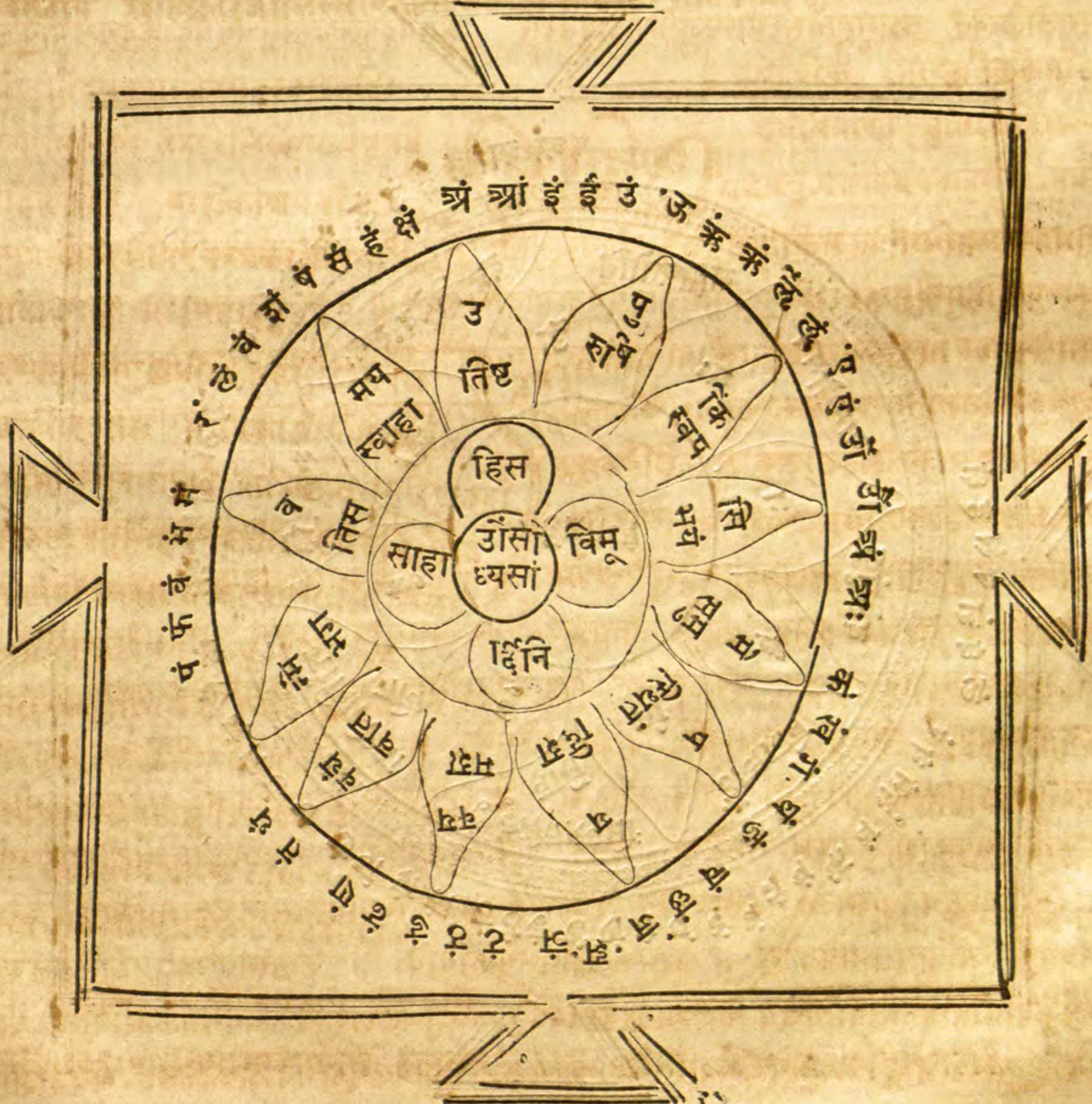
स्मृतःतन्मंत्रामप्युक्तंतत्रैव क्षकारोवन्हिमारूढोम नुस्वारसमन्वितः विंदुतारलसन्मूद्
र्ध्वबीजंनरहरोर्विंदुःबीजंनमोभगवतेनरसिंहायतत्परं स्याज्ज्वालामालिनेपश्चाद्दीप्तदंष्ट्रायतत्परं अग्निनेत्रायसर्वा

दिरक्षोघ्नायपदंवदेत् सर्वभूतविनाशांतेनकारोदीर्घमान्मरुं सर्वज्वरविनाशांतेनायांतौदहयुग्मकम् एषद्वयंरक्षयुगंहुंफट्स्वाहाध्रुवादिकः अष्टाषष्टाक्षरैःप्रोक्तोज्वालामालीमहामनुः क्षकारःवन्हिरेफमारूढः मनुस्वारेणचतुर्दशस्वरेणऔकारेणसमान्वितःतेनक्षौइतिभवति बिंदुतारेणमूर्ध्नियुतःतेनक्षौंइतिबीजं इदमेवनमोभगवतेनरसिंहायइतिज्वालामालिनेपश्चाद्दीप्तदंष्ट्राय इतिचस्फुटंअग्निनेत्रायइत्यपिस्फुटंसर्व इतिआदौयस्यतथाविधंरक्षोघ्नायइतिपदंसर्वभूतविनाश इत्यतोनकारःततोमरुनइकारःदीर्घमान नेनहइतिसर्वज्वरविनाशइत्यन्तेनायइति अतोदहयुग्मंदहदहइति पचद्वयंपचपचइति रक्षयुगंरक्षरक्षइति हुंफट्स्वाहाइतिस्फुटंअयंमंत्रोध्रुवादिकः ॥ मंत्रप्रकाशोयथा ॥ ओंक्षौंनमोभगवतेनरसिंहायज्वालामालिनेदीप्तदंष्ट्रायअग्निनेत्रायसर्वरक्षोघ्नायसर्वभूतविनाशाय ज्वरविनाशायदहदहपचपचरक्षहुंफट्स्वाहा हृत्रयोदशभिःप्रोक्तंशिरोदशभिरीरितं शिखैकादशभिर्वर्णैर्वर्णाष्टादशभिर्मतं वर्णैर्द्वादशभिर्नेत्रमस्त्रंस्यात्करणाक्षरैः एवमंत्रानिविन्यस्यचिंतयेन्मंत्रदेवता उज्वलन्प्रलयानलाभयुग्मनेत्रमनारतंभास्वरांशीखिनः शिखाभिरुदग्रदंष्ट्रमुखांबुजं रक्षसांभइदंकीर्णसटाकलापविभीषणं शंखचक्रचापणखेटकधारिणंनृहरिंभजे लक्षमेकंजपेन्मंत्रंतद्दशांशंसमाहितः कपिलाज्येनजुहुयात्समिद्धेहव्यवाहनेइति ॥ किंच श्रीनृसिंहचक्रंलिखित्वा ॥ तत्रभूतातुरसंस्थापनतन्मंत्रजपाभ्यांभूतज्वरशांतिः ॥ तथाचोक्तंशारदातिलकेषोडशेपटले ॥ नृसिंहशक्तिबीजे द्वेशूलतारगतेलिखेत् तत्रागृहार्तसंस्थाप्यजपेन्मंत्रंषडक्षरं आविश्यसद्यस्तंमुंचेत्ग्रहःक्रंदनभयाकुलःमंत्रःपूर्वोक्तएव ॥ इति ॥

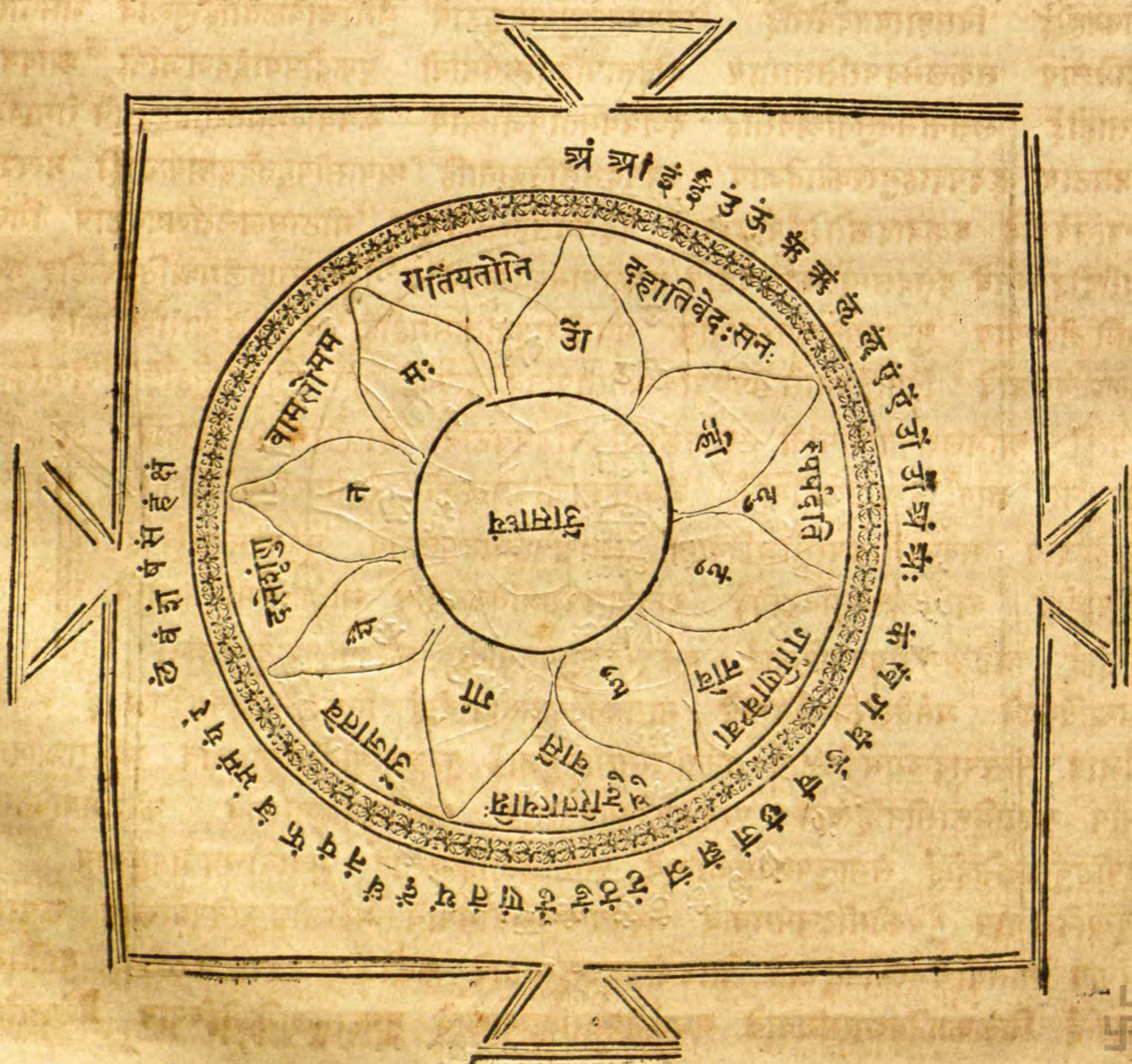
॥ अथदुर्गायंत्रमंत्र ॥

महालक्ष्मीमंत्रसहस्राभिमंत्रितकलशाभिषेकेनभूतज्वरशांतिः तथाचोक्तंशारदातिलकेष्ठमेपटले महारो॥ गेषुजातेषुकृत्याद्रोहेषुदैशिकः भूतेषुदुर्निमित्तादौविदध्यादभिषेचनं ॥ तन्मंत्रोद्धारंयथा ॥ वाग्भवंशंभुवनितारमामकरकेतनः तार्तीयंचजगत्पार्श्वौवन्हिबीजसमुज्वलः अर्घीशाढ्योभृगुस्त्यैदून्मंत्रोयंद्वादशाक्षरः वाग्भवंऐंशम्भुवनिताऱ्हींरमाश्रींमकरकेतनः क्लींतार्तीयंसौःजगत्स्फुटंपार्श्वपकारः वन्हिबीजेनसहितः तेनप्र इति भृगुःसकारःअर्धीशाद्यःऊकारःतेनसहितःसूइतिभवति त्यैइतिस्फुटं हृन्मनुःनम इति अयंमनुःतारायःतारःओंकारःआद्येयस्येति महालक्ष्म्यासमुद्दिष्टस्ताराद्यः सर्वसिद्धिदः ॥ मंत्रप्रकाशोयथा ॥ ओंऐंऱ्हींश्रींक्लींसौजगत्प्रसूत्यैनमः ऋषिर्ब्रह्मासमुदिष्टछंदोगायत्रमीरितं देवताजगतामादिमहालक्ष्मीः समीरिता हस्तौसंशाध्यमंत्रेणतारादिहृदयातकं बीजानांपंचकंन्यस्येदंगुलीषुयथाक्रमं मंत्रशेषंन्यसेन्मंत्रीतलयोरुभयोरपि मूर्द्धादिचरणंयावन्मंत्रेणव्यापकंन्यसेत् मूर्द्धाक्षिवक्षोगुह्यांघ्रौपंचबीजानिविन्यसेत् शेषान्यसेत्सप्तवर्णान्हृदयेसप्तधातुषु अंगानिपंचभिर्बीजैरस्त्रंशिष्टाक्षरैर्भवेत् ज्ञानैश्वर्यादिभिर्युक्तैश्चतुर्थ्यंतैः सजातिभिः ज्ञानमैश्वर्यशक्तीचबलवीर्येसतेजसी ज्ञानैश्वर्यादयः प्रोक्ताषटक्रमादंगयोजिताः एवंन्यस्तशरीरोसौस्मरेदुद्यानमद्भुतं चंपकाशोकपुन्नागपाटलैरुपशोभितं ओंबालार्कद्युतिमिंदुखंडविलसत्कोटीरहारोज्वलां रत्नाकल्पविभूषितांकुचनतांशालेः करैर्मंजरीम् पद्मांकौस्तभरत्नमध्यविरतंसंबिभ्रतींसास्मितां फुल्लांभोजविलोचनत्रययुतांध्यायेत्परामंबिकाम् ॥ अथकलशाभिषेकविधिः ॥ कृत्वानवपदात्मानंमंडलंयंत्रभूषितं अभिषेकंप्रकुर्वीतविधिनासर्वसिद्धिये कलशान्स्थापयेत्तेषुपदेषुशुभलक्षणान् चंदनालिप्तसर्वांगांदूर्वाक्षतसमन्वितान् दुकूलवेष्टितानेतान्पूरयेत्तीर्थवारिभिः मध्यकुंभेक्षिपेत्स्वयंयंत्राद्येदैशिकोत्तमः चंदनोशीरकर्पूर-

जातिकंकोलकुंकुमं कुष्टागुरुतमालैलायुतंसंपिष्पभागतः विलोड्यसर्वंकुंभेषुरत्नान्यापीविनिक्षिपेत् ल-
क्ष्मीदूर्वांमहाभद्रामहादेवीमधुव्रता मुसलीशक्रवल्लीचक्रांतापामार्गपत्रकं प्रियंगुमुद्गगोधूमव्रीहिश्चसति-
लान्यवान् शालीतंडुलमाषांश्चप्रक्षाल्यैतेषुनिक्षिपेत् धात्रीलकुचविल्वानांकदलीनारिकेलयोः फलान्य-
पिविनिक्षिप्यपुष्पाण्येतानिविन्यसेत् पद्मसौगंधिकंजातिमल्लिकांवकुलंतथा चंपकाशोकपुन्नागतुलसीकें-
तकोद्भवं पल्लवानिवटाश्वत्थल्पक्षोदुंवरशाखिनां ब्रह्मकूर्चंचनिक्षिप्यचंषकैः सफलाक्षतैः विधायकुं-
भवक्त्राणिक्षौमैराश्छादयेततः आवाह्यमध्यकलशेमहालक्ष्मींप्रपूजयेत् यजेदुमाद्याशिष्टेषुकलशेष्वष्टसुक्र
मात् गंधैर्मनोहरैः पुष्पैर्धूपदीपसमान्वितैः निवेद्यभक्ष्यभोज्यानितान्स्पृष्टाप्रजपेन्मनुं त्रिसहस्त्रंजपस्यांते-
साध्यमानीयसंयुतं संस्थाप्यस्थंडिलेपीठंतास्मिंस्तंविनिवेशयेत् रम्यैराभरणैर्वस्त्रैरलंकृत्यतमादरात् सुमंग-
लाभिर्मालाभिःक्षिप्तपुष्पाक्षतान्वितं अर्चितानांद्विजातीनांआशीर्वादपुरःसुरं नदत्सुपंचवाद्येषुमुहूर्तेशोभ-
नेसुधीः मध्यस्थंकुंभमुद्धृत्यमहालक्ष्मीमनुस्मरन् अभिषिंचेत्क्रमादन्यैःकलशैरपिदैशिकः करेणास्यशिरः
स्पृष्ट्वाप्रयुंजीताशिषंगुरुः भद्रमस्तुशिवंचास्तुमहालक्ष्मीःप्रसीदतु रक्षंतुत्वासदादेवाःसंपदःसंतुसर्वदा-
अथोत्थायाभिषेक्तःसवासांसिपरिधायच यथाविधिसमाचम्यप्रणमेदंडवद्गुरुं वस्त्रैराभरणैर्धान्यैर्धनैर्गोमहि-
षादिभिः दासीदासैश्चविधिवत्तोषयेद्देवताधिया ब्राह्मणान्भोजयेत्पश्चाद्दीनांधकृपणैःसह तदाकृतार्थमात्मा-



नंमन्यतेनुद्दिजोत्तमः ॥इति किंच श्रीदुर्गायंत्रधारणेन भूतज्यरशांतिः॥ तथाचोक्तंशारदातिलकेएकादशेपट-लेमध्यतारेबीजमंतस्थसाध्यंपत्रेष्वष्टौमंत्रवर्णान्विलिख्य त्रिष्टुन्वीतंवेष्टितंमातृकार्णैर्यंत्रंदौर्गंभूपुरस्थंविदध्या-त् क्षुद्रभूतमहारोगचौरसर्पनिवारणम् यंत्रप्रकाशोयथा ॥ दुर्गायंत्रधारणेनभूतज्वरशांति ॥ कार्त्तवीर्यार्जुन-कवचस्मरणेनभूतज्वरशांति श्रीनृसिंहयंत्रधारणेनभूतज्वरशांति श्रीपशुपतिमंत्रायुतद्धितयेजपेनभूतज्वरशां-ति प्रत्यंगिरीपाठोभवाजलसेचनेनभूतज्वरशांति नरासिंहमंत्राभिमंत्रितकलशजलसेचनेनवग्रहज्वरशां-ति दुर्गामंत्रस्मरणेनग्रहज्वरशांति हनुमरमंत्रमष्टोत्तरशतजपेनविष्मज्वशांति वासर्वज्वराशांति मृत्युंजयमं-त्रजपपाठेनाविष्मज्वरशांति सूर्यकवचपाठेनसर्वज्वरशांति अपामार्जनस्तोत्रपाठेनसर्वज्वरशांति



॥ अथान्यप्रकारज्वराधिकारकथनं ॥

॥ चौपई ॥ तापनामज्वरकहिएसोई हुंमानामफारसीहोई यूनानीनउभेदकाजांनो लक्षणआगे-भिनवखांनो हुंमायौमनामइकहोई दिवसतीनलगआवतसोई कईवैद्यदिनछेइवतावत निश्चेतापआ-पहटजावत दूसरहुंमादिककहावे धातुगतहोदेहसुकावे तीसरहुंमागिबजोहोई तृतीयपित्तज्वरकहि-एसोई चौथाहुंमावलगमकहिए कफकाकोपताहुमेंलहिए पंचमहुंमामतवकहोई रुधिरदोषकरमांनोसोइ छेइमुरक्कवहुंमाकहिए इंदजदोषताहुमेंलहिए सप्तमहुंमारुबकहावे चातुर्थिकवातकोपकरआवे हुंमा-मोरकअष्टमजानो रहेवेगअतिपित्तपछांनो नवमासतरुलगिबकहावे इंदजकफअरुपित्तदिखावे तीसर-दिनमेजोरपछांनो लक्षणनउभेदकेमांनो उनतालीभेदउौरमतमांने नउभेदजोआदवखांने संन्निपात. केतेरांकहिए अतीखेदज्वरआठोलहिए असाध्यनउभेदकाजांनो यतनवीचआवतनहिमांनो उनता-लीभेदजाहिविधहोई करनिश्चाविधउौषधसोई हिंदुस्तानतापनहिजानत सरदीहोगरमीमनआनत गर-मीहोसरदीलखपावे रोगीमरेभलेखेजावे चरबीआदउौरचिकनाई मन्हेतापमेंदेवेनाही वातिकता-पक्षीनअतिहोई तीसरदरजेप्रापतजोइ चिकनाईवस्ततहिमेंदेवे तापदूरनिश्चेसुखलेवे जेकरता-पपछाननहोई निराहारवतदेवेसोई जेकरप्रवलक्षुधाप्रकटावे मुंगीचावलताहिखुलावे गर्मनीरक-रताहिपिलाय सकलभेदपरसिक्षागाय दोइतापहिंदीमतमांनो एकदोषवाइंदजजांनो आदवात-ज्वरऐसाहोई लक्षनभिनसुनोअवसोई दर्जेप्रथमतापजोआवे कंपवातअतिसीतलगावे रोमावली-खडीप्रगटाय हृदयदाहमुखकांतिजाय करपदभारेनिद्रानाहि अवासीवहुतदेहअकडाही नखकाले अतिश्वासववावे बकवादकरेशिरपीडापावे देहगर्मसीतलहोजाय मीठामुखलक्षणप्रघटाय गिलोय सतावरीदोइमंगावे दसदसमासेक्वाथचढावे ताकोपानकरेनितकोइ दिवससातलगअतिसुखहोइ आद्र-कपत्रगिलोईल्याय पुष्करमूलधारसंगपाय मघकिरायतातासंगहोई वृद्धकंडेआरीमेलोसोई चार-सेरजलक्वाथचढावे तिनतिनमासेउौषधपावे कोसापानकरेनरकोई वातज्वरतवनासेहोई जेकरदरजा-दूसरजांनो आगेलक्षनताकेमांनो खुशकीजोडपीडप्रघटावे हाथपैरपरपीडदिखावे जैसेवातगं-ठिआजांनो ज्ञानइंद्रिआंउलटीमांनो जेकरहाथजोडपरलावे रोमावलीखडीहोजावे सकलदेह-सीतलहोजाय सकलजोडपरसोजदिखाय लक्षणपेटपीडप्रघटावे पूर्वयतनकरखेदहटावे जेकरदू-जांतीसरहोई आगेलक्षनसुनिएसोई वातअंगपरअतिवलपावे सोईअंगमारेआजावे खुश्कीतहा-प्रापतहोई अडेअंगउौषधनहिकोई इकंतरहेऋतूवतमांनो करेयतनदुखदूरपछांनो चिकनाईनर्म-स्निग्धअतिखावे गर्मतैलकीमर्दनभावे नारायनतैलसतावरहोई निफततैलइत्यादिककोई मर्दनकरे-धूपमेंजाय सीसपादलगमर्दनभाय तप्तनीरसंगसीसधुलावे फुलकामांसरसेसंगखावे मदिराआदनशा-मनभाय खट्टामिठासोनहिखाय एरनकेफुनिपत्रमंगावे एरनतैलताहुपरलावे करेगर्मवाधिनरकोई जोडपीडदुखनासेहोई संभालुपत्रनर्मकरवावे एरनतैलताहिपरलावे गुदावीचवत्तीपहुंचाय होवे सुखदुखनिश्चेजाय दुंवेकीमींडनमंगवावे जलायभस्मरोटीमेपावे मलेजोडफुनिपत्ररखाय ऊपररोटी-गर्मवंधाय मांसवीचगरमीपहुंचावे जोडपीडदुखदूरहटावे कलौंजीखलउवालकरकोई बांधेगर्मसी-घ्रसुखहोई छिलकानिंवयारमंगवावे मघकंडेआरीदाखरलावे पुष्करमूलगिलोईल्याय त्रैमासेकाथ-

चढाय मलेगर्मपीवेजवकोई हरेदोषसुषनिश्चेहोई मुलठीमघगजपिप्पलल्यावे त्रिवीसंगजढपन्हीपावे सतसतमासेकाथचढाय आधसेरपीवेदुखजाय भोजनमुंगीपथ्यखुलावे वातज्वरदुखदूरहटावे

॥ तपदूसरापैत्तक ॥

॥ चौपै ॥ पित्तज्वरहिंदीमतहोई शातरुलगिव्वफारसीसोई पित्तवीचपित्तेकेआवे दुरगंधी वीचहृदेपहुंचावे तौफुनिसकलदेहमेजाय तृतीयज्वरतवहींप्रघटाय लक्षणमुखकौडाहोजावे हृदेवो चआतिकाःलीपावे मुखअरुनेत्रपीतरंगहोई दाणेस्वेतजोडपरसोई जैसेंखसखसदाणामांनो तैसेंनामतो रकीजांनो तृषावहुतवकवादकराय घूर्नितारहेक्षुधाहटजाय पीतनेत्रअरुमूत्रदिखावे अंधकारदृष्टीमे-आवे वमनपीतरंगनिकसतसोई चलेपेटनर्मअतिहोई तृषाअधिकउोष्टफुटजाय मुखअरुहृदेजलन प्रघटाय घूंमेशिरसीतलमनभावे लक्षननाडीचपलदिखावे सुगंधितसीतलछायाजोई रोगीतहांसयन सुखहोई सीतलभोजनताहिखुलावे वहुविधपित्तजकोपहटावे पित्तपापडादाखमंगाय अंवलतास कौडसंगपाय नागरमोथासंगरलावे करेकाथसोताहिपिलावे चंदनत्रिवीसुंठमंगवाय नागरमोथावा-लापाय काथतीनदिनताहिपिलावे पित्तजतापसीघ्रहटजावे पन्हीजढअरुदाखमंगाय धनिआंतीनो जलमेपाय तृषाहोएसोनीरपिलावे पित्तजखेदसीघ्रहटजावे रातसमेगंनेमंगवाय गनेरीकरगुलावछि डकाय रातत्रेलकेवीचरखावे चूपेप्रातपित्तहटजावे घडेमंगायनीरभरकोई नजरवीचराखेसुखहोई-अथवानीरहौदकाल्यावे चांदीतपायवुझायपिलावे धनिआजढपन्हीमंगवाय दाखमेलसमभागपिसाय पोटलीबांधनीरमेपावे होवेसीतलपांनकरावे जेकररुधिरपित्तप्रघटाय वालाचंदनश्वेतमंगाय नागरमो थादाखमंगावे पन्हीजढपित्तपापडपावे काकजंघजढसोसनल्याय सतसतमासेकाथचढाय नौमासे मिसरीसंगपावे अष्टमांसकरकाथपिलावे पदममुलठीदाखमगाय निंववृक्षकाछिलकापाय कामिआंपु ष्पकिरायताल्यावे गिलोकंडेआरीसंगरलावे सतसतमासेकाथचढाय दसमासेमिसरीमेलपिलाय ताप तीसराकफदा ॥ चौपै ॥ श्लेषमज्वरजाकोप्रघटावे छातिजठरअधिककफआवे उवाललेतदुरगंधी सोई हृदेजायधमनिगतहोई तौवहपसरदेहमेजावे स्लेषमीज्वरताहिप्रघटावे तंगश्वासरवांसीसंगहोई परसाअधिकश्वेतनखसोई चलेनेत्रजलक्षुधाहटाय भारेजोडसिथलताछाय पलकसोजवहुनिद्राआवे कंपवाततनसीतलगावे मुखमीठावाखाराहोई मूत्रश्वेतकछुपीलासोई पृष्टकमरमेपीडदिखावे सक-लजोडसीतललखपावे ऋतूवतलेसदाआतिजाको निश्चेदोखहोततनताको अथवासीतकालमेसोई निराहारव्रतकरसुखहोई कुलथउवालनीरनिकसावे दिवसतीनलगसोइपिलावे दिनचौथेमुंगीमंगवाय दलिआकरघृतकेविनखाय दिवसछेइलगऐसाकीजें तौफुनिकाथताहुकोदीजें वांसासुंठधारमंगवावे गिलोकंडेआरीसंगरलावे सतसतमासेकाथचढाय दिवससातलगताहिपिलाय भडिंगीसुंठगिलोमंग वावे किरायतासंगकंडेआरीपावे त्रैत्रैमासेकाथचढाय दिवससातलगपांनकराय वांसासुंठगिलो ईआंनो पुष्करमूलकंडेआरीठांनो धमाहमेलसमऔषधल्यावे त्रैत्रैमासेकाथपिलावे कौडहरडसुं-ठीमंगवाय पिप्पलमूलताहिसंगपाय त्रैत्रैमासेकाथचढावे दिवससातलगताहिपिलावे छिलका-निंवसुंठमंगवावे अंमलतासमघसंगरलावे करेकाथपीवेनरसोई सातोदिनमेकफहरहोई त्रिफला-नागरमोथाल्यावे हैवेरजौईद्ररलावे पटोलपत्राचित्रासंगपाय अंमलतासकाथवनवाय सतसतमासेऔ षधपावे मधूमेल दिनसातपिलावे गर्मनीरजलपांनकराय कफकाकोपसकलहटजाय चौथा-

तापहरी ॥ चौपै ॥ जेरुरतनगरमीअतिहोई रुधरीतापताहुकोसोई हिंदीमतमेंरुधिरनमांनें मांनतर्तीनदोषजगजांनें युनानीदोषचारमनआनत रुधिरदोषसोमुख्यपछानत ताकरऔषधलिखोनकोई इंदजतापसुनोअवसोई ॥

॥ तापपित्तवातसंयोगी ॥

॥ चौपै ॥ वातपित्तज्वरजाकोहोई कासश्वासतंगीकासोई क्षुधादूरमुखपाणीआवे वकवादकरैचिंतामनलावे अवासीवहुतननिद्राहोई हृदेजलनदुखदायकसोई रोमावलीरूडीहोजावे गाढीकफमुखभीतरआवे सकलजोडपरपीडामांनें तृषावहुतमुखमीठाजांनें जलैनेत्रकवजीप्रघटाय अंगअंगमेंखाजदिखाय वमनसंगकफवाहिरहोई देखवलावललक्षणसोई वातपित्ततपइंदजआवे त्रिफलासारिवांनमंगवावे रहसनपत्रताहुमेंपाय सतसतमासेक्काथचढाय प्रतिदिनकोसापानकरावे इंदजतापआपहटजावे पुष्पकमीजढपन्हील्याय मुलठीमहुआपद्मकपाय मषाराछिलकादाषमिलावे समलेऔषधदईकरावे रातभिगोयप्रातमलसोई करेपांनदुरूइंदजखोई नागरमोथाकरंगुलल्यावे वालाछ्षणश्वेतदौपावे हलदीदारूहइंदलल्याय मुलठीजढपन्हीकोपाय निंववृक्षकाछिलकाल्यावे पटोलपत्रवांसासंगपावे सतसतमासेक्काथवनाय दिवसतीनमेंइंदजजाय गिलोइदाखजढसोसनल्यावे करंगुलवांसाहलदीपावे दारुहरदलमूर्वाल्याय निंववृक्षकाछिलकापाय नागरमोथातासंगपावे काकजंघसोसंगरलावे पडोलपत्रताहीसंगपाय सतसतमासेक्काथचढाय पीवेइंदजदोषहटावे निश्चैपित्तवातज्वरजावे.

॥ इंदजपित्तकफताप ॥

॥ चौपै ॥ तापपित्तकफइंदजजांनो हुंमावलगमसफरामांनो काहलीकंपवातप्रघटावे क्षुधादूरअतितृषालगावे किसीअंगपरसोजाहोई रहैजलनअंतरगतसोई मुखजिन्हास्निग्धनमंप्रघटाय अंगजोडपरपीडदिखाय भारीऊंऊर्निताप्रावे कौडामुखशिरपीडदिखावे अतीतापअतिवोलनभाय लंवारहैवमनहोजाय कवजीरहैननिद्राआवे कमलापनकोवातसुनावे लालनेत्रनिकसतजलसोई फुनसीश्वेतरंगकीहोई आवतपरसाखांसीआवे कफपित्तज्वरलक्षणगावे करेपरीक्षायतनविचारे कफपित्तज्वरदूरनिवारे पडोलपत्रवालामंगवाय जढसोसनकोवांसापाय त्रिफलामेलक्काथवनवावे सतसतमासेऔषधपावे मधूमेलपीवेजवकोई कफपित्तज्वरनासैहोई गिलोकिरायतादाखमंगावे कौडकचूरआंमलाल्यावे नागरमोथाहरडमिलाय मवांपित्तपापडासंगरलाय सतसतमासेक्काथवनावे मधूमेलदिनसातपिलावे पडोलनिंवकेपत्रमंगाय मुलठीहलदीकौडरलाय किरायताकरंगुलवालापावे नागरमोथासंगरलावे साडेत्रेत्रेमासेल्याय चारसेरजलक्काथचढाय थोडामधूमिलायपिलावे निश्चैइंदजतापहटावे भडिंगीमंगहरडमंगवाय मषारानागरमोथाल्याय धनिआंतज्पत्रमंगवावे पापडासुंठीसंगरलावे सतसतमासेक्काथचढाय मधूमेलपीवेदुखजाय ॥

॥ तपसंयोगीवातकफतें ॥

॥ चौपई ॥ वातश्लेष्मज्वरजाकोहोइ आगेलक्षणसुनिएसोई शिरअरुअंगपीडप्रघटावे कवजीवमनतृषाअतिलावे मुखद्वाराकफवाहिरमांनो तंगश्वासकाससंगजांनो अरुचिभारजोडदिखावे

भराक्रोधअतिवीउनभावे मूत्रश्वेतकलुषअगदिखाय मांनोमिट्टीसंगरलाय ऊनअधिकदोषजोहोई ल-क्षणऊंनअधिकहैसोई मुलठीअवलतासमंगावे अगूरदाखमघसंगरलावे जीराइवेतकृष्णदोपाय म-हूवृक्षकाकाढरलाय कलौंजीयारभाड्ंगीपावे नागरमोथात्रिफलाल्यावे लेसमऔषधदरडकराय प्र-तिदिनतोलाडूडचढाय करेकाथहिंगूसंगपावे दिवससातलगहंदजजावे अष्टमांसमुंगीरसदेवे प्रति-दिनकाथयथाविधसेवे भडिंगीसुंठसतावरल्याय किरायतानागरमोथापाय त्रैत्रैमासेकाथवनावे सा-तोदिनमेंद्वंदजजावे गिलोकिरायतात्रिकुटाल्याय छिलकानिंवकरःसंगपाय नागरमोथापत्रपडोल-साडेत्रैत्रैमासेतोल चारसेरजलकाथवनाय पीवेद्वंदजतापहटाय यारसुंठधनिआंमंगवावे नागरमोथा-कांफलपावे रोहिनपुष्पवचंसंगपाय सतसतमासेकाथचढाय हिंगूमासाडूडरलावे पीवेद्वंदजताप-हटावे ॥

॥ तपअजीर्णी ॥

॥ चौपई ॥ अजीर्णज्वरजाकेतनहोंई हुंमावदहजमोकहुसोई शिरअरुग्रीवाभारीजांनो पटेअ-धिकडकारपछांनो टूटतजोडअवासीआवे तंगश्वासवहुटुन्ननभावे निराहारदिनतींनकराय तत्तनी-रानितपांनकराय पिप्पलमूलहरडमंगवावे कौडवहेडासंगरलावे नागरमोथाकरंगुलपाय सतसतमा-सेकाथचढाय प्रतिदिनगमंपानकरसोई अजीर्णज्वरतवनासैहोई कृष्णलूणसितजीराल्यावे चित्रात्रि-वीताहुमेंपावे साडेत्रैत्रैमासेपाय राखेचूरनपीसवनाय साडेत्रैमासेनितखावे अजीर्णज्वरनिश्चेहटजावे हलदीकौडयारमंगवाय कंड्यारीनागरमोथापाय मघअरुवालासंगरलरवे समचूरनदसमासेखावे-तत्तनीरसंगसेवनकरिए अजीर्णज्वरसोनिश्चेहरिए. ॥

॥ तपदिक ॥

॥ चौपै ॥ क्षीनज्वरजाकेतनहोंई तपेदिककरकाहिएसोई दर्जेप्रथमतापजवआवे ताहियतनकरदू-रहटावे जेकरदूसरदरजेमांनो तापअसाध्यकष्टकरजांनो पित्तश्लिग्धतानष्टकरावे ताहियतनकरसुखउ-पजावे वडकीजढछिलकामंगवाय चाउलभुंनकपूरमिलाय कमिआपुष्पताहुमेंपावे साडेत्रैत्रैमासे-ल्यावे हिंदवानेकाजलनिकसाय चूरनताकेसंगखुलाय ताजादूधगधीकाल्यावे पत्थरगर्मकरवीचवु-झावे आदगधीकोवांधरखाय प्रतिदिनधनिआजउखुलाय तौफुनिदूधपांनकरसोई क्षीनज्वरतवनां-सेहोई कपूरगुलावकेवीचघसावे कपडासेडसीसपरलावे छातीऊपरराखेकोई लापसीभोजनकरसु-खहोई कमिआपुष्पमुलठील्यावे मधूमेलदसमासेखावे करंगुलकीजढपासिरखाय प्रतिदिनमिसरीमे-लखुलाय संनिपातज्वरतेरांकहिए आगेभेदयथारथलहिए तींनदोषमिलउतपतहोई त्रिदोषजसंनि-पातकहुसोई सर्ददेसमेअतिवलपावे सीतकालतनअधिकतपावे अतीसीतलनरभोजनखाय दस्त-फस्तकरस्नानकराय भोजनसर्दनारअतिखावे प्रसूताहोएपवनतनलावे अथवाहोएवृद्धनरकोई सं-निपातजाकारनसोई नाडीजोडपीडप्रघटावे क्षुधावंदतनसोजदिखावे करडातापहींनवलहोई उत-रतनीरनासिकासोई गिलोहिंगुएरनजढलीजें सुंठयारात्रिफलासंगदीजें सतावरीमेलभागसमल्यावे-त्रैत्रैमासेकाथवनावे गुगुलमासेतींनमिलाय पीवेसंनिपातहटजाय सुपारीसीवनवहुफालिल्यावे तीन-तूपाडलअरनीपावे कंडआसेभखडासंगपाय दोदोमासेकाथचढाय गुगुलमासेतीनामिलावें पीवेसं-

निपातहटजावे दसमूलऔषधीलेवेजवहीं सकलदोषहरमांनोतवहीं सुउपिप्पलामूलमंगाय चित्रामवांचोकलंगगाय अौगैनातिकाथवनावे दिनइकीतकताहिपिलावे पुष्करमूलकचूरमंगाय किरायताकौडभडिंगीपाय सुंठागिलोकंडेआरीपावे वालारूंगधमाहरलावे दोदोमासेकाथवनाय पीवेंतापत्रिदोषजजाय सुंठीकौडदाषमंगवावे किरायताजउोंइंद्रसंगपावे चारसेरजलकाथवनाय पीवेंतापत्रिदोषजजय

॥ अंतकसंनिपातदूसराभेद ॥

॥ चौपै ॥ अंतकसंनिपातजोहोई निश्चेदेहअन्तकरसोई रोगअसाध्ययतननाहिभावे करेयत्नविधजोगमिलावे अंतकलक्षणजाविधहोई उदासीनाचिंतातुरसोई भ्रमेसीसवकवादकरावे नर्मपेटवहुदस्तचलावे दिवसतीनलगअंतकसोई तौफुनिजतनआसमनहोई कंडेआरीजढकचूरमंगवावे सुंठकुठधनिआंसंगपावे किरायताकौडगिलोईपाय त्रैत्रैमासेकाथचढाय प्रतिदिनगर्मागर्मपिलावे अंतकसंनिपातहटजावे

॥ भेदतीसरारुग्दाहसंनिपात ॥

॥ चौपै ॥ रुग्दाहनामजाकोप्रगटावे सकलअंगज्योंआगजलावे वकवादकरेलज्जाघटजाय मूर्छाअंगपीडप्रघटाय भारीकंठकाससंगहोई तृषापेटपीडाकरसोई उदासीनचिंतातुररहे देखीसुनीवातसभकहे चंदननागरमोथाल्याय जढअनारअरुछिलकापाय पितपापडामेलकाथसमकीजें पीवेंसंनिपातहरलीजें जामनफलकेउडाजढल्याय कंडेआरीकीजढछिलकापाय मुकोईकीजढछिलकापावेकचूरकुलथसोंसंगरलावे महुआपुष्पनारकापाय त्रैत्रैमासेकाथचढाय आधसेरकरकाथपिलावे निश्चेसंनिपातहटजावे धनिआंसोडादाखमंगाय सतसतमासेकाथचढाय कोसापांनकरेनरकोई निश्चेसंन्नपातहतहोई

॥ भेदचौथाचित्तविभ्रमसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ संनिपातचित्तभ्रमजोई मूर्छाकरचिंताअतिहोई सदाचित्तभूमिमनचहे वातांवहुतगर्मतनरहे झमकतनेत्रवाउलाहोई हांसीकरपदमारतसोई सवहींकोअतिखेददिखावे लक्षणदेखयतनमनभावे व्राह्मीनागरमोथाल्याय दोइकंडेआरीकीजढपाय दाखभखडासंगरलावे सतावरीकरंगुलत्रिफलापावे किरायतानिंवकाष्टसंगपाय तीनतूनसागूनमिलाय दोदोतोलेदंडकरावे सातभागदिनसातापिलावे केकाथलेवेनितसोई तिश्चेसंनिपातहरहोई दसमूलऔषधीसोइमंगावे तोलेतीनतीनसमल्यावे पुष्करमूलधमाहमंगाय भडिंगीककडसिंगीपाय किरायताइंद्रजउोकाथवनावे प्रतिदिनपांनकरेदुखयावे जीराश्वेतकलौंजील्यावे त्रिफलाचंदनयारमिलावे कौडपत्रवांसेकेपाय त्रैत्रैमासेकाथचढाय प्रतिदिनगर्मपांनकरसोई निश्चेसंनिपातहरहोई' ॥

॥ पंचमभेदसीतांगसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ सीतांगसंनिपातजोहोई तपावतहृदाखेदकरसोई सीतलजोडसिथलहोजावे चलेपेटाहिडकीप्रघटावे भ्रमेसीसमुखपसरतहोई जीवनकाभयउपजतसोई रोगअसाध्ययतननाहिभावे तो-

भीयतनकरेहटजावे भङ्गिगीजढकंडेआरील्याय सुंठीहरडगिलोईपाय त्रैत्रैमासेकाथचढावे पविसं निपातहटजावे ॥

॥ भेदछेमातुंदरकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ रहेतापउतरतनहिंजांनो सूकताजिव्हाश्यामपछांनो करडीहोकंडेलखपावे चलेपं टवहुपरसाआवे अंगअंगमेंखाजदिखावत भारीसीसकर्णप्रघटावत रोगअमाध्यवेगअतिहोई तौभीय तनलिखाकरसोई ककडासिंगीहरडमंगावे गिलोईजढकंडेआरीपावे भङ्गिगीसुंठभागसमल्याय सत- सतमासेकाथचढाय प्रातिदिनगमेंपांनकरसोई निश्चेसंनिपातहरहोई कांफलनागरमोथाल्यावे मघांमर्च- हलदीसंगपावे अजामूत्रसंगपीसिकोई मस्तकलेपकरेसुखहोई बूंदबूंदकरनासिकपावे निश्चेसंनिपातहटजा वे धनिआंसुंठगिलोईआंनो किरायतामेलभागसमठानो सतसतमासेकाथचढावे पीवेसंनिपातहटजावे ॥

॥ सप्तमभेदकंठकुब्जसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ रहेतापअंगपीडापावे निराहारजलअननखावे भारीग्रीवाखांसीहोई कंपवातचिंतातु रसोई मीठामुखमूर्छाप्रघटावे खांसीपीडानियमनपावे रोगअसाध्ययतनहितहोई करेयतनहटजावतसोई कौडवृक्षकाछिलकाल्यावे धनिआंककडासिंगीपावे नागरमोथासुंठील्याय किरायताकांफलमघांरलाय कचूरमर्चत्रिफलासंगपावे दारूहंदलीछिलकाल्यावे दोकंडेआरीकजिढल्याय वांसामेलभागसमपायदोदो मासेकाथचढावे पीवेसंनिपातहटजावे मघांउटंकनवीजमंगाय कांफलजउखारसंगपाय लेसमचूरनपी सवनावे मासेसातनितप्रतिखावे

॥ अष्टमभेदकर्णकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ भारीकर्णसोजप्रघटावे नीरकर्णनेत्रतेंआवे अंगअंगपरसोजाहोई कांपतहृदासीत करसोई वकवादकरेसोजाप्रघटावे करेयतनदुखदूरहटावे मघांमर्चहिंगूमंगवावे जढकंडेआरीहरडमिलावे वहेडानागरमोथापाय सुंठकौडकुठसंगरलाय ककडासिंगीतासंगपावे त्रैत्रैमासेकाथापिलावे सुंठीनागर मोथाल्याय वांसांपुष्करमूलरलाय गिलोईमेलभागसमल्यावे त्रैत्रैमासेऔषधपावे हिंगूरतीसातरलाय पीवे काथदोषहटजाय ॥ नवमभेदरक्तअस्त्रवायसंनिपात ॥ चौपई ॥ चलेरुधिरमुखपरसाआवे वमनसंगवारु धिरचलावे तृषाअधिकभयभीतपछांनो चलेपेटहिडकीसंगजांनो तंगश्वासकलुसमझनआवे मूत्रलालका लाप्रघटावे किरायताहलदीघारमंगाय नागरमोथासितजीरापाय दसदसमासेकाथचढावे पीवेगर्मषावेहट जावे श्वेतअसगंधमर्चमघल्याय गजपिप्पललूणतज्जसंगपाय महूकाघृताहिसंगदीजें त्रैत्रैमासेचूरनकीजें सतमासेभेडमूत्रसंगखावे कछूनासिकाद्वारचढावे ॥

॥ दसमभेदभीषननेत्रसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ विकरालनेत्रचमकतहेसोई कहेचमकघरभीतरहोई वकवादकरेमूर्छाप्रघटावे करे- वातफुनिसोईभुलावे लेलेनामकांममनधारे भागनचहेनगेहविचारे मारकरोगअसाध्यकहावे करेय- तनदुखकमेंहटावे दुधलभत्तलसुंठमंगाय कौडाकटूंगिरिमिलाय मघकिरायताहलदीपावे सतसत- मासेकाथपिलावे ॥



॥ जारमाभेदप्रलापकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ अधिकतापवकवादकरावे वेहोसीतनपीडालावे हृदानिकलज्यौंवाहिरहोई प्रलापकरेदुखदायकसोई जढअसगंधतगरमंगवावे चारमहूपित्तपापडपावे संखाहुलिमुंडीसंगपाय नागरमोथादाखरलाय मनकाभूंमकेशसंगपावे दोदोमासेकाथपिलावे नागरमोथासुंठील्याय छिलकाविल्वबृक्षकापाय कंडेआरीदोभखडासंगपावे कचूरगिलोपन्हीजडल्यावे त्रैत्रैमासेकाथचढाय पीवेसंनिपातहटजाय

॥ भेदवारमाझोकसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ तनभाराकरडाप्रघटावे भारीकर्ननिर्वलील्यावे दोकंडेआरीकुठमंगाय नागरमोथादाखरलाय कचूरगिलोवांसासंगपावे भडिंगीतज्जभागसमल्यावे दोदोमासेकाथवनाय पीवेसंनिपातहटजाय सुंठकचूरचित्तराल्यावे रोहीत्रायमांनसंगपावे वीजमीचकामघांरलाय कंडेआरीसंगविल्वजढपाय सतसतमासेकाथवनावे पीवेसंनिपातहटजावे किरायताहलदीकौडमंगाय छिलकानिंवघार संगपाय दोकंडेआरीत्रिफलाआंनो पडोलपत्रकुठवालाठांनो गिलोईमेलभागसमल्यावे दोदोमासे काथपिलावे प्रतिदिनकोसासेवनकरिए निश्चेसंनिपातदुखहरिए

॥ भेदतेरमाभयनाशसंनिपात ॥

॥ चौपई ॥ करपदअतिसीतलप्रघटावे करडातनमुखस्वादनआवे सिथलहोएकछुवोलतनाही करडातापरहेतनमाही तोलेपांचमघांमंगवावे चारसेरजलकाथचढावे आधसेरजवहींरहजाय दिवससातलगताहिपिलाय दसमूलभडिंगीकौडमंगावे जीवककड़डासिंगीपावे धमाहइंद्रजउोसंगरलाय पुष्करमूलमेलसमल्याय त्रैत्रैतोलेदर्दकरावे तोलाडूडनितापतिपावे करेकाथपीवेनितसोई निश्चेसंनिपातहरहोई भडिंगीरहसनपत्रमंगावे नागवलाअरुवलामिलावे छिलकाविल्वसुंठमंगवाय पन्हीपुष्करमूलमिलाय कंडेआरिमघअजुआइनपावे राजकंडेकाछिलकाल्यावे मघारामेलभागसमल्याय त्रैत्रैमासेकाथचढाय प्रतिदिनकोसापांनकरावे भेदत्रयोदससंनहटावे भडिंगीककडसिंगील्याय कौडकंडेआरीकीजढपाय पुष्करमूलधमाहरलावे रसपडोलपत्रनकापावे इंद्रजउोमेलभागसमल्यावे सतसतमासेकाथपिलाय सकलभेदकातापनसाय महूवृक्षकाकाष्टमंगावे मर्चलूणमघसंगरलावे लेसमपीसनीरसंगपाय पायनासिकासंनहटाय ॥ आठोभेदखेदज्वरकाहिए आगेलक्षणसिगरेलहिए प्रथमभेदवकज्वरकहुसोइ अतिचिंताकरप्रापतहोइ होएनासधनाचिंताजाको मरेपुत्रामित्रादिकताको सोचरहैचिंताअतिहोई रुधिरउवालत्तेतनसोई गरमीतेजतापप्रघटावे आगेलक्षनप्रघटसुनावे लालनेत्रसिर पीडाजांनो क्षुधावंदनिद्रानहिमांनो तृषाजोडपीडाअतिहोई लालमूत्रसुनऔषधसोई वावडिंगपितपापडाल्यावे धमाहकिरायताकौडरलावे हलदीमेलभागसमल्याय सतसतमासेकाथचढाय मिसरीमासेसातरलावे गर्मपांनकरतापहटावे चंदनलौंगइलाचील्यावे दारचीनीसाजजहींल्यावे कमीपुष्पजढ' पन्हीपायअगरसुंठमघसंगरलाय कचूरलोध्रसितजीराल्यावे नागरमोथासंगरलावे लेसमऔषधमिसरीपाय दसमासेनितचूरनखाय काकजवंवांसामंगवावे गिलोईनागरमोथापावे चारसुंठकंडेआरीपाय सतसतमासे काथपिलाय इलाचीतवासीरमंगवावे तालीसपत्रसमऔषधपावे दसदसमासेतीनोपाय मासेतीनकपूरमि

लाय पीसछानचूरनवनवावे मासेतींननीरसंगखावे एरनकीजढद्यारमंगाय छिलकावृक्षमीचकापाय तुंमेकीजढकौडमिलावे नागरमोथाहलदीपावे जढचिरायतासंगरलाय लेसमत्र्प्रौषधक्काथवनाय तोला-खंडघृततोलापावे पीवेवकज्वरदोषहटावे ॥ भेददूसराऐसाहोई कालज्वरकरकहिएसोई उद्यमनाहि-सिथलताजांनो सूकतजिव्हाताळूमांनो श्यांममूत्रहिडकीप्रघटावे रोगअसाध्ययतननहिभावे सुंठगि-लोधनिश्रांमंगवाय नागरमोथासंगरलाय लेसमत्र्प्रौषधक्काथवनावे करेपांनज्वरकालहटावे ॥ क्षीनज्वर-तीसरहैसोई पुरातनहोअस्थीगतहोई मुंगीपथ्यउौरनहिसेवै हरडतापमेंकवहुंनदेवै चुलाईजढजढभांगुर-दोई आदितवारमंगावेकोई कुमारीसूत्रलालकरल्याय दक्षणभुजवांधेतपजाय वांमभुजानारीवंधवावे निश्चेतापत्र्प्रापहटजावे कंडेत्र्प्रारीसुंठगिलोईल्याय सतसतमासेक्काथवनाय दोमासेमर्चपीसकरपावे पीवेदिनइकीदुखजावे चिरायतात्रिफलाहलदील्यावे दारूहर्दलकुठरलावे नागरमोथावरेत्र्प्रांपाय वांझ, ककौडासंगरलाय त्रैत्रैमासेक्काथवनावे पीवेक्षीनज्वरहटजावे मुलठीकमित्र्प्रापुष्पमंगाय चंदनदाखकु ठसंगपाय छिलकामहूइंद्रजउोपावे किरायतापद्मलोधमंगवावे त्रिफलाकमलतुरीसंगपाय दोकंडेत्र्प्रा-रीवांसाल्याय दोदोमासेक्काथचढावे पीवेतापपुरातनजावे ॥ चौथाभेदकंपज्वरहोई दोप्रकारकाक-हिएसोई प्रथमभेदत्र्प्रतिकंपदिखावे त्र्प्रतिभयत्र्प्रतिचिंताप्रघटावे कफत्र्प्ररुपित्तहोएतवजांनो आगेभेद-दूसरामांनो दूसरभेदउदासील्यावे तौफुनित्र्प्रधिकशीतदर्शावे पित्तत्र्प्रधिककफथोडाजांनो भेददोईस-मत्र्प्रौषधमांनो मैंदीपत्रकारसनिकसावे गूत्रमेलकरपांनकरावे महिषीगोवरदूधमिलाय पोवेप्राततापहट-जाय सुंटभडिंगीधनित्र्प्रांल्यावे गिलोकिरायतादाखमिलावे लेसमक्काथपिलावेकोई कंपवाततपनासे-होई मघदसमासेपीसमंगावे चीनीखंडताहिसमपावे इकत्तीमासेमधूमिलाय भेडदूधपंजतोलेपाय कर-इकत्रदिनदिनप्रतिचाटे निश्चेकंपवातज्वरकाटे छिलकामहूवृक्षकाल्यावे कांफलमेलभागसमपावे पी-सगूत्रमेंनासिकपाय निश्चेकंपवातज्वरजाय काकजंघजढप्रतिदिनखावे पांनसंगतपदूरहटावे ॥ पंचम-भेदएकांतरकहिए तृतीयज्वरकालक्षणलहिए पुरातनतापनाडगतहोई तृतीयज्वरकाकारनसोई त्र्प्रम-लतासकौडमंगवावे मघहरीडसोसंगरलावे त्रैत्रैमासेक्काथचढाय पीवेतापत्रियानकजाय मघद्दसमा-सेखंडरलावे भेडदूधमधुचटनीखावे नागरमोथासुंठमंगाय त्र्प्रांमलागिलोकंडेत्र्प्रारीपाय सतसतमासेक्काथचढावे पीवेतापत्रियानकजावे हलदीसर्षपपुष्पमंगाय उल्लूकापरसंगरलाय आदितवार-भुजापरवांधे त्रियानकदूरयतनजोसाधे रुधिरकवूतरकामंगवावे कुमारीमूत्रताहुमेंपावे आदितवारभुजावंधवाय निश्चितापत्रियानकजाय चूलाईजढभुजमाहिवंधावे ताहीछिनमेंतापहटावे जिसदिनतापेवगत्र्प्रतिहोई तवजहतंत्रकरेसुनसोई त्र्प्रर्कपासताहीछिनजावे प्रदक्षनकरजहवचनसुनावे मेंमौतनूपौचातूंनाहिपौचदादो-इवारज्योंकहेतापतजसोंचदा छिलकानिंवगिलोईत्र्प्रांने धारइंद्रचउोतासंगठाने पडोलपत्रसमत्र्प्रौषधल्यावे त्रैत्रैमासेक्काथपिलावे सठीचावलसुंदरलेवे त्र्प्रर्कदूधत्रैभावनदेवे तौफुनिदूधथोरकाल्यावे तींनभावनादेइसुका वे चाढत्र्प्रगनपरभस्मवनाय मासेतींनपांनसंगखाय कंपवातज्वरनेतकहोई तृतीयचतुर्थज्वरनासेसोई पटो-लवीजगुग्गुलमंगवावे सपकंजपत्रसर्षपकेपावे धूनीकरेतापहटजाय घोढचडीगोलीसुखदाय छेमाभेदद्वां-तरकाहिए गर्मतापदिनतीसरलहिए तापत्र्प्रसाध्ययतननहिभावे तौभीयतनकरेहटजावे गिलोवांसात्रिफ-लामंगवाय सतसतमासेक्काथचढाय दिनचालीतकसेवनकरिए द्वांतरतापताहिछिनहरिए मुंगोचावलपथ्यखु-लावे करेपालदुखदूरहटावे मघचंदनजढपन्हील्याय गजपिप्पलनागरमोथापाय सतसतमासेक्काथवनावे

ह्वांतरतापत्र्रापहटजावे सुंठगिलोचंदनमंगवाय नागरमोथाघाररलाय वालाधनित्र्रासंगरलावे त्रैत्रैमासेका थपिलावे गोकादूधमखीरमिलाय गोघृतमघमिसरीयुतखाय सहदेवीछिलकानिंवमंगावे वरेत्र्रांकुठसरीह- रलावे कलेहारीमुंडीत्र्रगरमिलाय हरडमेलसमपीसवनाय मधूगावघृतसंगरलावे मर्दनकरतनतापहटा- वे सुंठगिलोकंडेत्र्रारीत्र्रांने तज्जत्र्रांमलेतासंगठांने नागरमोथासंगरलाय मधूमेलकरक्काथपिलाय चुरां ज्वरजोदिनचौथेत्र्रावे कारनत्र्रधकषटेत्र्राईखावे नागरमोथासुंठमंगाय घारकंडेत्र्रारीक्काथपिलाय- ॥ सप्तमभेदरुधिरकरजांनो ॥ तृषात्र्रधिकाशिरपीडामांनो हृदेपीडद्दष्टीघटजावे वकवादकरेभोजनन- हिभावे प्रतिदिनदुर्वलदेहीमांनो जाविधलक्षनयतनपछांनो सरीहवीजत्रिफलामंगवावे श्वेतत्र्राकज- ढसर्षपपावेवीजमीचकारोहिनल्याय गिलोईहलदीसुंठरलाय नागरमोथावैरमंगावे हिंगुवर्चमघसंगरलावे- लेसमत्र्रौषधपीसेकोई त्र्रजामूत्रयुतगोलीहोई दसमासेगर्मनीरसंगखावे सकलभेदकातापह टावे वांसातोलाडूढमंगाय पीसछांनचूरनकरल्याय इकत्तीतोलेमधूरलावे चाटेतापरुधिरकाजावे- ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांज्वराऽधिकारकथनंनामखटविंशोऽधिकारः ॥ २६ ॥



॥ अथउदररोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदरनिदानबषानहौंसुनलीजैचितधार ताकेलक्षणसमुझकैकरैवैद्यउपचार ॥ चौपई ॥ मलिनअन्नकरउदरमंझार मलसंचयहोइकरतविकार वाअजीर्णकरअग्निमंदहोय रोगअनेकप्रगटकरसोय मंदाग्निकरकुपितजोदोष नाडीभ्वेदवहाखेरोक अग्नीप्राणअपानजुवाय ताकोदुखितकरेनितजाय तातेंउदरमध्यवहुरोग होवैप्रगटकरैसंयोग अथउदररोगपूर्वरूपं वलवर्णावलिकांक्षानासउदरनिरोधजीर्णपरकास दाहअवरअज्ञानताहोय वस्तिस्थानपीडारहेजोय पादमाहिजोशोथअपार पूर्वरूपतिसाकियोविचार ॥ अथसामान्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ गमनविषैजुअशक्तिअपार दुर्वलताअरुशोथअफार अंगपीडतंद्राअरुदाह मूत्रपुरीषवंधहोइताह हैंसमस्तजेउदरविकार उदररोगकारहैसंचार-

॥ अथउदररोगअष्टभेदनिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातजपित्तजकफजप्रमान त्रिदोषजअवरपलीहजजान बद्धजक्ष्यतजउदकजयहलहिये आठोभेदउदररुजकहिये ॥

॥ अथवातोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पादहस्तकुक्षनमंझार सोजाउपजतवातविकार कुक्षपार्श्वकटिपृष्ठीमांहि उदरजुपीडाहोवततांहि पर्बभेदसूकीहोइकास अंगमर्दभारीतनतास मलसंग्रहत्वचाश्यामदिषावै अथवालालरंगप्रगटावै अकस्मातउदरवधजाय घटेअकस्मातग्रंथयोगाय उदरऊपरनाडीप्रगटावै सूक्ष्मश्यामरंगदरशावै आध्मानहोवतहेतिसतांई शब्दउदरहोयषालकीन्याई उदरसर्ववायूसंचारत पीडसहितसोशब्दउचारत ॥

॥ अथवातजउदररोगचिकित्सा ॥

॥ वातजउदररोगमंझार यहक्रियाकरेजुसमुझविचार वस्त्रवेष्टनउपनाहनजान एरंडतैलदशमूलपछान स्वेदअवरजोवस्तिनिरूह दुग्धमांसरसयूषसमूह क्रमसेंवैद्यकरेयहयोग वातजउदरहरेसवरोग- ॥ काथ ॥ चौपै ॥ दशमूलकाथसंगएरणतैल पीयेकरेवातजरुजरेल ॥ चूर्ण ॥ त्रिफलाचूर्णगूत्रकेसंग पीयेहोयवातजरुजभंग ॥ काथ ॥ दशमूलकाथसंगगूत्रामिलाय पीयेउदररुजवातजजाय ॥ अथचूर्ण- ॥ चौपै ॥ दंतीकुठत्वीयवक्ष्यार तीनोलवणवरचहिंगुडार चवकजवायणसज्जीजीरा चित्रासुंठीसमलेवीरा पीयेचूर्णतप्तोदकसंग सपीडवातोदरहोइहैभंग ॥ अन्यच ॥ चौपै चूर्णशिलाजितदुग्धरलावै दशमूलकाथसोंपीसुखपावै वातजउदरगेगहोइनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ जोनवीनवातोदरहोय ऊटणीदुग्धपीवैदुःखषोय ॥ अथसामुद्रचूर्ण ॥ चौपै सामुद्रजुसोंचलसैंधापाय विडअजवायणमघांमिलाय अजमोदाचित्रायवक्ष्यार आद्रकहिंगूसभसमडार घृतमिलाययथावलषावै वातोदरअर्शभगंदरजावै गुल्मअजरिणग्रहणीनाश पांडूवायुकोपसुविनाश ॥ चूर्णप्रथमजुग्रासमोषाय रोगसभीतातेंमिटजाय ॥ अथदशमूलादिघृत ॥ चौपै ॥ मघांपिप्पलामूलमंगावै चित्राचवकक्षारसुंठपावै अर्धअर्धपलयहपरिमान अर्धतुलादशमूलपुनठान आदिकदाधिकोमंडमिलावै दोयप्रस्थघृततामेपावै मंदअग्निपकायसोपाय वातोदरशोथगुल्मअर्शनसाय ॥ अन्यच ॥ दशमूलादिघृत ॥ चौपै ॥ दशमूलीसमकाथबनावै रासनासुंठपुनर्नवापावै अरुपावै,

तामोसुरदार घृतमिलायसमलेहुसुधार षावैवातोदरमिटजाय वंगसेनयोंदियोजनाय अथलसणतैल-॥ चौपै तुलाप्रमाणलसणकोंआनै पकायद्रोणजलतामोंठानै पादशेषरहजावैजवै ताम्रपात्रमोंडारेतवै-आढिकएरणतैलमिलावै पुनयहऔषधचूर्णरलावै त्रिफलात्रिकुटादंतीआन सैधाहिंगुवरचकुठठान सुरदारुसुहांजणाचित्रकविडंग सौंचलगजपीपलधरसंग अजवायणपुनर्नवापावै यहसभपलपलचूर्ण-मिलावै त्रिवीअर्धपलपीसमिलावै कौमलअग्निजुताहिपकावै प्रातःकालयथाबलषाय उदरजरोगस-र्वमिटजाय मूत्रकृच्छ्रगुदकृमालिफहरै उदावर्तअंगपीडसुटरै अंत्रावृद्धपार्श्वकुक्षशूल वातजरोगअ-र्शनिरमूल अवरकलेजेकेदुःखजेते दूरहोंहिजानोतुमतेते मासपर्यंततयाहिकोंषावै लसनतैलयहरो-गमिटावै कर्षएकसुहागालीजै कुआरकंदलगीरिसंगरलीजै दोनोकोनितषावैजोय उदरदुःखदूरतिस-होय ॥ इतिवातोदररोगचिकित्सा ॥

॥ अथपित्तोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरमूर्छामुखकटुताजान उदरदाहअतिसारपछान त्वचानेत्रनखपीतदिषावै उदरहरि-तरंगसोलषपावै ताम्रवरणअथवारंगपीत नाडीउदरप्रगटलहुमीत स्वेदउदरपरहोवैतास उदरस्पर्शको-मलपरकाश शीघ्रहिंदेहपाकहोइआवै कंठधुषैपीडाप्रगटावै तृषाअवरभ्रमसंयुतजान लक्षणपित्तउ-दर१हिचान.

॥ अथपित्तोदरचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तोदरीहोवैनरजोय रेचनकरवावैसुनसोय रेचनकीऔषधसुपिसावै घृतअरदुग्धसाथसो-षावै तातेपित्तोदरमिटजाय रोगनाशरोगीसुखपाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ सातलात्रायमानसमलीजै इन्हमोघृतपकायकरपीजै वाघृतअमलतासकेसंग सिद्धकरेपीवैरुजभंग शीतलमधुरसुऔषधपाय सिद्ध-करेघृतनित्यजुषाय पित्तोदररुजहोवैनाश शास्त्रमतीयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलारस-हिंत्रिवीसिद्धकरै घृतसंयुक्तमेलसोधरै रोगीजहपीवैघृततास पित्तोदररुजहोवैनाश ॥ अथन्यग्रोधादिघृत ॥ चौपई ॥ न्यग्रोधादिप्रथमकरक्वाथ पक्वकरैघृतताकेसाथ मधुमिसरीमिलायसोषावै पित्तोदरदुःखभा-ग्योजावै ॥ अन्यचघृत ॥ चौपई ॥ पांचमूलकोकीजैक्वाथ घीऊपकावैताकेसाथ बलअनुसारताहिनि-तषावै पित्तोदरभाग्योकहुजावै ॥ अथदुग्ध ॥ चौपई ॥ पृष्टपर्णिनागरकंडचारी लाक्ष्यबलाचव्हियेस-मडारी दुग्धमोपायकाढसोपीवै नाशरोगपित्तोदरथीवै ॥ इतिपित्तोदरचिकित्सा ॥

॥ अथकफोदरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अंगपींडतनभारीभासै निद्राछर्दअरुचपरकासै त्वचाश्वेतअरुश्वासजुकास उदरनाडी-सितआवृततास उदरकठिनस्पर्शलषपैये शीतस्पर्शउदरपुनलहिये चिरकरवृद्धिकोप्रापतजान निश्चलउ-दरजुस्निग्धपछान शीतवातदुरदिनमंझार कोपकफोदरकरैअपार

॥ अथकफोदरचिकित्सा ॥

॥ चौपई पिप्पल्यादिकफहरजोवस्तु घृतमिलायषावैपरशस्तु नाशकफोदरइहपरकार यहनिश्चय-अपनेमनधार ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ थोहरतरुकोदुग्धमंगावै तासमघृतपकायकरषावै होयकफोदररु-

जकोनाश निश्चयनिजमनकीजैतास ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ मुस्तादीक्काथतैलगोमूत त्रिकुटारसकीजै इकसूत इहऔषधअनुवासनधारै रोगकफोदरदूरनिवारै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचूर्णआनसमकीजै कुलत्थक्काथसोंनितउठपीजै होयकफोदररुजकोनाश कहीप्रसिद्धयहऔषधतास अरुकुलत्थरसत्रिकुटासंग सभोजनषावैहोयरुजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचूर्णगूत्रकेसंग पीवैहोयकफोदरभंग अथवासाथनिंबरसपीजै रोगकफोदरनाशलहीजै ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ सर्षपखलजुआमलेवीज समयहपीसगूत्रमोंदीज करयहउष्णउदरपरबाधै दृढऊपरसुवस्त्रकरसांधै इहप्रकारकरहैनरजोय नाशकफोदररुजकोहोय ॥ इतिकफोदरचिकित्सा ॥

॥ अथत्रिदोषोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातपित्तकफकेसभाचिन्ह इकठेप्रगटहोंहिअविछिन्न ताहित्रिदोषजउदरपछानऐसेंभाषैग्रंथनिदान

॥ अथसन्निपातोदराचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ रोहीतकअवरहरडसमलीजै गूत्रसाथयहचूरणपीजै सन्निपातोदरह्लीहप्रमेह अर्शगुल्मनाशैरुजएह ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ सप्तलाअवरसंखनीआन इन्हसभमोंघृतकरैपकानप्रातहिनितउठषावैतास होयसान्निपातोदरनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुंठीत्रिफलाप्रस्थप्रमानआढिकघृतअरुतैलपछान मंदअग्नियहपायपकावै मधुमिलायताकोनितषावै दोयसंन्निपाततोदरनाशयहउपायकीनोपरकाश ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ दंतीअवरद्रवंतीआन इन्हकेफलकोतैलप्रमान पीयसान्निपातोदरजाय यहभीकह्योउपायसुनाय ॥ इतिसन्निपातोदराचिकित्सा

॥ अथह्लीहोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तप्रवाहनाडजोकहिये तांकेमध्यठिकानालहिये वामभागतिंहह्लीहाजानो दक्षिणभागतिंहयकृतपछांनो विदाहिकअरुअभिष्पंदीजोय वस्तूभक्षणकरैनरकोय रक्तअवरकफइकठेहोय उपजवैंजुह्लीहासोय लिफनामभाषामोंभनै लोकप्रसिद्धजगतयोंगनै वामभागवादक्षिणभाग होतह्लीहालहोविभाग चीरतसदाकलेजारहै नामह्लीहाताकोकहै सोऊह्लीहातींनप्रकार वातजपित्तजकफजाविचार

॥ अथवातजादिह्लीहालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वद्धकोष्टअरुपीडालहिये उदरअफारावातजकहिये पीतवर्णस्वेदपीडयुतकहिये त्रिषादाहज्वरपित्तजलहिये गौरवकठिनअरुचितामान कफजह्लीहालषोसुजान श्वेतवर्णअरस्थूलताजाससीतमहापरिग्रहरहैतास

॥ रक्तजह्लीहालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रक्तमअरदाहजुमोहपछान विवर्णगौरवउत्क्लेदसुजान भ्रमअरुमूर्छासंयुतजोय रक्तजलक्षणजानोसोय वातपित्तकफकेजोलक्षण सन्निपातमोजानविचक्षण पुनवातजादिउपाय ॥ चौपई ॥ वातोदरींहोयनरजोय मघांसलवणतक्रसोंसोय पीवैवातोदरमिटजाय इहविधिभाष्योंसभहिसुनाय ॥ पित्त-

उपाय ॥ चौपई ॥ पित्तोदरीनरमरचपीसाय समशकराप्रातउठषाय होंइपितोदररोगविनाश ऐसे-निश्चयआनोबास ॥ कफजउपाय ॥ चौपै ॥ कफजोदरीजवायणजीरा त्रिकुटामेलचूरणसुनवीरा त-क्रसाथयाकोंजोषाय कफजोदरदुःखतनतेंजाय ॥ सन्निपातोदरउपाय ॥ चौपै ॥ त्रिकुटासैंधाअरुयव-क्षार यहसमचूरणकरोसुधार तक्रसाथपीवैनरजोय रोगसन्निपातोदरषोय

॥ अथयकृद्दाल्युदरनिदानचिकित्सा ॥

॥ अथनिदानं ॥ चौपई ॥ जोयकृद्दाल्युदरीहोय ताकेचिन्हलषोतुमसोय मंदअग्निमंदज्वरतास कफापित्तलक्षणप्रगटेजास होयक्षीणवलपांडुसंयुक्त त्रिषादाहज्वरसोंकरीउक्त वामओरवादक्षिणओर कलेजेकेमलदुष्टकरेंजोर गौरवअवरअफाराजान यकृद्दाल्युदरचिन्हपरिमान इतिनिदानं ॥

॥ अथचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्लीहक्रियाजेतीकछुकही याकीभीसोऊजानोसही दक्षिणभुजाकोरुधिरनिकास इह-भीचिकित्साहितहैतास ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ चित्रामघांजुपिप्पलामूल यहतीनोपीसोसम-तूल घृतमोंपाय्यपकायसुषावै चतुर्गुणअजादुग्धातिंहपावै इहिप्रकारतिसषावैजोय यकृद्दाल्युदरप्लीहाषो-य ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघपीपलसूक्ष्मपीसावै घृतकेसाथनित्यउठषावै चतुर्गुणदुग्धामिलायष-वाय यकृद्दाल्योदरदुःखमिटाय ॥ इतियकृद्दाल्युदराचिकित्सा ॥

॥ अथप्लीहतथायकृतसामान्याचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ ऐरंडतैलगूत्रसोंपीजै अथवादुग्धसंगपीलीजै नाशैसकलजुउदरविकार यहनिश्चयनि-जमनमोंधार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मालकंगुणीतैलमंगावै दुग्धमिलायप्रातपीवावै उदररोगजोअष्ट-प्रकार नाशहोयनिश्चयमनधार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मघांजुथोहरदुग्धभिगावै सहस्रपर्यंतदुग्धसोंपावै अजरामरहोवेनरसोय यहसेवैनिश्चयबुधहोय अथवर्धमानपिप्पलीक्रमः दुग्धमधाक्रमशाथजुषावै द-शदशदशहीदिनाहिवधावै पुनक्रमदशदशलेयघटाइ दुग्धक्रमाहिइसलेयघटाइ उत्तमक्रमदशहीकोजान मध्यमक्रमषटकीनवषान अधमपांचपिपलीसोंकहै दशदिनामिर्यादासोंलहै जौलौसहस्रमघकरेअहार ताहिरसायणदेहउधार वलपुरुषहिकाकल्कप्रमाण दुग्धशाथसोपीयसुजान मध्यमदुग्धकाढसंगपीय क्षी-णबलहिचूरणपयलीय इहक्रमसोंपिपलीजोसेवै वलअनुसारपानशुभलेवै जवपचजायफुनपथ्यसुकरै सठीभातघृतदुग्धसंचरै उदररोगसवहोतनिवार वर्धमानपिपलीजियधार ॥ चौपई ॥ स्नेहपानमर्द-नपुनजान रेचनस्वेदप्लीहाकोहान वामवाहुकीनाडिविधावै रुधिरछुडायप्लीहमिटजावै रुधिरनिकल-नेलागेजवै प्लीहगाढमर्दनकरतवै तातेंदुष्टरक्तनिकसाय रोगप्लीहतातैंमिटजाय ॥ अन्यच ॥ ना-डिवामणिवंधउभारै अंगुष्टमूलकीनाडिनिहारै वाणतपायगुल्मातिंहदेय रोगप्लीहानाशकरेय जासकले-जावहुवधजावै दक्षिणभुजकीनाडिविधावै अथकाथ अमलवेतसहसुहांजणकाथ पीजैसैंधवलवणोहिं-साथ रोगप्लीहकोहोवेनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश अथचूर्णं ॥ चौपई ॥ कुठवरचआद्रकमघ-चित्रा पाठाइंद्रयवकरोइकत्रा अजमोदासमचूरणकीजै उष्णोदकसोंकर्षहिपीजै होवेप्लीहारुजकों नाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अथक्षार ॥ चौपई ॥ क्षीरीवृक्षनदग्धलेक्षार समुद्रसीपक्षारपुन-

डार मघांमिलायदुग्धसोंपीवै नाशछीहरोगकोथीवै ॥ अथपुटपाक ॥ चौपई ॥ अर्कपत्रसंगलवण-
मिलाय करपुटपाकसुअग्निपकाय पीसताहिदधिमंडहिंसंग षावैहोयछीहरुजभंग अथचूर्ण ॥ चौपई ॥
जिह्वातछीहाआश्रयहोय पार्श्वशूलप्रगटावैजोय तासउपायचूर्णयहठांनो सुनलीजैसोप्रगटवषानो-
हिंगुकुठसैंधायवक्ष्यार पुनत्रिकुटासभसमलेडार विजौरेरससोंचूरणषावै छीहाशूलसहितमिटजावै दं-
तीघृतपाडुरुजमेकह्यो छीहरोगमोश्रेष्टसुलह्यो ॥ अथक्ष्यार ॥ चौपै ॥ पलासदग्धकरलीजैक्ष्यार
तासंगपीसमघांतिहडार पीवैताहितेयकेसंग शूलछीहगुल्महोयभंग ॥ चूर्ण ॥ शंखनाभिजोचूर्णकी
जै जंभीरीरससंगकर्षहिपीजै छीहकूर्मसमानमिटावै असप्रकारताकोगुणगावै ॥ अन्यच ॥ सर-
पुंषमूलकोचूरणकीजै तक्रसाथताहूंकोपीजै बहुचिरकालिकछीहविनाशै ताकोगुणअैसेंपरकाशै अन्यच-
चौपै ॥ यवक्ष्यारमघांविडलवणपिसाय करंजूजलहिंपकायसुषाय रोगछीहाकोहोवेनाश निश्चयआनो-
मन मोंतास ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ जवायणचित्राअरुजवक्ष्यार दंतीपिप्पलवरचसुडार यहसमचूर
णतप्तजलसंग पीवैहोयछीहरुजभंग वादधिमंडवामदसोंपीवै नाशछीहारुजकोथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपै
वायविडंगजवायणचित्रा इहतीनोसमकरोइकत्रा सुंठपुनर्नवाअरुसुरदार यहदुगुणोलेचूरणमांडार त्रिवी.
भागचारपुनधरे विधिवतसुंदरपात्रमोकरे वललषउष्ट्रीपयसोंपीवै वृद्धछीहनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥
चौपै ॥ वायविडंगयवसत्तूचित्रा वरावरलावैकरैइकत्रा सैंधाघृतसंयुतकरैतास पयसोंपीवैछीहानाश
वाइन्हकोमधठीकरिपाय दग्धकरैविधिसाथवनाय पयअनूपानसंगजोषावै प्रातषायपुनपथ्यधरावै हो-
वैछींहारोगविनाश दुःखजावैतनसुखप्रकाश ॥ अथमोदक ॥ चौपै ॥ हरडेंजीराअवरमिलावे यहती'
नोंसमपीसमंगावै गुडमिलायमोदककरखाय रोगछीहातातेंमिटजाय ॥ अथअभयावटिका ॥ चौपै ॥
हरडेंपलजोतीनमंगावैं त्रिकुटापलत्रयतासमिलावै जवायणचवकचित्राजुविडंग अमलवेतसैंधाधर-
संग वरचअर्धअर्धपलपाय दालचीनीलाचीतज्ञमिलाय कर्षकर्षलेचूरणकीजै गुडपलतीसताहि-
मोंदीजै वटिकाबांधयथाबलखावे छीहाअर्शगुल्ममिटजावे पांडुकामलाअग्निमंदनाश जठररोगसभ-
करैविनाश ॥ अथअग्निमुखलवण ॥ चौपै ॥ चित्रादंतीत्रिवीपछान त्रिफलापुष्करकरोमिलान स
भसमसैंधालवणमिलावै पीसैथोहरदुग्धमिलावै पुनथोंहरकोदंडमंगाय छिद्रकरैसोचूर्णभराय ऊपरमृ-
तकालेपलगावै अग्निदवायतांहिदग्धावै ताहिनिकासयथावलषाय छीहकलेजारोगमिटाय उदररोगस-
महोवेदूर गुल्मअफाराहोवेंचूर अर्शपांडुकोहोवेनास निश्चयआनोमनमोतास ॥ अथषट्पलघृत ॥
चौपै ॥ मघपीपलचित्रापिपलामूल क्षारसुंठचवकसैंधासमतूल यहपलपलघृतप्रस्थमिलाय दुग्धसभन-
समपायपकाय षावैताहिछीहमिटजावै मंदअग्निउदावर्तमिटावै शोथपांडुश्वासअरुकास अर्धंगवात-
विषमज्वरनाश पीनसरोगजुसीघ्रनसावै षट्पलघृतयहनामकहावै ॥ अथवन्हिषट्पलघृत ॥ चौपै ॥
प्रस्थकरंजुत्वचाकोकाथ प्रस्थजुआद्रकरसदेंसाथ प्रस्थएकदधिमंडमिलावै प्रस्थभिलावेक्काथसमावै प्र-
स्थघृतअमलप्रस्थमिलाय कांजीप्रस्थएकपुनपाय त्रिकुटाहापुषहिंगुदोइजीरें अजमोदापांचलवणसुनवीरे
चवकक्षारपिपलालेंमूल कर्षकर्षयहलेसमतूल हरडअवरमधुतासमिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय षा-
ययथावलअग्निवधाय रोगसभीतातेंमिटजाय छीहउदररोगजुअफार वातोदरकृमअर्शविडार कुष्टज-
लोदरदद्रीनाशै वातजकफजशूलसुविनाशैं ॥ अथचित्रकघृत ॥ चौपै ॥ चित्राक्काथतुलापरमान प्रस्थ-
दोयकांजीतिहठान चारप्रस्थदधिमंडमिलावै एकप्रस्थघृततांहिसमावै तालीसपंचकोलयवक्ष्यार पां-

चलवणदोइजीरेडार दोइरजनीमरचांतजपत्र यहसमपलपलकरोइकत्र सभीमिलायपकायसुषाय झ्रीह-
गुल्मपांडूज्वरजाय उदरविकारसमस्तविनाशैं शूलहृदयपार्श्वनकोनाशैं ऊरधनाभितलेकोशूल उन्मा-
दउदावर्तहोईनिरमूल अरुचशोथअर्शनहिंरहै भस्मकरोगनाशकोंगहै बलवरणकरैअरुअग्निवधावै
चित्रकगुणएतेसुनगावै ॥ अथब्रह्मघृत ॥ चौपई ॥ शिलाकालशाकमघनागार काकादनिमूलहिंगुसंग्धर
पांचोलवणअवरकंडचारी अक्षअक्षयहचहियतडारी प्रस्थएकघृतताहिमिलाय चारप्रस्थ-
गोमूत्रसमाय प्रस्थदोयपयपायपकावै नित्ययथाबलताकोंषावै उदररोगसझ्रीहानास यहगुणब्रह्मघृत-
कीनप्रकाश ॥ अथरोहीतकघृत ॥ चौपई ॥ रोहीतकत्वचापचीसपलपाय दोयप्रस्थतिंहकोलरलाय
अष्टगुनाइन्हतेंजलठान करैकाथसोपुरुषसुजान पादशेषरह्योजलजवै वस्त्रछनायप्रस्थघृततवै पलपल-
पांचोकोलरलावै पकावेताहियथावलषावै होवैझ्रीहारुजकोनाश रोहीतकघृतकोंनप्रकाश
अथमहारोहीतकघृत चौपई शतपलत्चाचारोहीतकआन आढिकवदरीफलपहिचान द्रोणतोयमोंकाथसुकरै
पादशेषरहेछानसुधरै प्रस्थएकघृतताहिमिलावै प्रस्थचारछागलपयपावै कर्षकर्षयहऔषधजान त्रि-
फलात्रिकुटाहिंगुपछान विडजीराअजवायणठानो कुष्ठलवणवचतुंवरुआंनो दाडिमतुम्माअरुसुरदार विडंग
कलोंजीचित्राडार हौपुनर्नवापुष्करमूल अरुजवक्ष्यारसभसिमतूल पायपकायसुपात्रनवीन धरैयथाव-
लषायप्रवीन मांसरसयूषदुग्धअनुपांन झ्रीहाशूलकरैसोहांन मूत्रकृच्छ्रशूलमिटजावै पांडूशूलअजीर्ण-
मिटावै विवंधशूलकामलानिवारै तंद्राअतीसारसभटारै अवरसोज्वरकोकरहैनाश महारोहीतकगुण-
लषतास ॥ अथशंखद्राव ॥ चौपई ॥ सज्जीकचअवरयवक्ष्यार कासीसुहागातामोडार सौराष्ट्रसैंधा-
अरुनोसादर फटकीलिकरताहूंमोधर यहसमचूर्णइकत्रकराय कूटकुठालीनांहिद्रवाय ताकोंनित्यय-
थावलषावै गुल्मपलीहअफाराजावै कंठउदरकेरोगनिवारै ग्रहणीअर्शभगंदरटारै यहश्रीशंकरवच-
नप्रमान षावैइन्हरोगोकीहान ॥ अथकदलीक्ष्यार ॥ चौपई ॥ कदलीअरुतिलनालमंगावै तासमइक्षु-
रसहिमिलावै तीनोसमकरलीजेक्ष्यार तिलतैलमिलायपकायसुधार ताहिनित्पहीषावैजोय प्लीहाना-
तकफरुजकीषोय ॥ अथचित्रकलेह ॥ चौपई ॥ शतपलचित्रालीजैआन पिपलामूलपलशतपुनठान
पलपंजाहदशमूलामिलावै पुनयहचूरणसुनोंलषावै बलाविडंगीअवरकचूर पाठालीजैपुष्करमूर पांच-
पांचपलताहिरलाय चारद्रोणजलमांहिपकाय पादशेषरहैतवछान शतपलगुडतिंहकरोपकान पक्कभ-
येजानैसोजवै यहचूरणतंहमेंलेतवै पंशलोचनमधपलपलचार मरचीत्रिजातकपलपलडार सभहींमेल
इकत्रधरै कडछीसेतीमर्दनकरै सुंदरवासनमाहिधरावै पलप्रमाणमात्रानितषावै प्लीहगुल्मसभउदरवि
कार राजयक्ष्मसोरोगनिरवार भारद्वाजयहचित्रकलेह भाष्योअहैश्रेष्टलषएह ॥ अथपिप्पलीक्ष्यार ॥
॥ चौपई ॥ मघांपंचपलसमयवक्ष्यार लवणपांचपांचोपलडार वेणुअखरोटसरीहपछानो लोधरशिखा
कांगीपुनआनो कंदविशाखामाणकजान गिलोयअवरशरपुंखप्रमान तालीसपत्रअरुलेवेचित्रा
सुहांजनामूलसुकरोइकत्रा बलावारुणासमयहठान पांचपांचपलयहसभजान पलपचीसलषलेहुपलाश
सभकरदग्धभस्मलेतास आढिकगूत्रपुनआढिकतोय सभहीमिलायपकावैसोय घृतजुमिलाययथाबल-
षावै गुल्मप्लीहत्रिदोषजजावै ॥ अथअभयलवण ॥ चौपई ॥ वकाइणथोहरअर्कपलाश अपामार्ग-
चित्रालषतास वरुणाभखडादोकंडचारी अग्निमंथपुनर्नवाडारी सारवाकुटजकोशातकील्याय वनतुलसी-
लेताहिमिलाय यहसमूलपत्रशाखाआन उमलमोंधरकरैकूटान नालतिलोंकीअग्निमंझार विधिवतकी-

जैताकीछार शीतलछारप्रस्थपरिमान मध्यद्रोणजलकरैपकान पादशेषरह्योजवजाने एकप्रस्थतिस-लवणहिठाने आढकगूत्रतासमोंदीजै दृढपात्रअग्निमाहिधरीजै अर्धप्रस्थहरहतिहपाय मंदअग्निसों-तासुपकाय सघनहोययहचूरणठान सोसुनहोअवकरोंवषान जीरात्रिकुटाहिंगुकचूर अवरजवायणपुष्कर मूर अर्धअर्धपलइन्हकोजान लवणअभयतासकोमान नित्ययथावलताकोषावै उदरव्याधसभहीमिटजावै प्लीहकलेजागुल्मनिवारै मंदअग्निहृदरोगविडारै रुजशरकराअश्मरीनाशै गुणयहअभयलवणपरकाशै प्लीहोदरकोकह्योउपाय बंगसेनज्योंदियोलषाय ॥ इतिप्लीहतथायकृतसामान्यचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथबद्धगुदोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पिछलअन्नउपलेपिजान तिन्हकरकुपितमलदोषपछान ज्योंकूडापरिवाहिरहार-रोकरषैयोंलषोविकार तैसेंमलजोगुदकोंरोकै अरुआद्रोंकोंरोकविलोकैं शनैशनैविष्ठाहोईजातैं अल्पअ-ल्पहोवैहेतातैं गुदाऊपरकचअन्नजुआय विष्ठाद्वारवद्धहोइजाय तातैंविष्ठाद्वाररुकावै नाभिउदरवृ-द्धतापावे

॥ अथबद्धगुदोदरीउपाय ॥

॥ चौपई जवायणसेंधाजीरातीन समचूर्णकरैपुरुषप्रवीन तक्रसाथपीवैपुनतास बद्धोदररुजहोवै नाश बद्धोदराजिसनरकोंहोय करैचिकित्साऐसेंसोय विटद्रावकभोजनअरुवस्तु स्नेहपानरेचनप्रशस्तु. लवणतैलमर्दनअरुपान पत्तलवांधेउदरप्रमाण इन्हउपायबद्धोदरनाश आगेंअवरउपायप्रकाश ॥ अथक्षार गुटिका ॥ चौपई ॥ हस्तिअश्वकीलीदमगाय तासुदग्धकरक्ष्यारवनाय पिप्पलामूलमघांवचचित्रा. सूंठत्रिवीपुनकरीइकत्रा पांचलवणअरुदोनोक्ष्यार सातलात्रिफलादंतीडार स्वर्णक्षीरिविषाणकाजान-कर्षकर्षइन्हकोपरमान पीसैकांजीसंगमिलाय गुटिकावद्रिसमानवंधाय कांजीसेतीषावैजोय बद्धगुदो-दरहरहैसोय अवरजलोदरहोवैनाश क्ष्यारगुटिकायोंकीनप्रकाश ॥ इतिबद्धगुदोदराचिकित्सा ॥

॥ अथक्षतोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शल्पभुक्तअन्नआंद्रनजोय इस्थितआयप्राप्तहैसोय अथवाजोभोजनबहुकरै वाअ-तिजृंभांकोंअनुसरै इन्हकारणजोभिद्यतनाडी तिन्हतैंजलमलश्रवतविचारी सोजलमलतलनाभीआय उदरवृद्धकरहैलषपाय अरुसयनाभिदलतीहोय नामक्षतोदरभाषैसोय

॥ अथक्ष्यतोदरीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मघपीपलचूर्णमगवावै मधुमिलायसंगतक्रपिलावै होयक्ष्यतोदरदुःखजुनाश. सुगमउपायकियोपरकाश ॥ अथनिचयोदरीउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाअवरजुलेयवक्ष्यार चूरण-यहसमकरोसुधार तक्रसाथपीवैपुनतास निचयोदरदुःखहोवैनाश

॥ अथजलोदरलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ घृतकोपानअवरउपवास वमनविरेचनबहुआयास अरुव्यायामादिकसोकीजे-इन्हकेअंतजलशीतलपीजै शीघ्रपियेजलशीतलजोय सभआंद्रेनाडिपूर्णजलहोय सोनाडिअरुआंद्रा-

सारी निजनिजकार्यंअसमर्थंनिहारी तिसतैंनाडीतलैमंझार होतजलोदररोगविकार ताकोउदरसानिग्ध लषावै नाभिवर्तुलाकारदिषावै जलकरपूर्णमस्ककिन्याय दिषियतहैसोथलइंहभाय सोनरक्षोभहिंप्राप-तहोय गुडगुडशब्दउदरकरसोय

॥ अथजलोदरीउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पूतिकरंजुबीजपसावै मूलीबीजतासंगमिलावै गवादनीमूलसंखनीआन यहसमचूर्णकरोसुजान कांजीकेसंगप्रातपिलावै रोगजलोदरभाग्योजावै

॥ अथक्षतोदरजलोदरअन्यप्रकारनाडीवेधचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रुजीसभनकीआज्ञालेवे अरुनृपआज्ञालेकरसेवै इष्टदेवनिजलेयमनाय नमसकारगुरुकोंसत-भाय तानंतरवेधक्रियासोकरै इहप्रकारप्रथमाहिंअनुसरै काहैवेधक्रियाकेमाहि जीवनकोशंसालषपांहि-तातैंप्रथमजोमंगलकरै विघ्नअनेकजोयातेंटरैं नाभितलैवेष्टनकरवावै अंगुलचारतरेवेधकरावै नाभीवा-मभागकीओर धान्यमुखसौंवेधकरजोर अथवासूक्ष्मसूईसंग वेधकरैयहलहोप्रसंग मोटोउदरअंगुलपर-मान वेधेचतुराताहिप्रमान तातैंअधिकवेधनहिकरैं आंद्रानिकसबाहिरनाहिंपरैं एकहिदिनसभजलहिनि कारै काहेयांतेबहुरुजधारै कासश्वासज्वरतनप्रगटावत त्रिष्णागात्रभंगउपजावत कंपदेहउपजेअति. सार इकदिनतैंयहउपजविकार पूजाउदरकरतहीरहै याहिचिकित्सामोंउरगहै तीसरवादिनपांचम. पाछैं जलक्रमसोंकाढैंविधिआछैं स्वल्पस्वल्पजलकोंनिकसाय उसहीव्रणसोंश्रवरनविधाय लवणतैल-व्रणकेमुखलावै व्रणमुखपोलेजलनिकसावै जलसभनिकस्योजवहीजानै उदरउपरवंधनपरमानै सरोम-चर्मभेडकालीजै ताहिउदरपरवंधनकीजै तानंतर षटमासप्रयंतु दुग्धपिवावतरहिलषतंतु पुनदूसरषट-मासप्रमाण यहपथदेतरहैसज्ञान तंडुलकोद्रवस्वांकलहीजै दुग्धसंयुक्तपथ्ययहदीजै निरोगीहोयवरषप्रयंतुः तानंतरानिजइछावरतंतु ॥ इतिवेधक्रियाविधिः ॥ अथलोह ॥ चौपई ॥ थोहरअर्कंदंतीअरु-षावै चित्रामाणवकायनपावै यहसमदग्धकरक्ष्यारबनाय प्रस्थक्ष्यारसभकोलषपाय पलासक्ष्यारप्रस्थसं: गदीजै चतुरगुणजलमोंकाथसुकीजै चतुर्थपादशेषलषधरै फुनिक्वाथजहदूसरकरै चित्रादंतीत्रिवीभि-लावै द्रवंतीऔरपुनर्नवापावै रविवृद्धमूलकंचकीआन शतावरितालमूलीपुनजान गिरिकर्णकाअमल तासकंडयारी तजपत्रभंगनीलनीडारी चारचारपलयहपरमान अष्टविशेषकरैकाथसुजान थोहरदूध-अर्कपयआन चारचारपलजानप्रमान सभहीताम्रपात्रमोंपाय षोडशपलघृततांहिमिलाय मंदअ-ग्निधरताहिपकावै अबशीतलयोहोयलषपावै लोहचूर्णषोडशपलआन तामोंपायमिलायसुजान व-लअनुसारताहिनितषावै उदरविकारसकलमिटजावै ॥ इति ॥ अन्यच ॥ औषध ॥ चौपै ॥ पांचलव-णअरुदोनोक्ष्यार पांचऊषणमरचेंपुनडार अजमोदाअरुहिंगुमिलावै तालमूलीचित्रासंगपावै गवाक्षी त्रिवीविडंगपछान दंतीअरुपुनर्नवाठान जिमींकंदअरुपिपलामूल इन्हकाक्वाथकरेसमतूल पादशेष-जबहीसोरहै वस्त्रछाणतासकोंगहै पुनजहऔषधतामोंपाय इकइकपलसोकहोंसुनाय स्वर्णमषीकंकु-ष्ठधरीजै शिलाजीतगुग्गलुसंगदीजै पारागंधकपीसरलावै अल्पअग्निसोंताहिपकावै पुनताहीकोशी-तलकरै ताहीमधुघृतअष्टपलधरै लोहपात्रमोताहिधराय लोहदंडसोंताहिघसाय सप्तदिनापरयंतघ-

खावे निसयथाबलताकोषावे सर्वोदररुजहोवैनाश अनेकप्रकारशोथसविनाश अर्शकामलापांडुजु-रोग यहविशेषनाशैसुनलोग इति

॥ अथसफोदररोगाचिकित्सा ॥

॥ क्राथ ॥ चौपई ॥ हरडागिलोयसुंठसुरदार गिलोपुनरवासमयहडार करैक्राथगुग्गुलअरुगूत पायपिलावैलषयहसूत रोगसफोदरहोवैनाश निश्चयआनोमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ आद्रकचवकसुंठविलकत्थ इन्हकाक्राथवाकल्ककरत्थ तिसकरसिद्धघृतकरैनरजोय अजादुग्धसंगखावैसोय संग्रहणीउत्थितशोथविनासे अरुचिमंदाग्निरोगजुनाशे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लेपुनर्नवाहरडगिलोय दालहलदपुनताहिसमोय करैक्राथगुग्गुलुतिंहपाय अरुगोमूत्रमिलायपिलाय त्वचादोषसभपांडुविनाशे रोगसफोदरकोंसुविनाशे शूलरोगकफरोगानिवारे वंगसैनयोंप्रगटउचारै ॥ अन्यच ॥ निंवपुनर्नवसुंठगिलोय अरुपटोलदालहलदसमोय हरडपायकरक्राथजुकीजै परभातसमयउठरोगीपीजै सर्वांगशोथउदरदुखनास शूलश्वासकासपांडुविनास ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साउदरकीवंगसेनअनुसार आगेंयाकेपथअपथसुनहोकरोउचार

॥ अथदूष्योदरलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जिसपुरुषकाकोइशत्रुहोय सिंहरखमूछखुलावैसोय दुष्टजानवरमलमूत्रजिसको रुधिरवीर्यतुमजानोतिसको अन्नरलायखुलावैकोय दूष्योदरतवप्रगटतहोय विषसंयुतजलाकियेजुपान तातेंरक्तकुपितकरमान रक्तवातपित्तकफमिलजवाहिं दूष्योदरसन्निपातिकतवाहिं वर्षाऋतुमेकोपकोंप्रापित मूर्छांदुःखितकरैसंतापित तृषकरमुखमेंशोषितरहै पीतवर्णकृशदाहतनलहै ॥ चौपई ॥ सर्वोदरचिकित्साजानोजेती दूष्योदरकीमानोतेती भावप्रकासकछूनवषाने ऐसीसमझतुमकरोसिआने

॥ अथसर्वोदरसामान्यचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ शिलाजितत्रिफलगुग्गुलुपावै थोहरदुग्धभिगोयरषावै पुनसुकायचूरणसोकरै गूत्रसाथपीवैदुःखटरै सभहीउदरविकारमिटाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यचूर्ण ॥ चौपई ॥ कालिंगवीजअरुसणकेवीज सुहागामघांशंखनीलीज अवरहिंगुलूवीजरलावे सभसमचूरणपीसवनावे नितगोमूत्रसाथसुपिलाय उदररोगसर्वमिटजाय ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ महिषीमूत्रसप्तदिनपान करैआपनोहितपहिचान तवलगजलकोपाननकरै प्यासलगैतोदुग्धआचरै रोगउदरसभहोवैनाश दुःखजावैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ अजामूत्रवादिवसजुसात ऐसेंपीवैहोइरुजघात ॥ अन्यच ॥ अथवाऊंठमूत्रकोपीवै सप्तदिवसमोंरुजहतथीवै प्यासलगैकरहैपयपान सर्वउदररुजनाशपछान ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ चित्राचवकसमचूरणकीजै ऊंठमूत्रसोंनितउठपीजै असाध्यउदररोगजोहोय निश्चयजानोनाशैसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विशालादंतीत्रिवीमंगाय निशाशंखनीत्रिफलापाय विडंगनीलनीअवरकंवीला यहसमचूरणकरोसुसीला गौमूत्रसोपीवैतास सर्वउदररुजहोवेनास ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ दंतीचित्राचवककविडंग त्रिकुटायहसमपीसोंसंग दुग्धसाथपीवैयहजोय उदररोगनाशसभहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचिवादोनोक्षार पांचोलवणनीलनीडार यहसमचूर-

णपयसौंपान गूल्मोदरकीहोवैहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राचवककविडंग दंतीले-
पीसोतिंहसंग यहसमचूरणपयसोपान होयवृद्धोदररुजकीहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ गवाक्षीदंतीपीस-
मंगाय शंखनित्रअवरनीलिनीपाय यहसमचूरणगूत्रहिंसंग पीवैंउदररोगहोयभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥
लेसुहांजनाअरुसुरदार मजूरशिखांसहकल्कसुधार वाअसगंधचूर्णकरलीजे गूत्रसाथप्रातहिंउठपीजे
वृद्धोदरअरुकमहोइनाश सुखउपजैहोयरोगसुनाश ॥ अन्यच ॥ वर्धमानमघपीपलसेवै उदररोगसभ-
हरसुखलेवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ तंडुलथोहरदूधभिगोय इन्हकायूषवनावैसोय षावैसप्तरात्रिमंझार
उदररोगसभजाहिविकार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ बबूलत्वचाजलमोकरकाथ पुनहिछनावैवस्त्रसाथ
पुनतिसअग्निचढायपकावै घणाहोयतवपात्रधरावै तक्रसाथनितषावैतास होयजलोदररुजकोनाश
तक्रसाथजोभोजनकरै उदररोगतांतेपरिहरै ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ आठमूत्रजोकरहैपान उदररो-
गसभकीहोएहान ॥ अथलेपन ॥ चौपई ॥ अर्कपलाशअवरसुरदार असगंधसुहांजणगजकणाडार
यहसमपीसगूत्रकेसंग लेपउदरकरहोएरुजभंग ॥ अथपटोलादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ पटोलपत्ररज-
नीजुविडंग त्रिफलाकर्षकर्षसमसंग कंवीलाकर्षदोयतिहजानो नीलनीकर्षतीनतिहठानो त्रिवीभाग
चारपुनधरो विधिवतचूरणसुंदरकरो गोमूत्रसंगजोचूरणखाय उदररोगसवहींमिटजाय वनमृगपक्षिन-
केरससंग मृदुओदनखावैअरुचीभंग मांडपेयजोकरहैपान त्रिकुटासहितजुदुग्धप्रमान षटदिनजोन-
रसेवनकरै पुन.चूरणप्रतिदिनअनुचरै पटोलादिचूरणविधिवतखाय उदरविकारतातेंभगजाय पांडु-
कामलाशोथविडारे उदररोगसवहींपरिहारे ॥ अथनारायणचूर्ण ॥ चौपई ॥ जवायणलेधनियांत्रिफलाय
कलौंजीसौंफवरचसुमिलाय अजगंधात्रिकुटाकुटजजुचित्रा स्वर्णक्षीरीजीरासुनमित्रा पिपलामूलस-
टीदोक्ष्यार पुष्करमूलाविडंगसुडार पांचोलवनज्ञातावरिपावै यहसमभागऔषधील्यावै तीनभागदं-
तीधरलेय सातलाचारभागतिंहदेय तुम्मात्रिवीदोयदोभाग यहचूरणषावैबडीविहाग रोगसमस्तना-
शहोयऐसें श्रीनारायणतैराक्षसजैसें ॥ अथअनुपान ॥ जाकोंहोवैउदरविकार तक्रसाथपीवैसुनिहार
गुल्मरोगजाहीकोंहोय रसवेरोंसंगपीवैसोय जाकोहोवैरोगअफार मदरेसोंपीवैंहितधार जाकोवातरो
गजोहोय गिलोयकाथसोंपीवैसोय विटभग्नरोगजाकोंलषपाय दधिमंडसाथताकोपीवाय अर्शविकार-
होइजोजास दाडिमजलहिंपिलावैतास जाकोंरोगअजीरणथीवै उष्णतोयसोंसोनरपीवै
भगंदरपांडुकासअरुश्वास गलग्रहहृदयरोगहोइजास ग्रहणीकुष्टअग्निमंदजोय ज्वरअरुकुष्टजा-
सकोहोय जीवमूलकृत्रिमविषतीन जाकोविषजविकारप्रवीन इतनेरोगनकोअनुपान हैघृतगाव-
उष्णकरपान ॥ इति अथमहाक्ष्यार ॥ चौपई ॥ तिलसर्षपयवत्रैयहनाल दसमूलआढकीदंतीडाल
महूअपामार्गजुगिलोय चित्राऐंद्रीत्रिवीसंजोय कनेरपुनर्नवाअरुत्रिफलाय अर्ककंवीलानिंवरलाय
पुनपुनर्नवारक्तसुजान दशदशपलयहऔषधठान यहकरदग्धभस्मसभल्यावै द्रोणगूत्रसोंताहिपकावै
सातवारगोमूत्रमंझार तांहिपकावैयहपरकार पुनयहचूरणताहिमिलावै पलपलइकइकवस्तुरलावै पाठा-
वचदोयहलदपतीस त्रिवीकंवीलासुंठोपीस पांचोलवणकुठयवक्ष्यार मघांसुहांजणात्रिफलाडार कौड-
भिलावैमुथ्राविडंग अमलवेतदंतीधरसंग देवदारुहिंगूलषलीजे यहसमत्रौषधतामोंदीजे दधिचुक्र-
कांजीयहतीन आढिकआढिकपायप्रवीन आढिकआढिकघृतअरुतेल पायपकावैसभयहमेल उष्ण-
वारिसोंकर्षप्रमान षावैसभरुजउदरकीहान मद्यअम्लपयगूत्तरसंग क्षारषायएतेरुजभंग लिफअर्शगु-

ल्मअरुशूल हृदयरोगक्रमब्रणनिरमूल ग्रहणीपांडुयक्ष्मपरमेह भगंदरउदावर्तहोयषेह कुंडलरोगमूत्रकृ-छ्रनाश अपस्मारकोकरैविनाश ॥ इति अथनाराचघृत ॥ चौपई ॥ थोहरदुग्धदंतीत्रिफलाय चि-त्रावासात्रिवीमिलाय वायविडंगपुनसंगरलावै कर्षकर्षयहपीसमिलावै कुडवएकघृतपायपकाय मा-त्राकर्षप्रमाणधराय तप्तनीरसोंपीवैसोय उदरविकारनाशसभहोय ॥ अथत्रिवृतघृत ॥ चौपई ॥ अष्टगुणापयप्रस्थघृतएक पलथोहरपयलहोविवेक षटपलत्रिवीसुपायपकाय षावैउदररोगमिटजाय ॥ अथबिंदुघृत ॥ चौपई ॥ अर्कदुग्धदोइपलआनीजै षट्पलथोहरदुग्धलहीजै हरडकंबीलात्रि-वीसनाय अमलतासगिरकरनीषाय नीलनिशंखनिदंतीचित्रा यहपलपलपावोसुनमित्रा डेढप्रस्थभ-रजलजुमिलाय वस्तुसभीतिसमाहिरलाय प्रस्थपायघृतताहिपकावै जितनीबूंदांघृतकीषावै तितने-रेचनवेगाहिसंग होवैंहोयरोगकोभंग आठप्रकारजुउदरविकार नाशहोंहिलागैंनाहिंवार गुल्मकुष्ट-शोथमिटजावै भगंदरउदावर्तनरहावै इहसवरोगनाशहोयऐसे वृक्षवज्रघातसोंजैसें ॥ अथशालीपर्णी-तैल ॥ चौपई ॥ शालिपर्णिसहदेवीआन पृष्टपर्णीविदारीठान वलातीनअवरवृद्धिपावै महासताव रीताहिमिलावै दोइसारवादोपार्णिल्यावै जीवकरिषवतुम्मापुनपावै जजूलीकर्षकर्षसभलेय पुनर्न-वाएरणपलपलदेय दशमूलीलीजोपलवीस सभयहकूटलीजियेपीस तोयद्रोणमोंपायपकाय चौसठपलरें-हैवस्त्रछनाय दधिघृतकांजीगोमूत्रसमान प्रस्थप्रस्थइन्हकापारिमान प्रस्थएकपुनएरंडतेल पुनचूर्णइहकी-जैमेल पलाशबीजसोपीसमिलाय थोहरमदनवृक्षत्वचपाय अमलतासचित्राअरुधावै त्रैत्रैपलइह-संगरलावै अरुपललोधरलेयवक्षार थोहरदुग्धचारपलडार पायपकाययथावलषावै रोगसमस्तउदरकोंजावै

॥ अथउदरोगअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ बद्धगुदोदरहोवेइजिसको मासउपरंतअसाध्यहैतिसको पसलीमाहिशूलआवरै नेत्रनमोंसूज-नलषिपरै इंद्रीकायत्वचागलजाय रुधिरमांसतनकछुनरहाय अग्निमंदहोजावेजाको सोअसाध्यजा नोतुमताको पुनपसलिनमोंशूलजुकरै पसलीटूटफूटलषपरै अधिकरुचीसभजातीरहै अतीसारसू जनतनवहै विनअन्नउदरअफारज्योंपेखे उदरअसाध्यचर्कऋषिलेखे उत्थितउदरजुरोगनवीन कष्टसा-ध्यतुमजानप्रवीन होतजलोदरवालिकोंजोय कष्टसाध्याजानोतुमसोय उदररोगनिर्वलिकोंजान अहेअसा-ध्यतुमलषोस्यान

॥ अथउदररोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथअपथतिन्हकोसभअधिकार सुनअपनेमनधारियेसोअवकरोंउचार अथपथ्य ॥ चौपै ॥ रेचनलंघनमदरापथ्य यवमुंगचावललालकुलत्थ वनमृगपक्षिनकोजोमास उदररोगकेपथ-लषतास एरंडतैलतक्रपुनजांनो आद्रकलसुनकरेलेमांनो पुनर्नवाहरडइलाचीकही अरुसुहांजणापथ-लषसही लघुअरुदीपनवस्तुसमस्त गोअजाऊठणीदुग्धप्रसस्त पुनतांबूलपत्रपरमान उदरडंभदेवैहित-जान उदरसवस्त्रनवेष्टनकरै पत्तलवांधेमर्दनधरै जोउदरमध्यहोइलिफविकार ताकोंइटसिटवडउपचार अरुनाडीभुजवेधकरावै रुधिरवाहुमोक्षपथगावै जोवहुआमहुतैंरुजहोय रेचनकरवावैदुखषोय अरुत-लेनाभिकेगुल्लसुदेवै तौव्याधीविनदुःखसुखसेवै वातहुतैंजोदुखप्रगटावै रोगीकोंघृतपांनकरावै ॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथ्यजोकीनेसकलउचार अवअपथ्यवरननकरोंसुनहोपुरुषउदार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥

धूम्रपानअरुबहुजलपान शिरनाडीकोरुधिरछुडान दिनकोशयनछर्दलषलीजै अरुव्यायामअपथ्यल. हीजै इक्षुविकारमिष्टांनजुजेते उदरविकारअपथलषतेते तिलअरुजलजीवनकोमास दाहकउष्णअ. पथलषतास बहुलक्षणगुरुवस्तुपछानो हिमालयनदियनकोजलजानो फलियोंवालेअन्नजुजेते अरु. गुरुअन्नअपथलषतेते ॥ दोहा ॥ उदररोगकेपथअपथभाषेसमुझविचार पथ्यगहेत्यागेअपथतौनाहिहो. यविकार ॥ इतिउदररोगेपथ्यापथ्यआधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ उदररोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिवंगसेनेउदररोगसमाप्तम् ॥

॥अथउदररोगेकर्मविपाकदोषकारणनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपै ॥ मोहलोभभयतेंजोकोय अपनोधर्मत्यागकरसोय अरुब्रह्माविष्णुरुद्रमंझार भेदबुद्धिजोकरैगवार ताहिजलोदररुजसंचरै ऐसेतासउपायउचरै ॥ अथउपाय ॥ चौपै ॥ श्रीशिव. मूर्तपार्वतीसंग रूपेकीवनवायअभंग कुंभएकजलऊपरधरै विधिसोंताकीपूजनकरै कुंभचतुर्दिशदि. गपतचार कुवेरइंद्रयमवरुणविचार इन्हहूंदिगपालनकोंजजै सभकेंमंत्रनहोमहिंसजै दानकरैवि प्रहिंकोंदेय उदररोगसभनाशकरेय ॥ दोहा ॥ दोषजलोदरवरन्योकारणसहउपचार हृदयरोगवर. ननकरोंसोलीजैचितधार ॥ इतिउदररोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथउदररोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ चंदपडैजासिंघमोउदररोगहोइतास फुनदांतनपीडाकरैपेटविकारहिजास औरसुभाव तिहनरविषेस्त्रीसोंवेरकरेइ तृषाभूषकरतृप्तनहिशांतिनआवैतेइ तृष्णामूर्छारोगफुनआयकरेसंजोग चंद्र. मापूजाश्रेष्टातिहाविधविधानहररोग ॥ इतिउदररोगजोतिषसमाप्तम् ॥

॥ अथहृदयरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ हृदयरोगवषानहोंहोवतहृदयमंझार प्रथमहिंकारणतासकेकहोंलषोमतिसार ॥ अथ कारणं ॥ चौपई ॥ अतिगुरुअतिअमलोजोषावै उष्णतिक्तकषायअतिपावै अतिश्रमअतिचिंताकर जोय ताडिनअध्यसनहुतेंहोय विष्टादिकजोवेगरुकावै हृदयरोगएतेप्रगटावै सोहृदरोगपांचपरकार वातजापित्तजकफजविचार कमत्रिदोषतेंउपजतजान पांचप्रकारयोंकरैवाषान प्रथमहिंकोपदोषयह- धरै अन्नरसोंकोदुष्टसुकरै हृदयमध्यपीडाउपजावैं ॥ हृदयरोगयाहीकोंगमवैं ॥

॥ अथवातजहृदयरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदाषैंचियतअसदुखहोय सूचीन्यायवेधियतसोय जैसेमथितमधाणीलहिये तैसेंहृदाम- थितसुलषैये अरुउरफूटतहृदालषावै होयदुटुकडेमनुलषपावै एतेलक्षणवातजजान पैतिजलक्षणक- रोंवषान.

॥ अथहृदयरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्सासुनहृदरोगकीसोहैचारप्रकार भिन्नभिन्नवरननकरोंसुनलीजोचितधार



॥ अथवातजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जिहवातजहृदरोगलषावै प्रथमताहिकोंवमनकरावै घृतसोंवादसमूलीकाथ औषधवमनवालवणहिंसाथ वमनकरायंचिकित्साठानै योंवातजहृदरोगहिंमानै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै - मषांलायचीवचयवक्षार सैंधासौंचलसुंठीडार हिंगुअवरअजमोदाआनै इन्हसभकोसमचूरणठानै कांजीवामदचरवीसाथ पीवैवाघृतकुलत्थकेकाथ वातजहृदयरोगसुनसावै रोगजायरोगीसुखपावै केवलसुंठीकोकरकाथ उष्णउष्णपीवैसुनगाथ श्वासकासकोदूरनिकारै हृदयरोगमंदाग्निविडारै ॥ अन्यच - ॥ चौपै ॥ हरडेसैंधापुष्करमूल सुंठीवीजपूरकोमूल पुनकचूरअमलवेतयवक्षार यहसभऔषधसमलेडार चूर्णघृतमिलायकरपीवै वातजहृदयरोगहतथीवैं ॥ अथकाथ ॥ चौपै ॥ पलासविजोरापुष्करमूर सुंठजवायणकरंजुकचूर जीराश्यामवचासुरदार अरुपाबोतामोंयवक्षार इन्हसमऔषधकोकरकाथ पीवैनित्यलवणकेसाथ वातजहृदयरोगसुनसावै निश्चिअपनेमनमोंल्यावैं ॥ अथघृत ॥ हरडेसुंठीपुष्करमूल लवणहिंगुयवआमलेतूल इन्हकेसंगघृतसिद्धकरौवै वातजहृदयरोगभगजावै ॥ अथतैल ॥ ॥ चौपै ॥ इटसिटविल्वपंचमूलसुरदार कुलत्थकोलरहसनयवडार इन्हसमसभकोकरहेकाथ काथसमानतैलधरसाथ मंदअग्निसोंताहिपकावै मर्दनकरैअवरसोषावै वातजहृदयरोगसुनसाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ इतिवातजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ अथपैत्तिजहृदयरोगलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ त्रिष्णादाहहृदयप्रगटावै पाक्योउरप्रतीतहोइआवै मूर्छास्वेदहवाडनिकाशै धुषेंहृदामुखशोषप्रकाशै हृदयग्लानिनितहोवतताको सर्वांगदाहरहैनितजाको एतेलक्षणपैतिकजान लक्षणकफजकरोप्रगटान ॥ अथपित्तजहृदरोगचिकित्सा ॥ चौपै ॥ वमनवस्तइन्हऔषदसंग देवैप्रथमवमनहैचंग श्रीपरणीवामधुगुडजान वामुलठवामिश्रीमान इन्हसभसोंएकोलषपावै वमनतासकेसाथकरावै अरुशीतललेपनतिसकरै सनिग्धसाथरेचनअनुसरै ॥ अन्यच ॥ मधुरवस्तुसाधितघृतजान पित्तज्वरनासनकाथप्रमान इन्हकोहितसोंसेवेजोय पित्तजहृदयरोगकोंषोय ॥ अन्यच ॥ द्राक्षफालसेमिसरीषावै मधुपावैपैतकरुजजावै अवरपित्तहरअन्नजुपान षावैपीवैहोइरुजहान ॥ अन्यच ॥ मिसरीकोसर्वतवनवावै गुलावतोयतिंहमध्यरलावै मुलठकौडचूर्णतिससंग पीवैपितहृदयरुजभंग ॥ अन्यच॥ अर्जुनतरुकीत्वचामंगावै काडदुग्धमोंनित्यपिलावै पित्तहृदयरोगहोइनाश दुखनाशेतनसुखपरकाश अन्यच ॥ चौपै ॥ अर्जुनत्वचालेछांहिसुकावै पीसैचूरणवस्त्रछनावै साथपंचमूलीकेकाथ अथवावलाकाथकेसाथ वामुठवामधुघृतसंग वासदुग्धपीवैरुजभंग मिसरीवागुडसर्वतसाथ चूरणषावैसुनयहगाथ हृदयरोगजीर्णज्वरनास रक्तपित्तसवदूरनिकास अथकसेरुकादिघृतं ॥ चौपई ॥ कसेरुकसिंवलभेहमुलठ शृंगवेरग्रंथीसुइकठ परपुंडरीकसभीसमलेवै समघृतदुग्धचतुर्गुणदेवै मंदअग्निसोंकरैपकान मधुसोंषावैवडीविहान पित्तजहृदयरोगमिटजावै दुखनासरोगीसुखपावै ॥ अथश्रेयसीयादिघृत॥ चौपै ॥ हरडशरकराद्राक्षछुहार जीवकरिषभवलापुनडार उत्पलमेदअवरमहामेद समयहचूर्णकरोलषभेद काकोलीअरक्षीरककोली चूर्णमोतिसदेयसुघोली महिषिदुग्धघृतमाहिषिमिलाय मृदुलअग्निसोंताहिपकाय वलअनुसारघीउसोंषावै पित्तजहृदयरोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ लघुपंचमूलसाधितघृतजोय वा-

दुग्धइक्षुरससाधितहोय वाद्राक्षारससाधितपांन हृदयरोगपित्तजहोएहान ॥ इतिपित्तजहृदयरोगचिकित्सा

॥ अथकफजहृदरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ गौरवताहृदमुखजलचले जडताअग्निमंदताभले कुपितहोयकफहृदयमोंव्याप्त तिसकरनरअतिक्लेशकोप्राप्त मुखमीठोजुअरुचितामान कफजचिन्हयहकीनवषान

॥ अथकफजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमहिंरुजियेंवमनकरावै मद्यादिहरनकफऔषदषावै अथवाइवेदकरावैतास वालंघनताकोकरेप्रकास ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ कुंभीसुंठीवलाकचूर हरडेंरहसनपुष्करमूर यहसमचूर्णपीसरलावै गोमूत्रसोंनित्यपिलावै कफकोहृदयरोगमिटजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लघुलायचीपिप्पलामूल होंवेरवरचसमतूल यहसमचूर्णइकठोकरै अजामूत्रसोंसेवनधरै गुल्मकफजहृदरोगनिवारै दुखमिटेतनसुखविस्तारै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुत्थरएलाचंदनआन षसत्रिकुटाचित्रात्वकठान कौडजवानीविल्वसुरदार दालहलदानिंवपुनडार पटोलपापडाअसनपतीस त्रायंतीवर्चसौराष्ट्रीपीस किरातसुहांजणपिपलामूल केसरयहसभलेसमतूल चूरणकीजैपीसवनाय यथावलगोमूत्रसोंषाय कफजहृदयकोरोगनिवारै गुल्मअफारसनिपातविडारै इतिकफजहृदयरोगचिकित्स

॥ अथत्रिदोषजहृदयरोगलक्षणं ॥

वातादिककेकहैजुलक्षण इकठेजामोंलखेंविचक्षण सन्निपातयहलक्षणजानो याहीकोअसाध्यकरमांनो त्रिदोषहृदयमोंउपज्योजान करैअपथ्यजोनरअज्ञान तिलगुडक्षीरादिककोंषावै तातेंहृदयग्रंथवझजावै सोऊग्रंथजवैगलजावै तवहृदयमध्यसोकृमउपजावै सोकृमतीव्रपीडउपजांहि थुकथुकीहोएअरुचप्रगटांहि शूलअवरउक्लेदहृल्लास तमअरशोथप्रकटहोयतास श्यामनेत्रदेहसुकजाय अवरउपद्रवकहोंसुनाय उपद्रव ॥ ॥ चौपई ॥ कलेजेमोंपीडाभ्रमापित्त मुखसूकेयोंजानोमित्त इत्यादिकजुउपद्रवकहिये हृदयरोगमोप्रगटलहैये ॥ दोहा हृदयरोगअैसेंकह्यौवैद्यकमतिअनुसार समझचिकित्साजोकरेताकोकहाविकार ॥ इतित्रिदोषजहृदयरोगानिदानसमाप्तं ॥

॥ अथत्रिदोषजहृदयरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिदोषजहृदयरोगहोइजवै हृदमोंकृमउपजावततवै तासचिकित्साअैसेंकही सोअपनेमनआनोसही लंघनअरुपाचनपरिमान यातेंहोयत्रिदोषजहान कृमरोगकीजुचिकित्साकही कृमहृदरोगमोंजानोसही ॥ अन्यच ॥ केवलचूरणविडंगपिसावै गोमूत्रसोंप्रातहिंषावै मांसभातपथ्यदेतास यह उपायकीनोपरकाश हृदयत्रिदोषजहोवेशांत निजमनमोंयहलषोवृतांत ॥ अन्यचउपाय ॥ ॥ चौपै मांसचीरदाधिसंगमिलाय वहुघृतपायवनायरिझाय तीनादिनानितसेवतरहै तानंतररेचनसोगहै रेचनऔषदजवपीसावै लवणविडंगअवश्यरलावै कांजीसोंपुनपीवैसोय गिरेंसभीकृमरेचनहोय यवकीमांडविडंगमिलाय पुनताकोंयहपथ्यषुलाय त्रिदोषजहृदयरोगहोइनाश कीनचिकित्सातासप्रकाश इतित्रिदोषजहृदयरोगाचिकित्सा.

॥ अथसामान्यहृदयरोगाचिकित्सा ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ अमलवेतदाडिमअरुहिंग सुंठसौंचलपावोतिंहसंग यहसमचूरणकेरवनाय ततनीरसौंप्रातहिंशाय हृदयरोगसभहीपरकार नाशहोयनिश्चैमनधार ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ त्रिकुटात्रिफलाजीरकल्याय गजपिप्पलमुत्थरतासमिलाय तिंतडीकतालीसजुआनो कर्षकर्षसभसमलेठानो एककर्षदालचीनीएला लोहचूरणसोपलइकमेला सवहिसमानशर्करापाय चूरणसुंदरधरेवनाय प्रातसमयहचूरणषावै हृदयरोगसवदूरनसावै हिंगुजवायणविडयवक्ष्यार सुंठमघांकुठहरडेडार चित्रासौंचलपुष्करमूल यहसभचूर्णकरोसमतूल यवकेकांजीसाथपिलावै हृदयरोगसोसभमिटजावै ॥ अथ काथ ॥ चौपै ॥ प्रथमहिंदशमूलीकरकाथ सौंचलअरुयवक्ष्याराहिंसाथ पीवैहृदयरोगमिटजावै गुल्मशूलश्वासकासनसावै ॥ आवलेह ॥ चौपै ॥ केवलपुष्करमूलपिसावै मधुमिलायकरनित्यचटावै हृदयरोगक्षईहोइहैनाश हिक्काशूलश्वासहरकाश ॥ अन्यउपायः ॥ हरणशृंगसंपुटमोंपाय दग्धकरैधरअग्निवनाय पीसताहिगोघृतसोंषावै हृदपृष्टशूलततक्षिणामिटजावै अथअन्यउपाय चौपै गोधूमचूर्णतैलगुडपाय करैकडाहताहिनितषाय अजादुग्धऊपरसोंपीवै हृदयरोगशांतितवथीवै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपै ॥ अर्जुनतरुत्वचचूर्णकरावै ताहिचूर्णगोधूमरलावै अजादुग्धअरुघृतसोंपकाय मधुशरकरामिलायसुषाय हृदयरोगसमस्तमिटजावै दुखजावैतनसुखप्रगटावै ॥ अथवल्लभघृत ॥ ॥ चौपै ॥ पचासहरडसौंचलपलदोय मध्यप्रस्थघृतपावैसोय मृदुलअग्निपकायसोषावै हृदयरोगश्वासमिटजावै उदरपीडगुल्मअरुकास नाशैसुखतनकरैप्रकाश ॥ अथक्षीरवल्लभघृत ॥ चौपै ॥ पचासहरडकोदरडसुकरै दोपलसौंचलतामोंधरै प्रस्थएकघृतमोंसोउपावै प्रस्थचारतिहदुग्धमिलावै मंदअग्निपकायसोषाय हृदयरोगअपतंत्रकजाय ॥ अथअर्जनघृत ॥ चौपै ॥ अर्जनुवृक्षत्वचामंगवावै ताहिकुटायपुनरसतिसपावै घृतमोपायपकायसुषावै दुःखमिटेरोगीसुखपावै हृदयरोगकोहोइहैनाश वैद्यकमतयोंकीनप्रकाश ॥ अथवलादिघृत ॥ चौपै ॥ वलाजुनागवलायहदोय अर्जनवृक्षत्वचालेसोय इन्हसमकाथमध्यघृतपाय मुलठीचूरणपायपकाय षावैघृतहृदयरोगनसावै हृदक्षतरक्तपित्तमिटजावै श्वासकासपुननाशकरेह निश्चयमनमोंआनोएह ॥ अन्यच ॥ अथसुदंष्ट्राद्यंघृतं ॥ भषडेवालामंजीठमगाय कास्मारिकटतृणउशीरमिलाय दर्भमूलपृष्टपर्णील्यावै सर्षपशालपर्णीतिहपावै अतीवलापुनकेरमिलान पलपलसवकालेपरिमान इन्हसवकाकरलीजैकाथ क्षीरचतुर्गुणपावोसाथ प्रस्थएकघृततासमोपाय कल्कयाहितिसमाहिरलाय कौंचवीजऋषिभअरमेद जीवंतिअरजीवकभेद शतावरिऋद्धिमुनक्काल्याय शर्करामुंडीभेहामिलाय मंदअग्निसोंघृतजुपकाय षावैघृतयहरोगनशाय वातपित्तहृदरोगजुशूल मूत्रकृच्छ्रप्रमेहानिरमूल अर्शश्वासकासक्षयनास अवररोगजोकरोंप्रकाश वलकरधनुषर्षैचनोजान अतीकरस्त्रीसेवनमान भारउठावनमार्गचलन इहसवक्षीणमासवलकरन सोवलक्षीणहरैघृतजोइ वंगसेनकहदीयोसोइ ॥ दोहा ॥ कहीचिकित्साहृदरोगकीवंगसेनअनुसार उरग्रहरोगनिदानसुनसौंअवकरोंउचार ॥ इतिश्रीहृदरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथउरग्रहरोगनिदानं ॥

॥ दोहा ॥ उरग्रहरोगनिदानकोंसुनलीजैचितलाय जैसेंभाष्योग्रंथमोंतेसैंदेहुंवताय ॥ चौपै ॥ गुरुसूकोनरअन्नजुषावै अरुदुर्गंधीमांसअचवावै इन्हतैंआमयकर्त्तहैजोय अरुपलीहतीनोंवधैंसोय तव-

कफवातदोऊमिलश्राम उरग्रहरोगहृदयप्रगटान उरपीडाहृदयपकड्योहोय श्ररुभारीछुहिजायनसोय श्रवरश्रफाराप्रगटैश्राय कुक्षहृदयमोंशोथलषाय विष्टामूत्रदोऊरुकजावै तंद्राश्ररुचशूलप्रगटावै ॥ सोरठा उरग्रहकह्योनिदानकह्योंचीकित्सातासकी सुनलीजैचितश्रान जैसेंभाषीग्रंथमों इतिउरग्रहनिदानसमाप्तम्

॥ श्रथउरग्रहरोगानिदानं ॥

॥ दोहा ॥ उरग्रहरोगनिदानकोंसुनलीजैवितलाय जैसेंभाष्योग्रंथमोंतिसेंदेहुंवताय ॥ चौपई ॥ गुरुसूकोनरश्रन्नजुषावै श्ररुदुर्गंधीमांसश्रचवावै इन्हतेंश्रामयकर्तहैजोय श्ररुपलीहतीनोंवधैंसोय तवकफवातदोऊमिलश्राम उरग्रहरोगहृदयप्रगटान उरपीडाहृदयपकड्योहोय श्ररुभारीछुहिजायनसोयश्रवरश्रफाराप्रगटैश्राय कुक्षहृदयमोशोथलषाय विष्टामूत्रदोऊरुकजावै तंद्राश्ररुचशूलप्रगटावै ॥ सोरठा ॥ उरग्रहकह्योनिदानकहोंचिकित्सातासकी सुनलीजैचितश्रान जैसेंभाषीग्रथमों इतिउरग्रहनिदानसमाप्तम् ॥

॥ श्रथउरग्रहरोगाचिकित्सानिरूपणम् ॥

दोहा रोगउरग्रहकीकहोंसुनोंचिकित्साजोय वंगसेंनजैसेंकहीतैसेंभाषोंसोय ॥ चौपई ॥ देवैगुल्हसेकश्ररुस्वेद रक्तमोक्षरेचनहरषेद तीक्षणवस्तुकरवस्तिनिरूह श्ररुकरलंघनसमझसमूह याहिंचिकित्सासोंरुजनाशै होइश्रारोग्यदेहदुतिभासै ॥ श्रन्यउपाय ॥ चौपई ॥ जीयापोतेतहरसश्रान श्ररुसुहांजणारसपहिचान सूर्यावर्तरसपुनसंगलेय श्रवरवलारससंगमिलेय हिंगूपंचलवणतिंहपाय वागुडत्रिवीमिलायवनाय गोमूत्रतैलमदश्रासवसंग चूर्णषायहोयरुजभंग उरग्रहरोगनिवारणहोय निश्चैश्रानोमनमोंसोय श्रथचूर्ण ॥ चौपई ॥ श्रमलवेतचविकाहिंगुयवक्षार श्ररुपुनचित्राताामोडार समसमस्तलेचूरणकीजै कांजीतैलसाथसोपीजै रोगउरग्रहहोवैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ रोगउरग्रहकीकही समझसमस्तविचार जेऊचिकित्सायहकरैमिटहैरोगविकार ॥ इतिश्रीउरग्रहरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ श्रथहृदयउरग्रहरोगपथ्यापथ्यश्रधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथहृदरोगकेसभहीकहोंसुनाय जैसेंभाख्योग्रंथमततैसेंरचोंवनाय ॥ दोहा ॥ ह्रदयउरग्रहरोगकेपथ्यापथ्यप्रमान जाविधग्रंथमतीलहीताविधकरोंवषान श्रथपथ्यं ॥ चौपई ॥ रेचनचलंघनवमनकहीजै वस्तीकर्मस्वेदलषलीजै सठीपुरातनचावलजाने मृगपक्षिमांसरसाहितमाने मुंगकुलथरसषंडप्रमानकदलीफलश्रनारपहिचान कूष्मांडजुपुरातनहोय वर्षाजलपटोललषसोय नवमूलीजुमनक्कादाष तक्रपुरातनगुडलषराष एरंडतैललसुनकुठजान सेंधालवणहरडपुनमान सुंठीजवायणधनियांकहिये श्राद्रककांजीचंदनलहिये मद्यवारुणीकस्तूरीजो पत्रतमालपथ्यजानोसो दोहा पथ्यकहेहृदिरोगकेसमुझोपुरुषसुजानश्रवश्रपथ्यवरननकरों शास्त्रमतीश्रनुमान ॥ श्रथश्रपथ्यं ॥ चौपई ॥ त्रिषाछर्दमूत्राविष्टाऊ वीर्यश्वासश्रमश्ररुश्रथवाऊ श्ररुडिकारइत्यादिकजानो इन्हकोवेगरोकनोमानो सोश्रपथ्यवडमानलहीजै मोक्षणरुधिरश्रपथ्यकहीजै सरिताविंध्याचलपर्वतश्राषै इन्हसरिताजलश्रपथ्यसुभाषै महूफूलफलवरतुजुक्षयारयहश्रपथ्यकीन्हैनिरधार ॥ इतिश्रपथ्य ॥ दोहा ॥ हृद्यादिककेपथश्रपथसमु झेकीनउचार जानाचिकित्साजोकरेताकीवुद्धिउदार इतिहृदिउरग्रहरोगपथ्यापथ्यश्रधिकार समाप्तम् ॥

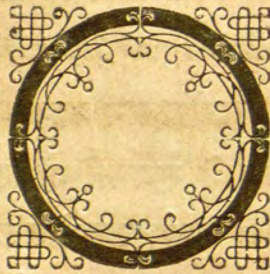
॥ अथहृदयरोगकर्मविपाकमाह ॥

॥ चौपई ॥ कामक्रोधलोभअनुसार परकोंदुखदेवैनरग्वार अरुब्राह्मणधनवृतिहरेय अरुपरनिंदाभाषैजेय तिसकोंहृदयरोगप्रगटावै अैसेंतासउपायलषावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णमूर्तिलक्ष्मीनारायण रौप्यकमलपरधरअघचायण पूजैपीतफूलपीतांवर पंचद्रोणतंडुलपरतिहधर विष्णुमंत्रकरहवनकरेय संकल्पश्रेष्टब्राह्मणकोंदेय हृदयरोगताकोहोइनाश कर्मविपाककीनपरकाश ॥ दोहा ॥ हृदयरोगवरननकियोकारणसाहितउपाय अजीर्णरोगकेदोषकोभाषोंसुनमनलाय

इतिहृदयरोगदोषकारणउपायसमाप्त् ॥

॥ अथहृदयरोगज्योतिष ॥

दोहा छायासुतचौथापडैसूर्यपडैकुंभमान हृदयरोगहोइताहि नरनिश्चयजियमोंजान शनीजापअरुमंत्रविधिसूर्य्यबलीसोदेय अैसेकारणहोमजपव्याधीपुरुषहरेय ॥ इतिज्योतिषं ॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांहृदयरोगाऽधिकारकथनंनामसप्तविंशोऽधिकारः ॥ २७



॥ अथअजीर्णरोगनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ अजीरणरोगवषानहों अरुजोअग्निप्रकाश प्रथमनिदानसुनायकरकहोंचिकित्सातास

॥ अथअग्निकृतनिदानवरनणं ॥

॥ चौपई ॥ उदरमध्यअग्नीजोरहै सोऊचारप्रकारकीअहै मंदअग्निजोएककहावै तीक्षणअग्निदूस रीगावै विष्मअग्नितीसरिपहिचान समाजिहनामचतुर्थीमान तिन्हकोक्रमअैसेंलषलीजै कफतैंमंदअग्निसुकहीजै पिततैंतीक्षणअग्निलषात्रै वातहुतैंविष्माग्निकहावै समत्रिदोषतैंसमकोंजान चारप्रकारयों कीनवषान मंदअग्निकफरोगवधावै तीक्षणपित्तरोगअधिकावै विष्मवातरोगहिंप्रगटावत समसमरोगकरैयोंगावत मंदअग्निहोवतहैजाहि भोजनस्वल्पपचैनहिताहि विष्मअग्निजाकेतनरचै अन्नपचैकवहूंनहींवचै तीक्षणअग्निजासतनमांहि जोवहअल्पअधिकवाषाहि तिन्हकोंसभभोजनपचजावै परभस्मकरोगाहिंउपजावै भस्मकरुजइहभांतकहीजै जवकफक्षीणभईजुलहीजै आश्रयवातहोयपितकोपे सोऊभस्मकरुजआरोपै जोसभहीकोंभस्मकरावै यातैंभस्मकनामकहावै भस्मकात्रिषाश्वासउपजावत दाहमूर्छाकोंसोप्रगटावत अन्नपचायधातोंकोंदाहै अन्नभक्षैतैंशांतिग्रहाहै भस्मकवालोजोनरहोय अन्नपचेतैंतडफतसोय पुरुषसमाग्नीहोयजोकोंऊ सभप्रकारकरश्रेष्टहैसोऊ भोजनपचैअवरवलधरै यातैंश्रेष्टताहिउच्चरै मंदाग्निसोंअजीर्णहोय विवराताकाकहुंसुनसोय सोइअजीर्णषट्परकार ग्रंथकारमतकह्योविचार इकआचारजअैसेंभाषैं रसरहैंशेषअजीरणआषै अजीरणतेअन्नकाचोरहै पचैनाहिअैसेंलषलहै एकअजीरणअवरप्रकार सोसुनहोयोकीनउचार निर्दोषपाककरैदिनमाहि अजीर्णपंचमताकोगाहि अठप्रहरमोंअन्नपचैकर विनाअफारपचैयोंमनधर एकअजीर्णप्राकृतकहिये जाकेतनमोंसदालहैये अजीरणतैंहोवैंवहुरोग तातैंरक्ष्याकरणीयोग ॥

॥ अथअग्निचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमचिकित्साअग्निकीभाषोंसुनोसुजान पुनभाषोंजुअजीर्णकीमूलअग्निपहिचान ॥ दोहा ॥ समजोअग्निसुश्रेष्टहैभाषैंवैघपुरान तारक्ष्याअन्नपानसोंकरहैपुरुषसुजान ॥दोहा ॥ मंदअग्निकषायतिक्तकटुवमनचिकित्साठान इन्हउपायकरवैद्यजोकरैतासकीहान ॥ दोहा ॥ मधुरसनिग्धगुरुशीतसोंतीक्षणअग्निसमोय यहप्रकारसमुझेतऊचतुरवैद्यहैसोय ॥ दोहा ॥ विष्मअग्नियाकोलषैतासचिकित्साएह सनेहअमलजोलवणअरुऔषदतापरदेह॥ अथअग्निउपाय चौपई ॥ सौंचलहिंगुपीसयहदोय अन्नमांडसोंपीवैसोय उष्णमांडकरजोजनपीवै विष्मअग्नियातैंसमथीवै मंदअग्निपुनदीपतहोय जानलहोअपनेमनसोय ॥अन्यचउपाय॥ चौपई ॥ प्रस्तीतंडुलदोयमंगावै एकप्रस्तमुंगरलावै त्रिकुटाधनीयांसेंधाजान हिंगुतैलयहतामोठान अष्टगुणाजलतामोपाय सुंदरमांडलयेंजुवनाय याहिमांडकोंपीवैजोय वस्तीशोधक्षुधाकरसोय वलअरुरुधवधावैएह ज्वरहरतायाकोंलषलेह अरुकफपित्तवातहरजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडपीससुंठीसोंषाय अथवासेंधागुडसोभाय अग्निनिरंतरदीपनकरै याकोगुणअैसोउरधरै ॥ अन्यच उपाय ॥ चौपई ॥ सुंठीमघांजुहरडमंगाय दाडिमगुडमिलायसोषाय भिन्नभिन्नकरजानोतीन ऐसोग्रंथकारमतकीन यहसमगुटकाजोजनषावै आमअजीर्णकवजनसावै गुदारोगपरहितकरएह अपनेमनमोजानलषेह ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ विडंगभिलावोचित्राठान सुंठगिलोयगुडक-

रोमिलान घृतमिलायचाटैनरकोय वडवातुल्यअग्निततिसहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडनिंवसमपीसरला वै ततनीरसोंजोजनषावै दद्रुस्फोटतासकोनाशें आग्निवधैवहुक्षुधाप्रकाशे ॥ चूर्ण ॥ चित्रासेंधासुंठजवायण- मरचपीससमकरोमिलायण तक्रअमलसोंषावैसोय सप्तदिवसअग्निवहुहोय पांडुअजीरणअर्शमिटावै वंगसेनयोंभाषसुनावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडधान्याम्लसोंसिद्धकराय सेंधाहिंगुपिप्पलीसमभाय तप्तनीरसोंषावैजोय भुसेंडिकारअजीरणषोय क्षुधाकरैवहुअग्निवधाय इहप्रकारयाकोंलषपाय॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ सुंठीचूरणसमयवक्ष्यार घृतसोंचाटैपुरुषउदार अग्निवधैतनमोवलहोय निश्चैजानोताकोंसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडमघांसुंठीयहतीन यहसमचूर्णकरोप्रवीन तप्ततोयसोंपीवैतास अग्निवधैत्रि- दोषहोइनाश ॥ अथक्काथः ॥ चौपई ॥ केवलसुंठकाथसोपीवै अजीरणनाशैतनसुखथीवै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ सुंठीहरडागिलोयामिलाय करैकाथमंदाग्निमिटाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटाचित्राचव कसमतूल अरुपायताहीमोंपिपलामूल दालचीनीतजपत्तरपाय विधिसोंचूर्णलयेंवनाय यहचूर्णकरषा- वैजोय मंदअग्निजुमिटावैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ उपवासाहिंसोंमंदअग्निलषावै तवघृतपाय- यवागूषावै मंदअग्निताकीमिटजाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय जोरौक्षताहूतेंयहजानै मंदअग्निउरमोंप्र- गटानै मरचांघृत्तवातैलहिंसंग पीवैमंदअग्निहोइभंग मन्दाग्नीजवकरेप्रवेश चूरणआशवअर्कविशेश- भिन्नगुदोपलहोयतनजास मदराआसवतैलप्रकास उदावर्त्तमंदाग्नीमाहि वस्तिनिरूहवैद्यजोगाहि ॥ इति- अग्निकरचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथअजीर्णनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ होतअजीरणअतिजलपान मात्राअधिकभोजनतैमान अवरविष्मभोजनतैलहिये- दृष्टलगैंभोजनतैंकहिये अतिमाधुर्यहुतेंपुनजानो अतिसानिग्धभोजनतैंमानो विष्टादिकजोवेगरुकावै- ताहिअजीरणप्रगटलषावै दिनकोंसोवैरात्रिकोंजागै ताकोरोगअजीरणलागै चिंताक्रोधशोकभयजान ईर्षादुःखशय्यातैंमान काचोअन्नजुभोजनकरै ताहिअजीरणआयसंचरै अप्रसंनइकभोजनषावै अप्र- माणषावैदुखपावै नामअजीरणताकोकह्यो मूलअनेकरोगकोलह्यो

॥ अथसामान्यअजीर्णलक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ अप्रसन्नमनरहिहैजास गुरुतारहैंसदातनतास जोजोवस्तुनकोंजोषावै तिंहतिंहको- डिकारवहुआवैं

॥ अथवातविदग्धलक्षनं ॥

॥ चौपई ॥ वातहुत्तेजुअजीरणहोय उदरअफारशूलकरसोय देहीपीडाहोवैजास मलअरुअ- धोवायुनाहिंतास अंगअंगमोंपीडाहोय वातकृत्तयोंजानोसोय मोहस्तंभरहेतनतास वातविदग्धक्रियोप- रकास

॥ अथपित्तविदग्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पित्तकृतजेऊअजीरणकहिये त्रिषामोहमूर्छावहुलहिये धूमसहितडिकारजोआवैं सखेदपित्तकृतदोषलषावै

॥ अथकफविदग्धलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफकृतहोएअजीरणजास एतेलक्षणलषियततास अन्नउौरदेष्योनाहिंभावै हृदाअशुद्ध-भारीलषपावै कफकृतलक्षणएतेजान अजीर्णउपद्रवकरोंवषांन

॥ अथअजीर्णषटप्रकारवरननम् ॥

॥ चौपई ॥ मलअरुअधोवातहोइवंद कवजषुलैहोंइपतलेछंद भोजनचाहअशुद्धडिकार गौरवअं-गयहषटपरकार

॥ अथअजीर्णरसलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जीरणरसताहीकोगावै जोरसभोजनकोपचजावै ताकेलक्षणऐसेजान शास्त्रनिदानकहे-स्योंमान वलशरीरमोंमनउत्साह शुद्धडिकारजुआवेंताह होइमलमूत्रयथोचितप्रवृत्त लघुताहोइतनभारनिवृत्त-क्षुधात्रिषाहोवतमनभावत जीरणरसयोंलक्षणगावत ॥ दोहा ॥ अजीरणजीरणलक्षणकहेदेषजुग्रंथनिदान इन्हैसमुझकरवैद्यजोकरैचिकित्साठान ॥ इतिअजीर्णरसनिदानलक्षणसमाप्तम् ॥

॥ अथअजीर्णउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छावमनअवरवकवाद मुखतेंजलचलवेमिरजाद अंगअंगपीडाभ्रमहोय मरणहोयलषि-यतहैसोय सातउपद्रवकरेवषान रोगअजीरणकेयोजान हृदयअन्नरसजवलगहोय तवलगअंगभेदिये-जोय जैसेविषकाअमलभनीजै तैसेरसकाअमलकहीजै थोडाभीरसकाचोजवलग षावैनाहिनभोज-जनतवलग जोभीइछाभोजनहोय तौभीवुधजनषायनसोय जोकाचेरसभोजनषावै विषकीन्याईसो-ईप्रगटावै विषकीन्यांईमारैसोय शेषरहैकाचोरसजोय होतअजीर्णतैयहतीन विसूचीअलसक-विलंवकाचीन.

॥ अथअजीर्णचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्साकहोंअजीर्णकीसुनलीजैचितधार रोगनिवारैवलकरैप्रगटैक्षुधाअपार इस्त्रीसंगअ-रुमार्गचलनते असवारिव्यायामकरनते इन्हकरथकितहोयनरजोय वायुतनरअतिसारकेहोय श्वास-शूलत्रिषायुतजान वायूपीडतहिक्कामान वलकरक्षीणकफक्षीणहैजोय मदपीडतवृद्धायुतहोय विरसको-भक्षणरात्रिकोजागण योनरयुक्तअजीरणकारण इतनेपुरुषकहैजोलोग सुखसैंशयनकरावणयोग ॥ अथलेपनं ॥ चौपई ॥ त्रिकुटासैंधाहिंगुमिलाय सूक्ष्मपीसतप्तजलपाय लेपनउदऊपरहिंकरै दि-नमोंसोयरहैनाहिंटरै सर्वअजीरणहोवैनाश क्षुधावधैतनवलपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडमघां-सौंचलयहतीन समलेपीसेपुरुषप्रवीन कांजीवातप्तोदकसंग चूर्णषावैहोयानिसंग वलअनुसारपानसो. करै चारप्रकारअचीर्णहरै अरुचमंदअग्नजुअफार वातगुल्मशूलकोंटार ॥ अथअविलेह ॥ चौपै ॥ जोकौऊपरभोजनकरै हृदयकंठजलनसीपरै तिसकौंयहअविलेहचटावै अन्नपचैअरुजलणामिटावै द्राक्षमनक्काहरडपिसाय मिसरीमाष्योंसाथमिलाय जहनितचाटैतनसुखहोय वैद्यकमोंभाष्योहैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ चित्राचवकपीपलामूल सुंठमघांलेवैसमतूल इन्हकरसाध्ययवागूपीवै वातशूलगुल्महतथीवै अग्निप्रकाशअजीरणनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथभस्मप्रकार ॥ चौपई ॥

कोगडसप्तपर्णजुमंगावे दोयकरजुजंवाहापावे पाठाश्रमलतासपुनश्रान यहसभलेवेपुरुषसुजान श्रवरमैनफलमूर्वावर्च यहसभवस्तूलेहसमर्च विधिसोंभस्मकरैपुनजोय गौमूत्रसोंपीवैसोय श्रग्निवधैजुश्रजीरणनाशै महाघोरयहशूलविनाशै ॥ श्रथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडसौंचलजुपतीस वचत्रिकुटायह समलेपीस तप्तयोयसोंपीवैजोय नाशश्रजीरणशूलजुहोय ॥ श्रथहिंग्वाष्टकचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रातहिंभोजनकरैजुकोय सायंसमयशूलजिसहोय श्ररुजोसायंभोजनकरै प्रातहिंश्रायशूलसंचरै प्रणामशूल यहनामकहावे यहश्रौषदताकोंभुगतावै त्रिकुटाश्रजमोदादोइजीर सैंधाहिंगुपायसमधीर इन्हकोचूर्णकरेजुवनाय घृतसोंताकोंलेहुरलाय प्रथमाहिंएकग्रासताषावै तापाछैभोजनकोपावे जठरश्रग्निदीपतश्रतिहोय वातप्रणामशूलकोषोय हिंग्वाष्टकयहकीनवषान जानलीजियेपुरुषसुजान ॥ श्रथश्रग्निमुखचूरण ॥ चौपई ॥ एकभागहिंगूकोश्रान दुगुणीवरचतासमोंठान त्रिगुणीमघपीपलींजुमिलाय चतुर्गुणसुंठीश्रानरलाय पंचगुणीश्रजवायणपावै हरडषट्गुणीताहिमिलावै सप्तगुणाचित्रातिंहठान श्रष्टगुणातिहकुष्टामिलान निजवलदेषचूर्णयहषावै तप्तोदकसोंवातमिटावे वादधिमंडवामदरासंगपीवैताकोहोइदुखभंग श्रजीर्णउदावर्त्तलिफनाशै श्रंगश्रंगकीपीडविनासै जिसपुरुषहिंविषखाईहोय ताकोश्रेष्टलखोपुनसोय कफहरश्रर्शगुल्यहरजान सभरोगनपरश्रहैप्रमान ॥ श्रथद्विश्रग्निमुखचूर्ण ॥ चौपई ॥ चित्राहिंगुपिप्पलामूर सौंचलधनियाचवककचूर दाडिमश्रजमोदाश्रजवान मघांतिंतडीजीराठान लघुवडिलाइचीपुष्करमूल श्रमलवेतचूरणसमतूल कांजीवादधिवाततोय इन्हसोंपीवैचूरणसोय श्ररुचश्रजीरणगुल्मनसाय शूलश्रर्शमंदाग्निमिटाय रोगवातकफालिफनिवारै एतेरोगदूरकरडारै ॥ श्रथभास्करलवणं ॥ चौपई ॥ मघपीपलधनियांलषलेहु कालाजीरातामोंदेहु तालीसपत्रतजपत्रप्रमानसैंधाश्ररुविडकरोमिलान गजकेसरश्ररुपिप्पलामूल दोइदोइपललेसमतूल सौंचललवणपाचपलपायमचरसुंठइकइकपलभाय सितजरिापुनइकपललीजें श्रर्धश्रर्धपलपलासत्वचकीजे समुद्रलवणदोइकुडवमगाय कुडवएकदाडिमातिंहपाय दोइपलश्रमलवेतसुमिलावै श्रमृतसमयहचूरणकहावै भास्करलवणनामइहिकहिये भास्कररच्योलोकहितलहिये तक्रजुदधिवाकांजीसंग वामदसोंपीवैरुजभंग श्रजीर्णवातकफरोगाविनाशै श्रर्शशोथसंग्रहणीनाशै कुष्टभगंदरगुल्मनिवारै हृदयरोगलिफक्षईविडारै श्रामरोगशूलश्ररुश्वास वातरक्तपुनजावैकास एतेरोगनकीकरहान भास्करलवणमहासुखदान ॥ श्रथवडवानलचूर्ण ॥ चौपई ॥ एकभागसैंधाजोलेहु पिपलामूलभागदोइदेहु तीनभागमघपीपलपाय चारभागतंहचवकमिलाय पांचभागचित्रापुनजान सुंठभागषटकरोप्रमान श्रष्टभागश्रभयापुनपाय चूर्णयहजुयथावलषाय श्रग्निवधावतश्रन्नपचावत रोगश्रजीर्णादिमिटजावत ॥ श्रथहिंग्वादिद्वादशकचूरण ॥ चौपई ॥ हिंगुजुसैंधामघांपछान पिपलामूलकंकोलप्रमान जवायणहरडदाडिमलषलेहु श्रमलवेतचित्रातंहदेहु श्रवरसुंठयहसकलमंगावै क्रमकरइकइकभागवधावै यहचूरणव्रह्माजुवषान्यो लोकनकोहितमनश्रनुमान्यो षावैयाकोंवलश्रनुसार श्ररुचगुल्महरपंचप्रकार हृदयरोगजोपलीहश्रफार शूलश्रजीरणश्रर्शविडार ॥ श्रथवृहतश्रग्निमुखचूर्ण ॥ चौपै ॥ यवक्ष्यारलेपुनसज्जीक्ष्यार चित्रापाठाकरंजूडार पंचलवणलघुलाइचीठानै हिंगुभिडंगीवरचमिलानै तजकेपत्रविडंगमिलावै दालहलदइंद्रयवपावै मुस्थरत्रिवीश्रामलेजान दाइजीरेगजपीपलठान वृष्यामलश्रमलीलषलीजै श्रमलवेतदाडिमतंहदीजै त्रिकुटाश्रजमोदाजुमिलावे-

देवदारुहरडेंपुनपावै निंवप्रयंगूतालमषान अमलतासतिलकालेठान अवरसुहांजणेवीजजुपावै पलासअवरभोक्ष्यारामिलावै पुहकरमूलकचूरपतीस वस्तुसभसमलेवेपीस लोहेमैलगोमूत्तरसंग शुद्धकरेमनधारउमंग सोभीचूरणमाहिरलावै आद्रकरससौंषरलकरावै फेरविजोरेकोरसपाय पुनकांजीसेषरलकराय त्रयत्रयदिनमिरयादंधरावै वलअनुसारचूर्णयहषावै दीपनअग्निकरक्षुधावधावै शूलअफारारोगनसावै अजीर्णगुल्मउदरकेरोग प्लीहादिकहोइजांहिअयोग सकलव्यंजनोसोंपथदेहु पचैंसभीमनमोलषलेहु गोदोहनकालमात्रमझार भस्महोयषायोसुविचार ॥ अथवडवानिलमुखचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडसुंठमघविल्वमिलाय चित्राकरंजुलेहुसमभाय इन्हसभहींसममिसरिपावै चूरणकरैयथावलषावै यहवडवानिलमुखकीन्यांई भारिअन्नपचायदिषाई ॥ अथज्वालामुखचूर्ण ॥ चौपै ॥ हिंगुजुअमलवेतयवक्षारत्रिफलात्रिकुटाचित्राडार दाडिमअवरहुंपुष्करमूल यहसमचूरणकरसमतूल कर्षकर्षइन्हकोपरिमान षट्पलगुडतिहकरोमिलान षावैअग्निवधावैएह नाशअजीरणकोलषलेह ॥ अथवासादिद्वादशकचूरण ॥ चौपै ॥ वासामघांइंद्रयवठान पाठाहिंगुसुंठवचआन सौंचलहरडकौडजुपतीस अजमोदापावोसमपीस अजीर्णअफारमूत्रकृच्छ्रनाश श्वासकासअर्शहरतास ॥ अथसमशर्कराचूर्ण ॥ चौपै ॥ एलाएकमात्रालेमान त्वकदोयमात्रावापाहिचान तजपत्रजुलेवेमात्रातीन गजकेसरमात्राचारजुलीन मात्रापांचमरचांपुनजानो मात्रा षट्मघपिप्पलीमानो सुंठीमात्रासप्तपहिचान क्रमसौंवृद्धिकरेजुसुजान यहसभपीसोलेहुछनाय सभकेसममिसरीपुनपाय यहचूरणजुयथावलषावै अग्निवधैवहुभूषलगावै ॥ अथमरचादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ मरचांचित्रामघांमंगाय हरडसुंठहिंगुदाडिमपाय सौंचलयहसमचूरणकीजै षावैअग्निवधैसुषलीजै ॥ अथनागरादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ नागरकोगडकेलेवीज दोइकंडयारीमनलषलीज चित्रामघांसारवाजान पाठाअरुयवक्ष्यारपछान पंचलवणयहसभसमलेय नीकेंचूरणतासकरेय दधिमांडवामदरासंग कांजीवातत्तोदकचंग वलअनुसारनिताप्रतिषावै अग्निवधेउरवातमिटावै ॥ अथघृतप्रकार ॥ अथमहाषटपलघृत ॥ चौपै ॥ एकप्रस्थआद्रकरसलीजै गलगलरसइकप्रस्थलहीजै प्रस्थएकभरकांजीपाय एकप्रस्थदधिमंडमिलाय कर्षकर्षयहवस्तूंजान सुनहोतिन्हकोंकरोंवषान मघांमरचहिंगुलषलीजै अजमोदायवक्ष्यारभनीजै दोनोजीरेधनियांजान चित्रागजपीपलकोंठान सुंठीपांचलवणपहिचानो चवकपिप्पलामूलपछानो अरुअजवायणताहिसमाय प्रस्थजुघृतमंदाग्नितपाय षावैयाहिवातरुजहरै गुल्मअजीरणकृमहतकरै लिफशूलज्वरहिडकीनाशै हरेप्रमेहवलतनपरकाशै अरुप्रमीलकारोगनिवारै यहघृतयहगुणनिश्चेधारै ॥ अथमरचादिघृत ॥ चौपई ॥ मरचासुंठीमघामंगाय अजवायणगजपीपलीमिलाय चवकवर्वचित्राअरुहिंगु यवक्ष्यारभिलावेवायविडंगु समुद्रलवणसैंधाअरुसौंचल पिपलामूलसभअर्धअर्धपल घृतइकप्रस्थताहिजुमिलाय दशमूलीरसघृतसमपाय दुग्धसभनतेंदुगुणापावै मंदअग्निसोंताहिपकावै वलअनुसारजुषावैतास मंदअग्निसंग्रहणीनास कासश्वासदौर्वलताजावै अर्शअजीरणरोगमिटावै कृमकफवातरोगहतकरै रोगभगंदरकोंयहहरै ॥ अथधान्यजीरकघृत ॥ चौपई ॥ धनियाअरुजीरासमपाय घृतसाधेषावैरुजजाय छर्ददाहविशेषकरनाशै अवरहुंरोगसमस्तविनाशै ॥ अथकेवलधान्यघृत ॥ चौपै ॥ धनियाताकेतुषजुनिवारै अष्टगुणाजलमोंसोडारै पादशेषरहैजलआय पुनघृतचूरणपायपकाय इसघृतकोंजोकरहैपान त्रिदोषजरोगहोयहैहान अजीर्णादिरोगसभजावै वंगसेनयोंभाषसुनावैं ॥ अथजीरकघृत ॥ चौपै ॥ दोनोजीरेचित्राआन सुंठजवायणयहपुनठान पंचलवणपुनतामोंपावै इक-

पलपलपरिमाणधरावै कांजीआदिकएकप्रमाण प्रस्थएकघृततामोजाण मंदअग्निसोंताहिपकावै भक्षै-अग्निहोइअर्शमिटावै ॥ अथअन्यधान्यघृत ॥ चौपै ॥ धनियांशुद्धचौहटपललेय द्रोणतोयमोंकाथकरेय पादशेषरहिप्रस्थघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय जीराअष्टपलपीसरलावै षावैअग्निदीप्तहोइआवै हृद-यरोगकफनाशेएह आमशूलगुदशूलमिटेह वक्षशूलयोनिकोशूल आमवातपुनहोइनिर्मूल उदाव-र्त्तअर्शहोइनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश ॥ अथअग्निघृत ॥ चौपै ॥ चित्रामघांचवकअरुहिंग गज-पीपलअजमोदासंग पंचलवणहैदोनोक्ष्यार पिपलामूलताहिमोंडार अर्धअर्धपलयहसभपावै प्रस्थ-पायघृतताहिमिलावै घृतसमाणकांजोदाधिजान आद्रकरसपुनघीउसमान मंदअग्निधरताहिपकावै वल-अनुसारनिताप्रतिषावै मंदअग्निपरश्रेष्टकहीजै अर्शगुल्महरतालषलीजै ग्रंथीअर्वुदअपचीरोग कफरु-जकासहिकरैअयोग शोथभगंदरग्रहणीजाय नाभितलैकेरोगमिटाय कुक्षीरोगइत्यादिकनाशै तमकों-जैसेंसूर्यविनाशै नामअग्निघृतयाकोकह्यो रोगनिवारणयाकोलह्यो ॥ इतिघृताः ॥ अथचुक्रविधानं ॥ ॥ चौपै ॥ दधिकोमंडगुडमाष्योंजान कांजीसमलेवासनठान तीनदिनागेहूंमोंराषै वलअनुसारनि-त्यसोचाषै रोगअजीरणताकोनाश अन्नपचैवलकरैप्रकाश.

॥ अथगुडप्रकारनिरूपणं ॥

॥ अथचित्रकगुड ॥ चौपई ॥ चित्रापलपचासभरलीजै पंचमूलघुतासमदीजै पलपचास-वृद्धमूलजुपावै काथदोयशतपलजुरहावै काथअष्टविशेषअनुसार प्रस्थगिलोयरसकोंतंहडार आढि-कएकहरडतंहपावै तुलाप्रमाणगुडताहिमिलावै अग्निमंददेताहिपकाय दूसरदिनलगधरेवनाय शीतलल-षदोइकुडवप्रमान माष्योताहिमिलायसुजान मघांमरचसुंठयवक्ष्यार यहइकइकपलपीसोंडार दाल-चीनीएलातजपत्तर इकइकपलसभकरोइकत्तर वलअनुसारताहिकोंषावै श्वासकासक्रमक्षईमिटावै गुल्म अर्शकुष्टयहनाशै आंत्रवृद्धअजीरणविनाशै अरुजहनाशकरतहैपीनक इन्हरोगनकोंकरहैहेनिक यहअ-श्वनीकुमारनैकह्यो याजगमध्यरसायणलह्यो ॥ अथक्षारगुड ॥ चौपई ॥ प्रथमहिंआनलेहुदशमूर त्रिफलात्रिवीशतावरिकचूर दंतीचित्रारहसनजान आस्फोटपाठापुनठान लेगिलोयदशदसपलपाय सभइकत्रकरदग्धकराय भस्मतासजलद्रोणपकावै पादशेषजुतुलागुडपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय पाछैतैंयहचूरणपाय मरचवृश्वकालीकंकोल यवक्ष्यारपांचपांचपलतोल त्रिकुटासज्जीहरडपिसावै चित्रावरचहिंगुपुनपावै अमलवेतदोइदोइपलपाय अक्षप्रमाणसुगुटिकाषाय अजीरणलिफपांडुयहनाशैं शोथअर्शकफरोगविनाशै काशअरुचमंदाग्निविडारै कंठरोगहृदरोगनिवारै कुष्टप्रमेहगुल्मविषनाशै वंगसेनयोंगुणपरकाशै ॥ अन्यचक्ष्यारगुड ॥ चौपई ॥ यूथिकाअर्कत्रिवीदशमूल पतीसकायफल-लेसमतूल दशदशपललेदग्धकरावै द्रोणतोयमोंपायपकावै पादशेषतुलागुडपाय मंदअग्निसोंताहित-पाय पाछेंपांचपांचपलजान यहचूरणपीसिकैरैमिलान त्रिकुटाहरडचवकसमआनै दुगुणचित्रायवक्षार पछानै यहचूरणपायमंदाग्निपकाय शीतलकरपलपलयहषाय अमलवेतहिंगूलषजीय चवकत्रिवीपुन-जानोसोय वलअनुसारयाहिनितपावे रोगनिवारेहर्षवढावै लिफअजीरणज्वरकोंनाशै अर्शशोथअरुपां-डुविनाशै कुष्टप्रमेहरोगहतकरै क्षुधाकरैतनमोंवलधरै अजीरणकीजुचिकीत्साकही वंगसेनतैंज्योंलष-लही ॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीअजीर्नकीभाषीसुगमवनाय विसूचिकादिमतग्रंथजोताकोंकहौंसुनाय

॥ दोहा ॥ विसूचीअलसकदंडालसकअवरविलंबकाजान अजीर्णकेयहअंगहैंइन्हकोंभिन्ननमान ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यसमस्तकोएकोहीकरजान यातेंभिन्ननभाष्योआगेंकरोंवषान ॥ इतिश्रीअजीर्णचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथविसूचिकाअलसकदंडालसकविलंविकानिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ पूर्वदिनभोजनकियायाकोपचहैनाहिं प्रातसमयहोईछर्दसोताहिविसूचिगाहिं

॥ अथविसूचिअलसकविलंविकाकारणमाह ॥

॥ चौपई ॥ अजीर्णआमविष्टारुकेजास खावेअन्नपचेनहितास अलसाविसूचिकाजातेजानो ताहितेंजुविलंविकामानो केवलअजीर्णविलंविकानाहि वातपित्तकफलखतिहमाहि

॥ अथवातपित्तकफइनकेभिन्नभिन्नकारणनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ भ्रमअरुदाहखल्यादिकरोग वातहुंतेंयहलषहैलोग दाहखेदअरुज्वरअतिसार पित्तहुंतेंयहलषोविकार ॥ सोरठा ॥ जानोवैद्यनिसंग यहलक्षणकफकेकेह वमनजुवाणीभंग तनभारिवहुथुकथुकी ॥ दोदा ॥ आगेइनकावेवरावातापित्तकफयाहि योलक्षणहेंग्रंथमेंसोभाष्योइन्हमाहि

॥ अथविसूचिकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ सूईपडितातनहोइजैसें अंगअंगपीडाहोइतैसें वातदुखदतनसूचीन्योंई यातेंयोंविसूचिकागांई जोअहारप्रमाणकोकरै लोभअधिकभोजनपरिहरै तिसोंविसूचीरोगनहोय यहनिश्चयमनमानोसोय नरमूर्षअन्नलोभीहोइजोई तिसेविसूचिकानिश्चयहोइ यहविसूचिकामूर्छाकरै वमनविरेचदाहभ्रमधरै त्रिषाउवासीशूलकरावै शिरपीडातडफडिउपजावै कंपहृदयविवर्णताधारै रोगविसूचीयोंउच्चारै. वहुतरोगसूचनतेंजानी याहीतेंविसूचिकामानी ॥

॥ अथअलसकलक्षणम्

॥ चौपई ॥ कुक्षीवीचअफाराहोय आंद्रावोलतिरहितीजोय अधोवायुरोकीहीरहै उलटऊर्द्धकोंमारगगहै भ्रमतमकंपशूलकोंकरै कवजअंगपकडताधरै करअरुपादवखेंडिपरै एतेलक्षणतातेंधरें जातेंतृश्नाहोयेंडकार अलसकलक्षणकोंउरधार तातेंदंडालसकहोइआवै ऐसेलक्षणतासवतावै

॥ अथदंडालसकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ छर्दअवरअतिसारनहोय तीव्रशूलकोंकरहैसोय सकलप्रवाहद्वारतनजेते रोकेंजावतहैंसभतेते दंडालसकरोगकहेंलोग दूरहितेंयहत्यागनयोग काहेंऐसेंलषमनधरै शीघ्रनाशदेहयहकरै

॥ अथविलंवकालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भोजनदुष्टवातकफकरै ऊपरतलैमारगनाहिंछरै शास्त्रज्ञातवैद्यअनुमाने याहींकोंजुविलंवकाजाने कठिनचिकित्सायाकीमानी कांहेमरणयोग्यपहिचानी



॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मूर्छादांतओष्टहोइस्याह नेत्रसिमिटहोइजावैताह अतिकरवमनहोतहैयाही अल्पश्वरहोवैंतिसुताहीं सभहीसंधसिथलहोइजावै कछुउपायनाहीवनआवै ॥ अथविसूचीउपद्रव ॥ ॥ चौपई ॥ निद्रानाशअरुचयहजान मूत्रघातकंपपहिचान निरचेष्टायहपंचमजानो यहविसूचिकाउपद्रवमानो ॥ दोहा ॥ विसूचिकादिलक्षणकहेनीकैंदेषानिदान तासाचिकित्साकोंकहोंसुनलीजैमनठान ॥ इतिविसूचिकादिकरोगनिदानलक्षणं ॥

॥ अथविसूचिकादिरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ लवणतप्तजलपायापिवावै प्रथमहिंऐसेंवमनकरावै काहेजवलगरसउरमांहि शेषरह्योहोयोलषपांहि तवलगमर्मभेदियततास यातेंवमनकियोपरकाश ज्योंकिसहूंविषषाईहोय वमनकरायानिकालियेसोय तैसेंरसहूदशेषरहावै वमनकरायताहिनिकसावै अरुविसूचिकाजेंहप्रगटावै लंघनताहिअवस्यकरावै अरुतिसषल्लीशूलजुहोय तासउपायकह्योंसुनसोय ॥ अथमर्दन ॥ चौपई ॥ जाइफलअरुचुकरकोंलेय तैलमेलमर्दनकरतेय ॥ अन्यंच ॥ अथवासेंधाकुठपिसाय चुकरअरुतिलतैलामिलाय जोतवचुकरगात्रनहोय कांजीपायमार्दयेसोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अर्कपत्ररसप्रस्थप्रमान धतूरारसताहिसमान प्रस्थस्वेतथोहररसपाय रससुहांजणाप्रस्थमिलाय आद्रकरसइकप्रस्थरलावे दोदोपलकुठसेंधापावै सभसमानकांजीतेंहपाय प्रस्थएकातिलतैलमिलाय अग्निमंदसोंउष्णकरावै मर्दनरुजिहिंकरैसुखपावै षल्लीशूलअरुपक्ष्याघात गृध्रसीरोगआमजोवात षंजअवरपंगुरुजजावै रोगविसूचीशूलनसावै ॥ इतिअर्कादितैलम् ॥ अन्यच ॥ वमनउपाय ॥ चौपई ॥ करंजुनिववासाजुगिलोय अर्जुनशिखरीसमलेसोय यहजुकाथकरताहिपिलावै वमनहोंहिजुविसूचीजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हस्तीदंतीमघपीसेजोय अश्वकरणीसमतासमिलोय तप्तनीरसोंपीवैतास शीघ्रविसूचीहोइहैनाश अंजनकहोंविसूचरोग जातेंनाशेंसकलअयोग ॥ अंजन॥ चौपई ॥ त्रिकुटाहलदकरंजुफलआन षरलविजोरेरसमोंठान गुटकाकरजोछांहिसुकावै नेत्रनमांहिसुघसकरपावै होइविसूचीकारोगविनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटाघसकरअंजनपावै रोगविसूचीनाशकरावै ॥ इति अथत्रिषाउपाय ॥ चौपई ॥ त्रिषाअधिकतिसरोगमंझार ताकोंयहकीजैउपचार लवंगअवरवाजैफलजान काथवनायकरावैपान अथवामुत्थरकाथपिलावै त्रिषाविसूचीताकीजावै ॥ अथशूललेप ॥ चौपई ॥ रोगविसूचीकेमंझार उदरशूलजिंहहोइविकार देवदारुकुठहरडशतावरि सेंधालवणसभलेहुवरावरि अमलरलायउष्णसोकैरै रोगउदरलेपअनुसरै पीडाउदरहोयतिसनास सुखउपजैमनपर्महुलास ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ तक्रयवचूर्णयवक्षारमिलावै उष्णकरैरुजिएजुपिवावै होयविसूचीकातवनाश सुखउपजैतनदुतीप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलअजवायणउवलावै सोऊकाथताहिपिवावै होयविसूचीरोगाविनाश दुखनाशैतनसुखपरकाश ॥ अन्यउपाय ॥ हाथपायकोंभाफदिवावै अरुजलकुंभसऔषदल्यावै ताहिउवालभाफतनदेय रुजविसूचिकानाशकरेय ॥ अथधूपः ॥ चौपई ॥ सौंचलहिंगुजुचुकरामिलाय देवैधूपविसूचीजाय ॥ अन्य ॥ दालचीनीतजपत्तरआन रहसनअगुरसुहांजनाठान कुठवचअरसोंफरलाय अम्लपिष्टति-

सकाजुवनाय उद्वर्त्तनतिसकरोंनिसंग रोगविशूचीखल्लीभंग ॥ अन्यच ॥ पाछेकहीयहवस्तुरलाय तैलपक्क-तिसमाहिकराय मर्दनपानकरेंनरजवही रोगविशूचीटरहेतवही

॥ अथअजीर्णरसपचेकोलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ शुद्धडिकारहोइमनउत्साह विष्टामूत्रउत्सर्गसुभाहि लघुतातनअरुक्षुधाप्रकाशै पच्यो-अजीर्णरसयोंभाशै ॥ दोहा ॥ विसूचिकादिलक्षणकहेभाषेसुगमवनाय भस्मककोअवभाषहोंसुनलीजै चितलाय इतिविसूचिकादिचिकित्सासमाप्तम्

॥ पुनः ॥ अथभस्मकरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ भस्मकरुजइंहभातकहीजै जवकफक्षीणभईजुलहीजै आश्रयवातहोयपितकोपै वृद्ध अग्निभस्मकरुजरोपै जोसभहीकोंभस्मकरावै यातेंभस्मकनामकहावै भस्मकत्रिषाश्वासउपजावत-दाहमूर्छाकोंप्रगटावत अन्नपचायधातोंकोंदाहै अन्नभक्षेतैंशांतिग्रहाहै भस्मकवालोजोनरहोय अन्नप-चैतैंतडफतसोय

॥ अथभस्मकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई जाकोंभस्मकप्रगटेआय सोगुरुभोजनकोंनितषाय अरुसनिग्धस्थिरमांडकोषावै शीत-लषायशांतिउपजावै पितहरवस्तुसुभोजनकरै माहिषदधिघृतदुग्धकोंवरै यवागूघृतमधुसंगमिलाय पीवै-भस्मकशांतिकराय सघृतषावैजोक्षीरप्रवीन भस्मकतातैंहोवैक्षीन अरुपित्तहरऔषधसंग रेचनकरैहोय-रुजभंग ॥ अन्यच ॥ मधुरमेध्यअरकफकरवस्तु अरुगुरुभोजनहेजुप्रशस्तु ऐसाभोजनजवनरकरे दिवा-शयनसुखसोंआवरे तातैंभस्मकरोगनसाय ग्रंथकारमतादियोवताय ॥ अथरेचनविधि. ॥ चौपई ॥ श्यामत्रिवीकोंपीसैआन दुग्धमध्यसोकरैमिलान ताहिपकायजुषावैसोय होइरेचनभस्मकरुजषोय अ-न्यउपाय ॥ चौपई वहुवेरनकीगुटीमंगावै तिन्हतैंतिन्हकीगिरिनिकसावै पीसतोयसोंषावैतास शी-घ्रहोयभस्मकरुजनास ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ औदुंवरत्वचकदलीफलआन दोऊपीसकरचूरणठान-नारिदुग्धसोंषावैसोय भस्मकरोगनाशतवहोय अथवायहदोइदुग्धमिलावै तापायससोंरोगनशावै अ-न्यच ॥ चौपई ॥ तंडुलसितमाहिषपयपाय वाकपिलापयक्षीरवनाय घृतमिलायद्वादशदिनमान नित-उठषावैभस्मकहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ स्वेतकमलकोमूलमंगावै पीसअजाकोदुग्धमिलावै पायस-करघृतताहिमिलाय षावैभस्मकरोगनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ जीवनीयकोचूरणठान महिषीघृ-तमिलायकरपान भस्मकरोगहोयतिसनाश वंगसेनयोंकरैप्रकाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विदारिर-सअरुमहिषीक्षीर दोइयहअष्टगुणलेमतिधीर एकगुणाघृतपायसुपीवै भस्मकरोगनाशतिसथीवै ॥ दो-हा ॥ भस्मकरोगवषान्योअवराचीकित्सातास ज्योंभाषीवंगसेनमोतैंसैंकीनप्रकाश इतिभस्मकचिकि-त्सासमाप्तम्

॥ अथअजीर्णविसूचिकादिरोगेपथ्यापथ्याधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ अजीर्णादिरुजकेकहोंपथ्यापथअधिकार तिन्हकोंप्रथमहिंसमझकैपुनकरहैउपचार ॥ अ-थपथ्यं ॥ चौपई ॥ कफीरुजीकोंवमनकरावै पैतिककोंमृदुरेचदिवावै वातलकोंहैस्वेदप्रमान तीनरव-

भावहियहपथजान अरुव्यायामअनेकप्रकार दीपनलघुअन्नादिअहार तंडुललालरंगजुपराने लाजा-मांडलेहुलषस्याने नवेंमुंगरसमदिरापान वाथूशाकलसुनपुनमान हरणमयूरसहेकोमास लवावटेरमास-पथतास लघुमूलीलघुमत्सीजान आद्रकसुंठीपथ्यपछान मधुधात्रीफललूणकजानो वृद्धकूष्मांडपहि-चानो पटोलककोडेकरेलेकहिये लघुवृंताकगलगलपुनलहिये कंडयारीफलअवरअनार अवरसम-स्तवस्तुयोक्षयार कांजीतक्रअवरनवनीत अरुसुहांजणाजानोपीत तांवूलतप्तजलपीवेजोय कटुतीक्षणव-स्तुजवायणसोय अरुनवीनकदलीफलजानो एतीवस्तुपथ्यकरमानो ॥ दोहा ॥ अजीर्णअरुमंदा-ग्निकेएतेपथपरिमान लंघनअजवायणविसूचिमैंसोहैपथ्यउठान ॥ इतिपथ्यम् ॥

॥ अथअपथ्यं ॥

॥ दोहा ॥ कहोंअपथ्यअजीर्णकेअवरविसूचीजान मंदाग्निआदिकनकेसोऊलषोसुजान ॥ चौपई ॥ अपथ्यअजीणरकेअवआषों विसूचीमंदअग्निकेभाषों स्नानअवरादिननिद्राजान शीतलजलकोपानपछान तृप्तहोयजोभोजनकरै वुटणातैलमर्दनअनुसरै रात्रिजागैविष्मासनवहै वडीमत्सकीभक्षणचहै कावज आदीवस्तुलषीवै जामुणघृतवहुताजलपीवै रुधमोक्षयहजानसुजान वडोअपथ्यअहैमनआन फलीयोंवाला अन्नजुषावै दुग्धफटयोपयसुनलषपावै अजीर्णमंदअग्निमंझार एतेकहैअपथ्यविकार जाकेपाश्वोंमोहो-इदाह दीपनपाचनदेवैताह पुनविसूचिकामोसुनलीजै एतीवातअवश्यकरीजै लंघनवमनस्वेदयहतीन करवावैजोंवैद्यप्रवीन भस्मकरोगजुपाछैंकह्यो ताकोपथ्यअपथयोंलह्यो जोजोतासचिकित्साकही सोऊ-पथ्यजानमनसही उसतेंजोविपरीतलषावै सोउअपथ्यतजैसुखपावै ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यअजीर्णकेमंद अग्निकेजान अरुविसूचिकाकेकहैवैद्यकग्रंथप्रमान इतिपथ्यापथ्यम्. ॥ दोहा ॥ अजीर्णादिजोरो केप्रथमहिंकहेनिदान पुनहिंचिकित्साभषकैपथ्यापथ्यवषान इतिअजीर्णविसूचिकादिरोगसमाप्तम्.

॥ अथअजीर्णदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोभोजनहितअग्निजगावै तासअग्निजोआपवुझावै ताकोंरोगअजीर्ण-होय तासउपायकहोसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णअग्निमूरतवनवावै चारभुजासंयुक्तसुहावै सक्ती हस्तपटपीतउढाय ठारांपलताम्रपात्रवैठाय विधिवतपूजैभलीप्रकार अग्नीर्मूर्द्धामत्रउचार याहिंमंत्रसोंहव-नकरावै द्वादशविप्रसदक्षिणजिवावै सोमूरतब्राह्मणप्रतिदेय आपहिंरुजतैंमुक्तकरेय ॥ दोहा ॥ अजीर्णदो-षवरननकियोकारणसहितउपाय शूलरोगवरननकरोंसो सुनियेचितलाय इतिअजीर्णसमाप्तम् ॥

॥ अथअजीर्णरोगज्योतिष ॥

जववुधअंतरदशामोमंगलआवेधाइ रोगअजीर्णताहिनरनिश्चैदेहमोआई वुधउपायसोनरकरेअर्चपूजम-नलाइ पुण्यप्रभाकेरूपकररोगहरैसुखभाइ ॥ इतिज्योतिषम् ॥

॥ अथान्यप्रकारउदररोगकथनम् रोगपेटपीडा ॥

॥ चौपै ॥ पीडाउदरहोतहेजाको मेदावजवनामकहुताको आमासयस्थानउदरमेंहोई तीनभेद-कामांनोसोई एकनलीसंघेतकजांनो अन्नोदककामारगमांनो मुरीनामफारसकासोई दूसरमुखआ-मासयहोई कौडीस्थानसोईपहचांनो फारसफंममेदाकरमांनो तीसरसिगरापात्रजोहोई जाफामेदा-

नामासोई प्रथमनालसंधेकीजांनो छातीकीअस्थीतकमांनो कुस्सतामजोअस्थीहोई फिफरेसाथमि-लीहैसोई सोमुखजठरस्थानकाजांनो गजरूफनामअस्थीतकमांनो हिलाउनकीहर्कतजवहोई दोहरी-होतउलटकरसोई हिंदीनामकुंपलीजांनो वामभागआमासयमांनो आमासयघरचारोहोई गुथली-वतपडदेहैसोई आकर्षणघरप्रथमपछांनो जाजवःनामफारसीमांनो ग्राहकपडदादूसरहोई मासका-नामफारसीसोई पाचकपडदातीसरजांनो हाजमानामफारसीमांनो त्यागकपडदाचौथाकहिए दाफऽ-नामफारसीलहिए आकर्षनघरनिर्वलजांनो तौभोजनकीरुचीनमांनो कर्णनेत्रसिरपीडाहोई ऐसेरोगव-हुतकरसोई ऐसालक्षणजवप्रगटावे सीघ्रयतनकरदोषहटावे दोतोलेहर्डताहिमंगवावे मघमासेचौदां-संगपावे दसमासेचित्रासंगहोई सतमासेलूणमेलिएसोई निंवूरसमेंखर्लकरावे गोलीमासेसातवंधावे छायावीचसुकावेकोई सेवनकरअतिहींसुखहोई ग्राहकपडदानिर्वलजांनो पचेनाहितवभोजनमांनो कलेजेजायदोषप्रघटावे यक्ष्मरोगसरतांनदिखावे हर्फीमनित्यसेवेनरसोई खसखसदानेकेसमहोई पाचकपडदानिर्वलजांनो आमाशयदोषशूलतवमांनो पांडूरोगनथूरजोहोई ववासीरआदीकरसोई अजुआंइनसौंफनिताप्रतिखावे मासेसातदोषहटजावे त्यागकपडदानिर्वलहोई नाभीतलेपीडकरसोई वद्दउदरकेवीचदिखावे चलेरुधिरअतिखेददिखावे कीरखंडयुतखावेसोई भेडदूधवामहिषीहोई प्रातसमेनितसेवनकरिए उदरदोषताहीछिनहरिए जेकरसरदीपीडदिखावे क्षुधाप्रवलजलथोडाभावे खट्टेताहिडकारपछांनो आमासयगर्महोतसुखमांनो जवारसभेदपाककाहोई अथवाफक्कीसेवेसोई ऊपरपेटलेपकरवावे मस्तकीघृतसोताहिसुखावे तिलकातेलआनिएसोई अथवातेलकऊकाहोई चौदांतोलेतेलमंगावे तोलेचारमस्तकीपावे काचपात्रसीसाजोहोई तेलमस्तकीपावेसोई देगएकज-लपूरनकरिए डोलायंत्रकरसीसाधरिए सीसामुखजलवाहिरहोई चाढअगनपरसाधेकोई मस्तकीतेल-वीचमिलजावे करेलेपहितमर्दनभावे मघामर्चअरुचित्राल्यावे पिप्पलामूलसुंठसंगपावे वच्छुआं-इनआनोसोई रूमीछडताहीसंगहोई सतसतमासेऔषधपावे चूरनप्रातसमेनितखावे हिंदीसाजज-त्रिकुटाआनो तमालपत्रचंदनसंगठांनो तवासीरगजकेसरपावे नीलोफरधनिआअगुरमिलावे लेसम-भागपीसिएसोई मधुमेलचटनीहितहोई रुधिरपेटहूंमेजंमजावे ताहियतनकरसीघ्रहटावे कवूतरकुक-डविठमंगावे चौदांमासेपीसखुलावे रुधिरदोषतववाहिरहोई सुगमयतनकरअतिसुखसोई उदरपी-डसरदीकीजांनो धूंमेसिरनिद्राअतिमांनो ताहिवमनकरदोषहटावे मैनफलमूलीवीजमंगावे सौंफहा-लेआंआनोसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई हिंगुलूणसोसंगाहिंपावे दोदोमासेतोलमिलावे ताहिपिलायवमनक-रसोई वामर्दनकरऊपरहोई गोघृतलूणदोईमंगवावे करतलऊपरमर्दनभावे तौफुनिसेकेअग्निसोई वमनअधकजाहीविधहोई ऊपरपीडगरमीकीजानो डकारधूमकेसंगपछानो क्षुधातृषाअतहींप्रघटावे अजामांसपक्षीकाखावे सीतलवस्तूखावेसोई गरमीदोषदूरतवहोई रुचिकरभोजनहलकाखावे दोषदू-रअतिहींसुखपावे.

॥ रोगसोजआमाशयकी ॥

॥ चौपै ॥ आमासयवीचसोजजवजांनो वरममेदःकरनामपछांनो रुधिरपित्तकरजांनोसोई नर्म. सुभावकरेसुखहोई अंमलतासआदिहितजांनो कदीरुधिरकेवमनपछांनो ताहियतनकरसीघ्रहटावे वासलीककारुधिरछुडावे ग्राहकसीतलवस्तूहोई करेक्काथपीवेनरसोई गिलइमंनीताहिमंगावे चंदन.

मुसककपूरमिलावे मुलठीइंद्रजउोत्र्प्रानोसोई पन्हीजढमुत्थरसंगहोई सतसतमासेत्र्प्रौषधपावे नरिपा- यकरकाथवनावे मधूमेलदसमासेसोई पीवेकाथदोषहरहोई चंवेकीजढताहिमंगावे पडोलपत्रसोसं- गरलावे निंववृक्षकाछिलकालीजे चंदनलालताहुसंगदीजे दसदसमासेकाथवनावे मिसरीत्र्प्रथवाम- धूमिलावे मासेसातमेलकरसोई करेपांनदुखनासेंहोई मुत्थरवालाश्वेतमंगावे पितपापडचंदनलाल- मिलावे नौनौमासेत्र्प्रौषधहोई करेकाथपीवेनरसोई जेकरवातजसोजाहोई वादीवस्तनखावेकोई जीरासुंठीताहिमंगावे दारचीनीसोसंगरलावे लेसमचूरनसेवेसोई हुकनायोग्यवमनहितहोई.

॥ रोगघटहोनाक्षुधाका ॥

॥ चौपई ॥ त्र्प्ररुचिहोतत्र्प्रन्नकीजाको किछ्तजुऽनाभाकहुताको त्र्प्रामासयनिर्वलसरदीहोई क्षुधा वंदताकारणसोई हरीडदोईतोलेमंगवावे चौदांमासेमघामिलावे दसमासेचित्राऽसंगपाय सातोमासेलू णरलाय करचूरनतंडुलजलपावे गोलीमासेसातवंधावे छायावीचसुकावेसोई प्रवलक्षुधासेवनकरहोई- संखद्रावकजोत्र्प्रौषधहोई रूमीछडत्र्प्रजुत्र्प्राइनसोई सुंठीताहींसंगरलावे चौदांचौदांमासेपावे दाल- चीनीमघत्र्प्रानोसोई जीराश्वेतइलाचीहोई सतसतमासेपीसमिलावे चूरनकरसेवननितभावे मासेचौ- दांहडेमंगावे त्र्प्रमलवेदमघसंगरलावे समाकगिलोधनित्र्प्राजोहोई छेछेतोलेलीजोसोई रूमीछडत्र्प्र रलूणमिलावे उतरजनिंवूतासंगपावे दारचीनीजीरासंगहोई त्रैत्रैतोलेलीजोसोई करइकत्रचूरनमन- भावे सहत्तरतोलेमिसरीपावे चौदांमासेसेवेकोई प्रवलक्षुधाकरत्र्प्रतिसुखहोई पांडूफुनसिरोगहटावे सिथलतासकलजोडकीजावे कफकादोषत्र्प्रधिकतनहोई रेचकवमनसदाहितसोई चित्राहडेसौंफमं- गवावे छेछेतोलेतोलमिलावे तोलेतींनलूणसंगपाय जारांतोलेमघामिलाय चूरनकरसेवेनितसोई दसमासेजलसोंहितहोई सुंठउटंकनवीजमंगावे लूणमर्चसमभागरलावे पीसछानचूरनकरलीजें निं- वूरसत्रैभावनदीजें छायावीचसुकावेकोई त्रैमासेनितसेवेसोई संखद्रावकजोत्र्प्रौषधहोई जौखारसुंठचि- त्रालेसोई रूमीछडहरीडलूणसंगपाय वरावरचूरनपीसवनाय नीरसंगदसमासेखावे व्याधीसकलउदर- कीजावे हरडत्र्प्रामलेत्र्प्रानोसोई गुलावपुष्पताहीसंगहोई चौदांचौदांमासेलीजे तवासीरपंजमा- सेदीजें पीसमेलमधुगोलीहोई दसमासेजलसोहितसोई त्र्प्रग्निपाचकनिर्वलहोई नुगसांनहाजमा- कहिएसोई त्र्प्रामासयदोषइकठामांनो लेसदारत्र्प्ररुसघनपछांनो नापाकदोषताहीप्रघटावे सीघ्रय- तनकरताहिहटावे त्र्प्रजमोदसुंठगजकेसरल्यावे इलाचीलौंगहालेत्र्प्रांपावे मर्चपिप्पलामूलमंगाय वाविडंगचित्रासंगपाय भडिंगीककडसिंगील्यावे जौइंद्रसमभागमिलावे चौदांचौदांमासेलीजें त्र्प्रगेत्र्प्रौरत्र्प्रौषधीदीजें गिलोईत्रिफलामुत्थरल्यावे सतावरीहींसयारसंगपावे सनामक्कीसर्षपसंगहोई मघार:मेलभागसमसोई वरावरमिसरीचासवनावे पीसत्र्प्रौषधीवीचरलावे करमजूनफुनिगोलिहोई वैरप्रमानसेविएसोई जेकरसवलदोषलखपावे प्रथमदस्तकरदोषहटावे पाछेत्र्प्रौषधसेवनकरिए उ. दरदोषताहीछिनहरिए जाकीक्षुधावंदहोजावे नुगसानइस्तहानामकहावे वातपित्तकफदोषजोहोई क्षुधावंदकाकारणसोई वात्र्प्रतिनीरपांनकरजांनो त्र्प्रथवात्र्प्रतिचिंताकरमांनो त्र्प्रामासयदोषइकठा- होई सघनलेसलाकारनसोई त्र्प्रग्नीमंदहोतहैजवाहीं क्षुधावंदकाकारणतवहीं उदरशुद्धहितरेचकभावे पाछेवमनकरेसुखपावे जीराश्वेतखंडमंगवाय कत्थलूणकालासंगपाय सींसालूणमर्चसंगहोई

लेसमभागपीसिएसोई तिलकातेलताहींसंगपावे मधूमेंलचटनीकरखावे मघामचेछडरूंमील्यावे जीरा-श्वेतमनक्कापावे अमलवेदताहिसंगपाय कृष्णलूणसमभागमिलाय पीसमधूयुतसेवनकरिए मासे-सातदोषसभहारिए ॥ त्रिकुटापिप्पलमूलमंगावे कालालूणाचित्तरापावे उटंकनवीजलूणसंगपाय याा-रसौंफजौखारमिलाय अजमोदाहिंगूतासंगहोई भागवरावरपीसोसोई निंवूरसकीभावनदीजें मा-सेसातसेवसुखलीजे ककडासिंगीत्रिकुटाल्यावे कंडेआरीछोटित्रिफलापावे भडिंगीपुष्करमूलमि-लाय कृष्णलूणसमभागरलाय तप्तनीरसोंनितप्रतिखावे मासेसातदोषहटजावे पीनसनजलाहिड-कीहोई सेवनकरदुखहरिएसोई.

॥ रोगहिडकी ॥

॥ चौपै ॥ हिडकीरोगहोत्तहैजाको फवाकहिककनामाकहुताको पांचभेदकरमांनोसोई तींनदो-षमिलएकोहोई वातदोषकरदूसरजांनो भोजनदोषतीसरीमांनो चौथीसोजकलेजेहोई आमासयपु-ष्कीपंचमसोई अलाजभिंनसवहींकाजांनो औषधलिखीदेखहितमांनो

॥ रोगश्वानवतक्षुधा ॥

॥ चौपै ॥ क्षणक्षणभोजनतृप्तनहोई क्षुधाश्वानवतमांनोसोई सीतलदोषताहुतेंजांनो जीउलकलिवना-मकरमांनो आमासयदोषलेसलाहोई अथवाअधिकवातकरसोई ताहियतनएेसामनभावे वासलीक-कारुधिरछुडावे रुचीअधिकभोजनकीहोई पचेनाहिदुखदायकसोई जेकरअतिभोजननरखावे वमन-होएफुनिवाहिरआवे फुनिभोजनकीइछाहोई तरीयतनहितमानोसोई

॥ रोगवहुतभोजनकर्ना ॥

॥ चौपई ॥ अतिभोजनकरतृप्तनहोई जीउलकलिवनामकहुसोई हिंदीक्षीणरोगपहचांनो वृषभक्षु-धावतनिश्चामांनो क्षुधारहतहैआठोंजांम याकारणभस्माग्नीनाम सकलनाडतृप्तीनहिहोई अतिभोज-नदुर्वलतनसोई ताहियतनकरसीग्रहटावे औषधलिखीकरेसुखपावे

॥ रोगमिट्टीयाकागजखाणेऊपररुचिहोनी ॥

॥ चौपै ॥ रुचिमृत्यकाऊपरहोई जकतानामफार्सीसोई नारीगर्भवतीजोजांनो ताकीरुचीअधि-ककरमांनो निर्मलजठरताहुकाहोई कोलामिटीचाहितसोई खारीखट्टीचीजसुखावे सूषमयतनअधि-कनाहिभावे मासचारवीरजस्थितहोई भक्षगर्भकाआर्तवसोई ताकररुचीमृत्यकाभावे उदरशुद्धकरदोष-हटावे रेचकवमनसदाहितहोई आगेऔषधसेवेसोई त्रिफलाचित्राात्रिकुटाल्यावे नागरमोथाचवकमि-लावे वावडिंगहौवेरमंगाय सतसतमासेऔषधपाय फुलादभस्मत्रैतोलेपावे चूरनकरनितसेवनभावे एकतलीभरसेवनहोई तप्तनीरसोअतिहितसोई अथवारुधिरछोडसुखपावे सीघ्रयतनकरदोषहटावे

॥ रोगविसूचिका ॥

॥ चौपै ॥ अजीर्णरोगहिंदीमतहोई हैजःनामफारसीसोई आमासयभोजनगलेनसोई गरमीप्रवल-पेटमेंहोई जेकरसरदीअधिकदिखावे ताहिदस्तकरवाहिरआवे करेयतनहटजावेसोई विनायतनकै-सेंसुखहोई जीरासुक्कामुखमेंपावे चंदनरगडपेटपरलावे दोइकर्नमेंफूकांमारे वलकरसीघ्रयतनमनधारे

जैफलमासेतींनमंगावे मासाडूडलौंगसंगपावे लाचीमासाडूडमिलाय पीसमधूयुतचटनीखाय मासेसातकचूरमंगावे पीसनीरमैंसीघ्रचटावे आद्रकरसनिंबूरसपावे दोईंमेलतिससीघ्रपिलावे सिरकारसनिंबूकालीजें दोइमिलायसीघ्रतिसदीजें लेजढआकराखमुखसोई दस्तवमनसभनासेहोई तृषादूरतवहींहोजावे ताहियतनकरदोषहटावे

॥ रोगमलकाफिरना ॥

॥ चौपै ॥ चित्तउछलकरऊपरआवे विनावमनदुखअधिकदिखावे गिशीयांननामाकहुसोई घरघरशब्दतैहवःहोई हैजःरोगत्तैहवःजांनो गिशीयांनसमयतनपछांनो सिकंजवीगर्मनीरसंगपावे पीवेवमनहोतदुखजावे आमासयशुद्धकरेनरसोई मैंनफलसंगवमनहितहोई

॥ रोगछर्दविनादस्तआउने ॥

॥ चौपै ॥ विनारुधिरदस्तजवआवे तर्जीयःनामफारसीगावे आमाशयदोषहोतहैजवहीं भेदअजीरणमानोतवहीं ताकरदस्तताहुकोजांनो पुरातनहोअतिसारपछांनो जेकरपेचसकाटदिखावै गर्मनीरकरवमनकरावै गर्मनीरमेंवैठेसोई आगेऔषधकरसुखहोई तवासीरविलकत्थमंगावे सुंठीगिटकअंवकीपावै रकतपुष्पधांईकेआंनो पुष्पअनारभागसममांनो फक्कीपीसवनावेकोई शीतलजलसौंअतिहितहोई जीराश्वेतखंडमंगवावे गुलकंदमस्तकीसंगरलावे पौनेदोदोमासेलीजें सीतलजलसौंसेवनकीजें चंदनमुसककपूर. मंगावे गुलावमेलकरखूपपिसावे छातीऊपरमर्दनकरिए अथवाकरेलेपदुखहरिए पुदीनाधनिआंदो. ईमंगावे निंवूरसमेखर्लकरावे दस्तदूरसेवनतेंजांनों अथवाग्राहकऔषधमांनो जैसेकुर्शकहरुवाहोई अथवाकुर्शमाजुहितसोई संजोगीऔषधटिकीमांनो दस्तदूरसेवनतेजांनो अथवाहईमुरबाखावे रेचकऔषधहुकनाभावे-

॥ अथरोगमरोडा ॥

॥ चौपै ॥ जाकोदस्तकाटकरआवे फारसनामजिहीरकहावे दुष्टदोषकरमांनोसोई अथवाअतीकवजकरहोई सूकीमलअतिहीवलपावे पीडावीचगुदाप्रघटावे अथवानाडगुदाकीहोई वलकरमुखफटजावेसोई ताकररुधिरसंगनिकसावे दस्तहोएवाकवजादिखावे प्रथमपकायदोषसभहरिए पाछे. द्रावकऔषधकरिए हायतवहुतवारप्रघटावे थोडीमलअतिखेददिखावे जेकरगरमीअधकपछांनो पोलीमलअरुजलनपछांनो चिंताअधिकतृषाअतिहोई रहेकाहलीनिसदिनसोई वोडवृक्षजढाछिलकाल्यावे मीठादाडिमसंगरलावे तवासीरआमलेहोई भागवरावरपीसोसोई ताहिभुंनकरसेवनकरिए तोले. तींनदोषसभहरिए निंवूरससौंसेवनहोई मरोडारोगदूरकरसोई सरदीदोषहोतहैजवहि शब्दपेटमैंमांनोतवहीं पीडानाभीनीचेहोई काचीमलमरोडसंगसोई वरेंआंहिंगूमर्चमंगावे पतीसइंद्रजौमघांमिलावे लेसमचूर. नजलकेसंग मासेसातप्रातरुजभंग सुंठीहरडयारसंगपावे लेसमक्राथनित्ताप्रातिभावे वालासुंठपतीसमंगावे पुष्पधातकीमनासिलपावे लोधरनागरमोथापाय भागवरावरचूरणखाय मासेसातनिताप्रतिखावे तंडुलजलसौं दोषहटावे लोध्रइंद्रजौताहिमंगावे कंडआरीजढगुलधांईपावे सिकडनारताहिसंगपाय लेसमऔषधपीसवनाय मासेसातप्राततनितखावे तंडुलजलसौंदोषहटावे जेकरतापमरोडाहोई काहलीहोभयदायकसोई वातजउदरनमेंजवजांनो पेटसब्दपीडायुतमांनो गिलोयपीससोसनजढल्यावे कुठयारधंमनींसंगपावे

नागरमोथासंगरलाय साडेत्रैत्रैमासेपाय करेकाथपीवेनरसोई सीतलकरसेवनहितहोई धनिआंदसमासेमंगवावे सुंठीतोलाडूडमिलावे गिलोईमासेतीनमिलाय काथगर्मपीवेंदुखजाय अजमोदामुत्थरताहिमंगावे कचूरमेलसमभागरलावे चूरणपीसवनावेकोई तौफुनिनीरपात्रमेहोई पत्थरखूपगर्मकरल्यावे वारंवारनीरमेपावे जाविधगर्मनीरजोहोई तासंगचूरणसेवेसोई मोचरसपुष्पधातकील्यावे कतीरागूंदभुंनकरपावे साडेत्रैत्रैमासेलीजें दोमासेअजुआइनदीजें जैफलकिकरपत्रमंगावे नागवेलइमलीसंगपावे दोदोमासेऔषधआनो चौदामासेखंडपछांनो चूरणप्रातसमेनितखावे भोजनतित्तरमांसखुलावे मुंगीचावलअतिहितहोई वातजतापमरोडाखोई जेकरअधिकदोषकफमांनो मुखहूंतेंजलअविकपछांनो ॥ दोहा ॥ सिथलजोडानिद्रावहूमूत्रश्वेतरंगहोय अधिकहोएमलजाहुकोकफकृतलक्षणसोय ॥ चौपई ॥ हर्दलकालालूणमंगावे हिंगूवचंपतीसमिलावे लेसमचूरनपीसवनाय तप्तनीरसोंनितप्रतिखाय चित्रावचंकुठमंगवावे वरावरसभकेगेरूपावे चूरनपीसवनावैकोई तप्तनीरसोंअतिहितहोई विल्वपतीसकीरमंगवावे इंद्रजौनागरमोथापावे सुंठीजीराश्वेतमंगाय नागफलीकरचूरमिलाय किरायतामेलभागसमलीजें तप्तनीरसोंसेवनकीजे सेवनमासेसातपछांनो अथवाकाथसदाहितमांनो सुंठीसौफगिलोइमंगावे धनिआंचंदनवालापावे चंदनलालपद्मसंगहोई आलूकाइकदानासोई करःमेलसमभागरलावे काथपांनकरदोषहटावे जेकरपेटकवजअतिहोई करेऔषधीदूरनसोई ताहियतनऐसामनभावे रेचकहुकनाकरसुखपावे मिठीकोडी. सौंफमंगावे कलौंजीमेथीवीजरलावे ईसवंदअजुआइनहोई हौवेरचावलसंगसोई त्रिवीसनामकेकील्यावे अंमलतासभागसमपावे दससेरजलकाथजोहोई सेरदोइरहजावे सोई एरनतेलताहुसंगपायहुकनाकरकवजीहटजाय

॥ रोगदस्तरुधिरके ॥

॥ चौपै ॥ जेकरदस्तरुधिरकेजांनो सैहजाअमयानामपछांनो माडीचीजवाकरडीहोई समयछोडअतिभोजनसोई निद्रारातसमैनाहिजांनो रुधिरदोषताकारनमांनो यतनताहिछिनऐसाकीजें निर्वलग्राहकऔषधदीजें कुलफेकीफक्कीकरखावे गिलइरमनीताहिसुखावे किक्करगूंदनिसासताहोई रैहांनवीजदाडिमसंगसोई ऐसीनिर्वलऔषधदीजें अथवावलवतसेवनकीजें गिटकअंवजामनकील्यावे दाडिमलोध्रपतीसमिलावे करेवृक्षकासिकडलीजें छुहारानीलोफरसंगदीजें विल्वगिरीचंदनसंगहोई मोचरसवालामाजुसोई गिलोयइंद्रजउदूधीपावे धनिआंजढसोसनकील्यावे अनारपुष्पवातंडुलहोई गोकीछाछसेविएसोई अथवाछाछभेडकीभावे ऐसीऔषधकरसुखपावे अफाराउदरहोततवजांनो ताहियतनऐसाहितमांनो वावडिंगसुंठीमघल्यावे चित्रामुत्थरसंगरलावे जीराश्वेतलूणसंगहोई चिरायतापुष्पधातकीसोई अजमोदाआदऔषधीकरिए संग्रहणीदोषताहिछिनहरिए लौंगवचंगजकेसरल्यावेअजमोदात्रिकुटासंगरलावे चित्रापिप्पलमूलजोहोई जीराश्वेतलूणसंगसोई धनिआंवालासंगरलावेसाढेत्रैत्रैमासेपावे घीआकदूंवीजजोहोई मासेठाईलीजोसोई पुष्पधातकीमघांमिलावे रूमीछडतासंगरलावे दसदसमासेऔषधपाय इक्कीमासेखंडरलाय चूरनपीसछानकरहोई मासेसातसेविएसोई तंडुलजलसोंसेवनकरिए उदरदोषताहीछिनहरिए केवलदस्तरुधिरकेहोई असद्दालपूंनीकहुसोई तीक्ष्णवस्तअधिकनरखावे आंदरछिल्लरुधिरानिकसावे कदीकिसीकोऐसाजांनो छिछडेसंगरुधिरवहुमांनोगुदावीचपीडाअतिहोई ताहियतनआगेसुनसोई वांसातोलेसातमंगावे चारसेरजलकाथचढावे आध-

सेरजवहींरहजाय ढाईतोलेमधूमिलाय सेवनप्रातसमेनितकरिए रुधिरदस्तताहीछिनहरिए पतीसइं-द्रजउीलोध्रमंगावे सुंठीमासेसतसतपावे पोस्तछिलकातासंगहोई मासेठाईलीजोसोई चूरनदो-ईवखतनितखावे मासेसातसीग्रदुखजावे छिलकाअक्कसुंठमंगवावे विलकत्थपुष्पधांईकेपावे नागर-मोथालोध्रमिलाय इंद्रजौछिलकाअंवरलाय पाठाऔरपतीसमिलावो पौनेदोदोमासेपावो मधूमेलच-टनीनितखाय रुधिरदस्तदुखदूरहटाय खजूरगिटकपीसेनरसोई दधीमिलचटनीहितहोई अरलूछि-लकानीरमिलावे पीसखूवनितताहिचटावे मांईछिलकाकरःमंगावे सातसेरजलक्काथचढावे क्काथि-तजलपुनलीजोसोई सेरदोईमिसरीसंगहोई चाढअगनपरचासवनावे अगलीऔषधपीसरलावे कक्क-डसिंगीलाचीआंनो पतीससुंठवालासंगमांनो वहुफलीनागरमोथापाय चौदाचौदांमासेलीजे पीस-चासकेवीचहिंदीजें करइकअराखेनरसोई मधूमेलनितचटनीहोई जेकरगरमीअधिकदिखावे छाछ-संगताकोनितभावे देषवलावलसेवेकोई रुधिरदस्ततवनासेहोई चुलाईजढचूरनकरखावे तंडुलजल-सोंदोषहटावे हरडआंवलालीजोसोई मोचरसतवासीरसंगहोई फक्कीकरसतमासेखावे रुधिरदस्त दुखदूर-हटावे सुंठीकीरखंडलेसोई साडेत्रैत्रैमासेहोई सीतलजलसोंसेवनकरिए चूरणसेवदोषसवहरिए विलक-त्थसुंठवालामंगवावे छडगुडीपुष्पधातकीपावे नागरमोथासंगरलाय तोलाडूडडुडूसमल्यावे पुरातनगुडसों-सेवनभावे भेडदूधइकसेरमंगाय सेवेचूरनदोषहटाय जीराश्वेतहरडमंगवावे अजुआंइनमेलभागसमपावे मासेठाइंठाईलिजें चूरनपीसभुंनसमकीजें मासाडूडनिताप्रातिखाय दधीसंगनिश्चेदुखजाय वांसापुष्प-पत्रमंगवावे पलासपुष्पताहीसंगपावे साडेदसदसमासेलीजे चूरणजलसोसेवनकीजें गिलोपतीस-सोसनजढल्यावे वालाकुठयारसंगपावे पुष्पधातकीतासंगमांनो नागरमोथासंगपछांनो चौदांचौ. दामासेपावे एकसेरजलक्काथचढावे आधारहेपांनतवकरिए मरोडारुधिरदस्तसवहरिए सिक्कडनार-लोध्रसंगपावे कंडेआरीजढगुलधांइमिलावे लेसमऔषचूरनहोई तंडुलजलसोसेवेकोई मरोडारु-धिरदस्तहटजावे सकलभांतकादोषनसावे सिक्कडवैरवृक्षकेल्यावे नीरपायकरक्काथचढावे क्काथित-जलआधाजवहोई मलमलछांनलीजिएसोई तौफुनिसठीचावलल्यावे वांधपोटलीतामेपावे चाढअ-गनपरसाधेकोई तंडुलअसरताहुमेहोई उतारछांनसीतलजवजांनो दधीमेलसेवनहितमानो माजूम-टरभुंनकरल्यावे कालाकोराऔषधपावे इमलीछिलकातासंगहोई भागवरावरपीसोसोई अनारए-कलेखालीकरिए औषधसकलताहुमेंभरिए ताकेऊपरकपडाहोई आटाकणकलपेटेसोई गोलाअगनी-भीतरधरिए लालहोएतवसीतलकरिए औषधवीचानिकालेसोई ताहिकूटकरगोलीहोई गोलीमासेचा-रखंधावे दधीसंगनितसेवनभावे दधीभातपथ्याहितहोई अथवामसरभातशुभसोई दूधभातवालकमन-भावे रुधिरदस्तासिगरेहटजावे वातापित्तकफकैसाहोई काटमरोडानासेसोई नागरमोथालोध्रमंगावे वालाश्वेतलजालूपावे पुष्पधातकीधानिआंहोई सुंठीकालाकोरासोई लेसमऔषधक्काथवानावे दोइ-वखतनितसेवनभावे हफींमानित्यनरसेवेकोई ताहिदस्तश्वाभावकहोई काटमरोडापीडाजानो ताहि. यतनऐसाहितमांनो तोलाषडिआमाटील्यावे तवासीरत्रैमासेपावे मासेत्रैमिसरीसंगसोई गुलाव. अर्कथोडासंगहोई कुलफाभुंननीरानिकसावे सर्वतकरनितताहिपिलावे मसरभातपथ्यतिसहोई दस्तदूरसुखभोगेसोई

॥ संग्रहणीरोग ॥

॥ चौपै ॥ संग्रहणीरोगहोतहैजाको जवरऽनामफारसीताको सघनदोषआमासयहोई लेसदारलपटासंगसोई संग्रहणीदोषताहिप्रघटावे अथवाअतिमैथुनकरभावे शत्रूसिरपरठाडाहोई अतिचिंताकरमांनोसोई वाअतिमैथुनकरकेजांनो अतीखेदअतिधूपपछांनो प्रभातनीरअतिसेवेकोई वाअतिगर्मऔषधीहोई अथवाअतिषद्दानरखावे संग्रहणीदोषताहिप्रघटावे लेसदारजलभीतरहोई आंदरसंगलपटेआसोई सोवुषारजवऊपरधावे वहुविधरोगसोईप्रघटावे ॥ दोहा ॥ सीसनेत्रदुख. कर्णमेंतालूजिन्हाजांन कंपवातपुष्कीतृषाश्वासवमनदुखमांन अर्द्धसीसपीडाकरेदंतरोगफुनिसोय हृदयतापमलकारहेजाविधलक्षणहोय ॥ चौपै ॥ सोवुषारजवनीचेधावे गुदावीचअतिजलनदिखावे अतीदस्तवाकवजीहोई दुर्वलतनमुखकौडासोई मैथुनतेपरहेजकरावे मैथुनकरसंग्रहणीधावे अवस्थादेसकालपहचांने समयदेखऔषधमनठांने वर्षाऋतकीपवनजोहोई रक्षाकरेताहुतेंसोई अतीधूपऋतग्रीषमजांनो रक्षाताहूतेंहितमांनो प्रथमतींनादिनपाचनखावे दोषपकायजतनमनभावेसुंठगिलेमुत्थरजोहोई नौनौमासेलीजोसोई त्रेईतोलेनीरमिलावे त्रैतोलेक्काथशेषरहजावे दिवसतींनलगपीवेकोई दोषपकेफुनिऔषधहोई तौफुनिऔरतींनदिनदीजें पंचधांनक्काथकरलीजें दोषसकलखिंडजावेसोई मुहल्लनामफारसीहोई त्रिफलात्रिकुटालूणमिलावे सौंचललूणभलावापावे औरभेदइकलूणपछांनो कंदफरनामसोइसंगजांनो लेसमऔषधपीवेकोई गोघृतमेलगोलिआंहोई गोलीमासेसातवंधावे सेवनकरसभदोषहटावे गोलाउदरकृमीजोहोई सेवनकरहटजावेसोई मघांमचंचित्रामंगवावे सज्जीसुंठीझाउमिलावे पिप्पलमूलहिंगुसंगहोई जौखारअजमोदासोई लूणकंदफरलूनामिलावे लेसमऔषधपीसवनावे निंवूरसइकभावनदीजें तौफुनिरसअनारकालीजें सतसतमासेगोलीहोई छायावीचसुकावेसोई सोप्रभातनितसेवनकरिए निश्चेउदरदोषसवहरिए सुंठीलेटुगडेकरसोई रोटीवीचधरगोलाहोई अगनवीचधरसुंठपकावे सुंठीछायावीचसुकावे चूरनपीसकरेनरकोई खंडवरावरमेलोसोई दसमासेनितसेवनकरिए उदरदोषताहीछिनहरिए तलैसुंठघृतगोकापाय मधूमेलनितचटनीखाय त्रैमासेनितसेवनकरिए ववासीरदुखपांडूहरिए पीडाजोडगंठिआजावे क्षुधाप्रवलदुखदूरहटावे हिंगूहरडपतीसमंगावे कंदफरकीरइंद्रजौपावे लेसमऔषधचूरनहोई मासेसातसेविएसोई सीतलजलसोंसेवनकरिए उदरदोषताहीछिनहरिए कंडेआरीमघजौखारमंगावे कचूरइंद्रजौपाठापावे सीसालूणवरूटीहोई कृष्णलूणअरुखारीसोई लेसमऔषधचूरनकीजें मासेसातनीरसंगदीजें मुत्थरसुंठपतीसमंगावे गिलोईसतसतमासेपावे करेक्काथनितपीवेकोई सकलदोषहरऔषधहोई गौडीमदिरापांनकरावे त्रैप्यालेतकसोईभावे हफींमनित्यसेवेनरसोई पक्षीमांससदाहितहोई औषधदस्तमरोडेमाही सोईकरसुखउपजेताही मैथुनकवहुंकरेनहिसोई अतिऊचावोलेदुखहोई अतीखेदकरडानहिपावे रहेपथ्यपरदोषहटावे अजमोदादाडिमलूणमंगावे समाकसुंठताहिसंगपावे जीराकालाश्वेतमिलाय चौदाचौदामासेपाय किष्टातोलेवीसमंगावे सठतोलेमिसरीसंगपावे चूरनकरनितसेवनहोई प्रतिदिनचौदामासेसोई दिनइकीजलकेसंगखावे वादिनचालीदोषहटावे अजुआइनसुंठखजूरमंगावे कंदपरदाडिमसंगरलावे चौदांचौदांमासेआनो आगेजीराश्वेतपछांनो कालालूणताहिसंगपाय त्रैत्रैतोलेदोइमिलाय उनत्रीतोलेमघा

मिलावे मर्चअठुंजातोलेपावे ठारांतोलेमिसरीपाय पीसछानचूरनकरखाय दसमासेनितसेवनकरिए सकलदोषताहिछिनहरिए मुत्थरकौडपतीसमंगावे मोचरसपुष्पधातकीपावे लेसमचटनीमधूमिलावे प्रतिदिनसेवदोषहटजावे गूंदखैरकाआंनोसोई ईसवगोलताहिसंगहोई त्रैत्रैतोलेदोइमगाय खंडडू-डतोलासंगपाय चूरनकरसतमासेखावे सीतलजलसोदोषहटावे माजुगूंदखैरकाल्यावे तुलसीवीजखंड-संगपावे दधीसंगसतमासेसोई सेवनकरदुखनासेहोई माजूपुष्पधातकील्यावे कडवःसणसोसंगरलावे मासेसातनीरसंगसोई सेवेसकलदोषहरहोई रक्तजववासीरहटजावे गुदापसलीपीडहटावे उदरपी-डताहीछिनजाय ऊपरताजीछाछपिलाय सुंठचित्तरालूणमिलावे ऐसीछाछसेवसुखपावे रातछाछपी-वेनाकोई प्रथमपहरपीवेसुखहोई विनाछाछकछुऔरनखावे भरेपेटसंग्रहणीजावे औरहिंदमतसुनिए-सोई विधीछाछकीजाविधहोई गौआंनिजघरमाहिवंधावे तिन्हकोसुक्काघासखुलावे मक्कीचरीघास-जोहोई मुंगीअन्नखुलावेसोई सोईदूधकरप्रीतजमावे रिडकेमखनजुदाकरावे पीवेछाछपेटभरसोई संग्रहणीदोषदूरतवहोई संग्रहणीएकपुरुषकोहोई चारसेरदधिरिडकेसोई पीवेछाछपचेदिनमाहि संग्र-हणीरोगताहुकोनाही औरअन्नजलसोनहिखावे रुचिहोएसंगचाउलपावे संग्रहणीकिसीदोषकोहोई निश्चेकरहटजावेसोई संग्रहणीदोषअधिककफजागे तांकेहेतऔषधीआगे चित्राहरडतज्जमंगवावे कुठपतीससुंठमघपावे मुत्थरसीसालूणजोसोई कालालूणद्यारसंगहोई वाविडंगसोसंगरलाय लेसमऔषधचूरनखाय प्रतिदिनचूरनसेवनकरिए कफसंग्रहणीताछिनहरिए हरडकचूरमनकापावे त्रि-कुटापिप्पलमूलमिलावे विडलूणकृष्णाअरुसीसाहोई लेसमऔषधपीसोसोई निंवूरसकीभावनदेवे मा-सेसातप्रातनितसेवे प्रवलउष्णताहोवेजवहीं कफसंग्रहणीनासेतवहीं रुचिकरभोजनताहिसुखावे रहे-षथ्यपरदोषहटावे जेकरहरडदोषकृतजांनो ताहूकेवदलेमघमांनो थोंमकौडमुत्थरमंगवावे त्रिकुटासत-सतमासेपावे चित्राचौदांमासेहोई करःनामनौतोलेसोई चूरणमासेसातखुलावे मिसरीदूधसंगसुखपावे दस्तकासतपतृषाजोहोई प्रनेहप्रमेहपांडुहरसोई चित्रापिप्पलमूलमंगावे भखडामघधनिआंसंगपावे वाविडंगसमभागरलाय चूरनपीसप्रातनितखाय छाछसंगनितसेवनकरिए ववासीरसंग्रहणीहरिए गो-लाउदरकृमीजोहोई तिलीशूलदुखनासेसोई चित्राजढतुंमेकील्यावे हरडकत्थमघसंगरलावे सुंठीमुत्थ-रवर्चपछांनो वाविडंगपतीसद्यारसंगमांनो लेसमचूरनजलसोखावे मासेसातसंग्रहणीजावे प्रथमेपा-चकऔषधखावे पाछेरेचकहरडसुखावे सुंठीईसवगोलमंगाय दसदसमासेदोनोपाय मासेसातलौं-गसंगहोई छेतोलेहरडमेलिएसोई चारसेरजलक्काथचढावे आधसेरपीवेसुखपावे प्रथमेउदरशुद्धकर-लीजे पाछेऔरऔषधीकीजे अथवाहरडमुरब्वाखावे उदरशुद्धकरदोषहटावे हरडरातकोसेवेकोई करेप्रातउठऔषधसोई पीवेछाछनित्यदिनमाही संग्रहणीरोगताहुकोनाही सठीमसरवामुंगीखावे अथ-वाकडीछाछकीभावे अनारखटाईसेवेसोई कंडेआरीफलकीभाजीहोई क्वथितजलआधारहजावे अथवालोहावीचवुझावे सोजलपांनदोषहरहोई आगेऔषधसेवेसोई चौदांमासेचंदनल्यावे दसमासे मिसरीसंगपावे गडकायलेहकरचाटेसोई दिनचालीतकसेवनहोई दधीभातनितपथ्यखुलावे पुरात-नरोगसंग्रहणीजावे रोगसोजकलेजदी ॥ चौपै ॥ पीडाअधिककलेजेहोई आमासजिगरकहुनामा-सोई पीडादक्षणभागपछांनो वातदोषवागरमीमांनो वाअतिभारउठावेकोई करडाखेदकरेदुखहोई नाडपर्तकरपीडाजागे लक्षणतापतृषाअतिलागे दक्षणभागपछकरवावे कलेजेऊपरजोंकलगावे अधि-

करुधिरकीइछाहोई वासलीकतैंछोडेसोई तवासीरअरुलोधमंगावे सुंठीदसदसमासेपावे दोतोलेमिसरीसंगपाय चूरनसतमासेनितखाय दूधसंगनितिसेवनकरिए कलेजेकीपीडासभहरिए त्रिफलानीरपायपिसवावे कलेजेऊपरलेपचढावे जेकरगरमीअधकनहोई ताकोरुधिरनछोडेकोई जेकरकवजीअधिकदिखावे सर्वतअंमलतासपिलावे कफकरसोजापीडाहोई लक्षणमुखपीलाहैसोई निद्राहूतेंजवउठआवे करपदनेत्रसोजप्रघटावे राईदूधमेलपिसवाय लेपकरेसोजाहटजाय कलेजेऊपरपछकरावे चलेरुधिरतवऐसाभावे नीलाथोथाताहिपिसाय निंवूरससोंलेपचढाय सोनमखीनीलाथोथाल्यावे मुमेआइचोकनुसादरपावे पछनागवूटीसंगहोई लेसमपीसलेपिएसोई पछमारइहलेपचढावे मुमेआईत्रैमासेनितखावे अजामूत्रनितपीवेसोई निश्चेकरगुणदायकहोई जेकरपीडादूरनमांनो कलेजेऊपरदाघपछांनो तींनदाघदेवेनरसोई सज्जेपासेअतिहितहोई रुधिरपीडवाकफकीजांनो ताहीछिनमेदूरपछांनो सोजपीडयुतगोलाहोई प्रघटहाथसोदेखेकोई रोगअसाध्ययतननभावे सोरोगीनिश्चेमरजावे

॥ रोगपीडतिलीदी ॥

॥ चौपै ॥ खवेभागतिलीपहचांनो सोघरवातदोषकामांनो कलेजीगेहरुधिरकाहोई पित्तपित्तहूंकाघरसोई जठरफिफरादोईपछांनो कफघरलेसरितूवतमांनो तिलीकलेजेरुधिरजोहोई कालारंगहीनवलसोई जववहखैंचपाकहोजावे सकलजोडवलहीनदिखावे तिलीसमांनहोतहैजवही करडीसोजजानिएतवही खवेभागतिलीहैसोई मूंडेतलेपींडतवहोई वाछातीकापडदाजांनो लटकतश्वाससंवंधीमांनो पीडातहांप्रघटहोजावे श्वांसतंगअतिखेददिखावे आदयतनऐसामनभाय वासलीकतेरुधिरछुडाय रुधिरनिंकालसीघ्रसुखपावे वामूंडेतलपछकरावे वृषभमूत्रमंगवावेसोई आधसेरनितपीवेकोई मासेदसराईसंगखावे निश्चेपीडतिलीकीजावे कलेजेतिलीदोषजोहोई एकसमांनऔषधीसोई जेकरसोजाफिफरेजांनो मर्दनसर्षपतैलपछांनो

॥ अथरोगजलोदर ॥

॥ चौपई ॥ जलोदररोगहोतहैजाको इस्तस्कानामफारसीताको हिंदीनामजलंधरजांनो कठोदरअौरपथोदरमांनो जठराग्नीपाचकनिर्वलहोई वावलहीनकलेजासोई ताकररोगजलंधरजांनो आगेलक्षणऔरपछांनो आमाशयपाकप्रथमजोहोई माडारुधिरकलेजेसोई नाडांवहुतवालसममांनो मासारीकानामपछांनो उनद्वारारसटपकतसोई कच्चारुधिरलालनहिहोई आंदरवीचसघनजवजांनो चिमडतरंगजरदतवमांनो पडदाआंदरऊपरहोई त्वचासंगनीचेहैसोई हजावनाममतफारसगावे सिमकसिमकजलतामेपावे नीरइकठातहांपछांनो मछकसमानपेटतवजांनो सोजलपडदाऊपरहोई औषधकाटकरेनहिकोई करडारोगजाहुतेजांनो ताकारणभयदायकमांनो कदीकिसीकोऐसाहोई गुदावीचजलटपकतसोई गुदाद्वारजलवाहिरआवे रोगदूरकछुखेदनपावे जेकररोगजलोदरहोई ताहियतनऐसासुनसोई चतुरजराहयतनमनभावे वामभागपरछिद्रकरावे नस्तरनाभीपासपछांनो निकसेजलताहीसुखमांनो जारांदाघपेटपरलावे रोगदूरफुनेपालकरावे कदीकिसीकोऐसाहोई ऊपरवर्षरोगफुनिसोई नूतनरोगजलंधरजांनो नस्तरविनतिसदाघपछांनो जेकररोगदूरनाहोई नस्तरकरजलवाहिरसोई जर्दनीरज-

ववाहिरश्रावे करेपालफुनिश्रौषधखावे पुष्करमूलहरडमंगवावे सीसासौंचरलूणमिलावें वाविडंगजौ-खारपछांनों श्रजुश्रांइनमेलभागसममांनों चौदांचौदांमासेलीजे डिडतोलातुंमाजढदजिे दंतितोला डूडमिलावे छेतोलितृवीताहिसंगपावे हिंगूमासेतींनमिलाय चूरनपीसनिताप्रतिखाय तत्तनीरसोंसेवन-करिए मासेसातजलोदरहरिए तवलीभेदश्रौरइकहोई वातोदरनामप्रघटहैसोइ उदरखैंचतवलेसममांनो भरापवनकेसंगपछांनो जैसेंरोगजलंधरहोइ तैसेंतवलीकारणसोइ तवलीलक्षणश्रांधिकदिखावे तिली-वीचसोजाप्रघटावे तिलीकलेजेसोजाहोइ पाछेश्रौषधकरिएसोई नातररोगश्रसाध्यकहावे निश्चेकर-रोगीमिरजावे लहमीभेदतीसराहोई नामकठोदरकहिएसोई लक्षणलेसदारकफमांनो पृष्ठपेरमुखसो-जाजांनो पेटसरीरफूलेश्राहोई मारकहोतपुरातनसोई श्रौखधसोजकलेजेमाही सौईकरदुखउपजेनाही कलेजेऊपरदागलगावे सीघ्रयतनकरदोषहटावे उदरवीचजवगोलाहोई गुल्मोदरनामप्रघटहैसोई वातसंगकफसघनपछांनो गोलारूपउदरेममांनो नीचेऊपरगोलाहोई फिरेउदरपीडासंगसोई भारजोड-क्षुधाहटजावे तंगश्वासपाणमुखश्रावे चारभेदकागुल्ममछांनो जलंधरतींनभेदकामांनो ताकर सातभेदकाहोई श्रागेश्रौषधसुनिएसोई निंवूरसचित्राजढल्यावे चौंदाचौदांमासेपावे दसदसमासे-त्रिकुटालीजें सज्जीजलइकमासादीजें नुसादरइक्कीमासेपावे काचपात्रमेंपीसरलावे छायावीचसु-कावेकोई मासेसातसेविएसोई देखवलावलश्रौषधखावे रोगजलंधरगोलाजावे सिंधूलूणकृष्णमंगवावे करःलूणसज्जीसंगपावे सुहागासंगनुसादरजांनो जमालगोटेकानिमकपछांनो चौदांचौदामासेहोई चूर-नकरराखेनरसोई तौफुनिश्रंमलवेदफललीजे ताहिकाटकरखालीकीजें चूरनवीचताहुकेपावे

राखधूपमेंखूपसुकावे तौफुनिरसनिंवूकाहोई श्रागेश्रौषधमेलोसोई त्रिफलात्रिकुटाचित्राल्यावे धनिश्राजीराश्वेतमिलावे श्रजमोदजुश्रांइनदाडिमश्रांनो पाठापुष्करमूलपछांनो हौवेरजढवोईपावे साडेत्रैत्रैमासेल्यावे करइकत्रचूरनहितहोई मासेसातसेविएसोई श्रमलवेदरसताजालीजें चूरणप्रातनि-त्यउठदीजे गोलावातजलंधरहोई निश्चेरोगदूरकरसोई त्रिवीमंगायसोइपिसवावे दूधथोरकासंगरलावे मासेतींनगोलिश्रांकारिए सेवनकरसिगरादुखहरिए इक्कीमासेमर्चमंगावे दसमासेहिंगूसंगपावे ढाईतो-लेमघांमिलाय त्रैतोलेसुंठीसंगपाय श्रजुश्रांइनतोलेचारमिलावे तोलेपांचहरडसंगपावे छेतोलेचित्रा-संगहोई तोलेसातकुठहैसोई चौदांमासेप्रतिदिनखावे तत्तनीरसोदोषहटावे श्रंमलतासऩसेरकल्यावे चारसेरजलक्काथचढावे एकसेरजवहींरहजाय थोरदूधदसमासेपाय तींनभागकरराखोसोई प्रातभाग इकपीवेकोई तौफुनिदस्ततींनजवश्रावे भागदूसराताहिपिलावे दस्ततींनश्राजावेजवही भागतीसरापी वै तवहीं जाविधनित्यपानाहितहोई प्रथमश्रौषधीसेवेसोई मधूमेलदसमासेखावे रोगजलंधरताहिहटावे क्रमीउदरदुखगोलाहोई निश्चैकरहटजावेसोई वृक्षश्रामलापत्रमंगावे चित्रात्रिकुटासंगरलावे ईसवं दलूनसंगपावे पत्रमीचकेसंगरलावे वरावरभागपीसिएसोई मासेसातसेवसुखहोई श्रनुपानंगोमूत्र पिलावे उदरदोषसिगराहटजावे घडाएकमंगवावेकोई गिलहिकमतविधकरिएसोई श्राटामाखमृत्य काल्यावे वीचघडेविधलेपचढावे चरुंजापत्रश्राककेहोई घडेवीचनरराखेसोई सेरदोइथोहरमंगवावे घडेवीचटुगडेकरपावे ::: कंडेश्रारीफलपंचासलेसोई पंचासवतांऊतामेहोई पांचोफलतुंमेकेल्यावे पांचमूलिश्रांगिनतीपावे सीसासौंचलसिंधूल्याय काचलूणकालासंगपाय जउोखारश्ररुसज्जील्यावे तोलाडूडडूडसमपावे चारसेरसर्षपकातेल घडेवीचसवश्रौषधमेल चरुंजापत्रश्राककेलीजें घडेवीच

श्रौषधपरदीजें जाविधघढावंदमुखहोई गिलहिकमतकरराखोसोई जिमोखोदटोश्राइककरिए दससेरवनउपलेधरिए ऊपरघडाराखिएसोई वनउपलेफुनिऊपरहोई उपलेवीससेरज्योंपावे मध्यघडाधरश्रागलगावे सीतलहोएउठावेकोई भस्मश्रौषधीलीजोसोई त्रिफलात्रिकुटाचित्राल्याय वाविडंगश्रजुश्राइनपाय सठीसाजजहिंदील्यावे पिप्पलामूलकचूरमिलावे हौवेरश्रजमोदाश्रांनो सतसतमासेश्रौषधठांनो राईश्राधसेरसंगपाय ईसवंदइकपाऊोरलाय चूरनपीसछांनकरहोई मेलोभस्मश्रौषधीसोई जाविधश्रौषधसेवनकारिए मासेसातदोषसभहरिए श्रनूपांनगोमूत्रपिलावे गोलारोगजलंधरजावे हिडकीश्रौरउदरदुखकोई सकलदूरसेवनतेहोई सेवनतेंगरमीप्रघटावे ताहिछाछश्रनुपांनपिलावे ॥ दोहा ॥ श्राटालीजोकणककाथोहरदूधमिलाय गोलीमासेतींनकरप्रतिदिनएकखुलाय दस्तसंगजल लेसलाउदरवीचजोहोय लिपटाश्रांदरसंगहींवाहिरकरिएसोय ॥ चौपै ॥ एरनकीजढहिंगूल्यावे कालालूणहरडसंगपावे लेसमचूरनसेवनकरिए मासेसातदोषसभहरिए तप्तनीरवागोघृतल्यावे श्रनूपांनवाछाछपिलावे सीसालूणहरडमंगवावे सुंठइंद्रजउोसंगरलावे श्राकपत्रजढथे.हरश्रांनो कोमलकाष्टथोरकामांनो चित्रामेलभागसमलीजें भांडेवीचधरसंपुटकीजें तौफुनिबनउपलेमंगवावे ताहिवीचधरभस्मवनावे सतमासेनितसेवनकरिए छाछसंगसिगरादुखहरिए पाठाहींगूकौडमंगावे सौंफहरीडइंद्रजउोपावे गजपिप्पलविडलूणजोहोई कर:लूणसंगमेलोसोई लेसमश्रौषधचूरनकीजे मासेचौदांप्रतिदिनदीजें श्रनूपांनगोमूत्रपिलावे उदरदोषसिगराहटजावे पित्तदोषलखपावेजवहीं सेवनकरदुखनासेतवहीं.

॥ रोगवाहिरश्राउनाश्रनपचभोजनदा ॥

चौपै ॥ भोजनताहिकरेनरकोई वमनसंगसोवाहिरहोई हिंदिभेदसंग्रहणीकहिए जलकुलश्रमेश्राफारसलहिए ग्राहकश्रांदरनिर्वलहोई कुबतमासक:नामासोई लेसदारजलतहांपछांनो श्रनपचभोजनवाहिरमांनो प्रथमश्रौषधीरेचकखावे उदरशुद्धकरदोषहटावे वालविल्वशुंठीमंगवावे नागरमोथाधनिश्रांपावे साढेत्रैत्रैमासेहोई करेकाथनरपीवेसोई दिवसतींनलगऐसाकीजें मुंगीरसघृतकेसंगदीजें फुनिचौथेदिनऐसाभावे मासेसाततूवीमंगवावे श्रर्धभागातिसखंडरलाय तप्तनीरसंगचूरनखाय ताहिदस्तश्राजावेजवहीं खिचडीभोजनकरिएतवहीं लौंगइलाचीमघांमंगावे नागरमोथामर्चरलावे दारचीनीसोसंगरलाय साडेत्रैत्रैमासेपाय मासेसातखंडसंगहोई प्रतिदिनचूरनसेवेकोई सतमासेनितसेवनकरिए उदरदोषताहीछिेनहरिए ॥ सनापत्रताजेमंगवावे छाछपायकरसागवनावे दिवससातलगखावेसोई तौफुनिग्र:हकश्रौषधहोई पतीसइंद्रजउोताहिमंगावे खसखसछिलकासंगरलावे लेसमचूरनसेवनकिजे गौंडीमादिराऊपरदिजें वाखसखसकाछिलकाखावे वाजैफलवाफींमखुलावे पाछेहरडमुरबादीजें श्रागेसोईविधिसुनलीजें पाचकश्रौषधग्राहकहोई हरडपायगडकावेसोई निकालहरडफुनिधूपलगावे मिसरीश्रथवामधूलिश्रावे चासवनायताहुमेपावे ऐसीहर्डमुरबाखावे जैकरदोषदूरनाहोई हुकनाकरदुखहरिएसोई पाछेहुडंमुरबाखावे नीरसंगचूरनमनभावे श्रथवाछाछपांनहितहोई जाविधउदरदोषहरसोई इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायांउदररोगाधिकारकथनं नामश्रष्टाविंशोऽधिकार: ॥ २८ ॥

॥ अथशूलप्रणामशूलनिदानलक्षिणनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शूलअवरप्रणामशूलकोभाषोंसकलप्रकार जैसेंप्रथमनिदानमोंकीनोतासउचार ॥ चौपै- कामदेवकेनाशहिकारण शिवत्रिशूलअतिक्रोधचलावण देषत्रिशूलकामवहुडरेउो विष्णुशरीरपरवेशहि- करेउो हुंकारशब्दविष्णुतवकह्यो कामदेवपृथ्वीपरगह्यो भयत्रिशूलमूर्छाप्रगटाहि ताहिशूलप्रगट्यो- जनमाहि शूलप्रकारचुवैहृदमाहि तिहकरनामशूलजनगाहि आठभेदशूलकेजानो वातपित्तकफतें- पहिचानो अरुत्रिदोषतैंयहकहैचार इंदजआमजअष्टप्रकार आठशूलकोस्वामीवात पवनअहैव- लयुतविख्यात,

॥ अथशूलस्थानवर्णनं ॥

॥ चौपै ॥ वातशूलकोवस्तिस्थान पित्तशूलकोनाभिमान हृत्पार्श्वकुक्षीकफशूलपछानो सर्वदेशस- न्निपातजजानो;

॥ अथवातशूललक्षणम् ॥

चौपई अतिव्यायामअतिमैथुनतैंजान अतिअश्वादिचढनतैंमान अतिजागरणशीतजलपान अतिरूषेभो- जनतैंमान तिक्तकषायवस्तुतैंहोय कोद्रामकीखावेसोय विरुद्धभोजनक्षीरमत्स्यादि नवीनअन्नतैंहोयविषादि सूकोमांसजुसूकोशाक होतशूलजानोसतवाक अरअभिघातहुतैंभीहोय भोजनपरभोजनकरेजोय विष्ठामूत्रअवरअधोवात इंन्हकेरोकनतैंप्रगटात अतिभाषनअतिहास्यजुकरै अतिशोकहुतैंइहलषपरै व्रतउपवासकरेजोकोय करैअजीरणताकोहोय वृद्धवातइन्हकरजवथावै नरकोंशूलप्रगटहोइआवै ॥

॥ अथवातशूललक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ हृदयपार्श्वनाभिअस्थान त्रिकूलपृष्टमांहिहोइजान नाभितलैभीउपजतजोऊ इन्हठौ- रनमोंहोवतसोऊ शूलकोपकेसमयजुचार शीतकालसंध्यानिरधार जीरणकालघनागममानो चारसम- यजहशूलपछानो क्षणमोंकोपकरेक्षणशांत विटअरवातवंधहोइजात विट्केवंधतैंपीडाजान खुलैंजुवि- ष्टाशांतिप्रमान.

॥ अथशूलशांतिउपाय ॥

स्निग्धउष्णभोजनजोकरै मर्दनस्वेदशूलनिरवरै.

॥ अथशूलरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शूलचिकित्साभाषहोंवंगसेंनअनुसार वैद्युत्तमयहसमुझकैपुनकरहैंउपचार ॥ दोहा ॥ वातशीघ्रगामीअहैशीघ्रचिकित्साठान सनेहपानसनेहमर्दनकरेंअवरहुंस्वेदपछान ॥ चौपै ॥ लंघनव- मनजुपाचनजान फलवर्तीअरक्षारसमान चूर्णगुटिकादीजितास वातशूलकोकरहेनास ॥ अन्यच ॥ प्रथमवैद्यजोवातनिकारे पाछैपित्तको रनिवारे तापाछेकफकाढनमान ऐसेवैद्यकरेनिजज्ञान ॥ अथले- प ॥ चौपै ॥ विलकत्थएरणातिलसमआन पीसंअमलसोंलेपनठान वातशूलकीहोइहैशांत निजमन' मोंयहलषोवृतांत ॥ अन्यच ॥ लेतिलपीसउदरपरलावै वातजशूलनासहोइजावै वातिलपीसपोटली करे देवेंशेकशूलपरिहरे ॥ अन्यच ॥ आनमैनफलकांजीसंग पीसनाभिलेपैरुजभंग ॥ अन्यच ॥

जीवंतीकोंमूलपिसावै तामोतिलकोतैलमिलावै वक्ष्यस्थलपरलेपैतास होवैपार्श्वशूलकोनाश ॥ अथक्काथ ॥ ॥ चौपै ॥ कुलत्थक्काथमोंपायसनेह पीवैंवातशूलहोइषेह ॥ अन्यच ॥ सैंधात्रिकुटासौंचलहिंग दाडिमलवामांसधरसंग करैक्काथपीवैनरजोय नाशवातशूलकोहोय ॥ अन्यच ॥ वलापुनर्नवाएरंडआन दोइकंडचारीगोषुरठान यहसमलीजैक्काथकरीजै लवणहिंगुतिंहपायसुपीजैं वातशूलकोहोइहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ प्रथमहियवकोक्काथवनावै पुनइहचूरणपीसरलावै हरडतुंवरुपूष्करमूल हिंगुलवणत्रैधरसमतूल रोगीइहविधिपीवैतास होवैंवातशूलकोनास अव हुंगुल्मरोगमिटजावै दुःखमिटैतनसुखप्रगटावै ॥ अन्यच ॥ सुंठअवरएरणकोमूल करैंक्काथयहदोसमतूलसौंचरुहिंगुपायसोंपीवै वातशूलततक्षणहतथीवै ॥ अन्यच ॥ इंद्रयवोंकाक्काथवनावै पुनसमलेयह' चूरणपावै सौंचलअवरहिंगुसमभाय पीवैंवातशूलमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ दाडिमहिंगुआमलेआन मघांजवायणहरडमिलान सैंधालवणदोयधरक्ष्यार यहसमचूरणकरोसुधार तप्तनीरसोंपीवैतांई वृद्धशूलवातहतपाई ॥ अन्यच ॥ हिंगुजवायणसैंधाडार सौंचलहरडेदोनोंक्ष्यार यहसमचूर्णमदरासंग उष्णजलहिवापीरुजभंग हरडैंत्रिकुटावरचपतीस सौंचलहिंगुलेहुसमपीस यहचूरणतप्तोदकसंग पीवैवातशूलहोइभंग ॥ अन्यच ॥ धनियांसुंठजुएरंडपाय शिग्रुमूलयुतक्काथवनाय हिंगुलवणयुतक्काथजुपीवै वातशूलहततक्षणथीवै.

॥ अथकफजशूलकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसअवरजलजीवनतास दूधविकारकरैपरकाश क्षुमाषपीठादिविकार तंडुलमांडतिलसुचोप्रकार अवरहुंकफकरतादिकजोय कफजशूलतिंहहूंतेहोय

॥ अथकफशूललक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हृदयरोधपीडाअरुकास मुखजलचलैअरुचिताभास भोजनकियेवेगवहुकरै शिरभारीगौरवताधरै शिसिरवसंतअवरपरभात कोपकरैजानोविख्यात

॥ अथकफजशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पंचकोलहिंगुलवणजुतीन यहसमचूरणकरोप्रवीन उष्णहिंजलसोंपीवैसोय कफकोशूलनाशतवहोय ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ लघुकंडचारीअरुलहुवासा इहदोनोंकेफललषतासा शिलाजीतगोषुरविल्लमूल यहसमवस्तूलेसमतूल दुगुणोएरंडमूलमिलावै विधिसेतीयहक्काथवनावै तामोंडारपीवैयवक्ष्यार हृदयपार्श्वकफशूलहिंटार ॥ ततिकफशूलचिकित्सा-

॥ अथपैतिकशूलकारणम् ॥

॥ चौपई ॥ क्ष्यारसतीक्षणउष्णविदाही तैलखांहितिलषलजोषांहि अतिकटुअतिमद्राकुलथानी अतिश्रमलोंकांजीअनुमानी क्रोधषेदरवितापतैंजान अतिमैथुनापित्तशूलप्रगटान

॥ अथपित्तशूललक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ त्रिषामोहदाहउपजावै परसामूर्छाभ्रमप्रगटावै मध्यादिवसअरुआधीरात ग्रीषमशरद कोपप्रगटात शीतवस्तुकोंसेवेजोई पित्तशूलशांतितवहोई स्वादुसीतजोभोजनकरै पित्तशूलतातैंपरिहरै

॥ अथपित्तशूलचिकित्सा

॥ चौपई ॥ प्रथमपटोलइक्षुरसल्याय तिहसोंरुजियेंवमनकराय पीछेंतेंरेचनकरवावै शीतलजल हीस्नानकरावै शीतलनदीतीरवैठावै चंदनादिकोलेपलगावै कांसिपात्रशीतलजलभरै रोगीउदरजुऊ परधरै चंद्रकिरनकोंसेवैसोय शांतीपित्तशूलकीहोय ॥ अथरसः ॥ सेहालवामांसरसपीवै पैतिक शूलशांतितबथीवै क्षीरअवरजोघृतकोपान गुडयवशालीतंडुलमान अवरविरेचनजांगलमास पित्तशूलकोकरहैनास ॥ अविलेह ॥ लाजामधुरलायकरचाटै पित्तशूलकीपीडाकाटै ॥ अथक्काथः ॥ ॥ चौपई ॥ शतावरिभषडेबलामुलठ क्काथकरैंकरइंन्हैइकठ मधुशरकरामिलायजुपीवै पित्तर-कशूलहतथीवै दाहामिटेअरुज्वरभीनाशै रोगजायतनसुखपरकाशै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाअमलता-ससमआन क्काथकरैविधिसोंमतिमांन मधुशरकरामिलायापिलावै दाहरक्तपितशूलहटावै ॥ अन्यच ॥ दोइकंड्यारीएरणठान उशीरगोघुरूकरोंमिलान कुशाकासइक्षुकोमूल करैक्काथयहलेसमतूल मधुमि-लायकरताहिपिलावै दारुणपित्तशूलभगजावै ॥ अन्यच ॥ कुशाकासजुउशीरमुलठ यहसमऔ-षधकरोइकठ अर्धक्षीरअर्धजलपाय पीवैयाकोंक्काथबनाय पित्तशूलमिटजावैतास वंगसेनमतकीन-प्रकाश ॥ अथरस ॥ चौपई ॥ धात्रीफलरसकूटमंगावै कंदविदारीरसतिंहपावै रसअंगूरद्राक्ष-कोठान त्रायंतीरसकरोमिलान यहसमरसहिंशरकरापावै पीवैपित्तशूलमिटजावै जिसकोंछर्दशूल-दाहत्रिषाहोवैतिसकाउपाय ॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ करैयवागूविधिसोंजोय मधुमिलायशी-तलकरसोय पीवैयाकोंसुखप्रगटाय छर्दशूलदाहात्रिषजाय ॥ अन्यच ॥ शतावरिरसमधुप्रातपि-लाय दाहशूलपित्तमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई हरडपीसकरचूरणकीजै गुडघृतमेलरुजी-कोंदीजै पित्तशूलकोहोइहैनाश दुःखजावैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच धात्रीफलकोचूरणजोय मधुमिलायचाटैरुजषोय ॥ इतिपित्तशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथत्रिदोषजशूललक्षणं ॥

सवकोंलिंगनसमयुतजोय त्रिदोषजशूलजानियेसोय विषवज्जन्यायहशूलपछानो ग्रंथकारमतकह्योसुमानो

॥ अथत्रिदोषजचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ शंखचूर्णाहिंगुत्रिकुटाय लवणजुसेंधाताहिमिलाय यहसमचूरणतप्तजल-संग पीवेशूलत्रिदोषजभंग ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सिद्धगूत्रसोंकरैमनूर त्रिफलाचूरणसमकरपूर मधुघृतमेलजुचाटैसोय त्रिदोषजशूलनाशतवहोय ॥ अथविलेह ॥ विदरीरसदाडिमरसपाय त्रिकुटालव-णलेहुसमभाय मधुमिलायकरचाटैसोय त्रिदोषजशूलनाशतवहोय ॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ एरंडफल-अरुएरंडमूल दोइकंड्यारीमुत्थरसमतूल गोघुरपर्णीचारअरुवासा सहदेवीइक्षुमूलसमतासा सभय-हसमलेक्काथवनावै यवक्ष्यारतांहिमोंपायापिलावै त्रिदोषजशूलहोइतबनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ इतित्रिदोषजाचेकित्सा ॥

॥ अथआममिश्रितशूललक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ आमशूलजोकफकरहोय उदरहृदयमोंइस्थितसोय वमनअफारामुखकफचलै हृद-यरोधहोयपीडामिलै गुडगुडशब्दहृदयमोहोय हृल्लासअवरगुरुतातनजोय कफसमानलक्षणहोयजास-आमशूलसोकियोप्रकाश आमशूलहोइजोमिलवात नाभितलेकरहैउत्पात

॥ अथआममिश्रितशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ कफहरऔषधजानोजेति आमशूलमेकरहोतेति आमहरनसवऔषधषावै यावतअ-ग्नीवृद्धिनपावै चित्राधनियांपिपलामूल एरणअरुसंठीसमतूल करैक्काथसैंधवगुडपाय हिंगुपायजोता-हिपिवाय आमशूलकोहोइहैनाश दुःखमिटैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ एरंडविल्वदोनोकंड्यारी पाषाणभेदविजौराडारी त्रिकुटालीजैपिपलामूल क्काथकरैसभलेसमतूल एरणतैलक्षारहिंगुलवणमिलाय पीवैआमशूलमिटजाय हृदयजुलिंगगुदाकोशूल ऊरूमूंहडेशूलनिरमूल ॥

॥ अथकफवातशूललक्षणं ॥

कफअरवातकेलक्षणयास द्वंदजशूलकियौंपरकास वस्तिहृदपाइर्वकंठमोंजान कफअरवातशूलकोमान

॥ अथवातकफद्वंदजशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ लसणपीसकरमघसोंषावै वातकफजकृतशूलमिटावै अग्निवधैजुभूखवहुलागै उपजै-सुखद्वंदजउठभागै ॥ अन्यच ॥ अर्धक्षीरअर्द्धजलपाय गुडमघपायततकरषाय वातकफजकुक्षशू-लविनाशै सुखउपजैपीडाउरनाशै ॥ अन्यच ॥ क्षारीजलगुडपिप्पलीपावै पीवैवातकफजमिटजावै सैंधाहरडजवायणपाय सुंठवर्चलेताहिमिलाय समयहचूर्णततोदकसंग षावैवातकफशूलसुभंग ॥ चौ-पै ॥ आमशूलपित्तसंयुतजोय सर्वउदरपीडाकरैसोय सन्निपातआमहिंमिलजोय उदरसर्वपीडाकरसोय

॥ अथकफपित्तशूललक्षण ॥

॥ चौपै ॥ कुक्षहृदयअरनाभिमंझार कफअरपित्तकोशूलविचार

॥ अथपित्तकफद्वंदजशूलचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथ ॥ चौपै ॥ पटोलजुत्रिफलापीसमंगावै क्काथवनायमषीरमिलावै पीवैताकोंउठ परभात शूलपित्तकफकृतमिटजात जोकफवातआममिलजावें इतनेठोरेंदुःखउपजावै नाभित-लैअरुकंठमंझार हृदयपार्श्वमोंकरैसंचार कफपित्तशूलआमप्रगटावै दाहतापहृदिनाभिकरावै

॥ अथवातपित्तशूललक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दाहअवरज्वरकरैजुनित्त वातपित्तकोशूलसोमित्त ॥ अथशूलउपद्रव ॥ चौपै ॥ अ-तिपीडात्रिष्णाअरुकास हिडकीगुरुतामूर्छांस्वास उदरअफारारुचविनलहियै शूलउपद्रवएतेंकहियैं

॥ अथपित्तवातद्वंदजशूलचिकित्सा ॥

॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ कुशाकासभषडेजुउशीर कंडयारीदोइठानोधीर इक्षुअवरएरंडकोमूल यहस-भऔषधलेसमतूल क्काथकरैशरकरामषीर पायपीवैसनहोममवीर पित्तवातकृतशूलनसावै वंगसेनमतऐंसगावै

॥ अथसाध्यअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ एकदोषकरसाध्यकहावै कष्टसाध्यदोइदोषजनावै तीनदोषयुतअहैअसाध्य ऐसेंवरन्योशूलउपाध्य

॥ अथपार्श्वशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ कफअरमारुतकठेंजवै कुक्षिपार्श्वमोस्थितहोयतवै गुडगुडशब्दजुकरेंअफार आमकोरो करखेंसुविचार सूचीन्यायतिसपीडाहोवत मुखपसारकरश्वाससुलेवत कवीआरामनहोवेमनमे दिनरात्रि निद्रानासेतनमे ऐसेलक्षणजिसकेजाने पार्श्वशूलतिसपुरुषकोमाने

अथकुक्षिशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ कुपितवायुमिलआमकेसाथ अग्निरोकरावैसुनगाथ कुक्षिमेंप्राप्तहोयस्थिरात वातशोषस्तंभकरे दिनरातभोजनअन्नपचेतिसनाहि ऊर्ध्वश्वासवहुआवेताहि वारवारपीडितकरहैशूल निद्रावैठणसुखनिर्मूल ऐसेलक्षणजासमेंजानो कुक्षिशूलियहनरहिपछानो वातआमतेउत्पतियास ग्रंथकारमतकियोप्रकास

॥ अथहृदयशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ कफतेपित्तजुरोकतजाय रसतेंमूर्छितवायूआय सोवायूस्थितहृदयजवहोय तातेंशूलकरेनितसोय ऊर्ध्वश्वासहृदिरोधजनावै हृदयशूलतिसनामकहावै रसअरवाततेंउत्पतिजान वंगसैनमतकह्यासुमाने

॥ अथवस्तिशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ संरोधकरवायूकोपैजवै वस्तिनमोस्थितहोवेतवै वस्तिकुक्षनाडिनकौरोकै शूलअत्यंतप्रगटकरसो कैविष्टामूत्रवंधकोकारण वस्तिशूलकरनामउचारण

॥ अथमूत्रशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ मारुतकुपितहोतहैजवै नाभिकुक्षपाइर्वरोकतहैतवै इनरोकनतेंमूत्रनाहिसरै मूत्रशूलवायुसंगधरै

॥ अथकोष्ठशूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ रूक्षअन्नपाननरकरहै मारुतकोपकोष्टजाकरहै रोकतकोष्टइस्थिरतहहोय अग्निवंधकरकोपैसोय नाडिनमोजावंधसुकरै कोष्टशूलनामतिहधरै

॥ अथविट्शूललक्षणमाह ॥

॥ चौपै ॥ दक्षिणकुक्षिवावाईओर पवनसंचारकरहैकुपिशोर सर्वअंगमोविस्तृतहोय आमग्रहणकरफिरहैसोय शीघ्रअंगसवकरैप्रवेश शब्दकरेअतितृषाविशेष भ्रममूर्छादुष्कृतप्रगटावै मूत्रसरैफुनशांतिनआवै विट्शूलीसोप्रगटमहान वैद्यपरमइहकियोवखान

॥ अथसामान्यशूलचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथसहकाथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडसौंचलविडआनो सैंधातुंमरूइकठेठानो अरुताहीमोंपुष्करमूल चूर्णकैरसभहीसमतूल दसमूलीयवकाथहिसंग पीवैहोयशूलसभभंग शूलपाइर्वहृदकटिअ-

रुपीठ तंद्राअपितानकसुनईठ एतेवातशूलमिटजांहि निश्चैमांनोशंसैनांहि अन्यचवातशूलनिरूह अवरविरेचनजानसमूह क्षीरमधुरयुतकोजैपान पित्तशूलकोकरहेहान कटुकतिक्तकरकीजैकाथ कफजशूलहरहैतिससाथ ॥ अन्यचचूर्ण ॥ चौपई ॥तुंबरूहरडहिंगुयवक्षार तीनोलवणजवायणडार सुंठविडंगजुपुष्करमूल यहसभऔषधलेसमतूल त्रिवीत्रिगुणसंगपीसमिलावै एरंडतैलसोंवटीकरावै तप्तोदकसोंपीवैतास शूलगुल्मवातकफनाश विष्टामूत्ररोधकोशूल एतेशूलहोंहिनिरमूल ॥ अन्यच ॥ हरडतुंबरूहिंगुमिलाय पुष्करमूललवणत्रैपाय यहसमचूरणपीसैकीजै यवकेकाथसाथनितपीजै शूलसमस्ता गुल्मरुजजाय वैद्यकमतयोंकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ सौंचलहिंगुसुंठसमआनो पीसोनीकैचूर्णठानें सुंठकाथसंगपीवैतास शूलवातकफउदरविनाश हृदयपार्श्वपृष्टकोशूल विष्टामूत्ररोधनिरमूल अवरविसूचीरोगनसाय यातेशूलभगेंमनल्याय ॥ अन्यच ॥ एरणतैलहिंगुसमआनै सौंचललवणतासमोंठानै काथसुदशमूलीसंगपीवै अफाराशूलनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एरंडइंद्रयवपुष्करमूल हिंगुपतीसवचकरसमतूल करैकाथव्याधीयोपोवै आमशूलकफकोहतथीवै ॥ अन्यच ॥ विजोराररसुहांजणेकाथ मधुयवक्षारपीजियेसाथ पार्श्वहृदयनाभितलशूल पीवतहोइजावैनिरमूल ॥ अथघृत ॥ ॥ चौपै ॥ विजोरेरसमोंघीउपकावै हिंगुलवणसंयुक्तपिलावै उष्णाकरेताकोजोपीवै विष्टारोधशूलहतथीवै कुक्षहृदयपार्श्वकोशूल निश्चैजानोहोइनिरमूल ॥ अथभाफ ॥ चौपै ॥ यवपुनर्नवाएरंडआन अलसीबीजकपासहिंठान कांजीसोंसुमिलायउबालै भाफस्वेददेवस्त्रसुघालै वातशूलवृद्धजोहोय यांतेंनाशहोइहैसोय ॥ अथयवागू ॥ चौपै ॥ मघांसुंठअरुपिपलामूल चित्राचवकलेहुसमतूल पाययवागूमध्यपकावै षावैशूलहरअग्निवधावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुतुंबरूत्रिकुटापाय जवायणचित्रहरड मिलाय तीनोलवणजुदोनोक्षार यहसमचूरणकरोसुधार प्रातःकालतप्तजलसंग शूलविष्टामूत्ररोधहोइभंग ॥ अन्यच ॥ बिल्वमूलएरंडअरुचित्रा सुंठहिंगुसेंधासुनमित्रा चूरणकरैसमसभहिमिलाय तप्तनीरसोंजाकोंषाय शूलव्याधततक्षणमिटजावै दुःखमिटेतनसुखप्रगटावै समस्तशूलमिटजावैंतास वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ गौमूत्रसोंहरडपकावै पुनसुकायकरचूरणबनावै लोहचूरणअरुगुडसमभाय षावैसर्वशूलमिटजाय ॥ अन्यच ॥ चित्राहिंगुकंकुष्टयवक्ष्यार सेंधायहसमचूर्णसुधार विजोरेकोरसपायजुषावै शूलअवरदुःखलिफनसावै ॥ अथधूप ॥ चौपई ॥ सत्तूअरुकटुतैलमिलावै कवंलरोगीपरऊढावै धूपदेयव्याधीकोंजोय शूलनाशतासकोहोय ॥ अन्यच ॥ इनउपायकरशूलनजाय वस्तिकर्मतिसवैद्यकराय वस्तीकर्ममोंतैलप्रमान नारायणीप्रसारणीमान इनतैलनसोंवस्तीकरै सर्वशूलतातेंपरिहरै ॥ अथहिंग्वादिवटिका ॥ चौपई ॥ हिंगुअवरसौंचलदोइक्ष्यार पाठाअवरलवणत्रैडार यहसभसमलेचूरणकरै लसुणरसहिवटकाकरधरै षावैहृदयशूलमिटजाय पार्श्वशूलकुक्षशूलमिटाय ॥ अथएरंडादिघृत ॥ चौपई ॥ एरणमूलदोइकंड्यारी गोषुरअरुपुनर्नवाडारी अवरहिंइन्हसभकोलेमूल लेयसुकायपीससमतूल पुनहिंविदारीमहासहा बलाशतावरिक्षुद्रासहा हंसपदीचित्राजुमृणाल जीवकरिषबकुशातिंहघाल सहदेवीसभकोसममूल काथकरैशास्त्रअनुकूल पादशेषरहैताहिछनावै विजोरेकोरससमजुमिलावै ताकेसमघृतपायपकाय षायथावलहर्षवढाय सर्वप्रकारशूलहोयनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश यहघृतकृष्णात्रयरिषिकह्यो लोकहितारथयाकोंलह्यो ॥ अथवीजपूरादिघृत ॥ ॥ चौपई ॥ बीजपूररहसनअरुबला एरंडगोषुरपंचपंचपला प्रस्थएकयवजलमोंपाय द्रोणएकपरिमा-

णधराय क्राथपादशेषजबरहै कर्षकर्षयहऊौषधगहै तुंबुरूहरडहिंगुत्रिकुटाय सौंचलविडसैंधापुनपाय यवकोनीरजोसज्जीक्षार श्रमलवेतयहसभसमडार प्रस्थएकघृततामोपावै प्रस्थएकदधिमंडामिलावै मंदअग्नि सोंताहिपकाय देषेआपनोबलतिसषाय वातशूलत्रिदोषजशूल पार्श्वशूलहोवैनिरमूल शूलकलेजेकोमिटजा वै आंत्रशूललिफगुल्ममिटावै यहघृतयाज्ञवल्क्यमुनिभाष्यो लोकनकोहितउरधरआष्यो ॥ अथशूलघृत ॥ ॥ चौपई ॥ जितोप्रमाणप्रथमघृतआनै चतुर्गुणरसजुविजोराठानै वदरीफलअरमूलीमूल इनकाक्राथपायसमतूल तासमदाडिमकोरसपावै पुनयहचूरणताहिमिलावै विडंगयवायणलवणजुक्षार पंचकोलतामोपुनडार अरुपावैपाठाकोमूल यहचूरणठानोसमतूल मंदअग्निसंगताहिपकावै बलअनुसारतांहिकोषावै हृदयपार्श्वशूलमिटजाय श्वासकासहिडकीनरहाय गुल्मअफाराअवरप्रमेह अर्शवातव्याधमिटतेह ॥ इतिसामान्यशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथप्रणामशूलनिदानम् ॥

॥ चौपै ॥ जोनिदानशूलमोंकहिये सोऊप्रणामशूलमोंलहिये इन्हकरवातकुप्तजुसदाई रहैसमीपनदूरकदाई कफपित्तआश्रयहोयसोवात शूलसुकरहैदुःखउपजात भुक्तअन्नपचणेतेआद हातप्रणामहिशूलविषाद ॥

॥ अथलक्षणम् ॥

चौपै उदरअफारापीडाहोय कंपपुरीषमूत्रबंधसोय इन्हलक्षणकरलषोसुजान शांतिसानिग्धउष्णाभक्षमान यहवातजप्रणामहैशूल पैतिककोयोंभाषोमूल पीडादाहतृट्स्वेदतनमानो सलवणअमलकटुषांयेजानो सीतलवस्तूतेंसुखहोय पित्तपरिणामजानियेसोय कफजप्रणामशूलयोंलहिये छर्दमोहहृदरोधभनैये पडाशूलअल्पसोहोय दीरघकालरहैहैसोय कटुतिक्तषायहोयतिससांत कफजप्रणामलषोइसभांत मिलतचिन्हजांहूमोलहियें प्रणामशूलत्रिदोषजकहिये

॥ अथप्रणामशूलअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ प्रणामशूलत्रिदोषजजोय क्षीणमांसबलअग्निजोहोय सोअसाध्यमनमांहिलहीजै इन्हलक्षणतैंसमुझपतीजै

॥ अथप्रणामशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपै ॥ प्रथमजुलंघनरुजियेकराय वमनविरेचनपाछेवनाय वस्तिकर्मपाछेकरलीजै इसविधरुजकोनाशकरीजै

॥ अथवमनप्रकारः ॥

॥ चौपई ॥ रसतरुनिंबहिंवमनकरावैं वाकटुंतुंबीरसलषपावै वापटोलपत्रनरससाथ वाजुकरेलेरससुनगाथ अथवासंगमोचरसजान क्राथमैनफलसाथपछान क्राथमैनफलदुग्धरलावै ताकेसंगजुवकमनरावै अरुरेचनकरवावैतास सोऔषधकरिहोपरकाश

॥ अथरेचनविधि ॥

॥ चौपै ॥ दंतीत्रिवीजुएरंडतेल रेचनकरवावैयहमेल अन्यच श्यामातृवीजुदंतीआनै अम्लतासंसुंठकौड जुठानै हरडनीलिकाचूरणकीजै एरंडतैलवातिलसोपीजै होयविरेचनतिसकेसाथ नाशप्रणामशूलसुनगाथ

॥ अथविडंगादिमोदक ॥

चौपै ॥ विडंगकूटतंडुलत्रिविलीजै त्रिकुटाचित्रादंतीसमकीजै चूरणकरगुडसाथमिलाय यथा-वलतासगुटीवंधवाय प्रातकालतप्तजलसंग खायप्रणामशूलहोइभंग अग्निवधैवहुभूषलगावै ऐसो-ताकोगुणदरसावै ॥ अन्यच ॥ सुंठअवरगुडजहसमलेय कूटकृष्णातिलसाथमिलेय दुग्धसाथत्रैरातप्रयंत षायप्रणामशूलकोअंत ॥ अथचूर्ण ॥ एरणफुलचित्राअरुगोषर अरुपुनर्नवापीसत्ताहिधर सीपीभस्मतास-मोदेय यहसभसमकोचूर्णकरेय दधिमिलायतप्तोदकसंग पीवैप्रणामशूलहोइभंग ॥ अन्यच ॥ केव-लसीपीभस्मकरावै ततनीरसोप्रातपिलावै प्रणामशूलभाग्योकहुजावै ऐसोगुणताकोदरशावै॥ अन्यच ॥ सपीभस्मपुनत्रिकुटालीजै पांचलवणसमचूरणकीजै वागुटकाकरप्रातहिंषाय भोजनस मयतप्तजलभाय होइप्रणामशूलकोनाश दुःखनाशैसुखकरैप्रकाश ॥ अन्यच ॥ विष्णुक्रांतकोमूलपिसावै घृतशरकराजुताहिरलावै दुग्धसाथपीवैनरजोय नाशप्रणामशूलकोहोय ॥ अ-थसंवूकादिमोदक ॥ चौपै ॥ सीपीभस्मतीनपलआन दोयपललोहचूरणतिंहठान रसोंतएकपलपलजु-मनूर सभकेसमजुशरकरापूर मधुमिलायमोदकयहकरै षायप्रणामशूलयहहरै गुल्महृदयकोशूलमिटावै शोथपार्श्वशूलनरहावै उदरशूलभ्रमअर्शविनाशै कामकृच्छ्रप्रमेहजुनाशै अंडवृद्धअश्मरीविडारै स्मृती-श्लेशपीनसकोटारै अर्धशिरामंदाग्निहोएदूर एतेरोगकरैयहचूर ॥ अथकृष्णादिलेह ॥ चौपै ॥ मघांहरी-डलोहकोचूरण यहसममधुघृतसोंकरपूरण नितचाटैप्रणामकोशूल निश्चैजानोहोइनिरमूल ॥ अथपथ्या-दिलेह ॥ पथ्यासुंठलोहकोचूरण चाटैसमघृतमधुकरपूरण होइप्रणामशूलकोनाश दुःखनाशैतनसुख-परकाश ॥ त्रिफलादिलेह ॥ चौपै ॥ त्रिफलालोहचूरणजुमुलठ मधुघृतसोंसमकरोइकठ प्रातहिंउठ-नितचाटैतास होईप्रणामशूलकोनाश ॥ अथचतुषसमलेह ॥ चौपै ॥ अभ्रकताम्रलोहअरपारा पलप-लयहलींजिसुनप्यारा इन्हकोंशोधमारकरलीजै द्वादशपलघृतमोसुमिलीजै अरुद्वादशपलदुग्धमिलावै मंदअग्निसंगताहिपकावै पाछेंत्रिफलाचित्राआन त्रिकुटाअवरविडंगपछान यहपलपलतिहपीसरलावै सुंदरवासनमाहिधरावै शुभदिनपूज्यसूर्यगुरुलेय मद्यघृतमधुसोंपानकरेय मासाइकप्रथमहिंदिनषावैं मा-सेत्रअष्टतकताहिवधावै नलेररसवापयअनुपान इन्हसोंषावैवडीविहान पुरातनवासमतीकेचावल दुग्ध-साथषावैजुयथावल अथवामांसरसेकेसाथ षावैपथ्यलहोयहगाथ प्रणामशूलहृदयकोशूल पार्श्व-शूलहोवैनिरमूल आमवातकफशूलविनाशै गुल्मशूललिफशूलहिंनाशै मंदाग्निक्षईकलेजेशूल कुष्टश्वा-सकोनाशैमूल कासविचर्चिकापथरीजाय मुत्रकृच्छ्ररुजनाहिरहाय ॥ अथभक्तवारिगुटका ॥ चौपै ॥ त्रि-वीजुचित्रात्रिफलाआन त्रिकुटामुत्थरसमलेठान यहसमभागपीसलेधरो अर्धभागपारातिंहकरो अभ्र-कवायविडंगहिमान द्विगुणभागताकोंतिहठान अर्धभागफूनगंधकपावै लोहचूर्णदोभागरलावै पीस-इकत्रकरइन्हकोसांधै त्रिफलाकाथसोगुटकेवांधै भक्तउवालजलसोंयोंजान गुटकाषावैवलअनुमान प्रणामशूलअरुपंक्तीशूल त्रिदोषजशूलहोयनिरमूल अमलपित्तछर्दज्वरनाशै कुक्षशूलहृदिशूलविनाशै

पार्श्वशूलनाभीतलशूल गुदाशूलकासनिरमूल श्वासकुष्टग्रहणीहोइदूर कलेजेलिफशूलहोइचूर राजयक्ष्म रोगनरहावै रोगजांहिव्याधीसुखपावै ॥ अथसमुद्रादिचूर्ण ॥ चौपै ॥ समुद्रलवणसैंधादोइक्ष्यार सौंचलहिंगुअवराविडडार दंतीलोहचूर्णजुमनूर अभरकत्रिवीसमपीसोपूर दधिगोमूत्रचतुर्गुणपाय दुग्धचतुर्गुणपायपकाय मंदअग्निसंगताहिपकावै यथावलततततोयसंगषावै पथ्यसमांसरसघृतसोंषाय प्रणामशूलहृदशूलमिटाय नाभिशूलजुकलेजेशूल गुल्मशूलकोनाशैमूल शूलसमस्तलिफहरैसोय अैसीऔषधअवरनकोय ॥ अथपिप्पलीघृत ॥ चौपै ॥ पिप्पलीगुडघृतयहसमलेय दुग्धचतुर्गुणतामोदेय पुनदधिगूत्रदुग्धकेसाथ पकावैघृतपुनसुनयहगाथ मंदअग्निसोंताहिपकावै षायप्रणामशूलमिटजावै ॥ अन्यच ॥ पिप्पलीघृत मघकोकल्कअरकीजैकाथ घृतजुपकावैताकेसाथ सोघृतमधुयुतदुग्धसंगपान प्रणामशूलकोकरहैहान ॥ अन्यच ॥ मघकोकल्कअरकाथकराय घृतअरक्षीरसमतासमिलाय मंदअग्निसोंताहिपकावै षावैशूलप्रणामहिजावै ॥ अथलोहगुटका ॥ चोपई ॥ लोहचूर्णभागलेतीन तीनभागत्रिफलापरवीन अष्टभागगुडसंगमिलावै चतुर्गुणगुडतेंगूत्ररलावै मंदअग्निसोंताहिपकाय गुटकाबांधैसुष्टबनाय गुटकानित्ययथाबलषावै प्रणामशूलततक्षणभगजावै ॥ अथभीमवटकमंडूर ॥ चौपै ॥ मघांसुंठाचित्रायवक्ष्यार कंकोलीपिप्पलामूलसुडार यहसमस्तपलपलइकलीजै सभसममंडूरतांहिमोंदीजै गूत्रअष्टगुणपायपकाय चारटंककोवटकबनाय भोजनअंतप्रथमतिसषावै भोजनसभीजुषायपचावै घृतवादुग्धमांसरसजान औषधषावैइन्हअनुपान प्रणामशूलततक्षणहोइनाश समस्तप्रकारशूलसुविनाश

॥ अथक्षीरमंडूर ॥

॥ चौपई ॥ मंडूरअष्टपलतोलमंगाय आढिकइकगोमूत्रमिलाय प्रस्थदुग्धमोंपायपकावै षायप्रणामशूलमिटजावै

॥ अथशतावरीमंडूर ॥

॥ चौपई ॥ अष्टपलशुद्धमडूरमगावै रसशतावरीअष्टपलपावै दुग्धअवरदधियहजोदोय अष्टअष्टपलपावैसोय गोघृतपावैपलजोचार पकायलेयधरपात्रसुधार प्रथमहिंअरुभोजनकेअंत बलअनुसारषायलषतंत प्रणामशूलअरुसभहीशूल निश्चैजांनोहोइनिरमूल

॥ अथमंडूरशुद्धकरणविधि ॥

॥ चौपई ॥ सातवारमंडूरतपावै तपायतपायदुग्धमोंपावै सोमंडूरशुद्धभयोंजान सभऔषदमोंताकोठान

॥ अथतारामंडूर ॥

॥चौपई ॥ विडंगचवकचित्रात्रिफलाय अरुत्रिकुटाकोंतामोंपाय तिंहलेसममंडूरमिलावै गूत्रदुगुणतासमगुडपावै मंदअग्निसोंताहिपकाय सनिग्धपात्रमोंधरैवनाय भोजनप्रथमअंतपुनषावै बलअनुसारषायसुखपावै सर्वप्रकारशूलहोइनाश पांडुकमलाशोथविनाश मंदअग्निकृमअर्शनिवारै ग्रहणीगुल्म अमलपित्तटारै अवरस्थूलताताकीजाय शुष्कशाककटुअमलनषाय दाहकअवरजुवस्तुअनेक षावैनाहिसुधारविवेक यहमंडूरतारानेकह्यो लोकहितारथयांकोलह्यो ॥ अथत्रिकुटादिमंडूर ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाचवकविडंगी चित्राजीरामुस्थरशृंगी कलौंजीधानियांअरुसुरदार तुवुरूदंतीग्रंथिकडार गज-

पीपलश्ररुत्रिवीमिलावै एलादालचीनीपुनपावै लोहचूर्णश्ररुपत्रतमाल यहसभश्रर्धश्रर्धपलडाल गंधकपाषाणभेदश्ररुकेसर कर्षकर्षयहउौषधातिंहधर पलपचीसशुद्धमंडूर सूक्ष्मपीसकरोसोचूर प्रस्थश्रामलेकोरसठान प्रस्थभांगुरारसपहिचान गुडश्रष्टपलपायपकावै मंदश्रग्निसोसिद्धकरावै याकोंनित्ययथाबलषाय प्रणामशूलश्रादिकनरहाय ग्रहणीगुल्मलिफकमनाशैं पांडुकामलाश्रर्शविनाशैं कुष्टशोफस्थूलताजावै श्ररुचिवातापित्तकफनरहावै श्रंधकारज्योसूर्यप्रकाश तैसेंरोगहोंहियहनाश ॥ श्रथनारकेललवण ॥ चौपई ॥ नारकैलकोदुग्धकढावै तामोलवणजुपायमिलावै मंदश्रग्निसोंताहिपकाय षायप्रणामशूलमिटजाय ॥ श्रथलोहगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ त्रिफलात्रिकुटामुथ्थविडंग पुष्करवरचमुलठीसंग श्ररुचित्रायहसभसमश्रान इकइकपलइन्हकोपरिमान लोहचूर्णश्रष्टपललेय गुग्गुलुचूर्णश्रष्टपलदेय सभयहपीसेमधूमिलाय चाटेप्रातप्रणामनसाय पांडुहलीमकशोथाविनाशैं श्रामवातविष्मज्वरनाशैं गुल्मरोगकोंहोइहैनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ श्रथश्रामलकषंड ॥ चौपई ॥ श्रर्धतुलाकूष्मांडउबालै नपीडपायघृतभुंनधरावै श्रर्धतुलाभरषंडामिलाय श्रर्धप्रस्थश्रामलरसपाय प्रस्थकूष्मांडरसठान मंदश्रग्निसोंकरोपकान पाकऊपरहींश्रावैजवै दोइदोइपलयहपावैतवै मघपीपलसुंठीश्ररुजीरा पीसपायतामोसुनवीरा तालीसपत्रामरचांश्ररुमुत्थर चतुर्जातयहइकइकपलधर श्रर्धप्रस्थमाष्योःजुमिलाय राषैनित्ययथाबलषाय प्रणामशूलत्रिदोषजशूल श्रमलपित्तछर्दनिरमूल मूर्छाश्वासकासमिटजावै श्रवरश्ररुचहृदशूलमिटावै पृष्टशूलरक्तपित्तनाशै बंगसेनयोंप्रगटप्रकाशै यहउौषधजुरसायणजान निश्चैमनमोयाकोंठान ॥ इतिप्रणामशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ श्रथश्रन्नद्रवशूललक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पचैंश्रपचैंश्रन्नजोरहै पथ्यश्रपथ्यमांहिजोलहै भोजनविनभोजनहोइजोई नेमसहितनितउपजेवोई श्रन्नद्रवसोशूलकहायो योनिदानमतभाषसुनयों ॥ दोहा ॥ शूलश्रौशूलप्रणामकोविवरोकह्योसुनाय जेसेंकह्योंनिदानमोंभाषारचीबनाय.

॥ श्रथश्रन्नद्रवशूलचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजश्रन्नद्रवशूललषावै वमनश्रेष्टताकोंलषपावै कफजश्रन्नद्रवशूलजुहोय रेचनकरवावैनरसोय श्रामस्थानशुद्धहोइजवै श्रन्नद्रवशूलशांतिहोइतवै ॥ श्रथश्रविलेह ॥ चौपई ॥ धात्रीफलकोचूरणकीजै मुलठीलोहचूर्णसमदीजै मधुमिलायकरचाटैजोय श्रन्नद्रवशूलशांतितवहोय ॥ श्रन्यच ॥ श्रन्नद्रवशूलयुक्तनरजोय तवतकस्वस्थनाहितिसहोय यवतकश्रन्नश्रम्लकटुपीत छर्दयनाहिनसुनयहमीत ॥ श्रथसत्तूप्रकार ॥ चौपई ॥ सांडकतंडुलभूनपिसावै वाकोद्रवतंडुलमनल्यावैं वाकंगुणीकेचावलमान इन्हकेसत्तूकरैसुजान दुग्धशरकरापाःयसुपावै श्रन्नद्रवशूलतुरतमिटजावै कोद्रवसांडककंगुनील्याय इनकेतंडुलशुद्धकराय दुग्धसाथजोक्षीरवनावै खावैश्रन्नद्रवशूलनसावै ॥ श्रन्यच ॥ पित्तश्रधिकतैंजाकोंहोय यवलाजासत्तूकरसोय पायशरकराषावैतास श्रन्नद्रवशूलहोइतौनाश ॥ श्रन्यच ॥ कफीकुलथवाचणेपिसावै षंडमेलकरसमयहपावै श्रन्नद्रवशूलहोइहैनाश दुःखनाशैतनसुखपरकाश ॥ श्रन्यच ॥ लेपटोलकोकीजैक्काथ चणेसत्तूपावैतिससाथ श्रन्नद्रवशूलनिवारणहोय निश्चैमनमोंजानोसोय ॥ श्रन्यच ॥ कनक-

सत्तूंकीमांडकरावै घृतगुडपायजुरोगीषावै अन्नद्रवशूलहोइहैशांत निश्चैमानोयहवृत्तांत ॥ अन्यच॥ इक्षुरसअरशर्करापाय दुग्धद्राक्षरसतासमिलाय विधिवतपीवैताकोजोय अन्नद्रवशूलशांतितिसहोय मूत्रकृच्छ्रअरुअस्मरीनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अन्यउपाय ॥ कूष्मांडसमगुडजुमिलावै षायअन्नद्रवशूलमिटावै ॥ अन्यच ॥ शूरणकंदकोचूरणकीजै ताकेसमगुडतामोदीजै निज-बलदेषताहुकोंषाय अन्नद्रवशूलतुरतमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हरडआमलेनिंबके-पत्तर यहसमचूरणकरोइकत्तर गुडामिलायकरयांकोषावै अन्नद्रवशूलतासकोजावै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाआनोअवरमंडूर समलेपीसोकरहोचूर मधुमिलायकरचाटैसोय शांतिअन्नद्रवशूलसुहोय गुडहरीतकीआमलेजान पलपलइनकालेजुप्रमान मंडूरपलत्रयतासमोपाय मधुघृतलीजेताहिमिलाय अक्षप्रमाणखावैनितजोय अन्नद्रवशूलशांतितिसहोय हरितपित्तअम्लपित्तकोनासन प्रणामशूलजोव षविनासन ॥ अन्यच ॥ कलापचूर्णदोइभागपिसावै मंडूरचूर्णइकभागमिलावै करेलेरससों मर्दनकरै कर्षप्रमाणगुटकाकरधरै षायअन्नद्रवशूलनसाय वंगसेनयोंकह्योसुनाय यापरश्रेष्टपुरातन-घीय निश्चैजानोअपनेजीय ॥ इतिअन्नद्रवशूलचिकित्सासमाप्तम् ॥ दोहा ॥ शूलअवरप्रणामशूल कीकरीचिकित्सागान आगेयाकेपथअपथभाषोंसुनोंसुजान ॥ इतिशूलप्रणामशूलअन्नद्रवशूल-चिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथसमस्तशूलरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ शूलरोगकेपथअपथतिन्हकोसकलप्रकार सुनहुचतुरमनमेधरोविधिसोंकरोंउचार ॥ अथपथ्यं ॥ ॥ चौपई ॥ वमनविरेचननिद्रास्वेद लंघनतैलमांडलषभेद तप्तदुग्धवनमृगपक्षिणमास वर्षपुरातन शालीतास पाचनवस्तुसमस्तपछांनो पटोलसुहांजणाबाथूमांनो वृंताककरेलेद्राक्षभनीजै कपित्थ-तैलएरंडलषीजै समुद्रलवणविडलवणप्रमाण सौंचललवणहिंगुपुनजान लसणलौंगतप्तजलजोय जंभीरीरसगुडकुठसोय लघुअरुक्षारवस्तुहैजेती सहितजवायणपथलषतेती ॥ दोहा॥ ॥ शूलरो-गकेपथजितेसभहीकहैसुनाय वरनोंसकलअपथ्य अवसुनहोमनचितलाय ॥ दोहा ॥ कुष्टीम-त्स्यशूलीद्विदल क्षयीकोंइस्त्रीभोग यहसेवेरुजवृद्धहोय तातेंवरजनयोग ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपै - विरुद्धअन्नपानलषपावो दृढआसनजागरणसुनावो शीतलगुरुवस्तूकोभोजन मैथुनशोकक्रोधलहु-सोजन विष्टामूत्रवेगकोरोकन अरुव्यायामअपथ्यलषोमन ॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यजुशूलकेभाषेभली-प्रकार सुनसमुझोमनलायकैवैद्यसदाउरधार इतिशूलरोगेपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ शूलरोग वरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान इतिशूलप्रणामशूलादिकरोगम्

॥ अथशूलरोगकर्मविपाक ॥

॥ चौपई ॥ आचार्य्यपंडितगुरुनार तांहित्रियासंगकरैंसंचार सोनरभोगैअधिककलेश रोगशूल-तिंहकरैप्रवेश ॥

अथउपाय चौपै ॥ पात्रसुवर्णवाचांदीतामर तामोरतननौधरैइकत्र नवग्रहकाजपहोमहिकरै विधिविधानसों यज्ञशुभधरै ताहिपात्रदेवैद्विजदान रोगशूलहोयतिहहान ॥ दोहा ॥ शूलरोगवरननाकियोकारण-सहितउपाय गुल्मरोगवरननकरोसोसुनलेमनलाय ॥ इतिकर्मविपाकः ॥

॥ अथशूलरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ अष्टमहोइजुचंद्रमाकर्कटमंगलवास द्दष्टीहोवेचंदपरमंगलकीपरतास सोनरकारणइहकरेचंदपूजसनमान मंगलपूजाविधिकरेशूलरोगहोइहान ॥ इतिज्योतिष ॥

॥ अथान्यप्रकारसोजफिफरेदी ॥

॥ चौपई ॥ सोजफिफरेवीचपछांनो जातुलरीहनामकरमांनो मोरकानामतापसंगहोई कठिनश्वासतंगीकेसोई गल्हांलालरंगकीताही फिफरेछातिपीडानाही जातुलजंवपीडप्रघटावे सज्जीभुजतेंरुधिरलुडावे पछमारकरसिंगीसोई हुकनारेचककरसुखहोई मैदाखंडगावघृतपावे लापसीदूधहरीराखावे ॥

॥ अथरोगपीडाद्रूणीकी ॥

॥ चौपई पसलीपीडाद्रूणीकहिए जातुलजंवफारसीलहिए सोजरुधिरकफहूंकीजांनो अथवासोजपित्तकीमांनो पसलीकाइकपडदाहोई कलेजेसंगमिलाहैसोई तहांसोजपीडाप्रघटावे सीघ्रयतनकरदूरहटावे नागरकुठगिलोईआंनो नागरमोथाचंदनठांनो वालासोसनकीजढल्यावे पतीसकौडतासंगरलावे साडेत्रैत्रैमासेल्याय चारसेरजलक्वाथवनाय एकसेरजवहींरहजावे पुनकरमिसरीमेलपिलावे जेकरतापदूरनाहोई ताहियतनहुकनाकरसोई जेकरसोजावाहिरआवे पसलीऊपरलालदिखावे ऊपरलेपकरेसुखहोई वैठेवापकजावेसोई राईईसवंदवाल्यावे वाकिक्करजढलेपकरावे मूसलीजढचिटीहैसोई खजूरागिटकवामेथीहोई करेलेपवामर्दनभावे सोजदूरवायक्ष्मदिखावे यक्ष्महोएतवऐसाकीजे मखीरयक्ष्मकेवीचहिंदीजें सकलदोषवाहिरउठआवे वदांमखरवूजाखंडखुलावे पालकसिरकावाकलाजोई ऐसाभोजनअतिहितहोई शिरऊपरजलकवहुंनपावे सोहांनीकरखेददिखावे जेकरद्रूणीकफकीहोई पीडाका:लीकमतीसोई तीक्षणहुकनाताहिकरावे मुनक्कासौंफअंजीरमंगावे चौदाचौदामासेलीजे आठसेरजलतामेंदीजे एकोसेरक्वाथरहजावे पीवेकफजपीडहटजावे द्रूणीरुधिरदग्धकरजांनो पीडाअधिकतापसंगमांनो ऐसाभेदअसाध्यकहावे रुधिरछोडवादाघलगावे सकलभेदकीपीडाहारिए विनायतनकैसेंसुखकरिए ॥

॥ अथरोगकरडीसोजाफिफरेदी ॥

॥ चौपै ॥ करडीसोजफिफरेहोई दवीलासुसनामाकहुसोई दूसरनामवर्मसुसजांनो करडीसोजपीडसंगमांनो पीलारंगदेहकाहोई उठकरआपचलेनहिसोई थोडातापसंगहोजावे वासलीककारुधिरलुडावे पछकरेगुरदेपरसोई ढाईपसलीऊपरहोई करेयतनदुखदूरनमांनो ताहियतनऐसापहचांनोआदितवारसूत्रलेकोई नीचेकमरलपेटेसोई गोडेतकदृढवंधनपावे करेयतनदुखदूरहटावे जैसेंधनुषखैंचकरकोई लपेटेवंधनतैसाहोई खवीपिंनीपछकरावे श्यामरुधिरअतिहींनिकसावे लालरुधिरनिकसावेजवाहीं खोलेसूत्रताहिछिनतवाहीं खिचडीभोजनताहिखुलावे सातवारइहयतनकरावे करेयतनदुखदूरनहोई करेदोखाफिफरेपरसोई जढअसगंधताहिमंगवावे तुंमेकीजढसंगरलावे पीसेरसवांसासंगपाय पीवेसोजताहिछिनजाय सर्पपरगडनीरसंगसोई करेलेपफिफरेसुखहोई एक-

भारपुटकडाल्यावे छायावीचसुकायजलावे घडाएकछिद्रकरनीचे भस्मसोईधरताहूवीचे नीचे औरघडाइकहोई ऊपरवस्त्रताहुपरसोई तौफुनिभस्मवीचजलपावे चोश्राविधिवतनीचेश्रावे दिव सतींनलगऐसाकारिए टपकाजलअगनीपरधरिए जलेनीरसघनाहोजावे तौफुनिश्रौषधश्रौरमिलावे सिंधूलूणसेरइकलीजें सज्जीपाउऐकभरदीजें नुसादरश्राधसेरसंगपाय श्राधसेरजौखारमिलाय धनि-श्रात्रिफलाजीराल्यावे अजुश्रांइनमुत्थरत्रिकुटापावे वावडिंगमुत्थरसंगपाय तोलाडेडडेडमंगवाय-राईश्राधसेरसंगपावे करचूरनफक्कीनितखावे तोलाडूडनिताप्रतिसोई सेवेसोजफिफरेखोई तिली-जिगरकीसोजहटावे गोलापेटजलोदरजावे गोघृतअथवासंगरलावे सेवेसकलसोजहटजावे-सोरेकाफुनिलूणमंगावे लोहेपात्रमेपायपकावे काचपात्रमेराखोसोई सेवेप्रातदोषहरहोई सज्जी त्रिकुटाताहिमंगावे जौखारचित्रासंगपावे सरहलवीजमंगावेसोई सीसालूणताहिसंगहोई समुंदर लूणसोईसंगपावे तोलाडेडडेडसमल्यावे करइकत्रचूरनहितहोई तोलाडूडसेविएसोई गोघृत-तोलेतीनमिलावे प्रतिदिनसेवसोजहटजावे सोजापीडफिफरेजोहोई करेयतनहटजावेसोई ॥

॥ अथरोगहृदयपीडा ॥

॥ चौपै ॥ हृदेवीचजवपीडालहिए दर्ददिलनामफारसीकहिए सनौवरीसकलहृदेमेजांनो-पीडातहांश्रसाध्यपछांनो औरहेतुकरपीडाहोई श्रामाशयदोषश्रौरवाकोई हृदेवीजगरमीलखपावे लक्षणतापपीडप्रघटावे ऊचास्वासलेवेराहोई करेयतनहटजावेसोई सज्जीभुजतैरुधिरछुडावे श्रंमल तासलैरेचकभावे कद्दूतरखीराजोहोई इनकाजलपीवेनरसोई हिंदुश्रानेकाजलताहिपिलावे ऐसे-सीतलनीरसुखावे धनिश्रापुष्पगुलावमंगावे वंशलोचनताहूसंगपावे सतसतमासेलीजोसोई कपूर एकमासासंगहोई करइकत्रफक्कीवनवावे साडेत्रैमासेनितखावे गोकीछाछपिलावेकोई वानिंवू रसश्रतिहितहोई मुलठीतवासीरमंगवावे श्रामलेत्रैत्रैतोलेपावे वूकामोतिश्रानोसोई साडेत्रैमासे हितहोई करइकत्रचूरनवनवावे साडेत्रैमासेनितखावे सीतलजलसोंसेवनकरिए हृदयपीडताही-छिनहरिए रोगीसवलवैद्यलखपावे गर्मनीरमेताहिविठावे अजादूधगोकामंगवावे तिरिश्रादूध गधीकापावे करइकत्रपीवेनरकोई प्राताकालहृदेसुखहोई तपेदिक्कायतनपछांनो सोई-कराहिरदेसुखमांनो सरदीतरीश्रधकहैजाको करेवमनसुखहोवतताको जेकरखुशकीश्रधकदिखावे-मिसरीघृतवाखंडखुलावे ॥

॥ ५५ ॥ अथरोगसंभ्रमहृदेका ॥

॥ चौपै ॥ तपेहृदाश्रतिखेदिखावे रहेतापमनव्याकुलभावे गरमीश्रधकहृदेमेहोई तपे-हृदासंभ्रमलखसोई दोषकलेजेहोवतजाको हृदेपहुंचदुखहोवतताको वाश्रामासयदोषजोहोई-निकसेहुश्राडकोपकरसोई तपेहृदासंभ्रमतवजांनो वामभागपरपीडामांनो श्रसाध्यरोगताहीकर होई करेयतनहटजवेसोई दोतोलेकाहजुश्रांनमंगावे कपूरमुंगजढसंगरलावे वूकामोतीश्रा-नोसोई कश्रारेसमतासंगहोई दसदसमासेतोलमिलावे डिडतोलागिलइरमनीपावे फडकडी-

भुनदसमासेपाय दसमासेधनिग्रताहिरलाय वंजिसभालूमुत्थरत्र्यांनो तवासीरसोसंगपछांनो सत
सतमासेतोलमिलाय दोमासेताहिकपूररलाय पीसछानचूरनजवहोई मासेसातसेविएसोई मिस
रीसर्वंतचासवनावे ताहिसंगसेवेसुखपावे ग्रौरनेकविधत्रौषधहोई सेवनकरेहरेदुखसोई ग्रामास-
यनिर्वललखपावे ताहियतनकरदोषहटावे ग्रामासयशुद्धकलेजाहोई करेयतनदुखत्यागेसोई ॥

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकासभाषायांशूलरोगाधिकारकथनंनामएकोनात्रिंशो ऽधिकारः २९



॥ अथगुल्मरोगनिदाननिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ गुल्मनिदानवषानहो सुनलीजैचितधार समुझचिकित्साजोकरै होयनदेहाविकार ॥ चौपई ॥ दुष्टदोषवातादिकहावै मिथ्याहारविहारलषावै पांचप्रकारगुल्मउपजावत ग्रंथीरूपउदरप्रगटावत सीतगुल्मकेपांचोस्थान पार्श्वहृदयनाभिथलमान नाभितलेभी गोलाहोय हृदयनाभिमध्यलषसोय ग्रंथरूपवर्तुलसोकहिये चलभीहोयअचलपुनलहिये वातपित्तकफतैहोइसोय सन्निपाततेंभी सोहोय पुरुषनकोयहचारप्रकार रक्तहुतैंइस्त्रियकोविचार अैसेंपांचप्रकारवषाने नारीपुरषनकोंलषमाने ॥ अथगुल्मपूर्वरूपं ॥ चौपई ॥ वहुतडिकारवहुतविष्टाऊ त्रिष्णारहैअसमर्थलषाऊ आंद्राकूजअफारारहै गुडगडशब्दउदरजिसगहै अन्नपाककीशक्तिनहोय पूर्वरूपतिसजानोसोय ।

॥ अथगुल्मसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ अरुचीअवरआनाहपछान विष्टामूत्रजोकष्टसोंजान तातेंजानलहोसवकोय अंतरकूजनताकोहोय पवनगतीऊर्धगतजोइ इहलक्षणगुल्मीकेहोइ ॥

॥ अथवातजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपई ॥ अधिकरौष्यअन्नअरुपान समर्थविरुद्धजुचेष्टाठान विष्टादिवेगरोकनतहोवत वहुरेचनमलक्षयतैजोवत शोकअवरजोव्रतनिरहार इन्हतेवातजगुल्मविचार अरअभिघातहुतेभीजान वातजगुल्मसुकीनवषान ॥

॥ अथवातजगुल्मरूपं ॥

॥ चौपई ॥ रहेकदाचितनाभिमंझार पार्श्वकदाचितकरैसंचार कवहूंनाभीतलेउठधावै अल्पकदाचितवडोलषावै वर्तुलकभीदीरघकभिहोय अल्पकाभिवहुपीडतसोय गलमुखसूकेदेहीस्याह लालरंगभीहोवैताह सीतज्वरहोवेतिसहिमंझार कुक्षपार्श्वमुंहढेदुखकार भोजनपचैकोपकोधरै भोजनकियेमृदुलताकरै कटुतीक्षणकषायजोषावै वातजगुल्मदुखउपजावै ॥

॥ अथवातजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वातजगुल्मयासलषपावै वैद्यस्वेदास्विन्नतासकरावे अवरस्निग्धजुरेचनजाने वस्तिनिरूहअनुवासनमाने वीजपूरकोरसानिकसावै विडसेंधादाडिमहिंगूपावै यहसमसुरामंडसोंपीवै वातजगुल्मनाशतवथीवै ॥ अथचूरण ॥ चौपई ॥ अर्धपलसुंठदोयपलचित्रा पलपलतिलगुडकरोइकत्रा ततदुग्धसोपीवैजोय गुल्मउदावर्त्तशूलहतहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हिंगुदाडिमसौचलअरुनागर अमलवेतयहपीसोसमकर प्रातहिउठजोयाकोषाय गुल्मश्वासहृदरोगमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सज्जीकुठकेतकीयवक्षार यहसमलीजैपीससुधार तिलनतैलसोपीवैजोय वातजगुल्मनाशतवहोय ॥ अन्यउपाय ॥ एरंडतैलसममद्यामिलाय पीवैगुल्मवातामिटजाय ॥ अन्यच ॥ वाएरंडतैलदुग्धसोंपीवै वातजगुल्मनाशतलथीवै ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ शिलाजीतअवरयवक्षार यहसमचूरणकरैसुधार पंचमूलकाथकेसंग पीवैवातगुल्महोइभंग त्रिफलात्रिकुटाचवकाविडंग चित्रा-

धनियालेसमसंग दशमूलीकोकीजैक्काथ यहचूरणदीजैतिससाथ यथाक्रमगोघृततासामिलाय मंदअ-ग्निसोंताहिपकाय यथावलघृतकोकीजैपान वातरोगकोकरहैहान वातगुल्मकोहोइहैनाश निश्चयमनमों-आनोतास ॥ अथहविषादिघृत ॥ चौपई ॥ हौवेरचित्रात्रिकुटाय चवककलौंजीसैंधापाय ज-वायणजीरापिपलामूल यहऔषधलीजैसमतूल चतुर्गुणघृतमोंपायपकावै यवक्ष्यारसंगपीवैदुखजावै पीवैवदरीमूलरससंग वादधिदाडिमरसदुखभंग वातजगुल्मअफाराशूल योनिरोगअर्शानिरमूल-पार्श्वहृदयकोशूलनसावै ग्रहणीश्वासकासमिटजावै ॥ अथचित्रादिघृत ॥ चौपई ॥ चित्रात्रिकुटा सैंधालीजै चवककलौंजीदाडिमदीजै जवायणचित्रापिपलामूल हौवेरधनियांसमतूल इन्हकेसम-दधिकांजीपाय वेरमूलरसताहिमिलाय चतुर्गुणघृतसभतैंजुमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकावै पावैवा-तजगुल्मनसाय मंदाग्निअफारशूलदुखजाय ॥ अन्यच ॥ हिंगुवचविडसुंठीजीरा वालाहरीतकीले-सुनवीरा कुंभनिकुंभतासमोंडारे चूर्णक्रमजुविवर्द्धसुधारे ततोदकसोंकीजैपान कोष्टजरुजकोकरहै-हान गुल्मोदरकोदूरनिकारे जैसेंगजगणसिंहानिवारे ॥ अन्यच ॥ वातगुल्मपितकुपितहिजास वै-द्यकरावेरेचनतास दोषहरनसुभवस्तूदेवै अथवारक्तजुमोक्षकरेवै ॥ अन्यच ॥ हरडजवायणमघांपछान-सैंधासमयहचूरणठान तत्तनीरसोंचूरणखांवै गुल्मवातकफनासकरावै रोगशत्रुजानोवहुपूर वाणसमूहते-होवतचूर ॥ अथहिंग्वादिघृत ॥ चौपई ॥ हिंगूसोचललेयवक्ष्यार दाडिमत्रिकुटाधनियांडार जीरा-अमलवेतजुकचूर एलाचित्रापुष्करमूर वरचअवरअजमोदालीजै यहसमचूरणकठाकीजै चतुर्गुणघृत-मोंपायपकावै दधिसोंनित्ययथावलखावै वातगुल्मकोहोइहैनाश केवलशूलअफारविनाश ॥ अथप-थ्यंतीतरमोरकुर्कटकोमास शालीतंडुलपथलषतास ॥ इतिवातजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथपैतिजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपै ॥ कटुअमलोतीक्षणजुविदाही रुषीउष्णवस्तुजोषाही अर्कवन्हिसेवैकरैक्रोध अतिमद-रापीवैविनवोध दुष्टरुधिरतेंउत्पतिजान आमविघातहुतेंभीमान ॥ अथपैतिजगुल्मरूपं ॥ चौपै ॥ ज्व-रत्रिष्णाप्रस्वेदअरुदाह मुखतनलालरंगहोइजाह गुल्मसपर्शनसकहैजोय उदरमंझारशूलकरसोय भो-जनपचनेकेसमयकाल पीडाहोवतअतिविकराल

॥ अथपैतिकगुल्मचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ काकोल्यादिवासादिकजान महातिक्तादिघृतश्रेष्टपछान सोघृतपानकरावैजवहि पित्त-गुल्मतिसनासेतवहि वस्तिकर्मतिसघृतकेसाथ वैद्यकरावैसुनयहगाथ ॥ अन्यच ॥ मधुसंयुक्तकंबीलापाय ताहीसोंरेचनकरवाय पैतिजगुल्महोयहैनाश वैद्यकमतयोकीनप्रकाश चूर्णत्रिवीत्रिफलेरससंग प्रात-खायहेविरुजभंग वामिसरीसंगचूर्णखाय पित्तगुल्मतातेंभगजाय ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ द्राक्षारस-जुहरडरसलीजै गुडमिलायकरताकोंपीजै पैतिकगुल्महोयहैनाश दुखजावैतनसुखपरकाश ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ चंदनद्राक्षजुअवरमुलठ यहसमपीसोकरोइकठ तंडुलजलवादुग्धहिंसंग पीवेंगुल्मपित्त-जहोइभंग ॥ अथत्रायमानादिकघृत ॥ चौपई ॥ त्रायमानपलचारमंगावै दशगुणजलमोंपायपकावै अर्धप्रमानरहेजलजाने तवयहचूरणतामोंठानै कौडमुत्थरांलेत्रायमान जवांहाद्राक्षआमलीठान जी-वंतीउत्पलकाकोलीचंदन यहसमचूरणकरदुखकंदन रसआमलेदुग्धघृततीन अष्टअष्टगुणपायप्रवीन

मंदअग्निसोंताहिपकावै वलअनुसारनिताप्रतिषावै पैतिजरक्तगुल्ममिटजाय पितज्वरहृदरोगनसाय कुष्टकामलारोगनिवारै एतेगुणयहघृतनिजधारै ॥ अथद्राक्षादिघृत ॥ चौपई ॥ द्राक्षछुहारोत्रिवमुिलठ त्रिफलाफालसेकरोइकठ कंदविदारीअवरशतावरि यहसभपलपललेहुवरावरि आढिकजलमोंपायपकावै पादशेषआमलेरसपावै तासमघृतअरुदुग्धपछान अरुघृतहीसमइक्षुरसठान चतुर्थभागघृतहरडेंचूरन-तांकेमध्यकीजियेपूरन पक्योजुघृतजानेहैजवही मधुशरकरालीजियेतवही चतुर्थभागसभनकोमान-घृतमिलायकरकीजैपान पित्तजगुल्मविकारनिवारै यहनिश्चयअपनेमनधरै ॥ अथपथ्यम् ॥ शालीगोव करीपयपथ्य पटोलछुहारेद्राक्षलषतथ्य दाडिममिसरीफालसेजान यामोएतेपथ्यप्रमान ॥ इतिपित्तज गुल्मचिकित्सा

॥ अथकफजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपै ॥ शीतसनिग्धगुरुभोजनषावै अरुवहुभोजनचिकनाभावै अरुजोदिनमोंवहुतोसोवै कफ-जगुल्मइन्हकारणहोवै ॥ अथकफजगुल्मरूपम् ॥ चौपै ॥ शूलशीतदेहज्वरहोय गात्रपीडहृदरोधिसोय कासअरुचगौरवताधरै अल्पपीडगुल्मसोकरै गुल्मकठनअरुऊंचाहोय ऐसोरूपजानहोसोय सभ-कारणकरसंयुतजोऊ सन्निपाततेंजानोसोऊ सभरूपनकरत्रिदोषजजान ऐसेंभाषैग्रंथनिदान द्विदो-षनतेंद्वंदजजानै दोषवलावलभलेपछानै समुझविचारचिकित्साकरै तनआरोग्यरुजीसुखधरै.

॥ अथकफजगुल्मचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ तिलएरंडवीजसर्षपजान अरुअलसोसमपीसोआन गुल्महि. ऊपरलेपनकरै कफजगुल्मयातेनिरवरै लोहपात्रकरसेकजुदीजै कफकोगुल्मजाहितेंछीजै ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ पंचमूलसमकीजैक्वाथ वारुणीमदरापीजैसाथ कफकोगुल्म-होयतवनाश दुखजावैतनसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ जवायणचूर्णतक्रमोंपाय ताकोकरहोकठव-नाय विडजोलवणपायकरपीवै कफकोगुल्मनाशतवथीवै ॥ अथघृत ॥ चौपई ॥ चित्राचव-कपिप्पलामूल यवक्षारमघसुंठीसमतूल यहपलपलघृतप्रस्थमंझार भलेंपकावैधरैसुधार ताहियथाव-लनित्यजुषावै कफकोगुल्मनाससुखपावै ॥ अथत्रिकुटादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमाहिंदश. मूलीकरक्काथ घृतपकायमेलतिससाथ पुनत्रिकुटासेंधायवक्षार दाडिमहिंगुविडतामोंडार वलनिज-देषयाहिकोंषावै कफकोगुल्मदूरभगजावै ॥ अथभल्लातकादिघृत ॥ चौपई ॥ प्रथमहीपल-दोइलेहुभिलावै पलपलपंचमूलसंगपावै विदारीगंधाइकपलआन पावैजलआढिकपरिमान करैक्काथ शेषरहैपाद वस्त्रछाणोयहमिरजाद कर्षकर्षयहचूरणपावै तिन्हऔषधकोंप्रगटजनावै मघांसुंठअ-रुवरचविडंग सेंधाहिंगविडचित्रासंग मुलठकचूरअवरजवक्षार रहसनयहऔषदसमडार प्रस्थप्रस्थ-घृतदुग्धमिलावै पकाययथावलयाकोंषावै कफजगुल्मपांडुलिफनाशै श्वासकासग्रहणीसुविनाशै ॥ अथमिश्रितघृत ॥ चौपई ॥ दंतींत्रिवींत्रिफलादशमूल यहपलपललेवेसमतूल एकद्रोणज. लमध्यपकावै पादशेषरहेवस्त्रछणावै समएरंडतैलदुग्धघृतपाय मंदअग्निसोंताहिपकाय षाययथाव. लउठपरभात कफजगुल्मलिफकरहैघात, अवरहुंभीकफरोगविकार नाशहोंहिनिश्चयमनधार ॥ अथदंतिहरीतकीआविलेह ॥ चौपई ॥ पंजीपलहरडेअनवावै सारीरसैनचूर्णकरावै पंजीप-

तासमजुमिलावै शुद्धपत्तगुडतासमपावै वहिहरीतकीभीतंहपाय अर्धकुडवतिलतैलमिलाय अर्ध-अर्धपलमवअरुनागर त्रिवीचारपलताहीमोंधर मंदअग्निपकायतिहधरै अर्धकुडवमधुतामोंकरै शीतलजानमर्षारमिलावै कर्षकर्षयहचूरणपावै एलाकेसरअरुदालचीनी पीसरलावैपुरुषप्रवीनी पलप्रमाणचाटैनितसोय हरडएकसेवैदुखषोय पाकरमुखसोंरेचकरावै गुल्मशोथअंशमिटजावै पांडूअरुहृदरोगाविनाशें ग्रहणीकामलाविष्मज्वरनासें लिफअफारानाशेएह निश्चैआनोमनमोंतेह ॥ अथपथ्यं ॥ शालीसठीतंडुलपुरान वनमृगपक्षमासप्रमान कुलत्थतैलघृतमघांलहीजै पथ्ययाहि-केसमुझपतीजै ॥ इतिकफज गुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथरक्तजगुल्मकारणं ॥

॥ चौपई ॥ नवपरसूतानारीजोय करैअहितभोजनकोंसोय जववहिगर्भत्यागकरदेय ताकोंरक्तवातगहिलेय अरुरितसमयरक्तसोहरै रक्तजगुल्मप्रगटसोकरै गुल्मसोदाहपीडयुतहोय पित्तसमानचिन्हलषसोय गर्भभयेजसचिन्हलष।हीं तैसोचिन्हातिसगुल्मादिषाहीं ॥ अथगर्भचिन्ह ॥ ॥ चौपई ॥ मुखजलचलैउदरहोइभारी मुखअरुस्तनहिंकृष्णताधारी थुकथुकिहोयअरुचितातास गुल्मरक्तमोंभीयोंभास ॥ अथरक्तगुल्मअसाध्यलक्षणं ॥ चौपई ॥ महावायुक्रमकरजवजोय शूलसहितजुइकठीहोय नाडिनकरसोऊवद्धदिषावै कूरमइवउन्नतदरशावै दुर्वलताहृदरोधलषैये कासअरुचिताछर्दलहैये ज्वरत्रिष्णातंद्राजुजुकाम लहोअसाध्यतासकोनाम जवज्वरश्वासहोयअ-तिसार अरुहृदयनाभिकरपदमंझार इन्हठौरनमोंसोजाहोय मरणतासनिश्चैकरसोय

॥ अथरक्तजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्निग्धप्रस्वेदितदेहलखिजव स्निग्धविरेचकरावेसोतव रक्तजगुल्मजुतियकोंहोय दशमासउप्रंताचिकित्सासोय काहेगर्भहोयजोत।स गुल्मचिकित्सासोंहोइनाश जोवहुधापीडालषपावै दशमाशहिंमध्यचिकित्साभावै वुद्धअनुसारविचारैवैद करैचिकित्सामिटहैखेद ॥ अथचूर्ण ॥ ॥ चौपई ॥ शतावरिकरंजुत्वचाजुभिडंगि दारहलदमघपीपिलचंगि यहसमस्तसमचूरणकीजै तिलकेक्काथसाथयहपीजै रक्तजगुल्महोयहैनाश पुष्पनष्टपुनकरैप्रकाश केवलजोमदराकरपान होवै-रक्तगुल्मकीहान ॥ अथअन्यउपाय ॥ लेअश्वगंधकोंचूरणकीजै त्रिकुटापायतिलक्काथसोंपीजै दिवसतनिनारीजवपीवै रक्तजगुल्मतासहतथीवै गर्भविकारहोयतिसनास गर्भधरेमनहोयहुलास ॥ चौपई ॥ अमलतासकीफलीमंगावै तागुडलेशरकरामिलावै षावैरक्तजगुल्मनसाय यहभीचि-तमोंलषोउपाय ॥ अथपलासक्षारघृत ॥ चौपई ॥ पलासवृक्षभस्मजलक्ष्यार तासोंतासमघृत-पुनडार मंदअग्निसोंताहिपकावे षावैरक्तगुल्ममिटजावै ॥ अथकल्हारघृत ॥ चौपई ॥ कल्हा-रजुउत्पलपद्मनुआवै कुमदमुलठगणजीवनीपावै इन्हसमकोकीजेजोकाथ घृतसमपावैताकेसाथ षावैरक्तगुल्मसुविडारै रक्तपित्तपुनरोगनिवारै दाहत्रिषाज्वरछर्दविनाशै एतेरोगयाहितेंनाशै गुल्मजु-याहिचिकित्सासंग जोनाहिंहोवेतनतेंभंग तोउष्णौषदताहिपुलावै रक्तगुल्मकोवेधकरावै निकसेरक्त-गुल्मतवनाशै दुखमिटेतनसुखपरकाशै जोअतिहोवेरुधप्रवाहि रक्तपित्तहरऔषदताहि अवरवात-हरकरैउपाय इन्हतेंरक्तगुल्ममिटजाय ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटागुडभार्गीघृतलजिै तिलकेकाथ-संगातिसपीजै पुष्पविकारत्रियाकोहरै रक्तजगुल्मताहितेंटरै

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ महापीडगुल्मजोकरै पाषाणन्यायकठनताधरै अरुपाषाणइवऊचोहोय दारुणशीघ्रदाहकरसोय तनकोवलअरुअग्निनिवारै ताकोंशास्त्रअसाध्यउचारै

॥ अथत्रिदोषजलक्षणं ॥

॥ चौपै तीनदोषकेलक्षणयास गुल्मत्रिदोषकियेपरकास अवरत्रिदोषजअहैअसाध्य असैंभाषीगुल्मउपाध्य त्रिदोषगुल्मजासतनजाने वैद्यचिकित्सा।तिसनाहिमाने दैवयोगतेंकरहेजास देजवाववंधूरुजीतास त्रिःदोषहरणहैवस्तूजेती जामोऔषधकरहैतेती.

॥ अथत्रिदोषजगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुहरडत्रिकुटाहोवेर अजमोदापाठाअजगंधाहेर अमलवेततिंतडीकचूर दाडिमधनियांपुष्करमूर चित्राजीरादोनोक्ष्यार पांचोलवणचवकवचडार यहसमचूर्णपीसवनावै उष्णतोयसोंयाकोंषावै अथवामदरासोंयहपीवै त्रिदोषजगुल्मनाशतवथीवै नाभीहृदयपाइर्वकोशूल गुदायोनिकोशूलनिर्मूल मूत्रकृच्छ्रअर्शलिफहान ग्रहणीपांडुअरुचहरमान हिक्काहृदयरोध, जुअफार गलग्रहश्वासकासनिरवार अथवारसजुविजोरासंग गुटकाचूर्णवांधैरुजभंग ॥ अन्यचहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुचवकवचपिपलामूर धनियांचित्राहरडकचूर तुंवरुजीरादोनोक्ष्यार पायतिंतडीदाडिमडार वलाभिडंगीमरचविडंग अमलवेतगजपीपलसंग पंचकोळुपुष्करसुरदार अजवायणसमचूर्णसुधार रसजुविजोरामेलसुषावै तप्तनीरवामदिराभावै तक्रसाथवापयघृतसंग वाकुलत्थरससोंरुजभंग गुल्महृदयकटिशूलविडारै मूत्रकृच्छ्रअर्शकोटारै राजयक्ष्मअरुनाशैश्वास जायअफारामिटहैकास ॥ इतित्रिदोषगुल्मचिकित्सा ॥

॥ अथसर्वगुल्मसामान्यचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ पक्वीइटकोसेकदिवावै स्वेददेयपुनगुल्मवंधावै वेधनाडिमध्यभुजकीजै सर्वगुल्ममेंमोहि तलषलीजै पिपलामूलमघसुंठीचित्रा चवकक्ष्यारदोयपंचपलामित्रा सुहागादशपलसभसमकीजे शुक्तिचूर्णसभअर्द्धहिदीजे पंचलवणयाहीपरमाण पलपलतिनकोलेहुसुजाण पक्वदृढसुकूष्मांडहिलीजै चूर्णसोंपूरणतिहकीजै मुखरोकेदृढवस्त्रवंधाय पुनमृतिकापुनवस्त्रलिपटाय इसप्रकारसतवारसुकरै पुनसुकायगजपुटमोधरै भस्मजानशीतलउद्धरिये विधिसोंपीसशुभचूरणकरिये तक्रसाथकर्षनरखाय होयजितेंद्रियपथ्यधराय गुल्मजलोदरशूलनिवारै अर्शविट्बंधउदवर्तविडारै मंदाग्निकृमिप्लीहकोरोग मूढगर्भतिरियाकोंसोग श्वासकासपीडासभनासे कुष्मांडक्ष्यारकरजगतप्रकासे ॥ गुटका ॥ चौपई ॥ पाठारजनीविडत्रिकुटाय निकुंभीचित्राअरुत्रिफलाय यहसमचूर्णकरोवनाय गूत्रपायकरखरलकराय घणाहोयगुटकाकरपावै गुल्मालिफमंदाग्निमिटावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ हरडहिंगुविडपुष्करमूर तुंवरूसैंधास्यामापूर सुंठअवरपावोयवक्ष्वार पीसोसभसमलेहुसुधार घृतसोंभूनसुचूर्णलीजै यवकेक्वाथसंगसोंपीजै इसकरगुल्मभेदयोजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडहिंगुवचसैंधाडार जवायणअमलवेतयवक्ष्यार यहसमचूरणपीसवनाय तप्तजलहिंदिनसातजुपाय नाशैगुल्मअग्निवधआवै

दुखनाशेरोगीसुखपावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडसगुडवात्रिवीसनागर वात्रिवीदंतिसेंधावचधर अरु गुगुलसमचूरणकीजै मद्यदुग्धवातासोंपीजै लाक्ष्यारसवागूत्रहिंसंग पीवेंसर्वगुल्महोइभंग ॥ अन्यच ॥ चित्रात्रिकुटादोनोक्ष्यार नोलीपांचलवणसमडार पीजैचूरणघृतकेसंग सर्वगुल्मकोहोईहैभंग ॥ अथद धिघृत ॥ चौपई विडसेंधादाडिमत्रिकुटाय चित्राजीराहिंगुमिलाय सौंचलसरिषवृक्षत्वचपावै औषधस- भहीपीसमिलावै अमलवेतअरुदोनोक्ष्यार पीसविजोरेकोरसडार घीउचतुर्गुणसभतैंपावै दहीचतुर्गु- णपायपकावै बलअनुसारजुषावैतास होवेसर्वगुल्मकोनाश ॥ अथनीलनीवृत ॥ चौपई ॥ नी- लनीत्रिफलारहसनआन बलाकौडव्याघ्रीपुनठान वायविडंगपलपलसभआनो आढिकजलसोंकाडा- ठानो पादशेषरहिताहिछनाय प्रस्थएकतामोंघृतपाय प्रस्थएकदधिपायपकावै प्रस्थआमलेरसतिह- पावै पुनपकायकरधैरेवनाय यवागूमंडसोपलनितषाय गुल्मकुष्टशोथमिटजावै स्वेतकुष्टज्वरपांडु- नसावै लिफअफारानाशैएह निश्चयआनोमनमोंतेह.

॥ अथवचादितैल ॥ चौपई ॥ वरचमैंनफलएलाकुठ सैंधापुष्करमूलमुलठ दोइकाकोलीमेदादोय मु- स्थरपाठाजीराहोय जीवंतीजुभिडिंगीचंदन कायफलसरलवृक्षदुखकंदन अगुरबिल्वआंवअसगंध- चित्रावृद्धकरोसंबंध अमलतासमघत्रिवविविडंग यहऔषदपसोइकसंग पंचमूलरसदुग्धसमतेल पाय- पकायषायदुखठेल गुल्मसमस्तअफाराजाय अर्शअग्निमंदनरहाय ग्रहणीमूत्रकृछ्रहोइनाश अवरहुंवा- तजरोगविनाश ॥ अथहिंग्वादिवटिका ॥ चौपई ॥ हिंगूत्रिकुटावरचकचूर अजमोदाधनियांतिहपूर अजगंधादाडिमतिंहपाय पाठातिंतडीचवकामिलाय चित्रासैंधासौंचलजान अमलवेतविडसज्जीठान हौवेरजीरायवक्ष्यार हरडपिप्पलामूलसुडार पुनतिंहडारोपुष्करमूल लीजैऔषदसभसमतूल आद्रक- रससोंखरलकराय विधिवतताकेसंगरलाय खरलविजोरेरससोंकरै वटिकावांधपात्रमोधरै षाययथाव- लगुल्मसमस्त नाशहोहियहलषोप्रशस्त हृदयरोगअरुचअरुश्वास अरुमिटजावैतनतेंकास ॥ अथकं- कायणगुटका ॥ चौपै ॥ त्रिवीपांचलवणयवक्षार यहसमऔषदपलपलडार हिंगुडारियेकर्पजुतीन समुझलीजियेपुरुषप्रवीन दंतीचित्रासुंठपछान अमलवेतपुष्करसमठान दोदोपलयहपांचलहीजै अव- रऔषदीसोलषलीजै यवायणजीराभरचांआन धनियांगिरकर्णकापछान कलौंजीअजमोदायहसात अर्धअर्धपलयहविख्यात हरडविडंगदाडिमयहतीन दोदोपलपावोपरवीन पीसविजोरेरसकेसाथ गुट- कावांधेलषयहगाथ बलअनुसारउष्णजलसंग वाघृतदधिसोंषादुखभंग वामदरासोंकीजैपान होयसम- स्तगुल्मकीहान कंकायणगुटकायहकह्यो समस्तगुल्मभेदकसोलह्यो अर्शहृदयरोगकृमरोग ग्रहणीरो- गहरनयहयोग गोमूत्रहिंसोंषावैजोय कफकोगुल्मनाशतवहोय दुग्धसाथपीवैजोतास होवेपित्तगुल्मको नाश मदरासाथजुयाकोंपीवै वातजकफजगुल्महतथीवै त्रिफलारसगोमूत्रामिलाय तासोंषायत्रिदोषज- जाय दुग्धऊटणीसोंजोषावै रक्तगुल्मइस्त्रिनकोजावै ॥ अथसंखद्रावरस ॥ अन्यच ॥ तिलअश्व- त्थथोहरअर्कल्याय वृक्ष्यामलीचित्राफुनपाय अपामार्गइनभस्मकरीजै सेरसेरसवभस्मलहीजै जलमोघो- लछानकरलेय काढलूनसमताहिकरेय चिटामहुरादोयक्ष्यारसुहागा समुद्रलूणहरतालसमभागा समुद्र- फेनकाहीअरुसोरा द्विगुणलूनपंजशंखतुजोरा काचपात्रमोतांकोपाय अमलद्रव्यसतादिनदेचाय फुन- आढकजलतामोंपावै वरुणयंत्रसंगअर्कखिचावै निरमलजलतिहप्रस्थसुलेय शीशीपायकरताहिधरेय खाइरत्तीत्रेदंदनछुहाय पानपत्रपुनलेयचबाय सभधातनकोद्रावनकरै गुल्मप्लीहसबशूलहिहरै

अजीर्णमंदाग्निरोगहरेय शंखकौडीकोंगालसुदेय वैद्योंकाजीवनइहजान शंखद्रावरसकियोबखान ॥ अथआरोग्यलवण ॥ चौपई ॥ अपामार्गवीजपलएक पलइकतालमषाणविवेक थोहर-अर्कदुग्धयहदोय पलपलभरलीजेंसुनसोय अवरविजोराकोगडजान चित्रासर्षपतिलनालसमान करैदग्धसभभस्मसुलीजै पुनयहचूर्णतामोंदीजै त्रिकुटाचित्रापिपलामूल मूर्वापाठापुष्करमूल कुठकरंजूकौडपतीस विल्वचवकलेतामोंपीस भिलाविपांचलवणदोयक्ष्यार समचूरणकरतामोंडार गोवकरीभेडदुग्धघृततैल यहसमस्तसमतामोंमेल मृदुलअग्नीसोंताहिपकावै शीतलकरैयथावलषावै मदरासोंवाकांजीसिंग वासहगूत्रषायरुजभंग वहुचिरकालीगुल्मविनाशै शूलवातरुजकफरुजनाशै पांडुपलीहाहोइहैनाश वंगसेनमतकीन्हप्रकाश ॥ अथहिंग्वादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुजवायणवि-डअरुनागर जीराहरडपुष्करकुठधर भागोत्तरयहचूर्णसुकरै उष्णतोयसोंनितआचरै गुल्मअजीर्णवि-सूचीजावै दुखनाशैरोगीसुखपावै ॥ इतिचिकित्सासमाप्तं ॥

॥ अथगुल्मरोगेपथ्यापथ्यआधिकारनिरूपणम्

॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथअपथसुनहोवैद्यसुजान वरनौंभाषासुगमकरजैसेंशास्त्रप्रमान ॥ अथपथ्यं-॥ चौपई ॥ स्वेदअवरघृतपानवषान्यों रेचनतैलतिलोंकामान्यों लंघनवस्तीकर्मलहीजै मर्दनाशि-रभुजउदरभनीजै तैलाभ्यंगकुलथरसजान वत्तीकर्मषंडभक्षणमान तंडुलरक्तपुरातनकहिये गोवक-रीकोदुग्धलहैये द्राक्षमनक्कासुंठकहीजै अवरजुपथ्यसोऊलषलीजै निर्जलथलमृगपक्षीमास तिन्हकों-रसहैपथसुखतास धात्रीफलगलगलजुअनार तक्रएरंडतैलमनधार लस्सणवालमूलिकाकहिये जंगह रडवडिहरडभनैये हिंगुविजोरात्रिकुटालह्यौ वाथूअरुसुहांजणाकह्यौ दीपनलघुसनिग्धजोवस्त उ-ष्णवस्तुपुनलषोप्रशस्त वातअवरकफहरताजोय पथ्यगुल्मरुजलषहोसोय ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथ्य-सभमाषसुनायेतोहि अवसुनहोजुअपथ्यहैभाषसुनाऊंवोहि ॥ अथअपथ्य ॥ चौपई ॥ वातजसभी अन्नअरुपान अवरसमस्तमासकोजान वडीमूलिकायवअरुमाष शुष्कशाकमधुरफलभाष अरुकाव-जगुरुवस्तुजुजेती गुल्मरुजीकोंअपथ्यलषतेती विष्टामूत्रअवरअधोवात रोकनवेगअपथविख्यात मुंडन-अरुशीतलजलपान गुल्मअपथ्यकरैव्याख्यान ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगकेपथअपथसभहीकरेवषान वै-द्यचतुरसोंईजानियेपहिलेंलषैनिदान ॥ दोहा ॥ गुल्मरोगवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचि-कित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिगुल्मरोगसमाप्तं ॥

॥ अथगुल्मरोगदोषकारणउपायनिरूपणंअथकारणं ॥

॥ चौपई ॥ जोछलबलकरब्राह्मणवित्त हरलेवेजेऊसुनमित्त तिसकोंगुल्मरोगप्रगटावै असेंतासउ-पायवतावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णमूर्त्तगणपतिवनवावै चतुर्भुजादिर्घदांतकरवावै स्वर्णयज्ञउपवीत-धराय अवरस्वर्णकोअभ्ववनाय धान्यरासिपरतिन्हेंविठावै पीतवस्त्रऊपरउोढावै दोनोंकोंपूजैहितलाय गण-पतिमंत्रकरहवनकराय शुक्लचतुर्थीदिनमंझार सदाक्षिणाविप्राहिंदेयउदार गुल्मरोगतैंमुक्तसुलहै कर्मविपाकग्रं-थयोंकहै दोहा गुल्मरोगकेदोषकोंभाष्योंभलेंवनाय उदावर्त्तकेरोगकोंभाषोंसुनचितलाय

॥ अथगुल्मरोगज्योतिष ॥

दोहरा जोकरूरग्रहकेविषैमध्यपडैगोचंद ऐसाजोगजुकर्ममोसोनरगुल्मप्रबंध व्याधीभोगैअवश्यकरश्वास-कासफुनरोग औरझीहफुनविध्रधीचारोरोगसंजोग वलीदेहिसोक्रूरग्रहजातेरोगानिवार विधिविधानजप-होमकरज्योतिषकहैविचार ॥ इतिज्योतिषं ॥ १ ॥

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांगुल्मरोगाऽधिकारकथनंनामात्रिंशोऽधिकारः ॥ ३० ॥



॥ अथउदावर्तरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्तकेरोगकोंभाषोंसुनोनिदान ताकोसमुझोचित्तमोंजाकेबहुतस्थान ॥ चौपै ॥ रूक्षकसैलाकौडाखाय कोपकरेतबहृदयकोवाय रोगउदावर्तप्रगटजोकरे भावप्रकाशमतसोउच्चरे वातमूत्रपुरीषजुवारी रुधिरकफइनवहजोनारी सोअतिमलउदावर्त्तहिकरे ऊर्द्धगतीमलवाहरसरे तातेंउदावर्त्ततिसगायो वैद्यग्रंथमतसोंईवतायो.

॥ अथअनुक्रमणिकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ अधोवातमूत्रविष्टाय छिक्कावीर्यक्षुधाजृंभाय त्रिषाश्वासछर्दजुडिकार इंहरोकनउदावर्तविकार निद्रारोकनतैंभीहोय उदावर्तयोंजानोंसोय.

॥ अथउदावर्तरोगचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजकीकहोंसमुझचिकित्साजोय वंगसेनशुभग्रंथमोंजैसेभाषीसोय.

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ उदावर्तरोगीजोहोय ऐसेलक्षणलक्ष्यतजोय हृदयपेटपीडापहचान अरुचीभारीदेहपछान अधोवातमलमूतरजोय बडेकष्टकरउत्तरेसोय श्वासकासपीनसअरुदाह मोहतृषाज्वरहिडकीताह मस्तकरोगवमनमनधार हौलदलीअतिवातविकार त्रिषावहुतअतिहीतनक्षीन चिकित्सातासनकरैप्रवीन विष्टावमनकरैहोयशूल तासचिकित्साहैनिरमूल ऐसेलक्षणजाकेपैयत सोअसाध्यउदावर्तकहैयत.

॥ अथचिकित्साप्रकार ॥

॥ चौपई ॥ उदावर्तसमस्तप्रकार वातचिकित्सातामोंसार जिसकरवातस्वमार्गीहोय उदावर्तरुजकोंसोषोय.

॥ अथअधोवायुकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ विष्टामूत्रअवरअधोवात इंहरोकनतेंयहउत्पात उदरपीडअरुहोतअफार इंहविधिजानोंतासविकार केवलअधोवातजुरुकावै वातजरोगताहिप्रगटावै.

॥ अथअधोवातउदावर्तकायत्न ॥

॥ पौपै ॥ केवलस्नेहपानकरवावै अधोवातउदावर्तमिटावै.

अथमलरोकनेकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ केवलविष्टारोकनकरै ऊर्द्धवाततताकोंसंचरै गुडगुडशब्दउदरमेहोय कर्त्रिकन्यायशूलकरैसोय तातेंविष्टामुखनिकसाय उदावर्तऐसेलखपाय.

॥ अथमलरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जिसमुखसेविष्टानिकसाय उदावर्तविष्टासुकहाय वस्तीकर्मअवरपुनक्ष्यार ; यहकरवावैताउपचार.



॥ अथमूत्ररोकनेकेउदावर्तकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ मूत्ररोधजेऊकरवावै ऊर्द्धवाततार्कोप्रगटावै वक्षिनमाहिजुहोतअनाह मूत्रजुउतेरकष्टसंताह नाभितलेअरुलिंगस्थान तातेशूलप्रगटयोंजान अरुशिरपीडाहोतीरहै उदावर्तलक्षणतिसकहै-

॥ अथमूत्ररोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ उदावर्तमूत्रजिसहोय सौंचलमदसोंपीवैसोय वामुसद्वरमदिरासोंपीवै उदावर्तमूत्रहतथीवै ॥ अन्यच ॥ अर्जुनकाथसंगरसकंडचारी पीवैहोयताहिहितकारी ॥ अन्यच ॥ एर्वारूबीजरसआनै लवणमिलायपविैसुखमानै ॥ अन्यच ॥ इक्षुरसहिंशरकरामिलाय पीवैसोरोगीसुखपाय ॥ अन्यच ॥ द्राक्षारसअरुदुग्धमिलावै पीवैसोव्याधीसुखपावै ॥ अन्यच ॥ पंचमूलसंगदुग्धतपाय पीवैरोगीदुःखमिटाय चिकित्सामूत्रकृछ्रअश्मरी सोभीयामोहैंहितकरी.

॥ अथछिक्करोकनेकेउदावर्तलक्षणं

॥ चौपई ॥ छिक्करोकउदावर्तलषाय, शिरदुःखअरुगरदनअकडाय अंगमर्दइंद्रयनिर्बलता यहलक्षणताअहैंसकलता

॥ अथछीकरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ छीकरोधतेजोलषलीजै तासचिकित्साऐसेंकीजै नकछिकणीआदीनसवार छिक्करावैमिटैविकार

॥ अथवीर्यरोधउदावर्तलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ वीर्यरोधउदावर्तजुसोय शोथमूत्रथलगुदमाँहोय पीडामूत्ररोधहोइतास पथरीरोगउपजहैजास होवतवीर्यश्रावपुनयाको कुंडलवातरोगहोएतांको

॥ अथवीर्यरोधउदावर्तचिकित्सा

॥ चौपई ॥ वीर्यरोधतेंजोप्रगटावै ताकोइस्त्रीसंगकरावै अरुवुटणाअरुतैलाभ्यंग जलावगाहनहोइरुजभंग कुकुडमासशालीमदपान मैथुनदुग्धपानरुजहान

॥ अथक्षुधारोकनेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ क्षुधारोधउदावर्तकहावत निद्राअंगमर्दप्रगटावत मंददृष्टअरुचश्रमहोय ऐसेलक्षणजानोसोय

॥ अथक्षुधारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ क्षुधारोधतैंउपजैजोय सनिग्धवस्तुतृप्तकरसोय, भोजनउष्णअल्पजलपान यातेंहोएरोगकीहान

॥ अथजृंभारोकनेकेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जृंभारोधउदावर्तहैजास ग्रीवाअकडजायहैतास गलरोकशीसकोहोयविकार मुखनासाकर्णनेत्रसंचार

॥ अथजृंभारोधउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जृंभाउदावर्तजिंहहोय स्नेहमर्दनअरुस्वेदहिसोय स्नेहकरैपाछेउपचार रुधिरमोक्षताकोंहितकार

॥ अथतृषारोधउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ त्रिषारोधउदावर्तकहावै कंठहृदयमुखशोषलषावै हृदपीडाश्रवणसुनेनहितास याकेलक्षणअसपरकाश

॥ अथत्रिषारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिषारोधतेंउपज्योजानै दधिकोमंडतासहितमानै यवागूशीतलकरजुपिवाय उदावर्ततृषारोधमिटाय

॥ अथस्वासरोकणेकेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ करैश्रमादिकजोअनुसार रोधश्वासउदावर्तसंचार हृदयरोगगुल्मअरुमोह ऐसेलक्षणजानोसोय

॥ अथश्वासरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ श्वासरोधउदावर्तलषावै ताहिवैद्यविश्रामकरावै स्वादिवस्तुकफहरजुषुलाय श्वासरोधउदावर्तनसाय

॥ अथवमनरोकनेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वमनरोधउदावर्तजुजोय कंडूअरुचीतडफडीहोय देहव्यंगशोथप्रगटावै कुष्टविसर्पिपांडुज्वरथावै

॥ अथवमनरोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वमनरोधतेंउपज्योजानै वस्तीकर्मस्वेदपुनठानै तोयचतुर्गुणदुग्धमिलाय पीवेउदावर्तमिटजाय

॥ अथडिकाररोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोडिकाररोधनउदावर्त ताकीअसेंजानप्रवृत्त कफपूरणमुखकंठजुरहै सूईचुभतिकंठमोंलहै शब्दकंठमोंहोवैतास अवरविकारवातपरकाश

॥ अथडिकाररोधजउदावर्तचाकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ डिकाररोधकरप्रगटेजोय छिक्कावैद्यकरावैसोय कफनासकअरुधूमरपान करवावैहोइरुजकीहान

॥ अथनिद्रारोकनेउदावर्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ निद्रारोधउदावर्तलषावै. ताकेलक्षणप्रगटजनावै जृंभाअंगमर्दप्रगटात शिरनेत्रहिंजडिताहोइजात



॥ अथनिद्रारोधजउदावर्तचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ उष्णदुग्धमेंमिश्रीडार रोगीपीवेजोहितकार अथवामनोहरकथासुनैंजब उदावर्त-निद्रारोधहटैतव निद्रारोधहिंजोलषपावै सुखसोंसोवैरोगमिटावै

॥ अथअश्रुपातरोकनेकेउदावर्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अश्रुपातजोदोइवषाने इकआनंदइकशोकजजाने तिनकेरोकनतेजोविकार भिन्नभिन्नतबकरोउचार मस्तकभारीनेत्रनरोग नासापीनसबहुकरजोग ॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजर-केकहेलक्षणसाहितनिदान कहोंचिकित्साइन्हनकीसुनहोनिजदेकान ॥

॥ अथअश्रुपातरोधउदावर्तचिकित्सा ॥

चौपई अश्रुपातरोधतेंजास करैचिकित्साऐसेंतास मरचादिकतीक्षणअंजनभावै अश्रुपातनिकसैंसुखपावै अन्यच सुखप्रकारानिद्राकरेंजोय अश्रुपातजरोगहतहोय अथवामनोहरकथासुनेजो उदावर्त्तअश्रुपातहरेसो

॥ अथसामान्यउदावर्तरोगचिकित्सा ॥

॥ अथयवागू ॥ चौपई ॥ हिंगुअैमलवेतयवक्ष्यार चित्रायहसमपीसोडार मध्ययवागूपायपि-लावै उदावर्तरोगभगजावै ॥ अन्यच ॥ करंगुलकौडकायफलपाय पीययवागूरोगमिटाय ॥ अथचूर्ण ॥ प्रियंगूदंतीथोहरआनै गिलोयसत्तलास्वेताठानै त्रिवीशंखनीकरंजुामिलावै राजवृक्ष-हेमक्षीरसमावै वापीवेतिसक्काथवनाय वाघृततैलजुसिद्धकराय उदावर्त्तअवरआनाह गुल्मअवरवि-षरोगनसाह कमीलालोधअवरसनाय सभवस्तूयहकठकराय यहसमचूर्णघृतजुामिलाय षावैउदाव-र्तमिटजाय ॥ लेपन ॥ बल्मीकमृत्तकासर्षपस्वेत करंजुमूलफलत्वचासमेत यहसमपीसगूत्रकेसंग लेपनकरैहोइरुजभंग ॥ चूर्ण ॥ हरडत्रिवीपीलूयवक्ष्यार यहसमचूरणकरेसुधार घृतामिलायकर-याकोंषावै उदावर्तरोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ हिंगुकुठवरचयहलीजै सज्जीविडकोचूरणकीजै इकतैंदुगुणदुगुणकोंआनै मघांक्काथपंचमूलरसठानै अथवामद्यसाथअनुपान वामूलीरससंगपछान याप्रकारपीवैजोजास होवेउदावर्तरुजनाश ॥ अथवटी ॥ सैंधालवणहिंगुजुमषीर पीसवर्तका-सघृतधीर गुदामध्यराषैतिसजोय उदावर्तनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ मघांमैनफलकुठपिसावै वरचस्वेतसर्षपामिलावै यवक्ष्यारदुग्धगुडपाय वटिकावाधैसुष्टबनाय गुदामध्यराषैतिसजोय नाशैउदा-वर्तसुखहोय ॥ अन्यच ॥ चूर्ण ॥ त्रिकुटादंतीपिपलामूल चित्राात्रिवीपायसमतूल यहसम-चूर्णगुडजुमिलाय प्रातषायउदावर्तसोजाय ॥ अथक्काथ ॥ मूलीसूकीहरीजुहोय अरुपुनर्नवा-संगगिलोय अमलतासअरुपांचोमूल करैक्काथसभलेसमतूल घृताहिंपायजोव्याधीपीवै उदावर्तरोग-हतथीवै ॥ दोहा ॥ उदावर्तरुजकीकहीसमुझचिकित्साजोय इंहविधिकैरैउपायजोनःश रोगको-होय ॥ इतिउदावर्तरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥ शुभम् ॥ ॥

॥ अथआनाहरोगविशेषलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ मलकरअधकअफारामान ताकेलक्षणसुनोसुजान सरीरजकडबंधहोयेजास जड तासकलदेहमेंतास मलत्यागनकोसमाविचार कटीपीठपीडामनधार मूर्छाहोइवमनमलजास श्वास विसूचीजानोतास पीछेऔरजोलक्षणकहै सोलक्षणसभजामोलहै ॥



॥ अथआनाहरोगनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ आनाहरोगकोंकहितहोंसुनहोचतुरनिदान जैसंभाष्योग्रंथमेंतैसंकरोंवषान ॥ चौपै ॥ जवैआंमकोसंचयहोय वातस्वमार्गजुनजहैसोय तिसेअफारासभकोऊआषै आनाहरोगवैद्यकमतभाषै पीनसात्रिषाअवरशिरदाह आमस्थानशूलहोइताह हृदाउदररोधप्रगटावै गुरुतादेहउदगारजनावै- कटिअरुपृष्टपकडीसीलहिये विष्ठामूत्ररोधजुभनैये शूलसमूर्छावमनप्रकाशै श्वासवमनविष्टाकरभाशै ॥ दोहा ॥ आनाहनिदानवषान्योसुनलीजेचितधार कहोंचिकित्सातासकीबंगसेनअनुसार ॥ इतिआनाहनिदानसमाप्तम् ॥

॥ अथआनाहरोगचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ आनाहचिकित्साकहितहोंसुनलीजैचितधार ज्योंवैद्यकबंगसेनमोंरचनाकरीउचार- ॥ चौपई ॥ दीपनपाचनवस्तूजेती अरुविसूचिकाऔषधतेती आनाहरोगकीऔषधसोयी जानै सावधानचितहोयी उदावर्त्तसवऔषधजोय आनाहरोगमेंजानोंसोय ॥ अथगुटका ॥ चौपई ॥ हरडप्रियंगूत्रिवीपिसावै थोहरपयगुटकासुबंधावै गौमूत्रसोंपीवैतास आनाहरोगकोहोवैनाश ॥ अन्यच ॥ त्रिवीदोइभागजोआनै चारभागमघतामोंठानै पांचभागतिंहहरडमिलाय समगुडसोंगुटकावंधवाय बलनिजदेषनिताप्रतिषावै आनाहरोगभाग्योकहुंजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ हिंगुवरचकुठसौंचलविडंग दुगुणगुणाचूरणकरचंग उष्णतोयसोंपीवैजोय आनाहरोगनाशतबहोय ॥ आन्यच ॥ हिंगुजवायणविडअरुनागर जीराअरुहरडेंतामोंधर पुष्करमूलकुठपुनआण उत्तरोत्तरभागपीसलेछाण उष्णतोयसोंपीवैतास आनाहरोगकोहोइहैनाश ॥ अन्यच ॥ वरचहरडचित्रा यवक्षार मघांपतीसकुठसमडार उष्णतोयसोंपीवैजोय रोगआनाहनाशतबहोय ॥ अथवर्तिका मघां मैंनफलकुठमंगावे वरेआंस्वेतसरषपापावै समपीसिगुडदुग्धमिलाय गुदाचढावैवटीवनाय आनाहरोगकोहोइहैनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ हिंगुधूमग्रहाविडत्रिकुटाय गूत्तरगुडसोंवटीबनाय गुदामध्यजोराषैतास होइआनाहरोगकोनाश ॥ अन्यच ॥ त्रिकुटासेंधा- सर्षपस्वेत कुठधूमग्रहजानसमेत निर्गुंडीमध्यमैनफलठान घृतसोंवटीअंगुष्टसमान गुदावीचराषै पुनतास होएआनाहरोगकोनाश ॥ दोहा ॥ चिकित्साकहीआनाहकीजाकोंकहैअफार आगेंया केभाषहोपथ्यापथ्यअधिकार उदावर्त्तआनाहकेपथ्यापथ्यजुएक भिन्नयाहीतेंनांकहेजानोंचतुरविवेक ॥ इतिआनाहरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ उदावर्ततआनाहकोपथ्यापथ्यअधिकार तिन्हकोंअबाविवरेसहितसुनहोंकरोंउचार- ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥ . स्वेदअवरघृतपानकहीजै रेचनवस्तीकर्मभनीजै वर्तीएरंड तैलपछांनो शूलहरनसभऔषधमांनो बालमूलिकामदराकहिये अमलतासतिलत्रिवीलहैये आद्रकहरडविजोराजांन लौंगहिंगुगोमूत्रपछांन द्राक्षमनक्कालवणभनीजै यहसभसमलषपथ्यक- हीजैं आगेंविवरोसुनोंसुजांन तिन्हकोंभेदकरोंव्यांख्यांन जोयहअधोवाततेंहोय ताकेपथ्य-

सुनोअवसोय वर्तीवस्तीकर्मपछांन अरुताकोंघृतपांनप्रमांण वातहरअन्नपानजोलहै एतेपथ्यतास केकहैं जोपुरीषरोधनतैंलहिये असताकेसुनपथ्यकहैये वस्तीकर्मस्वेदलषलीजे वर्तीमर्दनपुनमनदीजै विष्टाभिदजोहोइअन्नपान यहसभताकेपथ्यप्रमान जोमूत्रवेगरोकनतेंहोय ताकोपथ्यलषोयोंसोय वस्तीकर्मस्वेदघृतपांन मर्दनपीडनकीनप्रमांन जोडिकाररोधनतैंहोय हिडकीहरनवस्तुपथसोय अरुहिडकी-केपथ्यकहेजो याकेपथ्यप्रमानलहैसो जोयहरोगकासतेंहोय कासनाशविधिताकीसोय जोछी-कबंदकरैनरकोऊ तातेंप्रगटहोयदुःखसोऊ धूमअवरपरसाघृतपांन अरुनसवारपथ्यपरमांन त्रि-षावेगरोकनप्रगटावै शीतलअन्नपानपथगावै रोधउवासीतैंजोजानै क्रियावातहरपथ्यपछानै जोनिद्रा-वेगरोकप्रगटावै उष्णखीरतिसपानकरावै क्षुधावेगरोकनतेंजोय जाकोंप्रगटरोगहोइसोय उष्ण-सनिग्धअल्पआहार ताहिकरावैपथ्यविचार अश्रुपातरोकनकरहोय अश्रुपातमोंक्षणपथसोथ जो-यहरोगस्वप्नकरभास श्रवणकथाप्रियपथलषतास जोयहश्वासरोकनलषपैये वातहरनऔषधपथकहिये वीर्यविकाररोधजोकह्यो रोगप्रगटजोतातेंलह्यो दुग्धपांनअरुमदरापांन सुंदरइस्त्रीसंगपथजान छ-र्देरोकनजोहोइविकार लंघनधूंमसुपथ्यविचार अरुभुक्तवस्तुकोछर्दकरावै रूषोअन्नपानभुक्तावै अ-रुकरवावैरेचनतास छर्दजकेपथकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकेकहेजुपथ्यविचार अब-आगेंसुनहोंसुजनकरोंअपथ्यउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ वमनवेगरोकनलषलीजै कोद्रमना-डिशाकसुभनीजैं फलीयोंवालेअन्नजुकहै सभीअपथ्यतासकेलहै शालूककंदजामणूपछान फल-ककडीघीयापुनमान अरुकरीरफलसुनलषलीजै कावजभरीतअन्नलषीजै रोगअफारअपथ्यजुआ-षे उदावर्तकेसोऊभाषै ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकेपथ्यापथ्यउचार सुनउरधारोचतुरनरतातेंमिटैं विकार ॥ इतिउदावर्तआनाहरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ उदावर्तआनाहकोप्रथमहिं-कह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैंपथ्यापथ्यावषान ॥ इतिउदावर्तआनाहरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगकर्मविपाक ॥

चौपई देवब्रह्मकूपवावलीतलाव इनकाजोभेदनकरवाव उदावर्तउसकोहोइरोग जिहकरहोतजीवमोसोग ॥ अथउपाय चौपै ॥ कृछ्रव्रतधारैउपवास गायत्रीजपकरैप्रकाश सुवर्णदानविप्रनकोदेय उदावर्तरोग हरलेय ॥ इतिउदावर्तकर्मविपाकसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ उदावर्त्तआनाहकोकह्योकर्मउपचार आंम-वातवरननकरोंसोसुनलेचितधार ॥

॥ अथउदावर्तआनाहरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ मध्यदोइपापीग्रहनचंदपडेगोआय शनीपडेरिपुघरविषैंमंदरूपदरसाय उदावर्तको-रोगतिहआइवरेगोजान चंद्रमपूजाश्रेष्टहैताहिश्रेयसीमान ॥ इतिज्योतिषसमाप्तम् ॥

॥ इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांउदावर्तआनाहरोगकथनंनामएकात्रिंशोऽधिकारः ॥ ३१

॥ अथवातव्याधनिदाननिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातव्याधवरननकरोंसुनहोपुरुषअनूप कारणतासवषानहोंअरुताकेसभरूप ॥ चौपई ॥ अल्पजुरूषोशीतलषावै भारीअन्नषायदुखपावै असभोजनतैंवातजव्याध उपजतहैयहमहाउपाध अरजोनरबहुमैथुनकरै अरुअतिजागनमोंश्रमधरै रुधिरमोक्षअरुलंघनधारै विष्मक्रियाकरछालजुमारै अतिव्यायामकरैजनजोई अतिमारगचलनेतेंहोई चिंताशोकधातुक्षयजाहि विष्टादिवेगजोरोकेताहि बहुतषेदश्रमतेंभीजान मर्मभेदताडिनतेंमान ऊष्टरगजहयशीघ्रचलावैं अथवाइन्हहूंतेंगिरजावै इन्हतैंवातव्याधप्रगटात सत्यलषोंसांचीयहवात जवैछर्दरेचनकरजोय नाडिप्रवाहिकषालीहोय तिन्हमोंपवणपूर्णहोइजावै विवधव्याधसोऊप्रघटावै सभअंगनमोंवाइकअंग करैव्याधवाततिहसंग तिन्हकेपूर्वरूपवयाकहों हैअव्यक्तलक्षणयोंलहो तिन्हकेरूपविशेषविशेष कहोंसमस्तनराषोंशेष नरकीदेहसिमटजोजावै जोडरुकैरोमांचलषावै हाडपर्वसभमोंहोइभेद ताकेपाणिपृष्टशिरषेद कुवजपंगुषंजहोइजावै अंगसुकेनिद्रानसुहावै वीरजरजजोगर्भकरावत ताकोनाशहोययोंगावत गात्रसोजचक्षुनाशेंहोय वक्षस्थलहिंरोधकरसोय शिरकेशस्थानफूटणेलागे फटैललाटव्याधजवजागे इंद्रियघ्राणतासकोनाशै ग्रीवास्तंभव्याधपरकाशै ओष्टदांतश्रोत्रनमोंभेद उदरशूलसभतनमोंषेद श्रमअरुमोहादिकजुअपार कुत्सवातअसकरैविकार यहीवायुआरबलसभकेरी धातासकलशरीरनहेरी वायुसमस्तोंप्राणवषानी पूरणविश्वरूपपहिचानी सभकोप्रभुयहवायुकहीजै यामोंनाहिनशंकाकीजै जबयहवायुकोपकोंधरै अरसीरोगप्रगटतनकरै,

॥ अथशिरोग्रहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्ताश्रयहोइशिरकीनाड जेउतवातकरैसंचार तासशिरोग्रहनामभनजै नाडिवेधादि. चिकित्साकीजै ॥ अन्यमते ॥ रुधिरहिमध्यकुत्सहोयवात शिरनाडिनमोंदुःखउपजात रौक्षकृष्णशिरनाडीकरै शिरग्रहवातनामसोधरै ताहिअसाध्यवातपहिचानो कह्योनिदानग्रंथमतमानो.

॥ अथशिरोग्रहाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शिरमोमारुतकोपैजबै लेपनमस्तकसीसकरतबै जोशिरभीतरवातविकार ऐसोतासकरैउपचार बालविल्वघृतदुग्धमिलावै काढापिलावैवातामिटावै अंगसंकुचनप्रगटहोइवाय लवणमाषसोंतैलपकाय मलैताहिवातरुजजावै वंगसेनयोंप्रगटसुनावै शिरकीवातहुतेंनसवार श्रेष्टअहैजानोमतिसार- पुनः दशमूलीकाथपकायसुधार औरविजोरेरसाहिनिकार तिहमोतैलडारपकवाय तेलरहेमर्दनसुकराय तिहकरशिरोग्रहदूरकरीजै यामोकछूसंदेहनलीजै पुनः जढएरंडधतूरेआन सुहांजनेजढइकत्रतिहठान मिरचपीपलअरुसिंगीमहुरा औषधसमलेकाडमनोरा तेलप्रमाणताहिमोपाय मंदअग्नकरताहिपकाय जबैतेलहीरहैप्रमान मर्दनकरैशिरोग्रहहान.

॥ अथवातरोगअल्पकेशचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गोखरूतिलफूलसमलेय समतिहमधुघृतडारेतेय अतिमहीनपीसलेपैजोकाय अधिकवधैतिहकेसप्रगटाय पुनः मुलठअवरकमलजढआन मुनक्कादाखसमकरैपीसान घृततेलदूधपायलेपैजो केशअल्पहोएदीर्घकरेसो याऔषधसोंटटरिजाय ग्रंथसतांतकह्योप्रगटाय,

॥ अथवातरोगजृंभाईलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमएकस्वासहिपीजाय फिरातिहवसउलटाप्रगटाय आलसनिद्रासंयुक्तजुआवे जृंभाईतिहनामकहावे

॥ अथअत्यंतजृंभाईयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सुंठपीपलअरुमर्चमिलाय अजमोदासैंधाकूटपिसाय गर्मपानीसोंपीयतिहभाय जृंभाईरोगताहिनरहाय ॥ पुनः ॥ कौडातेलजुमर्दनकरै यामीठाभोजनरुचवरै अथवातांबूलआदिजोखाय जृंभाईकोरोगमिटाय

॥ अथवातरोगहणुग्रहलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ तातेंचर्वणभाषणजोय अतीकष्टसोंकरहैसोय हणुमूलविषैजोइस्थितवाय हणूविषेंजो दुःखउपजाय विवृत्तवासंवृतमुखकरै हणुग्रहवातनामतिसधरै जिव्हाघर्षनतेतिहजान शुष्कभक्षअभिघाततेमान कुपितलषैहनुमूलहिवाय तातेहनुस्तंभहोयजाय

॥ अथहनुग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तिसेश्रेष्टमर्दनअरुस्वेद वदननिवावैलषयहभेद जोमुखमोंपीडाअधिकाय रुधिरनिकासैंश्रेष्टउपाय जोमुखमोंकफअधिकजनावै वमनकरावैतौसुखपावै अरुघृतसोंलेलसुणपकाय षावैवातव्याधमिटजाय ॥ चौपई ॥ जाहिपुरुषमुखमीटतहोय चिकनीवस्तुपसीनाजोय जाहीमुखउघारतरहै सीतलवस्तुहितताकोकहै जाकीदाढमुडीनहिजाय पीपलआदरकताहिचबाय थुकवावैतोरोगहिंनाशै उष्णोदककुरलीकरतासै तेलमोरहसनतलकरदेय खायहनुग्रहरोगहरेय

॥ अथजिव्हास्तंभलक्षणं

॥ चौपई ॥ चर्वणवचनकाहितयहजोई परमकष्टकेसाथहिंहोई वाकइंद्रयधारनजोनाड तामोंकुप्तवातसंचार जिव्हास्तंभनकरतासोय जिव्हास्तंभनामातिसहोय

॥ अथजिव्हास्तंभचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जेऊवातजिव्हाबंदकरै जिव्हास्तंभनामसोधरै तातेंषायोपियोनजावै तिंहदशमूलीकाथ पिलावै पीवैसुखउपजैलहुगाथ अथवापंचमूलकोक्राथ अर्दितसामान्याचिकित्साकहि जिव्हास्तंभ मोंसोलषसहि

॥ अथमूकवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ धारणाशब्दनाडिजोहोय कफसंयुतहोइरोकैसोय वधरमूकसोकरतीजान गदगदवचनकैरसोमान मूकवाततिसनामकहीजै याप्रकारमनसमुझपतीजै

॥ अथमूकवातगद्गदचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुतजोमरुतलषावत शब्दनाडिकोंसोऊरुकावत मिनमिनमूकगद्गदहोयत्रानी ताहिसरस्वतिघृतसुखदानी



॥ अथसरस्वतीमंत्रः ॥

॥ उँऽह्रींऐंऽह्रींउँसरस्वत्यैनमः ॥ चौपई ॥ याहिसरस्वतीकोवरमंत्र सहस्रजापकरैशुभअंत्र सिद्धहोइ करमंत्रपठाय घृतमालकंगनीतैलजुषाय इसीमंत्रसैंसोमंत्रावै खावैप्रातसभेदुःखजावै बुद्धिप्रभाअधिक-वरहोय चमतकारप्रगटावैसोय ॥ पुनः ॥ हलदीकुठपीपलअरुजीरा सौंठअजमोदमुलठीवीरा मूर्वासैं-धालूणसमल्याय ढाईटंकपीसनितखाय मखनसाथनिताप्रतिनेम इक्कीदिनपरमानसुप्रेम सर्वरोगहरबु-द्धिप्रकाशै शतश्लोकनितकंठमोंभासै ॥ इतिकल्पअवलेह ॥

॥ अथसरस्वतीघृत ॥

॥ चौपई वरचसुहांजनलोधरधावै सैंधापाठापलपलपावै प्रस्थएकघृतताहिमिलाय दुगुणअजाप-यपायपकाय यहसरस्वतीघृतविधिकेसंग षायमूकताजडताभंग मिश्रतगदगदवाणीनाश स्मृतमेधा-जुहोइपरकाश अरुतापरजोघृतकल्यान खावैहोयवायुसोहान ॥ अथकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ हल-दीवरचकुठमघजीरा अजमोदामुलठलहुवीरा सैंधासुंठसमचूरणकीजै घृतजुमिलाययथाबलदीजै दिनइकीसपर्यंतचटावै जडताअवरमूकताजावै मेघदुंदुभीयवरवहोय न्यायकोकिलास्वरलषसोय श्रुत-धरमेधावुद्धिप्रकाशै इत्यदिकगुणताकेभासै

॥ अथवातप्रलापऔरवाचालरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अपनेहितुसेंकुपितजुवाय सोअनर्थकछुकछुवकजाय प्रलापरोगानिश्चैहैसोय खोटा-शब्दवाचाललषजोय

॥ अथप्रलापवाचालयत्न ॥

॥ चौपई ॥ तगरापित्तपापडामंगाय कटुकीनागरमोथारलाय असगंधाब्राह्मीदाखअगर दशमू-लसंखाहुलीलेसमधर इनसबकोसमकाथजुकरै प्रलापवाचालरोगसभहरै

॥अथजीभकेरसाज्ञानकालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मधुरआदिषटरसहैजोय षायेजिव्हास्वादनहोय ताकोरसाज्ञानवुद्धकहै जिव्हारसगु-णाकोनहिलहै

॥ अथरसाज्ञानरोगयत्न ॥

चौपई ॥ सुंठमरचअरुपीपलआने सैंधाअमलवेततिसठाने इनैपीसजिव्हालेपाय तौरसाज्ञानदोष मिटजाय अथवाब्राह्मीपलासफलआन राईकृष्णजीरासमठान पीपलपिप्पलामूलमंगाय चित्रक-सौंठअरुमरचरलाय कौडकिरायततामोदीजै इंद्रजवकोगडत्वचामिलीजै जिव्हावारंवारलिपाय अ-थवायाकोकाथकराय कुरलीकैरेरसदोषनिवारै अमृतसारयोंवचनउचारै पुनआद्रकरससोंकल्करलाय-अज्ञानदोषजिव्हानरहाय

॥ अथशरीरकीत्वचाशून्यहोवेउस्कालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ जाहिपुरुषत्वचाशून्यलषावै शीतउष्णकोमलनाहिपावै ज्ञानत्वचाकाहोवेदूर त्वचा-शून्यपुनजानोपूर.

॥ अथत्वचाशून्यकायत्न ॥

॥चौपै ॥ त्वचाशून्यकोरुधिरछुडावै तौयहरोगदूरहोइजावै वासेंधाधूमग्रहलेसमतेल कायाम, लैतोरोगहरेल.

॥ अथअर्दितवातनिदानम् ॥

॥ चौपै ॥ ऊचोबोलेअतिकरैहास विष्मासनसोवैकरेनिवास कठिनवस्तुभक्षनतेंमान भारखेदतें-अवरहिजान जृंभमाणहोयवारंवार इन्हतेकोपवायुलषधार ओष्टनासिकाशिरलषलेहु चिवुकललाट नेत्रसंधएहु इन्हस्थानप्रापतहोइवाय करैवक्रमुखकह्योसुनाय अथवावक्रअर्धमुखकरै टेढीग्रीवकंप शिरधरै तुतलेवचनकरावैसोय विक्रतनेत्रकरतहैजोय ग्रीवाचिवुकदांतमंझार पीडकरतसोवारंवार-अर्दितनामवातइहजानो वातपित्तकफत्रैतेंमानो तालक्षणसंक्षेपसुनावौं ज्यौंवैदिकमततैंलषपावौं.

॥ अथअर्दितवातचिकित्सा ॥

॥ दोहा अर्दितादिजोवातकोचिकित्साकरोवषान वातव्याधकेमध्यमोंभाष्योजासनिदान ॥ चौपई ॥ अर्दितरोगस्निग्धआहार मर्दनतेलनारायणकार औरविषगर्भतैउअंगमलै गर्मवस्तुकासेवनकरै गर्मऔ-षधसोंपसीनाल्याय सिरमेंकायतैलमलवाय स्नेहपानमर्दनहितकार वस्तिकर्मउपनाहनसवार-अर्दितरोगइन्हकारणजाय ग्रंथप्रमाणसभकह्योंबनाय

॥ अथवातजअर्दितलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कंपस्फुरनअंगजुलहैये ओष्ठसोथशूललषपैये लालास्रावपीडहोयजास हनूवाकमों-ग्रहहोयतास वातजअर्दितकहियेसोय इहविधिभाषसुनायोतोय

॥ अथवातजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अर्दितवातप्रगटहोइजास वंधनस्वेदाचिकित्सातास ॥ अन्यच ॥ प्रथमकरैदश मूलीक्वाथ पीयविजोरेरसकेसाथ अर्दितवातहिंहितहैसोय निश्चैजानेमनमोंजोय ॥ अथक्वाथ ॥ बलापंचमूलीकोक्वाथ यहहितकरहैसमुझोगाथ ॥ अन्यउपाय ॥ माषोंकेवटकाकरजोय षायसमा' षनअर्दितषोय ॥ क्वाथ ॥ दशमूलीकापीवैक्वाथ पथ्यमांसअरुरसपयसाथ वातजअर्दितहोवैनाश वंगसेनयोंकीन्हप्राकाश जातिफलोंकीमालाकीजै रोगीकेगलमाहिधरीजै वातजअर्दितहोवैनास ग्रंथकारमतकीनप्रकाश

॥ अथपित्तजअर्दितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअर्दितऐसेंजानो पीतअधरमुखतृष्णामानो उपजैमोहउष्णताहोय पित्तज लक्षणजानोसोय

॥ अथपित्तजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ पित्तजअर्दितलषियेजास सनेहपानहितकरहैतास अरुशीतलऔषधहितकारी तासाचि-कित्सायोंउचारी अरुतिहहितकरपयकोपान अपनेमनमोंनिश्चैठान ॥ अन्यउपाय ॥ पंगुमूकहो-इजावैकोई अरुवहुदाहतासकोंहोई औषधवातीपित्तहरजोय ताकोहितकरजानोसोय पित्तहरवस्तु-

लेपासिरकरै अरुनसवारतीक्षणअनुसरे तीक्षणऔषधकरैजुपान तासरोगकीहोवैहान अवरपुरातनघृतकेसाथ नसवारजुऔषधसुनयहगाथ

॥ अथकफजअर्दितलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ शिरमन्यागंडरोधहोयआवै स्तंभअवरतनकंपलषावै नेत्रचलनहोइजावैतास अर्दितकफजकीनपरकाश ॥ अथअर्दितअसाध्यलक्षणम् ॥ झमकणतैंचक्षूरहिंजावै वचनअव्यक्तजासलषपावै क्षीणशरीरजासकोलहिये तीनवर्षहोयगयेंभनैये ऐसोअर्दितअहैअसाध्य जानल्होयइमहाउपाध्य ॥

॥ अथकफजअर्दितचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कफतेंजोअर्दितप्रगटावै वातअवरकफहरसोषावै जोतासोंमुखसोजापरैंवमनकरैतातैदुःखटरै जोपुनताकोउपजैदाह सिरकोरुधिरछुडावैताहि ॥ अन्यउपाय ॥ लसणतिलोंकेतैलजुसंग ताहिषुवावैहोयरुजभंग वातव्याधकोऔषधजेती याकीभिसिभजानोतेती ॥

॥ अथमन्यास्तंभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ दिनसोबनअतिअरुबैठनसे ऊर्धदृष्टीअरुमुखमोडनतें तातेंवातकफकठेहोय ग्रीवास्तंभकरैनितसोय सोकंदेकोमोडनदेय मन्यास्तंभजानहितलेय ॥

॥ अथमन्यास्तंभचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिसकरग्रीवाअकडीजाय मन्यास्तंभवातसुकहाय तिसकोंस्वेदअवरनसवार क्काथपंचमूलीहितकार अथवातेलसुमर्दनकरै ऊपरएरंडपत्रतिहधरै मन्यास्तंभताहूतेंजाय ग्रंथनमाहिकह्योप्रगटाय ॥ पुनः ॥ कुकुंटअंडरससैंधापाय घृतमिलायग्रीवामर्दाय रूक्षस्वेदअवरनसवार दशमूलक्काथजानोहितकार ॥

॥ अथअंशशोषलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोमुहढयोमोंइस्थितवाय अंसबंधकोसोऊसुकाय अंशशोषसोवातकहावै ऐसोताकोनामवतावै ॥

॥ अथापवाहुलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ अंशनमोंजोइस्थितहोय अंशबंधजुसुकावैसोय संकुचितनाडिपुनकरैसुकावै अपबाहुकसोवातकहावै तिसकरअंगनजडताहोय कंपावतहैअंगनसोय ताकरभुजासूकतीजावैं कांमभुजाकरहोइनाहिआवैं ॥

॥ अथवाहुकअंशशोषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ घृतकल्याणताहिहितकार पुनकल्याणतैलसुखकार अरुपुनबलामूलकोक्काथ पीवैसैंधवलवणहिसाथ अथवानिंवस्वरसकरपान वाक्कौंचजढस्वरसपरमान ॥ अन्यच ॥ शीतलजलनासामोदेय अथवागुग्गुलमाईजढलेय काढाकरेजुगुग्गुलपाय नासादेयअपवाहुकजाय ॥ अन्यच ॥ माखहिजलर्कोलेनसवार माषादितैलमर्दनहितकार अपवाहुकरोगतासतेंजाय भावप्रकासमतदियोवताय

॥ अथविश्वाचीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ बाहुपृष्ठलेकरपर्यंत अंगुलिनाडिरुकैकरैहंत कार्यमध्यअसमर्थकरावै विश्वाचीसोनामकहावै

॥ अथविश्वाचीरोगयत्न ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलमाषवलासमकाथ घृततैलमिलापीवैसुखसाथ तातैंविश्वाचीमिटजाय ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ माषवलासैंधापुनल्याय रहसनअर्कदशमूलरलाय हिंगुशतावरीसुंठीलीजैं वचमिलासिद्धतैलसुकीजै खावैमलेजुलेनसवार बाहुशोषअपवाहुकटार विश्वाचीअरपक्षाघात एतेरोगवातमिटजात

॥ अथऊर्धवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कफमिलवातजुताडितहोय अधतैंऊपरआवैंसोय ऊपरआयडिकारबहुकरैं ऊर्द्ध्ववातनामाउच्चरै

॥ अथऊर्द्ध्ववातयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सौंठविधारादशदशभाग हरडछाललेपंजजुभाग असगंधाहिंगभुन्नीअरुसैंधा इकइकभागसमचित्रकमेदा पीसमहीनचूरणसोकरै ढाईटंकनितपाणीसंगचरै तातैंऊर्द्ध्ववातमिटजाय भावप्रकाशमतादियोबताय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ वासापत्रनसहितापिसावैं आद्रकरसमिलायपीवावै ऊर्द्ध्ववायुनाशतवहोय निश्चैमनमोंआनोसोय

॥ अथआध्मानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ उदरमांहिजुअफारकरावत वातनिरोधपीडउपजावत गुडगुडशब्दउदरमोंकरै सोआधमाननामनिजधरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ उदरमध्यपूरणहोइवात आधमाननामविख्यात तिसकोलोकअफाराकहै कफसंयुक्ततेऊपुनलहै

॥ अथआध्मानयत्न ॥

॥ चौपई ॥ इसरोगीकोंलंघनकराय पाचनऔषधताहिखुवाय वस्तिकर्मभीयाहिप्रमान औरचिकित्साकरोंबषान ॥ पुनः ॥ पीपलढाईटंकपरमान त्रिवीसितादशदशअनुमान याहिचूर्णकरसाथमखीर ढाईटंकनितखायसुधीर याहींसंजुअफारमिटाय नारायणचूरणकियोबनाय ॥ पुनः ॥ वचकुठसौंफसुरदामिलाय सैंधाहिंगुसमपीसवनाय कांजीपायगर्मतिहकरै लैपैपेटअफाराहरै ॥ पुनः ॥ अथनाराचरसः ॥ हरडकौडअमलतासजुपाय आमलेदंतीत्रिवीमिलाय थोहरदुग्धजुमुत्थरपावै पलपलसवकोमानधरावै आढिकदोजलमोंजुपकाय अष्टमभागरहेसुछनाय निस्तुषवीजजयपालकेआन पलभरलेतिहवस्त्रवंधान डोलयंत्रतिसजलमोंकरै मंदअग्निकेऊपरधरै ऐसेंशुद्धकरैजयपाल पाछेऔषधतामोडाल अष्टभागजयपालसुपाय तीनभागसुंठीसुमिलाय मरचभागदोईतिसपावै पाराभागजुदोयमिलावै गंधकभागदोयतिसदीजैं पहरएकतिसमर्दनकीजैं रसनाराचनामतिसजानो रत्तिएकप्रमाणसुमानो खावेसीतल



जलकेसाथ एतेरोगहरेसुनगाथ आधमानअरशूलविडारै उदावर्त्तअरगुल्मसुटारै आनाहरोगकोकर-
हैनास प्रत्याध्मानकरैसुविनास वेगशांतहोवैजवजाने शर्करासहितभक्षदाधिमाने दध्योदनसैंधवयुतखाय
रोगजायरोगीसुखपाय ।

॥ अथप्रत्याध्मानलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पार्श्वहृदाजोछोडेवाय आमस्थानाहिंइस्थितआय कफमिलतंहपडिाउपजावै प्रत्या-
ध्मानसुनामकहावै ॥

॥ अथप्रत्याध्मानउपाय ॥

॥ चौपई ॥ लंघनपाचनादिसुखदाय वस्तिकर्मसोंइहमिटजाय ॥

॥ अथवातष्ठीलालक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैजोउतपतवाय चलेवास्थिरताकोंलषपाय सोवर्तुलपाषाणइवहोय अथवालो-
हदंडवतसोय घणीगांठताकीहोइजावै टेढीअथवाऊरधधावै विष्टामूत्रमार्गकोंरोक नामसटीलातिं
हकाहिलोक चौपई यहिग्रंथिजवउदरमंझार टेढीहोयवाकरैसंचार पुरीषमूत्रथलरोधनकरै प्रत्यसटीलानामसुधरै

॥ अथष्ठीलाप्रत्पष्ठीलाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ नाभीतलैकोपैंजिहवात अष्ठीलावातनामाविख्यात विष्टामूत्रसोवातरुकावै हिंग्वादिचू-
र्णतिंहश्रेष्टकहावै ततनिरिसोपीवैसोय वातजरोगनाशतवहोय वीजपूररसतासमोंपाय सुंदरचूरणधरे-
वनाय भुन्नीहिंगुअरुपिपलामूल धनियांजीरावचसमतूल चव्यचित्रकअरुपाठाकचूर अमलवेतअरुपुष्क-
रमूल कालासैंधासांबरलौन हौवेरकरेताहिमिलौन सौंठमिरचअरुलेजबखार पीपलसज्जीहरडकी-
छार अनारदानातिंतडीआन इनसबसमकरलेयसुजान महीनपीसआद्रकत्रैपुठ छायसुकायचूरणकर-
कठ ढाईटंकगर्मपाणीसोंखाय वातष्ठीलप्रत्यष्ठीलमिटाय ॥ अन्यच ॥ सौंठपीपलीमरचसुजान-
भूंनीहिंगुजवखारप्रमान खज्जीसैंधानौनसमपीस ढाईटंकगर्मजलदीस तूनीप्रत्यतूनीजुगहरै भावप्रका-
शमतयोंउच्चरै ॥

॥ अथतूनीलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विष्ठामूत्रस्थानवायूजव कोष्ठशूलउपजावतहैतब गुदालिंगकोंभेदकरावै तूनीवातसा-
मतिसगावै मूत्रपूरीषस्थलतेंवाय उठीजुहोइतिसिलषपाय गुदालिंगकोंभेदेसोय तूनीनामतासकोहोय

॥ अथतूनीप्रतूनीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ सनेहसलवणकीजियेपान होइतूनीप्रतितूनीहान पिप्पल्यादिचूरणसोंपीवै हिंगुगुड-
क्षारमेलघृतपीवै तूनीप्रतूनीहोवेनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश.

॥ अथत्रिकशूललक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ कटिकेतीनोहाडमंझार पुनभ्रुजहाडोंशूलविकार तांकोंत्रिकशूलहिगुणिकहैं ताहिउपा
यआगेसुखलहैं.

॥ अथत्रिकशूलकायत्न ॥

॥ चौपै ॥ तप्तरेतसोंसेककरावै वाअरनेउपलेमंगवावै सुखैनसेकदेयशुभवाक त्रिकशूलहिसेंहोवै-पाक त्रयोदशांगजोगुगुलूकह्यो मांसरसअवरदुग्धसोंलह्यो त्रिककोशूलहोयातिसनास भावप्रकासमतकीनप्रकास.

॥ अथवस्तिवातकालक्षण ॥

॥ चौपै ॥ वस्तिपवनकुपितहोइजाय मूत्रप्रवाहछुटैतिसआय रोगनकोउत्पन्नजुकरै वस्तिवात-बुधजनउच्चरै.

॥ अथवस्तिवातचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जोनाभितलैकुक्षगुदामंझार आश्रितहोइसोकरैविकार ताकोएरंडतैलपिलावै वातजा-यव्याधीसुखपावै धम्मणीजढकोबक्कलआन तिससममिश्रीकरैमिलान ढाईटंकगोदूधकेसाथ पीवै-दुःखजायसुनगाथ ॥ अन्यच ॥ त्रिफलेकाजोचूर्णकरावै तिहसमसारमिलायधरावै मासेचारसहतकेसंग-मूत्ररोगसबमिटतअभंग अथमूत्रनिग्रहयत्न पांचमासेयवखारमंगाय मिश्रीसहितखायदुखजाय पुन-पेठेबीजवाककडीबीज दोनोपीसपाणीसेंलीज वस्तीलेपकरेनरजवहीं मूत्ररोधहरेतिसतवहीं ॥ अन्यच ॥ चीनीयाकपूरकोबटीबनाय लिंगभगहिदेमूत्रछुटाय.

॥ अथगृध्रसीवातलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ चूलेकटीपृष्टउरुजानो जंघापादकंपरुकमानो स्तंभअवरपीडाकरसोय गृध्रसीवातजा-नविधदोय देहवक्रतापुनतिहमःन वैद्यसास्त्रमोकियोप्रमान गृध्रसीवातनामतिसकहिये वातहुतैंकफ-तैंभीलहिये तंद्राअरुगौरवयहकरै अवरअरुचताउरमोधरै मुखतैंलालांचलैंअपार मंदअग्नितिसपुरुष निहार.

॥ अथगृध्रसीवातचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ वातगृध्रसीकोंकहोसुनोचिकित्साजोय प्रथमहिकह्योनिदानमोंतासोलषियेसोय ॥ चौपै ॥ होयगृध्रसीवाताविकार तप्ततैलमर्दनहितकार ईटतपायसेकातिसदीजै बंधनताकेऊपरकीजै ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपै ॥ प्रथमहिंताकोंवमनकरावै पुनताहुंकोघीउपिलावै विनावमनजोहैघृतपान सोगुणताहिकरैयों-जान निष्फलहवनभस्ममोंजैसें विनावमनघृतपानसुतैसें नाभीऊपरवस्तीकरे गृध्रसीवातताहितेंढरे ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ दशमूलबलारहसनजुगिलोय सुंठीयहसमचूरणजोय एरंडतैलसोंपीवैतास गृध्रसीषंजुपंगुहोइनाश ॥ अथकाथः ॥ चौपै ॥ पंचमूलकोक्काथवनावै त्रिवीपायपीवैदुःखजावै गृध्रसिगुल्मअवरदुःखशूल एतेरोगहोंहिनिरमूल ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ होएगृध्रसीजिंहअस्थान नाडितहांकीवेधसुजान तिसनाडीतेंरुधिरकढावै अथवाउस्तरेसोंपछलावै गुंजापीसलेपतहांकरै रोगगृ-ध्रसीइहविधिहरै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ गूत्रएरंडतैलसोंपीवै नाशगृध्रसीरुजकोथीवै ॥ अन्यउपाय ॥ ॥ चौपै ॥ घृतअरुतेलमिलायसमान आद्रकबिजोरेकोरसठान गुडचुक्रमिलावैपीवैसोय नाशगृध्र-

सीरुजकोहोय त्रिकुलपृष्टऊरूकटिजान इन्हपरलेपकरैदुःखहान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ एरंडबजि-शुद्धकरजोय पीसपकावैपयमोंसोय षंडरलायताहिनितषावै गृध्रसिगुल्मशूलमिटजावै ॥ अथक्काथः ॥ चौपै विडंगमेषशृंगीत्रसगंध बिल्वभषडाकरसंबंध दोइकंडयरीएरणमूल करैक्काथसभलेसमतूल पीवैबंषण वस्तीशूल चिरकीगृध्रसिहोइनिरमूल ॥ चूर्णम् ॥ मघपीपलकोचूरणकीजै एरणतेलगूत्रसोंपीजै कफअरुवा तजगृध्रसीजाय बंगसेनयोंकह्योसुनाय ॥ अथक्काथः ॥ चौपई लेकृतमालसुंठी अरुवासा समयहलेयक्काथ करतासा एरनतैलमिलायसुपीवै गृध्रसिसुत्तवातहतथीवै ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ एरणतरुलेफलआ-नीजै तिन्हसोंशुद्धयवागूकीजै सोऊयवागूनितउठखाय गृध्रसिरोगनाशहोइजाय ॥ चूर्णम् ॥ पीस तगरजढचूरणकीजै बलअनुसारतक्रसोंपीजै जासदेहहोइरींघडवात तासवातकोहोवैघात ॥ अन्यच एरणबीजसुंठसमलेय पयघृतषंडमिलावैतेय षावैकटपीडामिटजावै अवरगृध्रसीवातनसावै अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ इन्हउपायकरजोनाहिजाय शस्त्रदाहपुनकरोउपाय जोयातैंभीदूरनहोय इहविधिकरोचिकि त्सासोय स्वेदकरायसनेहकेसंग मर्दनकररुजहोवेभंग ऊपरतैंनीचेकोल्यावै क्रमक्रमकरचर्णनप हुचावै पगमर्दनकरसूक्ष्मनाडी पादकनिष्ठांगुलीसुधारी पुष्ठफूलैजुकनिष्टकाजवै षुरकसहितअंगु-लिहोइतवै अग्रभागअंगुलिकोवेध तापरदागदेयमिटखेद चंदनअवरमुलठपीसाय लेपैअंगुलिगृध्र सीजाय ॥ अथगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ इकपलरहसणपीसमंगावै पांचकर्षगुग्गुलुतंहपावै घृतमिलाय करवटकाकरै षावैरोगगृध्रसीटरै ॥ अथपथ्यानामगुग्गुलु ॥ चौपई ॥ हरडवहेडेआमलेआन क्रमक-रदुगुणदुगुणयहठान तीनोंलेहुप्रस्थपरिमान पलंकषाइकप्रस्थपछान एकद्रोणजलमोंसोभाषै रात्रीए-कभिगोयसुराषै अर्धविशेषक्काथकरलेय लोहपात्रमोताहिधरेय अर्धअर्धपलपुनयहजान तामोऔ-षधकरोमिलान दंतीत्रिफलामघांविडंग त्रिवीगिलोयमरचसुंठसंग प्रस्थएकगुग्गुलुतिंहपाय समयहपी-समिलावैषाय खावैसीतलजलकैसंग वातरोगहोएतातैंभंग गृध्रसिषंजवातलिफजावै गुल्मपांडुकंडू-नरहावै वातरक्तकोंतुरतविडारै बलवीरजआयुरकोंधारै टूटेहोंहिजासकेअंग मिलेंसमस्तहोंहिइकसंग ॥ अथलसुणघृत ॥ चौपई ॥ लसुणक्काथआढिकपरिमाण आढिकतामोंगोघृतठान चित्राचवकमघां पीसाय कर्षकर्षयहतामोंपाय सुंठहिंगुयहपलपलपावै पंचलवणअर्धअर्धपलथावै अम्लवेतपलअ-र्धजुपाय मंदअग्निकरताहिपकाय यहमिलायकरबलअनुसार खावैगुल्मगृध्रसीटार अरुपुननाशैंपक्षा-घात यहऔषधवैद्यकविख्यात ॥ अथअसगंधादितैल ॥ चौपई ॥ असगंधबलाजुसुंठदशमूल इन्हको-क्काथकरैसमतूल क्काथसमानकीजियेमेल पादशेषमोएरणतेल बलनिजदेषजुषावैतास होवैवातव्याधस-भनाश ॥ अथशिंसपाद्यंलेह ॥ टाल्हीत्वचातुलापरिमान कूटद्रोणदोइजलमोंठान अग्निचढायक्काथ-सोगहै अष्ठमभागआइजवरहै ताहिसमानदुग्धसोपाय सनिग्धपात्रमोंधरेवनाय सुंठीचूरणताकेसंग कर्षप्रमाणषायरुजभंग दिनइक्कीसप्रातनितषावै रोगगृध्रसीवातनसावै ॥ अथगोषुरूतैल ॥ चौपई ॥ भषडेकारसआढिकलीजैं आढिकतैलताहिमोंदीजैं आद्रकरसपलपांचप्रमान गुडपलवीसतासमोठान आढिकदुग्धतासमोयाय मंदअग्निसोंधरेवनाय याहिसिद्धकरवलअनुसार षावैगृध्रसीमिटेविकार पाद-कंपअरुशोथविनाशैं कटिअरुपृष्ठपीडसभनाशैं अवरसमस्तजुवातविकार नाशैमनमोंनिश्चैधार बंध्याषा-यपुत्रसोलहै वीरजदोषपुरुषकोदहै मूत्रकृछ्रकोहोवेनाश बंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ दोहा ॥ अर्दितगृध्र-सिवातकीकरीचिकित्सागान वातव्याधकेपथअपथसोऊंयाकेमान-

॥ अथखंजपंग्वोर्लक्षणं ॥

॥ चौपई जोकटआश्रितवातविकार षंजवातकहियेसुविचार कंडुरानामनाडिजोकहिये अस्थिसहितातिसवातलषैये तिसकरषंजपंगुहोजावै जंघपादजोसुतलषावै इकनाडीक्षेपहोयनरखंजु दोनाडीक्षेपहोयनरपंगु.

॥ अथइनदोनोंकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ रेचनहितकारकतिहजानो औरऔषधीस्वेदनमांनो गुग्गुलभक्षनतेंभीजाय मर्दनवस्तीकर्मकराय ॥

॥ अथकलापषंजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोचलतानरकंपनलागै षंजन्यायचलहैदुःखजागै संधींवंधासिथलहोइजावै नामकलापषंजतिसगावै ॥

॥ अथकलापषंजयत्न ॥

॥ चौपई ॥ विषगर्भादिकतैलमर्दनसे रोगजायसुखहोइसुमनसें ॥

॥ अथकटिग्रहवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ कटिआश्रितवायूजवहोय आमसहितजानोमनसोय कटिमोपीडाकरतसोमान कटिग्रहवातनामतिसजान

॥ अथक्रोष्टशीर्षलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरसहितजबकोपैवाय शोथपीडजानूउपजाय क्रोष्टशीर्षनामतिहवात वैद्यकग्रंथनमोंविख्यात ॥

॥ अथक्रोष्टशीर्षयत्न ॥

॥ चौपई ॥ टाईटंकगिलोयपरमान दसोटंकात्रिफलापहिचान तिनकोकाढालेकरवाय ढाईटंकगुगलहिमिलाय एकमासतकनित्यसुपीय रोगमिटैरोगीसुखथीय ॥ अन्यच ॥ पावदूधएरंडकोतेल कर्षवजनताहीकरमेल पीवेरोगीरोगमिटाय निश्चेकरकेमनदृढल्याय ॥ अन्यच ॥ ढाईटंकविधाराचूरण पावदूधमिलपीयसुपूरण ॥ अन्यच ॥ किशोरगुग्गुलुसेवनतेजाय अमृतसागरमतकह्योबनाय गुगलतित्तरमांसरससंग पीवेकोष्टशीर्षरुजभंग ॥ अन्यच ॥ वातरक्तकीऔषधजेती क्रोष्टशीर्षमेजानोतेती ॥ चौपई ॥ तैलमर्दनअरसुंठमलेय चोपडएरंडपत्रधरेय गर्मकरतबांधेतिसभाय क्रोष्टसीर्षनिश्चेमिटजाय ॥ अन्यच ॥ कौंचवीजढाईटंकजुलेय दहींसाथादिनसातमलेय वाचौदसदिनमलसुखहोय भावप्रकाशमतउदितहैसोय

॥ अथषल्लीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जंघपादऊरूकरमूल रोकैइन्हठौरनकरशूल षल्लीनामसोवातकहावै वैद्यकमतयोंप्रगटजनावै

॥ अथषल्लीवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जंघापादऊरूकरमूल अरुअंगुलिमरोडकरैनितशूल खल्लीवातनामतिसकहिये ताकीऔषधइंहविधिलहियें सेंधालवणकुठसमलीजैं चुक्रमिलानतैलसोंकीजैं तनकउष्णकरदेहमलावे षल्ली-

वातनाशहोइजावै ॥ अन्यच ॥ कुठअरुसैंधालोनमिलाय काढाकरअमलवेतरसपाय औरतेलसमर सहिमिलावै मंदअग्निसोंतैलपकावै मर्दनकरइहरोगमिटाय ग्रंथसकलमोंकह्योउपाय

॥ अथकंटकवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोचरणोमोंकंटकन्याय चुभेपीडउपजावैवाय विषमस्थानचरणजबधरै गुल्फोंमों-पीडालषपरै वाश्रमतैंजुगुल्फमंझार पीडाकरतसुवारंवार कंटकवातनामतिसकहिये ग्रंथनिदामध्ययोंलहिये

॥ अथवातकंटकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कंटकवातमोंकरैउपाय रक्तछुडावैयहसुखदाय सूचीवहुतपायजुचुभावै तौयह. वातव्याधमिटजावै एरंडतैलपांचटंकनितपीय मासपर्यंतनित्यसुखथीय स्वेतपुनर्नवामूलकेसंग सिद्धतै-लमर्दनरुजभंग.

॥ अथपाददाहलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तरुधिरमिलकुपैवातजव चलतेचरणदाहकरैतव पाददाहताहूकोनाम समुझलहो-हेनरअभिराम

॥ अथपाददाहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सूकेजंघपादपुनतास पाददाहप्रगटैपुनजास जानूमांहिपीडलषपावै कंटकवेध-समपीडलषावै अरुजानूपरसोंजापरै तिससनेहस्वेदहितकरै पाददाहमोंमसुरपिसावै शीतलजलप-गलेपकरावै अरुमाषनकोमर्दनकरै एरंडतेलपानअनुसरै ॥ अन्यच ॥ मखनपैरतलीमलवावै अग्नितपायतौरोगमिटावै ॥ अन्यच ॥ अंडेगोकेदूधमिलाय लेपकरैपगतैंदुःखजाय,

॥ अथपादहर्षलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकेपदरोमांचितरहै सुन्नरहैकफवाताहिंलहै अथवापरसेचलतेरहै हस्तपाददोयी-लषलहै हर्षपादसोऊनामकहावै असैवैद्यकशास्त्रसुनावै

॥ अथपादहर्षयत्न ॥

॥ चौपई ॥ कफवातहरनकीऔषधजेती पादहर्षमोजानोतेती

॥ अथपैरोंकेहडफूटनयत्न ॥

॥ चौपै ॥ तिलसांभरलौनहलदीजुमिलाय तीनोसमधतूररसपाय गोकामखनसमतिहलेय पांचोवस्तुइक ठकरेय गडकावैजवहींभखजावै सभसमगोमूतरतिहपावै जवैसवंजलसोखतहोय घृतहीमातररहैसुजो य सोघृतमर्दनकरेजुपान पादहर्षरोगकीहान,

॥ अथसामान्यआक्षेपकलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जवेकोष्टतैंनिकसेवाय नाडीमांहिप्रगटहोइआय हस्तपादसोइअंगकंपावै अथवासभतन कंपकरावै तनआक्षेपकरेवहुवार आक्षेपकतिसनामउचार

॥ अथकेवलवायुंआक्षेपकलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ करपदमस्तकपिडागंड स्तंभितवायुगात्रइवदंड अतिपीडासोअसाध्यकहीजै चरकंग्रंथकोवाक्यधरीजै

॥ पित्तजवातआक्षेपकरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पित्तस्थानउदरादिकमाहि स्तंभकरैवातदंडइवताहि

॥ अथचोटलगनउत्पन्नवाततिसकेआक्षेपककालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ जोअस्थानचोटकृतहोय ताहिउत्पत्तीवाताजिहजोय तुल्यपीछलेसाथसुजान ग्रंथसकलजोकीनप्रमाण

॥ अथइस्कायत्न ॥

॥ चौपै ॥ इसविकारकोजानहितकार बलादितैलआगेसुविचार

॥ अथअंत्रायामलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ गुल्फअंगुलीहृदयउदरजो वक्षस्थलगलजानुलहोसो नाडिनआश्रयहोइजुवाय फैलैतनमोलताकीन्याय वेगकरैहनुनेत्रअडावे पार्श्वभग्नकरकफनिकसावै धनुषन्यायअंतरजुनिवावत कटऊरूयहभग्नलषावत याहिवायुकोसुनेहोनाम भाषतअहैसुअंत्रायाम वातव्याधिचिकित्साजोय अंतरायाममेजानोसोय

॥ अथवाह्यायामरोगकालक्षलण ॥

॥ चौपई ॥ तेवाह्यस्नायुगतवातजुहोय वाह्यायामकरैतिनसोय पार्श्वउरूकटिभग्नलषावत वाह्यायामलोकातिसगावत कंधपीडइनकोजुरुकाय धनुषसदृशकायाकरवाय अर्दितवातचिकित्साजोयें जामोभीऔषधहितसोय

॥ अथधनुषस्तंभलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ धनुषन्यायजोदेहनिवावै धनुषस्तंभनामतिंहगावै

॥ अथकुवजवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जोहृदपृष्ठवायुदुःखदेवै पीडासंयुतउच्चकरेवै ताकोनामकुवजहैवाय वैद्यकग्रंथनकह्योसुनाय अंत्रयामफुनवहिरायाम धनुषस्तंभअरुकुवजयहनाम याचारोंमेंप्रसारणीतेल औरसामान्यचिकित्सामेल

॥ अथकुवजवातलक्षणविशेषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जिसकरहृदापृष्टयहदोय उन्नतपीडासंयुतहोय कुवजनामवातसोकहिये दशमूलकाथहितकरतिसलहिये सनेहअरुमांसश्रेष्टहैतास तासाचिकित्साकीनप्रकाश

॥ अथअपतंत्रकरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ रौष्यादिकवस्तूजोलहिये याहिवायुकेकोपहिंकहिये तिन्हकरकुद्धवातजोहोय स्थलतैंऊर्द्धचलतहैसोय हृदयदूखाशिरपीडाकरै मस्तकहाडंपीडवहुधरै अंगनिवावेधनुषान्याय स्वासलेतनखहुदुःखपाय नेत्रफटैवामीलतहोंहि कंठकवूतरखजिमजोंहि निरचेष्टासोपुरुषलहीजै नामवायुअपतंत्रकहीजै

॥ अथापतंत्रकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ ईरंडवरचरहसणआनीजै अमलवेतसेंधासमकीजै घृतमिलायकरषावैजोय अपतंत्रकवातनाशतवहोय हरडछालवचसेंधालौन अमलवेतरालसमतौन ठाईटंकघृतरसआद्रकमेल खायअपतंत्रकरोगहरेल

॥ अथअपतानरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाकेनेत्रआकडेरहैं कंठमांहिघुरघुररवलहै चेष्टादेहदूरहोइजावै हृदागहेतवमोहसुपावै जवेंहृदयकोत्यागेवाय तवनरसावधानतापाय जाकेतनअसवायुलहीजै अपतानकताकोनाम कहीजैं

॥ अथदंडापतानकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कफसंयुतजवहोवतवात अंगदंडइवसोअकडात याकोदंडनामअपतान जानलहेहैवैद्यसुजान

॥ अथअपतानरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वहेडेमुत्थरमघांपतीस भिडंगीआद्रकलेसमपीस तप्ततोयअथवामदसंग पीवैश्वासकासहोइभंग अरुअपतानकवातविकार नाशहोयनिश्चैमनधार ॥ अन्यच ॥ दशमूलीक्काथमोपीपलडाल पीयअपतानकरोगहिंटाल ॥ अन्यच ॥ तेलमर्दनअंगतौभीजाय ग्रंथप्रमानकह्योजुवनाय ॥ अन्यच ॥ सूकीवस्तुजुनासालेय तौभीरोगनिश्चैहरतेय गोघृतपानसैंभीयहजान स्नेहपानकरहततिहमान

॥ अथपक्ष्याघातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ गहेअर्धदेहजोवाय नाडिनकोंजोदेहसुकाय हननएकभागतनकरै सकलसंधवंधकरधरै सोइवातअर्धांगकहावै अवरपक्षवधनामलषावै

॥ अथपक्ष्याघातादिसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कुक्ष्यशूलनखभेदविकार वातविकारअनेकप्रकार पक्ष्याघातआदिजोकहै थोहडेकालकेसाध्यसोह

॥ अथपक्ष्याघातअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ आक्षेपकअरअंत्रायाम अर्दिपतानकवाह्यायाम दंडअपतानधनुषजुोवात अपतंत्रकअरुपक्षाघात एतेवातअसाध्यपछानो कष्टसाध्यसुनवीनाहिमानो वहुकाहलीसुअसाध्यकहावै वलीपुरुषकोसाध्यलखावै निर्वलकोंअसाध्यकहिगाए निरपद्रवकोंसाध्यलखाए सहितउपद्रवमांनअसाध्य ऐसेंभाखीवातउपाध्य-

॥ अथउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ दाहमंदअग्नीसुअरुचजो यहीउपद्रवजानोतुमसो क्षीणमांसक्षीणवलजोऊ वातव्याधहनहैनरसोऊ जाकीदेहसुप्तहोइजाय कंपअफाराजेंहउपजाय वातव्याधताकोकैनाश वैद्यकर्मोयोंक-

ह्योप्रकाश कह्योनिदानजिसेपरकार तैसेहमयहकीनउचार ॥ दोहा ॥ वातव्याधवरननकरीजै-सैंलिखोनिदान ज्योंकीयोंउरसमुझकैभाषाकरीवषान

॥ अथशुद्धवातव्याधचिकित्सानिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ कहौंचिकित्सावातकीसोहैअनेकप्रकार सोसुनलीजैचतुरनरपुनकीजैउपचार ॥ चौपै ॥ वातव्याधजासतनहोय इंहविधकरैचिकित्सासोय सेवनइन्हवस्तुनकोंराषै वातव्याधकोंइहविधिभाषै मज्जा-वसातैलघृतपान तैलाभ्यंगस्वेदतनमान वस्तीकर्मरेचननसवार सनिग्धसलवअमलआहार अन्नादिपु-ष्टिकरवस्तुजुलहिये श्रेष्टसोवातरोगमोंकहिये ॥ अथकाथः ॥ चौपई ॥ पटोलकायफलसमयहआन पीवैयूषवातहरमान केवलवाद्यालककोकाथ वातहरनयहलषियेगाथ ॥ अथदुग्धपान ॥ चौपई ॥ वालपंचमूलसमल्याय पीसदुग्धमोंपायपकाय व्याधीदुग्धपानजवकरै वातव्याधपीडापरिहरै ॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ रहसनपंचकोलसुरदार कुलत्थमाषतिलकुठसुडार वचसतावरियवकोचूरण यहसमपीसकीजियेपूरण अलसीअवरजुकांजीपाय तत्तकरेसोलेपधराय वातव्याधकोदुःखमिटाय वंगसेनमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ दशमूलीकोकाथबनावै चारस्नेहकतामोपावै गंधमिलायकरमर्दनकीजै वातव्यथातनकीतवछीजै ॥ अन्यच ॥ मत्समांसकोंआनसुकावै वेसवारसमसंगमिलावै तत्तनरिसालेपन. करै वातरोगतातैंपरहरै ॥ वेसवारवरननम् ॥ मांसअस्थिविनगुडघृतपावै तामोंमरचांमघांमिलावै वेसवारताहूकोंकहै वातव्याधकोंहरतालहै मरुवेकारसमर्दनकरै तौभीवातव्यथातनटरै ॥ अन्यच ॥ मदराकांजीचारसनेह समयहलेपनकीजेएह तौभीवातव्यथामिटजाय वंगसेनयोंकहैसुनाय॥ अन्यच॥ नेजनकोसनेहनिकलावै मर्दनकरैवातदुःखजावै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ असंगधवलासुंठीदशमूल नखरहसणपीसेसमतूल तत्तनीरसोंलेपैपीवै नाशवातव्याधकोथीवै.

॥ अथपक्षाघातचिकित्सा ॥

॥ चौपई पक्ष्याघातकादिजोवात तासचिकित्सायोंविख्यात रहसणहिंगुबलादशमूल सुंठशता-वरिवचसमतूल यहमिलायकरतैलपकावै षावैअरुतनकोंमलवावै तौवाहुवातशिरवातविनाशै पक्ष्याघा-तविश्वाचीनाशै ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ माषकपिकछूएरंडआन बलामिलायकाथसठान सैंधाहिं-गुयुक्तकरपीवै पक्ष्याघातनाशतबथीवै ॥ अन्यच ॥ एरंडसुंठीबलाजवांहां माषकाथसमकरीतहांहां सैंधासहितनासकाद्वार पीवैपक्ष्याघातविडार नेत्ररोगाशिररोगाविनाशैं इत्यादिकगुणयाकेभासैं-॥ अन्यच ॥ माषवलाशुकाशिंवीआनै कटतृनरहसनएरंडठानै पुनअसगंधपायकरकाथ नासाद्वार-हिंगुसैंधासाथ पीवैपक्ष्याघातमिटावै ग्रीवस्तंभश्रुतनादमिटावै ॥ अन्यच ॥ चित्रामघांपिप्पला-मूल रहसणसुंठिसैंधासमतूल माषकाथसंगतैलसिद्धकीजे पक्ष्याघातनाशकरदीजै ॥ अथतैल ॥ चौपई ॥ एरंडजमूलीमाषपतीस लवणशतातरिरहसणपीस माषवलाकोकाथबनावै क्वाथमाहिसमतैलपकावै तैलदेहमोंमलेजुषाय पक्ष्याघातवातमिटजाय महुएकारसगुग्गुलुबीजवोय बकरीमेंगणकटेलीरसजोय पांचपांचटंकसभीपरमान महीनपीसकायालेपान कमरछोबरखातखोदाय आसपासातिसआकपतचाय वैद्यविनोइहाविधिउबरै पक्षाघातरोगीतिहमाहि बैठावैजबपसीनाआहि तिसीसमैपक्ष्याघातसबहरै

॥ अथनिद्रानासरोगयत्न ॥

॥ चौपई ॥ भुंनीभंगसुचूरणपिसाय अनुमानउचितसहतमिलाय चाटैनिश्चयनिद्राआवै अतीसा, रसंग्रहणीजावै क्षुधाअधिकप्रगटैहृदमाहि वैद्यविनोदविधकह्योवनाहि पुनः पिप्पलामूलचूरण गुड, साथ चाटैनष्टनींदप्रगटात पुनः कागलहरीकीजढजोआनै सिरमेबांधनिद्राबहुठानै पुनः हाथनसोंपग हीजुदवावै तौभीनिद्रासोप्रगटावै पुनः वेंगनभुंनेसहितमिलाय खावैततक्षणनींदउपजाय पुनः एरंडतेलअलसीकातेल दोइसमकांसपात्रमेंमेल खूबघसैंघसनेत्रनपाय तौभीजानोनिद्राआय पुनः बकरीदूधसोंपादथलधोवै निद्राआवैदाहफुनखोवै पुनः कस्तूरीस्त्रीदुगधमिलाय अंजनकरअतिनिद्रा. आय पुनः सौंफभंगमहीनपीसकर बकरीदुधपायगर्मसोकर सुहातालेपजुनेत्रनकरे तातेंनिद्राआयसुवरे अथतंद्रालक्षणं बातअवरकफवाततेंजान देहभारीजुअरुचितामान अथतंद्रा चिकित्सा मालती, पत्रपुष्यकोंआन मरचकौडवचकरोमिलान सेंधावत्समूत्रकेसंग अंजनपावेतंद्राभंग पुनः मालकंगु. णीतैलकेसंग धत्तूरमूलसोंनस्यसुचंग तंद्राकोंयहदूरनिवारें नस्यकर्मसोश्रेष्ठउचारें पुनः पलांडूहिंगूलसन. मंगाय वर्चकौडपुनताहिरलाय जीवंतिरससंगघसावै नेत्रपास्तंद्रामिटजावै

॥ अथसर्वांगवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जबसर्वांगकोपकरवाय गात्रभंजकंपप्रगटाय संधस्थीस्फुटकरतहैसोय गात्रपीडउप; जावैजोय

॥ अथसर्वांगवातयत्न ॥

चौपई जांहिंसर्वंगतवातलषावै तौनाडीकोरुधिरछुडावै विषगर्भआदिजोतैलकहावै मलैरोगसर्वांगहटावै ॥ अथलसनपिंडी ॥ चौपई ॥ लसणअर्धपलपीसकुटाय माषमाषयहऔषधपाय सैंधासौंचलत्रिकुटा जीरा हिंगुचूर्णयहजानोवीरा इकदिनकीइहमात्राकही मासप्रयंतषावैइहसही एरंडकाथसंगचूर्ण' खाय वातव्याधसभहीमिटजाय एकांगवातअथवासरवंग ऊरूस्तंभक्रमहोवेभंग अवरगृध्रसीकोहो. इनाश लसनापिंडीयहकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ लसुनलीजिएपलजोतीस अंकुरकंचुकविनलेपीस मधुघृतगुडपलपांचोपांच सर्पपतैलदोइपलसांच जीराहिंगुतिंतडीचित्रा दाडिमत्रिकुटाजानोमित्रा गजपीपलमघपुष्करमूल पांचलवणअरुपिपलामूल दोइक्षारधनियांपुनलेय अर्धअर्धकर्षधरदेय पीस मिलाययथावल.वैं वातरोगएतेमिटजावै यक्ष्याघातआमकोवात भग्नास्थिपृष्ठकटवातहिंघात वाम. नकुबजसुवातविनाशै सर्वांगअवरअर्धांगाहिनाशैं अपस्मारगुल्मजोपांच वातकफजरुजनाशैंसांच लस णापिंडीपुनयहजोकही एतेरोगनिवारेसही क्काथ देवदारुसुंठीसमक्काथ पीवेवातहरेलषगाथ ॥ अथअविलेह सूक्ष्मपीतैलसणबनाय घृतमिलायचाटैअरषाय अरुबहुघृतयुतभोजनकरै बातजव्याधहरैदु:खटरै

॥ अथएकांगवातचिकित्सा ॥

चौपई एकांगवायुपरशृंगीलावै वातहटैरोगीसुखपावै अथवापीवेएरंडतेल वादशमूलविजोरामेल

॥ अथत्वचागतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ त्वचामध्यजवकोपैवाय स्फोटअंगकअज्ञताउपजाय सोवैअंगरोषताकरे कृष्णवरणतन- कोअनुसरे लालरंगभीकरताजोय .पवैनमोंपीडाकरसोय

॥ अथत्वग्वातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोवायुत्वचामोंकोपैआय अभ्यंगस्नेहजुतासउपाय अरुपरस्वेदउपायपछान होवैत्वचावातकीहान

॥ अथरसगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ अन्नपाकातिसहोवतनाहि तनभाराअरज्वरप्रगटाहि किसीवस्तुमोंचित्तनचाह रसगतवातलषोविधिताह ॥ अथरसगतवाताचिकित्सा ॥ रसगतहोवेवातविकार मर्दनतैलातिसेसुखकार ॥

॥ अथरुधिरवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रुधिरमध्यकोपैजबवाय तीव्रपीडसंतापलषाय कृशअरुतनविवरणकरदेवै अन्नअरुचताव्रणप्रगटेवै भुक्तस्तंभकरतहैसोऊ एतेदुःखप्रगटावैवोऊ ॥

॥ अथरक्तवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अरुजोरक्तमोंकोपैवाय शीतललेपनतासउपाय रेचनरक्तमोक्षपुनजानो यहउपायताकेमनआनो ॥

॥ अथमांसमेदगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मांसमेदमोंकरैसंचार अंगगुरुताअंगपीडाविकार दंडहतैइवपीडाहोई दुःखसहितश्रमउपजैजोई ॥

॥ अथमांसमेदगतवाताचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मांसमेदजोकोपैवात रेचनताहिशांतकरजात अवरजुवस्तीकरेनिरूह तातेंजायजुरोगसमूह ॥

॥ अथमज्जागतवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मज्जाअस्थिगतहोवैवात तनविकारताहूप्रगटात सबसंधीमोंकोपैजवै इहविकारचितवतैतवै ॥ चौपई ॥ अस्थिपर्वसंधिपीडाहोय अवरशूलनितकरहेजोय बलमांसजुनिद्राकरहैनाश एतेदुःखकरैपरकाश ॥

॥ अथमज्जाअस्थिगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोमज्जाअस्थीमंझार कुप्तवातकरहैसंचार सनेहपानअरुमर्दनजान यहउपायताकोपरिमान ॥ अथताकोमर्दनतैल ॥ नागबलाकेतकीमंगावै अरुअतिबलामंगायपिसावै तीनोकारसलेहुछनाय तासमतैलजुपायपकाय पुनतुषजलसोतैलपकावै भलीभांतअंगनमलवावै वातअस्थिमज्जागतजावै वंगसेनइहविधीदिखावै ॥

॥ अथशुक्रगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातवीर्यमोंइस्थितहोय शीघ्रवीर्यकोंत्यागेसोय गर्भधारनसमार्थताजोई करेविकारनाशहैसोई ॥

॥ अथशुक्रवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोवीरजमोंप्रविसेवाय वीर्यकरनवस्तूंसोषाय हर्षउपावनऔषधजान बलकरअन्नपानहितमान ॥

॥ अथकोष्टगतवातलक्षणम् ।-

॥ चौपई ॥ कोष्ठविषैंजबइस्थितहोय विष्टामूत्ररोधकरसोय हृदयरोगगुल्मउपजावै अर्शपार्श्वशूलप्रगटावै ॥

॥ अथकोष्टगतचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अरुजुकोष्टमोंकोपैवाय रेचनसेकवंधनसुखदाय पाचनवस्तूंसेवनकरै अथवादूधपांनहितवरै

॥ अथआमाशयवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ काचीआमविषैंजबआवै श्वासकासततैंप्रगटावै पार्श्वशूलहृदनाभिदुःखावै कंठशोषमुखशोषकरावै त्रिषाडिकारविशूचिकाकरै यहदुःखवातआमकचधरै ॥

॥ अथआमाशयवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ चित्राइंद्रयवकौडपतीस पाठाहरडेंलेसमपीस सप्तरात्रिपिवैंजलसंग आमस्थानवातकरभंग दीपनपाचनऔषधषाय लंघनवमनरेचकरवाय पथ्यमुंगीअरुपुरातनचावल आमाशयवातहरैतिहनिश्चल हरडछालवापुष्करमूल कचूरविल्वगिरगिलोयसमतूल देवदारुवचसोंठपतीस वायविडंगपीपलसमपीस काढाकरैप्रातउठपीवै आमाशयकीवातहरीवै ॥

॥ अथपक्काशयगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पक्कआममोंइस्थितहोय शूलआंद्रकूजनकरसोय विष्टामूत्रकष्टसोंआवै अफारत्रिकुलपीडाउपजावै ॥

॥ अथपक्काशयगतवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ स्नेहविरेचनवस्तीजान सलवणजुभोजनहितकरमान ॥

॥ अथकुक्षिवातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सुंठीचित्राकोगडवीज समलेचूरणजलसोंपीज प्रातहिंपीकुक्षवायुनसावै दुःखमिटैव्याधीसुखपावै ॥

॥ अथगर्भवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ विकाररूपजवमारुतधारै पित्तकफकोंदूषितकरडारै गर्भस्थानप्रवेशाकरसोय गर्भसुकायडारतहैजोय तिहकरवालकसूकतजाय शुष्कवालकत्रियजन्मैआय ॥

॥ अथउसकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ काश्मीरीअरुसितामुलठ चूरणसमपयषायइकठ ताहिश्रेष्टयहचूरणअहै शोषरोगविनवालकलहै ॥



॥ अथगुदामेंरहेजोवातउस्कालक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मलमूतरजववातरुकावै उदरशूलअफारप्रगटावै पथरीरोगसोईप्रगटाय अंगनमोंअतिपीडकराय जंघउरुत्रिकपादजुपृष्ट पीडाशोथहोयातिसरिष्ट वस्तिकर्मसेंयहरुजजाय-ग्रंथप्रमाणकह्योसुवनाय ॥

॥ अथहृदयवातलक्षणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोहृदत्रिकुलमुंहडेअरुग्रीव प्रविसेमारुतयोंलषलीव वमनकरावैलेनसवार इहउपा-यताकोंसुखकार ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ प्रियंगूमूलजुमरचगिलोय समलेंजलसोंपीवैसोय हृदयवातनाशहोइजाय होइआरोग्यरोगीसुखपाय ॥ अन्यच ॥ असगंधवहेडेसमयहआन नीकेपीससज लकरपांन तौभीहृदयवातमिटजावत समुझलीजियेंअैसेंगावत ॥ अन्यच ॥ देवदारुसुंठीसमलीजै तप्तोदकसोंचूरणपीजै हृदयवातपीडानरहाय रोगजायरोगीसुखपाय ॥

॥ अथश्रोत्रादिवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ श्रोत्रादिकइंद्रीमोंकोपै वंधकरैसभइंद्रियलोपै विषयअपनेग्रहशक्तिनधरै हीनपराक्रम तालषपरै ॥

॥ अथयत्न ॥

॥ चौपई ॥ सेकतैलादिकमर्दनकरै यहीवातकोंनिश्चैहरै वातहरणलेपजोहोय तामोहितक रजानोसोय ॥

॥ अथशिरानाडीगतवातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोनाडीनमोंवातविकार कुवजशूलकरतासुनिहार नाडिनकोंसोस्थूलकरावै ख-लिसंकोचसिराप्रगटावै.

॥ अथस्नायूनाडीगतवातलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ स्नायूगतजववातजुहोय ऐसेलक्षणकरहैसोय सर्वअंगवाएकजुअंग उपजेरोगकरे-तिसभंग ॥

॥ अथयत्न ॥

॥ चौपै ॥ फस्तकरैरोगयहजाय ग्रंथसमस्तमोंकह्योवनाय रक्तदूरकराविधीकरावै स्नायूगतवायू-नरहावै

॥ अथसंधिगतवातलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ संधिनगतजोहोवेवात संधिनकोसोकरहैघात शूलअवरजोशोथजनावै संधीगत-विधिवातजुगावै ॥

॥ अथपंचांगवातलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ प्राणउदानसमानजोकाहिएव्यांनअपांन प्राणादिकयहपांचहैतिन्हकोंकहोंनिदान ॥ चौपई ॥ प्राणवायुपित्तसंयुतजोय छर्ददाहउपजावैसोय कफसंयुक्तप्राणजोवाय तंद्राविरसदुर्वलउप-

जाय पित्तयुक्तअपानजवहोय दाहउष्णतनकरहैसोय रक्तमूत्रतिसनरकोआवै असैंपित्तयुतलक्षणगावैं कफसंयुक्तअपानजुहोय अधंतनसीतगुरुताकरसोय व्यानपित्तसोंमिलहैजवहीं दाहगात्रविषेपक्लम-करही व्यानमिलेजबकफसोजाय दंडन्यायअस्तंभकराय शूलशोथउपजावतसोय कफसंयुक्तव्या-नजवहोय अन्नअरुपांनवचनमंझार तिसकरविनसमर्थनरनार जोउदानपित्तयुतहोय मूर्छादाहभ्रम-करहैसोय कफसंयुक्तउदानामिलीजै स्वेदरहितमंदअग्निभनीजै शीतकरैरोमांचकरावै एतेलक्षणताकेगावै पित्तसंयुक्तजुहोयसमांन स्वेददाहमूर्छाकरजान देहउष्णराषतहैसोय पित्तसंयुक्तसमांनजुहोय कफसं-युत्तजुसमानकहावै विष्टामूत्रवंधकरवावै अरुरोमांचदेहमोकरै एतेलक्षणयहनिजधरै असैपंचवायु-कोंजानो आगेऔरकहैसोमानो

॥ अथयत्नसंधिनाडीगतवातका ॥

॥ चौपई ॥ सेकतैलमर्दनहितकार इंद्रवारुणीजढलेधार फुनपीपलतामोपीसाय ढाइटंकगुडसा-थहिखाय संधिप्राप्तवाताजिहहोय सबहीवातनिवारैसोय जाहिसंधिनाडीगतवात आमसहितसो-कोपादिखात तिंहसनेहमर्दनकरवावै अग्निगुल्हतादेहदिवावै अरुबंधनतातनकोंकरै योंवातजपीडा-परिहरै ॥

॥ अथकंपवातलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ याहीसटीलापथरीकरै मूत्रकृछ्रादिरोगबहुधरै शिरसर्वांगकंपावैजोय कंपवातक हियतहैसोय ॥

॥ अथकंपवाताचिकित्सा ॥

चौपई ॥ सर्वअंगशिरादिकजेऊ जासअनलतेंकांपेतेऊ वेपथनामवातसोकहिये तिंसस्वेदमर्दन-हितलहिये बलामरकटीअवरशतावर सितपुनर्नवाइन्हकीलिजढ सेंधाइहइकसमसभलेय जिगणका-तरुरसतिहदेय सभसमतैलमिलायपकावै मर्दनकरैवातरुजजावै

॥ अथतंद्रादिलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ कफसैंमिलतहोयजोवाय अरुचगौरवतंद्राउपजाय रहैघूर्निंतासिथलजुदेह ऐसेलक्षण-जांनोतेह;

॥ अथतंद्रादीचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ लेसुरमाअरुलोधरमरच लोहचूर्णगोपित्तहिंसरच षावेताकोतंद्राजाय अरुचगौर-वताताहिमिटाय ॥ अन्यच ॥ गंढलसणवरचअराहिंग कौडजीवंतीसमलेसंग जीवंतीरसमेल-षवावै कफयुततंद्रावातामिटावै.

॥ अथसुप्तवातचिकित्सा ॥

॥ अथकाथ ॥ चौपै ॥ हरडसुंठअरुपुष्करमूर मघांदेवदारूजुकचूर गिलोयवाडिंगवासाजुपतीस इन्हकोकाथकरैसमपीस सुप्तवातकोहरताएह यहनिश्चैमनमोधरलेह दुग्धप्रियंगमूलपिसाय दुग्धसंगता-कोसुपिलाय सुप्तवातकोहोइहैनाश रुधिरमोक्षऔषधहिततास.

॥ अथवृषणवातचिकित्सा ॥

॥ अथतैल ॥ चौपै ॥ प्रातःतैलआद्रकरससंग पीवैवृषणवातहोइभंग अथवामर्दनकरैवनाय रोगजायरोगीसुखपाय

॥ अथसामान्यवातरोगोत्पत्तिःचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सामान्यचिकित्सायाकीकहों मर्दनतैलजुपरसालहों जोविशेषयालक्षणलहों सोसमस्तअबभाषनचहों कफसेतीमिलहैजबवाय देहस्तंभकरैदुखदाय ॥ अथवातहरणनसवार ॥ चौपै ॥ मरचसुहांजणाबीजविडंग मरुवालेसमपीसोचंग सूक्ष्मकरदेवैनसवार नाशहोइतबवातविकार ॥ अथ चूर्ण ॥ चौपै ॥ अमलवेतदाडिमसुठहिंग सौचललवणलीजियेसंग यहसमचूरणखावैजोय रोगवातकफहरहैसोय ॥ अथगुग्गुलुवटका ॥ चौपै ॥ त्रिफलामघयहपलपललीजै एलादालचानाअधअधपलकीजै गुग्गुलुपांचपलपीसमिलावै दशमूलक्काथसोंघरलकरावै सातपुठताजलकीदीजै तिहसुकायपुनपुनसोंलीजै बलअनुसारवटकाकरखाय मज्जासंधिगतवातनरहाय खावैगुटकामांसरससाथ हरेवातसबही सुनगाथ अथएरंडादिगुग्गुलु चौपै सितएरंडादिमूलत्वचआन सहचरदोयमूलत्वचठाान मुत्थरजवांहांबांसाजांनो देवदारुकौडपुनमांनो हरडैबलादोयकंडयारी दोइपुनर्नवाचाहियेडारी पंचकोलअजमोदशतावरि असगंधगिलोय सटीहलदधरि भषडाअमलतासविडंग धनियांदालहलदधरसंग शत्पुष्पाजानोदो यप्रकार वरचविधारातामोडार अजवायणअरुआनपतीस सभसमगुग्गुलुमेलोपीस बलअनुसारयाहिनितखावै सभहीवातविकारमिटावै याकोंदीपनपाचनजान आमवातशोथकरहान अथत्रयोदशांगगुग्गुलु चौपई हरडअसगंधहीवेरैगिलोय गोखुररहसणसटीसमोय विधारासौंफअजवायणआन सुंठशतावरसमलेठान चूरणकरसमगुग्गुलुडारे तिसतैंअर्धघृतपायसुधारे चारटंककोगुटकाकरै खावैवातव्याधकोंहरै कोसेजलसोंगुटकाखाय अथवामद्यसाथअचवाय साथमांसरसवापयसंग खावैगुटाकरुजहोयभंग गृध्रसीकटपीडामिटजाय वातअवरकफरोगनसाय बाहुपृष्टहनुजानूपाद संधअस्थिमारुतवरवाद कोष्टसनायुगतवातविकार योनिदोषहृदग्रहकोंटार भग्नअस्थिषंजअरुपंगु इत्यादिकरैइहगुग्गुलुभंगु अथस्वयंभवगुग्गुलु चौपई त्रिकुटादोनोलेवैक्ष्यार तीनोलवणहरडपुनडार दोईजीरेअजवायणदोय चित्राचवकवरचसंजोय सोमराजीअरुपिपलामूल यहसभलीजैइकसमतूल इन्हसभसमपुनगुग्गुलुपावै अमलवेतइकपादरलावै गुटकाबांधेबलअनुसार खावैआमवातकोंटार संधिअस्थिमज्जाकीवाय इत्यादिकमारुतरुजजाय भग्नअंगकोंयहदृढकरै दीपनअरुपाचनलखपरै देवनदेवस्वयंभूगायो स्वायंभवयोंनामकहायो ॥ अथपत्रलवण ॥ चौपई ॥ एरंडअरुआटरूषकआन मुष्कनक्तमालपहिचान चित्राअरुपूतीकपछानो इन्हकेहरैपत्रसमआनो सभसमलवणजुसिंधुमिलावै सभहीऔषलपायकुटावै पुनसनिग्धघटमोंसोडार तापरगोवरलेपसुधार अग्निमाहिधरआगादेय योंपकायकरखावैतेय वातरोगकोंश्रेष्टविचार बंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथसनेहलवण ॥ चौपई ॥ थोहरगतलेअरुवृंताक सैंधालवणसमुझयहवाक यहसमकूटकलसमोपावै मज्जावसाघृततैलसमावै गोवरलेपकीजियेजास अग्निपकायसेकियेतास वातरोगकोंजीतैएह ऐसेंअपनेमनलखलेह ॥ अथतिल्वादिघृत ॥ चौपई ॥ लोधरलीजियेपलपरिमान कर्षकर्षयहऔषधठान त्रिफलादंतीत्रिवीविडंग शंखनिअरुगिलोयधरसंग दधिअरुत्रिफलेकाजोकाथ

चारगुणामेलोतिहसाथ प्रस्थएकघृतपायविचार मंदअग्निसोंताहिसुधार नित्यप्रातउठयहघृतषावे वात रोगकोंसोईमिटावे ॥ अथराष्णादिघृत ॥ चौपई ॥ रहसणचित्रामघामंगाय बिल्वसुहांजणासेंधापाय भषडेलेपुनपुष्करमूल कर्षकर्षलीजेसमतूल यहचूरणसंगघृतयुपकावे खावैवातव्याधमिटजावे ॥ इति-रास्नादिघृतः ॥ अथअश्वगंधघृतः ॥ अश्वगंधकोकाथकरावे दुग्धचतुर्गणप्रस्थघृतपवे वातरोगकोंघृत-यहहरै देहधातुपुष्टबहुकरै ॥ अथदशमूलादिघृत ॥ चौपई ॥ चारचारपललेदशमूल प्रस्थप्रस्थपुनइहस मतूल वदरीफलकुलत्थयवआन द्रोणतोयमोंकाथसुठान गणजीवनीयपलएकप्रमाण ताहिक्काथसंग करोमिलान रहैपादशेषसोजवे प्रस्थएकघृतडारितवे चारप्रस्थपयपायपकाय षावैवातजव्याधनसाय. ॥ अथछागलादिघृत ॥ चौपई ॥छागलएकपुष्टमंगवावे चरमशृंगपगदूरकरावे अरुताकीमलदूरनिवार द्रोणएकजलमोंसोडार पलवत्तीसपाददशमूल अग्निजलायचढावैचूल पदाशेषरहैबहजवै तलेउतार. छनावैतवे प्रस्थदुग्धप्रस्थघृतपाय मंदअग्निकरताहिधराय मुलठशतावरिगणजीवनीआन कर्षकर्षपसोंतं इठान इहप्रकारपकायसुषावे वातरोगआर्दितमिटजावे करणशूलवधरतानाशै मिनमिनजडतातासाबिनाशै मूकहोयबाचालसुवाणी गदगदस्वरकीहोवतहानी गृध्रसिपंगुषंजअपतान अपतंत्रवातकीहोवेहान अथवलातैल चौपई बलाअवरएरंडसमआन काथबनावैवैद्यसुजान तासोंतैलपकायजुषावे सभहीवातव्या धमिटजावे अथमहाबलातैल चौपई बलाअग्निमंथएरंडदोइ कंडचरीअरुअसगंधहोई बिल्वगोषुरूअव रशतावर नागवलास्योनाकतहांधर दोसहचरपाटलपुनपावे शालिपर्णिपृष्टपर्णिलषावे अरुप्रसारणी-औषधघाल केतकीविकायणतामोडाल दशदशपलयहऔषधलेय दोयद्रोणजलमोंजुधरेय मंदअग्निसों-जाहीपकावे पादशेषजबरहैछनावे दोप्रस्थतैलपुनताहीमिलाय कर्षकर्षयहचूरणपाय रहसणजीवनी-गणमांसीकुठ सैंधावरचएलाजुइकट तालीसपत्रदालचीनीठान मुत्थरमंजीठतहांकरोमिलान देवदा-रुअरुबालापाय कंकुष्टशरलपुनाताहिमिलाय अरुतंहपावोपिपलामूल पीसपायसभहीसभतूल दूधदोइ-गुणताहीरलावे शतावरिरसगुणचारमिलावे सभएकत्रकरअग्निपकाय शीतलकरवासनधरवाय षावैम-लैलेयनसवार सर्वरोगवातजकोटार अरुयहवातरक्तकोंनाशै आमवातयहरोगविनाशै ॥ अथअन्यम-हावलातैल ॥ चौपई ॥ बलामूलकोकाथवनावे अरुदशमूलीकाथकरावे यवकुलत्थवदरीफलतीन इन्हकोकाथाभिन्नपरवीन अठअठप्रस्थजुइन्हकोकाथ एकोप्रस्थतैलदेसाथ एकप्रस्थगणमधुरमिलावे पुनइहऔषधताहिरलावे सेंधासर्जरसलेसुरदार सरलवृक्षकुठएलाडार अगरतगरलेकाष्टमंजीठ छडमो ड्योधरचंदनई तालीसपत्रसारिवापछान वरचशैलेपजुसौंफसुठान असगंधशतावरिइटसिटलीजै यह-कर्षकर्षसमभागगहीजै इहप्रकारसोंतैलपकाय स्वर्णरजतमृतभाजनपाय वलअनुसारताहिकोषावे सभहीवातविकारनसावे प्रसूतवातयुतइस्त्रीजोय षावैवातप्रसूतजषोय गर्भार्थनीजुषावैएह गर्भप्राप्तहो-वैपुनतेह वलकरहीनपुरुषजोषावे वलप्राप्तीथिरयौवनथावे श्वासकासहिडकीहोइनाश अंत्रवृद्धजुगु-ल्मविनाश यातेंराजाधनीकहवत तैलजुषायपरमसुखपावत ॥ अथसहचरादितैल ॥ चौपई ॥ सहचरितुलाजलद्रोणपकावे तैलप्रस्थपादशेषमिलावे दुग्धचतुर्गुणपावेतैल पुनचूरणयहऔषधमेल चंदनअगरमुलठकचूर देवदारुसेंधातहांपूर मुत्थरअजमोदादोइजीर दोइकाकोलीजानोवीर सौंचल-कुठभिडंगीठान त्रिकुटारहसणभषडामान यहसभकर्षकर्षगहलीजें पुनीशरकराअष्टपलदीजैं याकों-पीवैमर्दनकरै अरुनसवारलेयदुःखटरै ऊर्धअधोबाहुकजोवात करणवातअरुपक्ष्याघात नाशहोंहिया-

गुणाविख्यात यहनिश्चयत्र्पानोयहवात वातत्र्पवरकफकेजुविकार नाशहोंहिसभयोंमनधार त्र्परुशिरकं-परोगमिटजावै वंगसेनयोंप्रगटजनावै ॥ त्र्पथमहासहचरादितैल ॥ चौपई ॥ सहचरिकाशमरी जुशतावर पाटलबिल्ववरचताहीधर बलामूलत्र्पसगंधपछान इन्हकोतुलातुलापरिमान चारद्रोणज-लपायपकावै चतुर्थभागरहैछानधरावै पुनशतावरीहिंगुमंगाय देवदारुरहसणपुनपाय तज्जमुलठीचि-त्राठान सेंधातगरविडंगपछान एलायहसभपलपलपावै दोइप्रस्थतंहतैलामिलावै मंदत्र्पग्निसोंलेहुपका य नित्ययथावलताकोषाय मर्दनकरैलेयनसवार त्र्पस्सीरोगवातकेटार चालीरोगपित्तकेनाशैं बीस-रोगकफकेंजुविनाशैं याहितैलकोपानप्रमान नाशैएतेरुजमनत्र्पान महासहचरादियहतैल षावैमर्दैव हुरुजठेल त्र्पथश्रीविष्णुतैल चौपई शालिपार्णीत्र्परुपृष्टजुपरणी भूमित्र्पावलीकठिकरणी एरंडमूलजोपूति कमूल सहचरिमूलधम्मणीमूल त्र्परुकंडचारीमूलजुत्र्पान त्र्पवरबलापलपलपरिमान प्रस्थतैलमोंपीसरलावै चतुर्गुणत्र्पजाबागोपयपावै त्र्पग्निपकायजुपावैतास वातरोगकोहोइहैनाश याहिवृद्धनरषावैजोय दीर्घत्र्पा-युजुवासोऊहोय घोडेहाथीकोंजुपिलावै बहुबलहोइवातरुजजावै हृदयशूलत्र्परुपार्श्वजुशूल पक्षाघातदो-षनिर्मूल कंकरिपथरीपांडुविनाशै रक्तवृद्धगलगंडहिंनाशै त्र्पवरकामलारोगविडारै बंध्याषायगर्भसोधारै षच रकोंजोदेवैएह गर्भधरैयामोंनसंदेह नरनारीषावैजोकोय जरामृत्यकोंप्राप्तनहोय वातविकारसकलहोए-नाश श्रीविष्णुवदनतैंभयोप्रकाश ॥ त्र्पथमहातैल ॥ चौपई ॥ बलात्र्पसगंधरहसणसुरदार वरचशाल-पर्णीपुनडार नागवलाचंदनजुभिलावै नतलोहसैंधात्र्पगरजुपावै पुष्करकाकोलीजुमुलठ विदारीचि-त्राकरोइकठ मेदागुग्गुलुजीराठान सुंठद्राक्षगुडधनियांजान यहऔषधसमलेयकुटावै सभतैंदुगुणोंतैल-मिलावै तोयचतुर्गुणतासामिलाय त्र्पमलकोजीदधिदुग्धसमाय विधिवततैलपकावैसोय षावैमलैवात-रुजषोय त्र्परुलेवैताकीनसवार स्तंभवातत्र्पपतानाविडार दंडवातत्र्परुपिंडतवात वेपमानवायूकरघात कुवजषंजवातयहनाशै वृद्धयुवासुंदरहोइभासै भग्नत्र्पश्वहस्तीकोंदीजै वेगतासमपवनलहीजै बंध्याषा-यपुत्रसमदेव दीर्घायुसभगुणयुतलेव त्र्पवयोसकलवातकोरोग याकरसभरुजहोंहित्र्पयोग ॥ त्र्पथलघु-नारायणीतैल ॥ चौपई ॥ शतावरीत्र्पंशुमतीजुकचूर पृष्टजुपरणीएरंडमूल बलाधम्मणीमूलपछानो सहचरिमूलकरंजूत्र्पानो पुनकंडचारीकोलेमूल दशदशपललीजैंसमतूल एकद्रोणजलपायपकावै पादशेषरहैताहिछनावै पुनयहत्र्पर्धत्र्पर्धपलत्र्पान इटसिटमरचशतावरिजान दालहलदचंदनकुठएला मांसीरक्तचंदनकरमेला त्र्पगरशिलाजितसेंधालून बलाशालिर्णीकरचून त्र्पसगंधमजीठजुमुत्थरत्र्पानो रींउदप्रयंगुतितडोठानो त्र्पवरस्थौणात्र्पानरलावै रहसणयहसभपीसमिलावै त्र्पजागोदुग्धप्रस्थदोपावै प्रस्थशतावरिरससंगरलावै प्रस्थतैलमोंपायपकाय पाछेचूरणयहतिसपाय लवंगदालचीनीनखमरच रसोंतजुनलिकामस्तकीसर्च मुष्ककपूरवरोजाकेसर लाजवंतिकस्तूरीतिहधर वस्तूयहतिसपीसरलाय बलत्र्पनुसारषायजुमलाय वातभग्नजोमानुषहोय हस्तीत्र्पश्ववातहतसोय तिन्हकोंजोयहतैलषुलावै इन्हसभकीवातजरुजजावै वृद्धयुवाहोएत्र्पतिबलवान बडीत्र्पारवलासंयुतमान त्र्पश्वतरीजोगर्भजुलहैं मानुषातियकीक्यागतकहैं हृदयशूलत्र्परुपक्षाघात पार्श्वशूलत्र्पपचीकोघात हणुग्रहगंडमालत्र्पशमरी पांडकामलाषीडाहरी ॥ त्र्पथमध्यमनारायणतैल ॥ चौपई ॥ बिल्वत्र्पग्निमंथस्योनाक त्र्पसगंधवकायणनि-श्वाक पाटलत्र्परुप्रसारिणीत्र्पान बलात्र्पतिबलाभषडाठान दोइकंडचारीइटसिटलीजै दशदशपलपरि-मानधरीजै द्रोणचारजलपायपकावै पादशेषरहैछानधरावै तैलप्रस्थदोइपायपकाय पुनयहदोइदो

इपलपाय सौंफसैलेयकुठसुरदार मांसीवरचतगरपुनडार चंदनएलाचारोपरणी रहसणसैंधाइटासि-
टवरणी अरुअसगंधपीसतंहपाय यहऔषधपावेसमभाय शालिपर्णीअरुमाषपर्णीजो पृथकपर्णीअ
रुपृष्टपर्णीसो चारपर्णीऐसैलषपाई भिन्नभिन्नसोभाषसुनाई पुनहिंसतावरिरसातिंहठान एकप्रस्थताको-
परिमाण दुग्धअजावागौकोआने परिमाणचतुर्गुणतामेंठानै इहप्रकारसोतैलपकाय नित्ययथाबलताकोंषा
य मर्दनकरैलेयनसवार नरहयहस्तीहोयबलधार पंगुअवरअधोवातनसावै शिरकीवातगलग्रहजावै ग्रीवा-
स्तंभदांतकेरोग हणूस्तंभहोइजांहिअजोग गतिविकलताअरुअंगशोष नष्टवीर्यताज्वरहरदोष इंद्रयक्षी-
णताहोवैनाश जिन्हादोषबुधदोषविनाश जिसीव।तकरकन्यासुतजो सूकजाहिहोयनाशपवनसों अरुजिस-
वातहुतेंजोनारि सकहैंनांहिगर्भकोधारी सोभिवातअरुवृषणनवात अंत्रवृद्धवातनरहात ॥ अथनारायण-
तैल ॥ चौपई ॥ विल्वअसगंधबलास्योनाक अग्निमंथनिश्चैलषवाक पाटलमूलअतिबलाजान
दोइकंडचारीमूलपछान भषडेअवरवकायणलीजे अरुपरसारिणीसमुझपतीजे अरुतिहलघुजुकरेलेठान
प्रस्थप्रस्थइन्हकोपरिमान अष्टद्रोणजलपायपकावै पादशेषराहिजवलषपावै दोइआढकतिसतैलरलाय
दोइआढकबकरीदूधमिलाय रसशतावरीआढकदोय पुनइहऔषधताहिसमोय रहसणचारोपरणीजान
असगंधअगरगजकेसरठान सैंधाकुठमांसीसुरदार दोनोहल्दीचंदनडार तगरमुलठशिलाजितपावै
तालीसपत्रसुपलासमिलावै पुष्करमुत्थरभंगराजीरा वरचकुठेरणचोरकवीरा अष्टवर्गपुनमानसुजान
दोदोपलइन्हकोपरिमान कस्तूरीकेसरकरपूर यहतीनोंपलपललेपूर विधिवतसोंपकायकरधरै नित्यय-
थाबलभक्षणकरै नरहयहस्तीकोंजुधुलावै सर्ववातहरबलसुवधावै पंगुवातअरुपक्षाघात अर्दितवात-
शोषनरहात कंपवातवधरताषोय वीर्यनाशवातहतहोय ग्रीवास्तंभजुगलग्रहजावै हणूस्तंभवातनरहावै
वंध्याइस्त्रीयाहिजुषावै देवसमानपुत्रउपजावै दुष्टप्रजाजिसनारीहोय सुष्टप्रजाकोंप्रापतसोय भुजादि-
कशाखावातनिवारै जिन्हारोगदांतरुजटारै शूलउन्मादकुवजज्वरनाशै पवनविकारजुसकलविनाशै
तैलजुयातैंउत्तमपरै ताहिनमनमेंनिश्चैधरै इसकरआवंलअधिकाहोय इस्त्रीप्रियहोवतनरसोय अरुल-
क्ष्मीकोंप्रापतहोय जयकामीजयप्रापतिसोय राक्षसदुष्टभूतअरुप्रेत अरुपिशाचभयनाशनहेत जोइसतैल-
हिंसेवनगहै वर्षपांचसौजीवतरहै पूर्वदेवअसुरकोयुद्ध होतभयोवडलोकप्रसिद्ध सुरसभअंगभग्नहोइगये
याकरहोतभयेअंगनये तिन्हानिमित्तनारायणस्वामी तैलरच्योयहअंतरजामी याकरस्वरणपृष्टताधारी
भयेदेवसभरहितुविकारी तातैंपंडितवैद्यनजान नारायणतैलकहिनामवषान ॥ अथमाषादितैल ॥ चौपै ॥
प्रस्थमाषअढिकजलपाय पकावैपादशेषरहैआय चतुर्गुणतामोदूधसमावै प्रस्थतैलपुनपायपकावै जीवं-
त्यादिकअष्टवर्गजो सैंधासोंफमर्कटीलषसो रहसणकौडजुकुठमुलठ कर्षकर्षइहपीसइकठ यहपुन-
पायपकायजुषावै मलैकरणशूलमिटजावै मंदश्रवणअरुपक्ष्याघात अंधरातापवाहुकवात हस्तकं-
पशिरकंपमिटावै जत्रूऊर्धवातनरहावै यवतिलमाषयहत्रैजुप्रशस्थ इन्हकोषोडशपलकोप्रस्थ घृतमधु-
तैलतीनयहजान इन्हकोकुडवअष्टपलमान ॥ अथमध्यममाषादितैल ॥ चौपै ॥ माषधिकाथबलाकोकाथ
वेरकाथयवकुलथनकाथ यहसभकाथकरोइकसाथ रहसणकाथदशमूलजुकाथ छागमांसरसअवरजुतैल
प्रस्थप्रस्थसभकीजेमेल चतुर्गुणतामोंदूधरलाय अरुयहचूरणतामोंपाय रहसणआत्मगुप्ताजान सैंधाल-
वणशतावरिठान एरंडबलाजीवनीयमुत्थर त्रिकुटाकर्षकर्षतामोंधर मंदअग्निसोंताहिपकाय षाययथा-
बलदेहमलाय हणूपृष्टवातयहनाशै वाहुकंपशिरकंपविनाशै बाहुशोषअपबाहुविडारे करणशूलवधिरता-

टारै करणनादविश्वाचीजाय कुवजगृध्रसीअपतानमिटाय एतेवातविकारनसावै जत्रुऊर्धवातमिटजावै ॥ अथमहामाषतैल ॥ चौपै ॥ आढिकअर्धमाषजोलीजे अर्धतुलादशमूलभनीजै छागलमांसतीसपलपावै तोयद्रोणमेंपायपकावै पादशेषइकरहैसोऊजब प्रस्थतैलपावितामेंतब पुनहींदुग्धचतुर्गुणपावै कर्षकर्षयहचूरणमिलावै जीवनीचवककायफलजान चित्रात्रिकुटारहसणठान आत्मगुप्तासौंफमंजीठ एरंडधात्रीफलसुनईठ तीनोंलवणशतावरिमानो भषडेअसगंधवरचपछानो अजवायणकचूरसमजोय पुनहीतामेंपायगिलोय मंदअग्निसोंताहिपकावै षायमलैनसवारदिवावै नेत्रनकाननमेंपुनडारै करणशूलवधताटारै कंपमिटैशिरग्रीवापाद अंधराताजावैइत्याद

॥ अथसामिकमहामाषतैल ॥ चौपई ॥ आढिकमाषजोसुद्धमंगावै दशदशपलयहऔषधपावै परसारिणिअसगंधशतावरि केतकीमूलअतिबलासहचरि एरंडबलाअवरदशमूल आत्मगुप्तालषसमतूल चौहटपलकुर्कटकोमास द्रोणदोयजलमेंलोतास अग्निचढायपकावैसोय पादशेषरहैछाणेजोय तामेंदुग्धद्रोणइकपाय दोयप्रस्थतंहतैलमिलाय पलपलकरमहीनयहचूरण ताकेमध्यकीजियेपूरण जीवन्यादिअष्टजोवर्ग चंदनकचूररहसणसंसर्ग सैंधावलाकुठसुरदार शुकाशींवीएलापुणडार मांसीसौंफविडंगाविदारी परसारिणीमुलठीडारी शल्लवृक्षवरचअसगंध दालहलदत्रिकुटासंबंध अमलवेतपुनर्नवाआन एरंडजडसमकरोमिलान सभमिलायमंदाग्निपकावै बललषपीवैदेहमलावै अरुताकीलेवैनसवार अरुनेत्रनकानोंमेंडार करणशूलशिरोरोगानिवारै हणुवातमुखरोगविडारै ग्रीवास्तंभअपवाहुकनाशै करणश्रावहृदरोगाविनाशै अंधराताजुवधतापोय वातगृध्रसीहरहैसोय कटग्रहअवरत्रिदोषजवात आमवातयहकरहैघात विशूचीअवरपार्श्वकोशूल आंत्रवृद्धवातनिरमूल अंडवृद्धवातमिटजावै षंजपंगुसोवातमिटावै जंघाउरूपादपृष्टदुःख वातरक्तपीनसहरहोइसुख जराअवरषल्लीकोवात नाशवातकेशनकोपात एतेवातविकारामिटावै मांसवीर्यबलदेहवधावै बंध्यापायसुपुत्रहिजणै गर्भणीपायसुतश्रेष्टसगुणै हस्तीअवरऊंठअसवारी यातेसिथलसंधदुःखभारी यातैंलहिकरसांधेजोय होंहिसुथलपीडासभषोय सभहीवातविकारनएह इंद्रवज्रसमजानोतेह अत्रीगोत्रकृष्णरिषिभाष्यो सवलोकनकोंहितकरआष्यो ॥ अथअन्यमहामाषतैल ॥ चौपई ॥ माषजुआढिकअर्धमंगावै अर्धतुलादशमूलमिलावै तिसतेंअर्धबलाकोमूल तातेंअर्धकेतकीमूल पक्षिकुरलमासतीसपलपावै चटिकमासपलपचीसरलावै तोयद्रोणदोयपायपकावै शुद्धवस्त्रमोताहिछणावै पादशेषरहैवहजवै प्रस्थतैलमेलेतंहतवै दुग्धमिलावैप्रस्थजुचार याहिविधीसोंताहिनिवार जीवन्यादिअष्टजोवर्ग त्रिकुटाचवककरोसंसर्ग तीरहसणएरंडपिपलामूल मंजीठकायफलपुष्करमूल आत्मगुप्ताअवरमुलठ कुठशतावरिकरोइकठ तीनोंलवणअवरअसगंध गिलोयजवायणकरसंबंध मुस्थरसुंठीवरचशौंफवर दोइकंडयारीइटसिटतंहधर दोनोरजनीअवरकचूर यहसभकर्षकर्षलेपूर तैलपकावैषावैमलै पक्ष्याघातअंधराताटलै मंदश्रवणअपतानकवात ग्रीवास्तंभकंपतनघात करननादाशिरकंपनसावै हस्तकंपअरुपंजमिटावै हणुस्तंभपरसूतीवात दंडवातभाग्योकंहुंजात अंडवृद्धयहवातनसावै आंत्रवृद्धवातमिटजावै इत्यादिकसभवातविकार नाशहोंहिजानोमतसार ॥ अथसिद्धार्थिकतैल ॥ चौपई ॥ दूधलेयआढिकपरिमाण छाणकडाहेकेमधटान शतावरिकोरसप्रस्थजुदोय •आद्रकरसइकप्रस्थसमोय प्रस्थएकपुनतैलमिलावै कर्षकर्षऔषधयहपावै मांसीचंदनतज्जशतावरि दालहलदएलारहसणधारि अंशमतीसेंधा

सुमंजीठ तगरजवायणतंहधरईंठ एरंडमूर्वामरचमिलाय असगंधसुंठकरचूर्णरलाय वालाअवरशै लेयमिलाय पात्रपायकरअग्निचढाय सभामिलायमंदाग्निपकावै मासपर्यंतयथाबलषावै कुब्जवात-वामनकरवात पंगुभग्नवातनरहात् अवकुंचनवातजायएकांग हणुग्रहवातरक्तसर्वांग पामाकंडूकुष्टविडारे विचर्चिकाअरुगंडमालाटारै मुखकोपाकउदरकोरोग भगंदरव्रणरु-जहाँहिअजोग सन्निपातज्वरविवधप्रकार शूलगुल्मविषभ्रमकोंटार आंत्रवृद्धअंडवृद्धनाशै शरकरापथरी-पांडुविनाशै नेत्ररोगकामलानिवारै वंध्यातियकोदोषविडारै स्मृततीक्षणकरदृष्टिबनावै बलअरुवरण-आयुवरपावै परमरसायणयाकोंजान वंगसेनयोंकीनवषान ॥ अथशतप्रसारिणीतैल ॥ चौपई ॥ शतपलइकप्रसारिणिलेय पादचतुर्थकाथकरतेय प्रस्थएकपयताहिरलाय तैलप्रस्थलेताहिमिलाय जीवकरिषभमेदकाकोली चंदनकुठशवातरिघोली दालहलदमंजीठरलावै रहसनकर्षकर्षयहपावै ताहिपकायमलैअरुषावै ताकोंगुणसुनग्रंथसुनावै समस्तवातरुजनाशविकार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अथात्रिंशतप्रसारिणीतैल ॥ चौपई ॥ प्रसारिणीअवरलेयदशमूल असगंधतुलजुतुलासम-तूल द्रोणद्रोणजलमोंयहडारै भिन्नभिन्नत्रैकाथसुधारै पादशेषइन्हकोजबरहै वस्त्रछाणकठेकरगहै-तिन्हमोंआढिकतैलमिलावै आढिकआढिकपयदधिपावै इकआढिककांजीतिहडार दोदोपलऔ-षधयहधार मंजीठमुलठीपिपलामूल दोइक्ष्यारचित्रासमतूल अवरवहेडेसैंधाजान पुनप्रसारिणी करोमिलान जीवन्यादिअष्टवर्गंजो यहऔषधडारैपलपलसो सुंठपंचपलतामोंठान पलजोतीस-भिलावैमान सभइहपायइकठेकरै पात्रसुमंदअग्निपरधरै ऐसेतैलपकावैषावै तनमोंमलैवातरुज जावै हणूसंधअस्थिदुःखनाडि इन्हकोपीडाहरैविकारि स्मृतीमेधाकरबलपुरुषारथ आग्निवधैयहकह्यो-यथारथ ॥ अथलसणतैल ॥ चौपई ॥ लसणकुटायलेयरसजास तासमतैलमिलावैतास मंदअ-ग्निधरताहिपकावै तनमोंमलैयथाबलषावै वातसमस्तविकारमिटावो विनारोगहोइकैसुखपावो ॥ अथमूलिक्यादितैल ॥ चौपई ॥ बालमूलिकारसकढवावै आढिकतासप्रमाणधरावै दूधद-हीअरुकांजीजान आढिकआढिकतामोंठान आढिकतैलमिलायपकावै तिन्हकेमध्यऔषधीपावै रहसणबलाअतिविषाजान सैंधासुंठसुहांयणाठान मघपीपलगजपीपलपाय चित्राभषडावरचमि-लाय अवराभिलावेपलपलपावै ताहिपकाययथाबलषावै अरुतनमलैवातरुजनाशै अपतानकवा-तशोषजुविनाशै कटीवातउरुस्तंभमिटावै पंगुपर्वपीडानरहावै कंपवातअरुगुल्मविडारै वंध्यापुत्र-गर्भकोधारै ॥ अथदशमूलादितैल ॥ चौपई ॥ दशमूलबलारहसणअसगंध गिलोयपुनर्नवा-करसंबंध करंजूएरणरोहिषभिंडंगी सहचरिपायशतावरिचंगी काकनासापुनवासाठान इकइकपल-इन्हकोपरिमान जवअरुअलसीमाषमंगावै वदरीफलकुलत्थसमपावै प्रसृतिप्रसृतिइन्हकोपरिमान चारद्रो णजलमोंसभठान मंदअग्निधरताहिपकावै द्रोणशेषरहैताहिछनावै आढिकगोपयआढिकतैल अरुयह-औषधतामोमेल जविन्यादिअष्टजोवर्ग पलपलतिहकीजैसंसर्ग इहविधितैलपकावैषावै मलैसम-स्तवातमिटजावै ॥ अथअसगंधादितैल ॥ चौपई ॥ इकशतदलअसगंधमंगावै द्रोणएकज-लपायपकावै पादइकशेषरहैसोजवै आढिकतैलमिलावैतवै आढिकचारदुग्धपुनपाय पलपलऔषध-चूर्णमिलाय कमलभेहशालूकजुकंद पद्मसारवातिन्हमोवंद मेदाइटसिटअरुगजकेसर द्राक्षमंजीठकं-इयारीदोधर मालतीपुष्पकमलकोकेसर दालचीनीलेताहीमोधर एलात्रिफलाचंदनमुस्थर पद्मकाष्ठ-

अरुलेतजपत्तर यहसभपलपलपायपकावै तनमोंमलैयथाबलपावै वातरक्तपित्तरक्तविनाशै सकलविकार-बातकेनाशै अरुयहतैलपुष्टताकरै असैंनिश्चयमनमोंधरै ॥ अथशतावरितैल ॥ चौपई ॥ शतावरिरस-पुनदुग्धजुतेल प्रस्थप्रस्थलेतीनोंमेल गोवरअग्निसंगसुपकावै कर्षकर्षयहऔषधपावै शतावरिअंसमती-यहजान पृष्टपर्णिपुनतामोंठान दोइबलाअरुएरणमूल सहचारिमूलपायसमतूल असगंधविल्वअरुभषडा-आन पञ्चकाथकरपायपकान याहिक्वाथमोंतैलपकावै चंदनबलाशिलाजितपावै मांसीतगरकुठअ-रुएला अंशमतीतामोंकरमेला वृद्धजीवककाकोलीपाय उत्पलवरचमुलठमिलाय देवदारुशतपुष्पालेय-पैसमहीनकरचूरणतेय यहचूरणतैलहिंपायपकावै पीवैमलैनसवारदिवावै अंगपीडाशिरपीडाजाय देडवातअपतानामिटाय नाशैवातरक्तअरुदाह शोथकामलानाशैताह गलग्रहपांडुयोनिकोशूल अवर-अफाराहोइनिरमूल वंध्याइस्त्रीजोयहपावै पुत्रसुपुत्रजनेसुखपावै ॥ दोहा ॥ वातचिकित्सायह-कही वंगसेनअनुसार समुझवैद्ययाकोंकरैमिटहैवातविकार ॥ इतिसमस्तवातविकारचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथवातरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातरोगकेपथअपथसभहीकरौंवषांन करैचिकित्सासमझकरतातैंहोयनहांन ॥ अथपथ्यम् ॥ ॥ चौपई ॥ वुटणामर्दनतैलपछान स्वेदकरावैअरुघृतपान अग्निकर्मअरुबंधनजानो भूमिशयनपुन, पथ्यपछानो आतपअरुजलतप्तस्नान वसामिंझघृततैलप्रमान सठीचावलकनकलहीजै रसकुलत्थति लपथ्यकहीजै वरषएककेजीरणमाष चणेमुंगमोठपथभाष मद्यअश्वउष्टरषरमास श्याममहिषमासपथ, तास बत्तकहंसमुरगावीजानो वगलामूषिकपथ्यपछानो भेडमांसगुहनकुलकहीजै सेहचिडामछील; षलीजै वनकुंकटअरुतीतरमोर पक्कतालफलजानपटोल हिरनोलीकोतैलसुजानो अंबउष्णजलनीके' मानो लुस्सणअरुतांबूलभनीजै महूफालसेपथ्यकहीजै पक्कदडूनीअवरअनार सुंठद्राक्षभषडेउरधार जंभीरीजुवकायणजानो दुग्धअवरगोमूत्रपछानो सनिग्धउष्णभोजनकरवावै सनिग्धउष्णतनलेपल. गावै आमस्थानवातजोजावै तिसरोगीकोंवमनकरावै अन्नपाकअस्थानजुवात करैप्रवेशदुःखहोइगात रेचनपथ्यतासकोकह्यो जैसेंवैद्यग्रंथमतलह्यो जोहाडोंमोंवातप्रकाशै गुग्गुलुपथ्यतासकोभासे त्वाचा, मांसरुधिरशिरजाय रुधिरमोक्षतिसपथ्यकहाय उदरअफारपवनकरैहैजब लंघनकरवावैंव्याधीतब अत तीक्षणवस्तूंभुगतावै वातपथ्यनसवारकहावे ॥ दोहा ॥ पथ्यनिरूपणयहकियेवातविकारमंझार सुनोचि त्समनलायकैकरोंअपथ्यउचार ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ विष्टामूत्रवेगकोधारन जाग्रणचिंताकीनउचा; रन केऊमटरसवाकपछानो कंगुणीसणकेबीजवषानो इत्यादिकवातलजोअन्न सभीअपथ्यजानमन मन्न वमनअवरश्रमभेइजुकहै वालतालफलरुंबललहै शालूककंदशीतलजलगनेउ रुधिरमोक्षमाष्यो. पुनभनेउ अवरकरेलेमैथुनभाष्यो अन्नविरुद्धअपथ्यसुआष्यो घर्षणदशनतीक्षणकटुरसजो अश्व. अवरगजपरचढनासो ॥ दोहा ॥ वातरोगकेपथअपथसभहीकहेसुनाय जैसेंभाषेशास्त्रमोंतैसेदियेलषाय ॥ इतिवातरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥ दोहा ॥ वातरोगवरनाकियोप्रथमनिदानसुनाय पुनहिचिकित्साभाषकैं पथ्यापथ्यलषाय ॥ इतिवातरोगसमाप्तम् ॥ शुभंभूयात् ॥

॥ अथवातरोगेअस्थादिपीडाकर्मविपाकवर्णनम् ॥

॥ अथकारणम् ॥ चौपै ॥ अस्थीपीडाअंगनजेऊ वरनौंलषोंअंगतुमतेऊ स्फोटिनाशिरगुरुताअरुपित्त शूलदेहमोजोहोइनित्त उदरपीडमुखपीडाजान उरपीडाकटपीडपछान जंघजानुपगपीडाजोय

कवीश्रारोग्यहोइनहिसोय कारणपापतिसकरोंवषान सुनलीजेंसोपुरुषसुजान तिलकीधेनुश्रजालेदान लोहचर्मजोलेयश्राजान शिलाउभयमुखिगौजोलेय हाथीश्रश्वलवणतिलजेय इत्यादिकदानजुकहेनिषिद्ध श्रवरजुसकलेलोकप्रसिद्ध इत्यादिकजोलेवैदान तिसरुजहोंहिकरीजुवषान श्ररुजोब्रह्मश्रंशकोंहरे त्यागशरणश्रायेकोकरे श्ररुवेदशास्त्रकीनिदाधारे इत्याकदिजोकर्मविचारे शृंगीदंतीनाखियनसंग इन्हसोंजासदेहहोइभंग इन्हहूकरभीरोगजुहोय प्रगटलषैजिन्हकोंसभकोय इन्हकोसुनोउपायसुनाऊ कालपुरुषकोदानबताऊ ताकीविधियोंकहोंसुनाय कर्मविपाकग्रंथज्योंगाय.

॥ श्रथउपाय ॥

॥ चौपै ॥ लोहसारमयपुरुषघडावै डेढहाथपरिमाणधरावै दोयभुजाताकीबनवाय तीननेत्रातिसस्वर्णलगाय कानेस्वर्णभूषणपाहिरावै स्वर्णमुकुटाशिरपरधरवावै रूपेकेवाहुभूषणकरै लोहेकेहाथीपरधरै लोहेहीकोदंडकराजै कालपुरुषकेहाथसुदीजै ग्रामहुंकीदक्षिणदिशिमांन इकमंडपकरवायसुजांन तामंडपपरध्वजलगावावै कालपुरुषातिसमध्यविठावै माषमुंगगोधूमकुलत्थ स्वांककंगुणीमसुरइकठ चणेसरोंतिलकठेकरै कालपुरुषातिन्हऊपरधरै विधिसोंपूजैभलेंबनाय स्नानगंधपुष्पादिचढाय धूपदीपनैवेद्यचढावै कुंभनपरदिगपालपुजावे सभहोंदिशमोंकलशधराय दिगपालनकीमूर्तविठाय ब्रह्मादिककीपूजाकरै कालपुरुषन्याईलषपरै पुनविधिसेतीहवनकरावै मनसोंश्रद्धाप्रीतलगावै सभकोंकरसंकल्पविधान विप्रहिंकोंदेवैसोदान उन्हरोगनसोंमुकलहेय जोप्रथमहिंकहिदीनेतेय ॥ दोहा ॥ श्रस्थीपीडाश्रादिकोकारणकह्यो उपाय वातयजरक्तवषानहोंसोसुनलेचितलाय ॥ इतिवातरोगश्रस्थिपीडादोषकारणउपायसमाप्तम्, ॥

॥ श्रथवातरोगज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ कर्कटराशीकेविषेसूर्य्यपडेबलवान तिसपरदृष्टीवुद्धकीसंपूरणहितजान वातपित्तश्ररुकफश्रधिकताहिपुरुषकोहोय तस्करक्रियासोंचित्तधरइहश्रोगुणतिहजोय दिनकरकीपूजाकरेविधाविधानसंयुक्त होममंत्रकरजपकरेवातरोगहोइमुक्त इतिवातरोगज्योतिषसमाप्तम्,

॥ श्रथसर्वौषधिउत्पाटनमंत्र ॥

ऊँनारायणायस्वाहा उत्तराभिमुखः स्थित्वाखदिरकीलेनखन्यते शतावरीऔषधी, चसर्वांसांसाधयस्वाहा- ऊँकुमारिजीवनीयेस्वाहा ॥ इतिसर्वौषधीउत्पाटनमंत्रः ॥

॥ श्रथवातरक्तरोगनिदानलक्षणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातजरक्तनिदानकोंवरनोंभलीप्रकार जैसेंग्रंथनिदानमोंप्रगटकीनउचार ॥

॥ श्रथवातरक्तकारणं ॥

॥ चौपई ॥ जोश्रतिलवणश्रमलश्रतिक्षार श्रतिस्निग्धश्रतिउष्णश्रहार वहुदिनकोवासीश्रतिमास श्रतिजलजीवनमासगिरास श्रतितिलषलश्रतिमूलीषावै श्रतिकुलत्थश्रतिमाषजुपावे षायदहीश्रतिश्रतिजुरवांहि श्रतिहीइक्षुशाकश्रतिषांहि श्रारनालश्राशवश्रतिषावै शाकसुहांजणसाथश्रघावै तक्रश्रवरश्रतिमदरापान श्ररुविरुद्धभोजनतेंमान इन्हसमस्तभोजनतेंजानो श्रवरश्र

जरिणतैंभीमानो दिवास्वप्नअतिक्रोधजुधरै अरुअतिजाग्रणजोनरकरै अतिस्थूलतनसुखियाजोय अति कोमलतनजाकोहोय अतिहयऊष्टहस्तिपरचढै अन्नादिविदाहीभोजनकरै पगकरगमनकरैवहुजोय- वातरक्तपादनमोंहोय मिथ्याहारविहारीजोऊ वातरक्तकोपअतिहोऊ एतेकारणयाकेजान प्रगटकरे- योंग्रंथनिदान इन्हकारणतैंरक्तसंपूरण दग्धहोयहोइजावेचूरण तवहीवातयुक्तहोइजावे वातरक्तसो- नामकहावे स्वहेतकुपितरक्तहोएजवै वायूमार्गकोंरोकिततवै मार्गरोधकरकुपितयोवाय दुष्टरक्तमिल बृद्धिकराय ॥

॥ अथवातरक्तपूर्वरूपम् ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमस्वेदबहुतनमोंआवै देहरंगलालहोइजावै करडीवस्तुसपर्शनभावै होइसप- र्शतौपीडाथावै किसहूंकरतनमोंक्षतजोय तातैंअधिकपीडतनहोय संधसिथलआलसनिद्राऊ पीडा- सहितपिटकाप्रगटाऊ जानूजंघषुक्ककटिजोय मुंहडेहस्तपादसंधिहोय इन्हमोंपीडाहोतीरहै अंगफुरें तनभारीलहै कंडूतनविवर्णतालहिये मंडलचक्रइववणजुलपैये दाहअवरतनपिटिकाहोय अथवासुन्नरहे तनसोय वातरक्तयहपूर्वलक्षण जानलंहोहिपुरुषविचक्षण

॥ अथअधिकवातलक्षण ॥

चौपै जोइसरोगअधिकहोइवात शूलशोथअंगदुखविख्यात अंगस्फुर्णरौक्षताहोय वर्णकृष्णहोइजावैसोय नाडिअंगुलीसिमटीरहै अंगग्रहअतिपीडालहैं शीतसाथवैरसोऊराषे निद्राहोइयोंलक्षणभाषै

॥ अथरक्ताधिक्यलक्षण ॥

॥ चौपै ॥ जोइसरोगरक्तअधिकावै ताम्रवर्णतनशोथलषावै देहतुचाचिमचिमसीभासै अतिकं- डूतनपाकप्रकाशै कंडूसंगकलेदजवहोय स्निग्धरूक्षकरसमनहिसोय ॥

॥ अथवातरक्तस्वरूप ॥

॥ चौपई ॥ शरीरमाहिरक्तजलजाय दुष्टहोयजुगपदप्रगटाय कठकरतइकअंगकेमाहि पैरनमें- सूजनपडजाहि हथेलीयोंमेंफुनसीसीपडें पाछेसवशरीरमोंचढे वातरक्तइहचिन्हविचार भावप्रकाश- मतकियोउचार ॥

॥ अथवातरक्तरोगचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ चिकित्सावातजरक्तकीवंगसेनअनुसार सोसुनियेअरुसमुझियेपुनकीजिउपचार ॥ अथले- पनं ॥ चौपै ॥ रहसणजीरामधुकगिलोय सर्षपसहितवलालेदोय मधुघृतदुग्धमिलायालेपावै वातरक्त- तनतेंमिटजावै ॥ अथकाथः ॥ चौपै ॥ वासाअरुगिलोयसमआन अम्लतासपुनकरोमिलान विधिवत- ताकाकरेविधान काथवनावैपुरुषसुजान एरणतैलपायसोपीवै वातरक्तनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ त्रिवी- विदारीतालमषान वातरक्तहरकाथपछान ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गिलोयकाथअरुशतजुगिलोय रसगि- लोयजानोतुमसोय यहअभ्यासपानजोकरै चिरकोवातरक्तपरिहरै ॥ अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ धनियांनागर- अवरगिलोय यहसमचूरणषावैसोय वातरक्तकुष्ठमिटजावै आमवातनाशेंसुखपावै क्वाथः गडुचीकोजै-

केवलक्वाथ पीवितांकोंगुग्गुलसाथ नाशैवातरक्तकोहोय निश्चयमनमोंआनोसोय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ हरडपांचअथवात्रयजान पीसिगुडसोंकरैमिलान गिलोयक्वाथसोपीवैसोय नाशैवातरक्तकोहोय अरु-जानूकीपीडाजावैं वंगसेनयोंप्रगटसुनावै ॥ अथगुटिका ॥ चौपै ॥ समलेगुग्गुलद्राक्षगिलोय पीस-बिजोरारसजुसमोय अरुत्रिफलेकारसातिंहपावै गुटिकाबेरप्रमांनवंधावै मधुमिलायकरषावैसोय नाशै-वातरक्तकोहोय पादस्फोटरोगमिटजाय अरुसर्वांगस्फोटमिटाय ॥ अथमर्दन ॥ चौपै ॥ लवणप्रियंगूसम पीसावै महिषीमाषनमूत्रमिलावै अरुगोदुग्धमिलावैजास मर्दनकरैदेहमोतास वातरक्तरोगमिटजावै-देहस्फोटरोगनरहावै.

॥ अथगिलोयअनुपानविधिः ॥

॥ चौपई ॥ जोगिलोयकोंघृतसोंषावै तौविकारवातकोजावै जोतिसषावैगुडकेसंग कोष्टव-द्धकवजहोइभंग पितविकारमिसरीसोंनाशै मधुसोंकफविकारसुविनाशै एरंडतैलसाथजोषावै वातरक्त-रोगमिटजावै सुंठीसोंजोषायगिलोय आमवातकोंहरहैसोय ॥ इतिगिलोयअनूपानः ॥ अथक्वाथ ॥ ॥ चौपई ॥ वासागोषुरपांचोमूल अरुगिलोयजानोसमतूल क्वाथकरैपुनएरणतैल क्वाथवीचकीजैसो-मेल सेंधाहिंगुसंयुक्तपिवाय वातरक्तकटपीडाजाय विष्टामूत्ररोधनरहावै आमवातकोरोगमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एरणवासावलागिलोय गोषुरुतालमषाणसमोय यहसमक्वाथकरैजोपीवै वातरक्त-नाशतवथीवै अरुजानूकीपीडाजावै अंगस्फोटरोगनरहावै वर्धमानपिपलींकोंसेवे वागुडहरडसेवसु स्वलेवै ॥ अथक्वाथः ॥ चौपई ॥ तालमषाणसमपायगिलोय करैक्वाथदोनोकोजोय मधचूरणकेसाथपि-लावै वातरक्तदूरहोइजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ त्रिफलावरचमंजीठगिलोय कौडनिंवअरुहलदीजोय यहसमक्वाथवनायपिवावै वातरक्तनववर्षमिटावै कुष्टरक्तमंडलहोइनाश पामाकुष्टरहैनाहितास अवरक-पालककुष्टनसावै इंहप्रकारग्रंथगुणगावै

॥ अथपित्तअधिकवातरक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोवातरक्तमोंपित्तअधिकावै दाहमोहस्वेदउपजावै मूर्छांमदात्रिष्णाहोइजोय सपर्श-किसूकासहैनसोय शोथपाकतनततलपावै हवाडउष्णापितयुतयोंगावै.

॥ अथरक्तपित्तअधिकउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जानेजोमधवातविकार रक्तअरुपित्तअधिकसंचार घृतअरुक्षीरपानकरतास रेचनकर बावेलषजास ॥ अन्यच ॥ रक्ताधिकउपाय ॥ अधिकरक्तमधवातविकार ताकोयहकीजेउपचार घृतम-धुपयजुमुलठउशीर इन्हसोंशेचकरावैधीर ॥ अन्यच ॥ शालमलीकोचूरणकरै भेडदुग्धसोंमर्दनधरै अधिकरक्तकोजायविकार वंगसेनयोंकीनउचार ॥ अन्यच ॥ सहस्रधौतघृतलेपजुकीजें अधिकरक्तवि-कारसुछीजें ॥ अन्यच ॥ जोअधिकरक्तसोंतनहोइलाल पीडादाहप्रगटहोइनाल प्रथमहिताकोरुधनिकास पुनसोऊलेमर्दियेतास रक्ताधिक्यशांतिहोंइजावै ताकोंअवरउपायसुनावै ॥ अन्यच ॥ प्रयालमुलठी-तिलअरुभेह वैंतकूमलीसमयहलेह पीसदुग्धघृततांहिमिलाय लेपनलालीदाहमिटाय ॥ पित्ताधिकउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ जोइसरुजमोंपित्तअधिकाय तवताकोयहकरैउपाय द्राक्षकाइमरीअंमलतास चंदनमुलठी

मेलोजास क्षीरककोलीतामोपाय यहसमलेकरक्वाथवनाय मधुशरकरामिलायसुपीवै पित्तअधिकताशांतिजुथीवै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाभीरूकौडगिलोय अरुपटोलतामध्यसमोय करैक्काथशरकरमधुपावै पीवैपित्तअधिकताजावै.

॥ अथकफअधिकलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोकफअधिकहोययामाहीं जडतागुरुतातनप्रगटाहीं शीतस्निग्धनिद्रातनधरै मंदकंडूदेहीमोकरै.

॥ अथकफाधिक्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोइसमोकफअधिकलषावै तौताकोंमृदुवमनकरावै लेपनवहीउष्णकरलाय श्लेष्मअधिकतुरतमिटजाय ॥ अन्यकफकोलेप ॥ चौपई ॥ खेतसर्षपाकरैमहीन तैलगूत्रमदरायहतीन ताहिमिलायलेपजोकरै कफआधिकताताासोंटरै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सुहांजणअरुवारणामंगावै सूक्षमकांजीसंगमिलावै तनपरलेपनकरहैसोय कफआधिकताछिनमोंषोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ केवलअसगंधलेपनकरै कफआधिकताहींपरिहरै ॥ अन्यच ॥ हिंस्रासर्षपनिंवअर्कअरुक्षार तिलसमलेपअधिककफटार ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ धुहांहांवरचकुठजुशतावरि दोइहलदीपीसावैसमधरि उष्णतोयसोंलेपनकीजै आधिकताकफरुजकीछीजै ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ सुंठीकौडगिलोयमुलठ यहसमचूरणकरोइकठ मधुगोमूत्रसगजुपिलाय वातरक्तकफअधिकहिजाय.

॥ अथद्वंद्वजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मंदकंडुपीडातिहजानो द्विदोषचिन्हतिहनराहिपछानो.

॥ अथत्रिदोषजवातरक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जोयामोसभचिन्हलषाहीं वातरक्तत्रिदोषजगाहीं पादमूलकरमूलमंझार मूषिकविषइवशनैसंचार वातरक्तइसकोपहिंधरै तनमोंफैलकष्टवहुकरै ॥

॥ अथअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पादआदिजानूपर्यंत फूटजांहिरसचलैतुरंत क्षयहोइवलअरुतनक्वामास सहित उपद्रदेहविनाश जोइसरुजहिंवर्षहोइजावै सोभिअसाध्यनिदानसुनावै ॥

॥ अथउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ शिरग्रहमूर्छानिद्रानश ज्वरत्रिष्णामदश्वासजुकास दाहअरुचहिक्काभ्रमजान अंगुलिनकंपवक्रतामान होवैस्फुटतातनमंझार कंपउपद्रवकोनउचार मांसगलितवहुपीडाजानो मोहमर्मग्रहअर्बुदमानो क्रमविसर्पअरपिंगुलहोय यउपद्रवएतेजानोसोय सहितउपद्रवअहैअसाध्य विनाउपद्रवहोइसोसाध्य एकदोषयुतहोवेसाध्य वहुतदोषयुतलषोअसाध्य होइनवीनसोसाध्यकहावै वहुदिनकोसुअसाध्यलषावै ॥ दोहा ॥ वातरक्तावरननक्रियोलषनिदानमतजोय साध्याचिकित्साजोकैरताकोंविघ्ननकोय ॥ इतिवातरक्तनिदानम् ॥

॥ अथसन्निपातयुक्तावातरक्ताउपायक्काथः ॥

॥ चौपई ॥ हलदआमलेमुथ्रसमआनै मंदअग्निसोंकाथसुजानै मधुमिलायकरपीवेसोय वातरक्ता-सन्निपातहिंषोय ॥

॥ अथवलाघृतवातरक्ताकों ॥

॥ चौपई ॥ वलाअतिवलामेदाजान आतमगुप्तारहसणठान काकोलीपुनक्षीरकाकोली द्राक्ष-शतावारिसमतिहघोली सभयहपीसैचूरणकरै चारगुणातामोंघृतधरै घृतसोंदुग्धचतुर्गुणपावै अग्निप-काययथावलषावै वातरक्तहृदरोगनिवारै पांडुदाहकामलाविडारै ॥ अथशतावारिघृत ॥ चौपई ॥ लेयशतावरिचूरणकरै समशतावरीरसमोंधरै चतुरगुणघृतअरुदुग्धमिलावै वलअनुसारपकायसुखावै वातरक्तरुजहोइहैंनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश अथसमशर्करगुगुलुः त्रिफला त्रिकुटाचित्रजवानी दोजी रकहलदविडंग पछानी कर्षकर्षइनकोपरिमान पीसमहीनवस्त्रकरिछान पांचोपलतिहगुगुलपावै शर्क रापांचजुपलहिमिलावै तत्तजुघृततिससाथरलाय उठपरभातयथावलखाय वातरक्तकोदूरानिकारै उदरकेरोगभगंदरटारै प्लीहयकृताविष्मज्वरजाय चित्रककुष्टसभव्रिणघाय चित्तविभ्रममदरोगजुनास गृध्रसीवातमंदाग्निविनास गुदजरोगअरकोष्टजरोग इनरोगनकोकरेवियोग एतेरोगकरेनितघात जैसेंपर्वतवज्रकोपात ॥ अथगुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ गुडूचीकाथगुडूचीचूरण चतुर्गुणघृतअरुप-यकरपूरण मंदअग्निसोंताहिपकाय षावैवातरक्तामिटजाय अवरहुंकुष्टरोगयहनाशै मलनकांतिहरदुति-परकाशै ॥ अन्यच ॥ गुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ लेगिलोयशतपलपरिमान द्रोणपायजलकरो-पकान रहैपादशेषसोजवै छनायप्रस्थघृतपावैतवै चूरणगिलोयअष्टपलपाय चारप्रस्थतिंहदुग्धमिलाय मंदअग्निधरताहिपकावै व्याधीताहियधावलषावै वातरक्तकुष्टहोयनाश पांडुकामलालिफाविनाश कासश्वासज्वरकोजहहरै निश्चयअपनेमनमोंधरै ॥ अन्यच ॥ गुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ गिलोयमुलठद्राक्षअरु त्रिफला वासाअमलतासपुनवला कौंडभषडेमघसुरदार काश्मरीएरणवहडार दालहलदसूंठीपुनठान रहसणलींजेंतालमषान यहचूरणकरपलपलपावै प्रस्थआमलेरसजुमिलावै तनिप्रस्थजलतामोपाय प्रस्थएकघृतपायपकाय वलअनुसारताहिकोषावै वातरक्तशिरपीडाजावै गंभीरवात'उत्तानजुवात त्रिकुलजं घकीपीडाजात पीडाजानुउरूकीनास उदरपीडपुनहोयविनाश आमवातदाहनहिंरहैं मूत्रकृच्छ्रपरमेह-सुदहै विष्मतपियातेंमिटजावै वलवीरजआयुरवावधावै यहजुगुडूचीघृतपहिचान कुमार अश्विनीकी-नवषान ॥ अथमहागुडूचीघृत ॥ चौपई ॥ इकशतपलगिलोयजोआन एकद्रोणजलपायपकान जवैपादइकशेपरहावै एकप्रस्थघृततामोपावै दुग्धपायतिंहप्रस्थजुचार पुनपलपलयहचूरणडार काकोलीअरुक्षीरककोली जीवकरिषवशतावरिघोली नीलोत्पलअसगंधमुलठ शालजुपरणीकौडइकठ रिद्धवृद्धरहसणअरुवासा गिलोयप्रियंगूपावैतासा मेधाभषडेवालापावै चूरणकरतिससाथमिलावै दोइकं-डयारीपीसरलाय सभमिलायमृदुअग्निपकाय षावैअरुतनमर्दनकरै वातरक्तशोथयहहरै पंजऊरूस्तं-भमिटावै रक्तपित्तअरुकृच्छ्रनसावै वातगृध्रसीकंटकवात एतेरोगजुभागेजात श्रीधन्वंतरकीनवषान तिन्हकेवचनसत्यकरमान ॥ अथअमृतातैल ॥ चौपई ॥ गिलोयमुलठीएरणमूल रहसणइटसि-टपांचोमूल जीवन्यादिअष्टवर्गजो चूर्णकीजेंशतपलपलसो वलापांचशतपलपहिचान एतायाकोजान-

प्रमान वेरविल्वयमाषकुलत्थ यहश्राढिकश्राढिकलहुतत्थ काश्मरीइकद्रोणश्रनावे शतजुद्रोणजलपायपकावे रहैतोयद्रोणजवचार द्रोणतैलतामोपुनडार पांचद्रोणदुग्धनहपावे पुनयहश्रौषदपीसमिलावे चंदनगजकेसरश्ररुकेसर कुठउशीरतालीसपत्रधर एलाश्रगरतगरजुमुलठ पुनमंजिष्ठाकरोइकठ तीनतीनपलपायपकावे षावैमलैवातरुजजावे रक्तवातकंपसर्वांग योनिदोषकंपएकांग शस्त्रघाउकरक्षीणजुहोय वीर्यक्षीणकरक्षीणजुसोय उन्मादविष्मज्वरश्ररुश्रपस्मार नाशैयहनिश्चयमनधार पुंसवनश्रमृत तैलकोनाम सुखदायकजानोश्रभिराम श्रथपिंडतैल सारिवारालमुलठामिलाय मंजीठजुासितथातासरलाय तैलसिद्धताकेसंगकीजै उठप्रभातसोदेहमलीजै वातरक्ततातेंमिटजाय वंगसेनमतादियोवताय ॥ श्रथशत्पुष्यातैल ॥ शत्पुष्याकोकाथवनावै तैलसिद्धतासंगकरावे वामुलठकाथकेसंग तैलसिद्धकीजेनिर्भंग श्रथवाकुठकाथकेसाथ तैलसिद्धकीजेसुनगाथ तासतैलकोमर्दनकीजे वातरक्तकोरोगसुछीजै श्रथदशपाकवलातैल ॥ चौपइ ॥ वलाचूर्णश्ररुवलाजुकाथ इन्हसमतैलकरैइकसाथ दुग्धचतुर्गुणपायपकावे इसहीविधिदशपाककरावे वलश्रनुसारानित्यजोषाय वातरक्तवातपितजाय याहीतेंपुंसवनजोहोय वीर्यवधावैजानोसोय ॥ श्रथपुनर्नवागुगुल ॥ चौपई ॥ शतपललेपुनर्नवामूल शतपलहीएरणकोमूल षोडशपलसुंठीपरिमान गुगुलपलजुश्रष्ठतिंहठान घटप्रमाणजलपायपकावे श्रष्टमभागरह्योलषपावे कुडवंजुएरंडतैलमिलाय, चूरणत्रिवीपांचपलपाय निकुंभकाचूर्णइकपललेय गुडूचीचूर्णदोइपलदेय सुंठमघांमरचांयहतीन पलपलपावैपुरुषप्रवीन चित्रासैंधवविडंगमिलावे कर्षकर्षययचूरणपावे स्वर्णमषीइककर्षपरिमान पलपुनर्नवाचूर्णठान सभमिलायमंदाग्निपकावे चारटांकयाकोनितखावे वातरक्तगृध्रसीमिटाय वातविकारनष्टकरवाय जंघाउरूतृकुलकपिीर पृष्टपीडनासेसुनवीर श्रामवातकोहोइहैनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ श्रथश्रमृतागुगुल ॥ चौपई ॥ तीनप्रस्थश्रमृताजुमंगावै गुगुलप्रस्थएकतिहपावै एकप्रस्थत्रिफलातिंहठान श्ररुपुनर्नवाप्रस्थप्रमान सभयहकूटइकठेकरै मणप्रमाणतोयमेंधरै मंदश्रग्निसोपक्वसुकीजै पादरहैतवहीतिसलीजैं दंतीचित्रामघागिलोय त्रिफलासुंठीतज्जसमोय वायविडंगपुनतामोठान श्रर्धश्रर्धपलजानप्रमान कर्षप्रमाणात्रिवीसंगदीजैं मृदुलश्रग्निसोंसिद्धकरीजैं ताहियथाधलनित्यजुषाय वातरक्तकुष्टमिटजाय गूदारोगश्रर्शादिविकार मंदश्रग्निपरमेहविडार श्रामवातकुष्टव्रणनाशैं भगंदरनाडीवातविनाशैं शोथसमस्तवातनरहावै ग्रंथकारमताहिवतावै ॥ श्रथसूर्यप्रभागुटिका ॥ चौपई चित्रात्रिफलानिंवपटोल वराहमुलठीकेसरघोल श्रमलवेतजीवंतीपाय एलाकौंचवीजत्रिकुटाय मुत्थरपरपटकौडाभिडंगी दंतीश्रजवायणधरचंगी नीलोत्पलजोपद्मकचूर औषधयहपलपलकरपूर पद्मकाष्ठरहसणसुरदारु गिलोयजवाहाजीराडारु त्रिवीविडंगलताश्रसगंध तालीसपत्रधनियांसंबंध लवणतीनश्रजमोदाठान कारवीस्वर्णमषीपहिचान जायफलदाडिमदोनोंक्यार कंकोलवंशलोचनपुनडार उशीरश्रामलेपिपलामूल यहसभलेपलपलसमतूल दोइपलगुगुलपीसमिलाय पलजूश्रष्टकोगडतिंहपाय मिसरीप्रस्थकुडवघृतपावे लोहचूर्णपलश्रष्टमिलावे श्रर्धप्रस्थमधुसाथमिलाय सनिग्धपात्रमेंताहिधराय तलीप्रमाणगुटकाकरषावे वातव्याधसभहीमिटजावेऊरूस्तंभश्रर्दितजोवाय गृध्रसिविद्रधिश्लीपदजाय हलीमकपांडुगुल्मश्रपस्मार श्रांत्रवृद्धक्षईकोंजोटार उदरशूलउन्मादविडारे श्रर्शभगंदरकंपनिवारे पार्श्वशूलश्ररुचयहनाशे उरक्षतहृदयशूलसुविनाशे श्ररुज्वरविष्मप्रमेहनरहै रक्तपित्तश्रपचीकोंदहै महाक्षईनशूरकोनाश शोथकाम-

लाहोयविनाश वातपित्तकफअरुसनपात इन्हकेरोगजांहिविख्यात भोजनवहुप्रकारकोकरै भुक्तऔ-षधीपथ्यनधरै वर्षतीनशतजीवेसोय मेधाअग्निवृद्धअतिहोय इंद्रनमोंवलवीर्यवधावै तीक्षणदृष्टिनेत्रप्रग-टावै वंध्यापायपुत्रउपजात होइनिरोगनरनारिजुषात ज्योंसूरजअंधकारविनाशै त्योंरोगअंधकारसुवि-नाशैं सूर्यतुल्ययाकेगुणजान सूर्यप्रभाइहनामपछान ॥ अथकैशोरकगुगुल ॥ चौपई ॥ गुगुलमहिष-लोचनकीन्याय प्रस्थप्रमाणआनपीसाय त्रिफलापाविप्रस्थप्रमान गुडूचीपलवत्तीसपछान एकद्रोणज-लपायपकावै अर्धरहैतवछाणधरावै लोहपात्रमोंताकोंधरै त्रिफलाचूर्णअंधपलकरै दोदोकर्षपावै-त्रिकुटाय विडंगअर्धपलताहिमिलाय दंतीत्रिवीकर्षजोकर्ष गुडूचीइकपलपायसहर्ष मंदअग्निधरासि-द्धकरावै मधुमेलेसुयथावलषावै स्निग्धपात्रमोंधरेवनाय गोकाघृततिससाथमिलाय अनुपांनजुताकेक-रोंवषान दुग्धयूषसुगंधजलमान वातरक्तनाशैएकांग जानुवातजावैसवांग नाशशोषकुष्टअरुकास शो-थगुल्मव्रणपांडुविनाश मंदअग्निपरमेहविडारै कवजकोष्टवंधयहटारै जरानिवारेयुवाप्रकाशैं किशोरा-वस्थाताकीभासै ॥ अथसिंहनादगुगुल ॥ चौपई ॥ त्रैपलत्रिफलाचूरणलीजैं त्रैपलगुगुलतामोंकीजैं कुडवएकएरणकोतेल लोहकडाहीमोसभमेल मंदअग्निसोंलेहुपकाय नित्ययथावलताकोंषाय वातपि-त्तकफरोगनिवारै वातषंजुपंगूयहटारै कुष्टवातरक्तहोइनाश नाशैगुल्मकासअरुश्वास आमवातशूल-नहिंरहै इत्यादिकसभरोगहिंदहै मासएकपरयंतजुषावै युवाहोयनरजरामिटावै सिंहनादमृगभागेंजै-सें दर्परोगसभनाशैतैसें ॥ अथचंद्रप्रभागुटका ॥ चौपई ॥ चित्राचवकअवरत्रिफलाय सुरदारुविडं-गअवरत्रिकुटाय मुथ्थकिरायतापिपलामूर वरेयासोनमषीजुकचूर पांचलवणअरुदोनोंक्षार वलातुंव-रुदोइहलदीडार गजपिप्पलअरुजानपतीस यहसभकर्षकर्षलेपीस दशपलशुद्धगुगुलतिहठान शि-लाजीतअष्टपलमान दोइपलपाविलोहाचूरण पलजुचारमिसरीकरपूरण कुंभनिकुंभत्रिसुगंधीगावै इकइकपलयहऔषदपावै सभमिलायकरगुटकालीजै नित्ययथावलभक्षणकीजै, नाशेंअर्शजुषटपर-कार भगंदरपांडूकामलाटार वातपित्तकफरोगनथूर क्षईमंदअग्निहोइचूर गृध्रसिराजयक्ष्मपरमेह प्रदर-वीर्यक्षयपथरीषेह अष्टप्रकारवीर्यकोदोष वीसप्रकारप्रमेहैंशोष अनूपानइंहकरोंवषान तिंहकेसंगकी-जियेपांन तक्रजुअथवाछान्योदही वारसमांसछागकोसही वारसवनपक्षिनकोमास शीतलजलवाप-यलषतास प्रथमहिंशिवशसिपूजाकरै पाछेंतेंऔषदअनुसरै जोजाकीइछयासोइषावै यामोपथ्यअ-पथनरषावै जराअवस्थानाशैतास युवाआयुतनकरैप्रकाश ॥ अथशिवगुटका ॥ चौपई ॥ षोडशपल-जुशिलाजितजान त्रिफलारससोंपुरुषप्रधान तींनदिनालौंषरलकरीजे पुनसुकायकरताकोंलीजैं पुनद-शमूलगिलोयपटोल मूत्रमुलठरसलेसमतोल इकइकरसकीपुटदेतीन षरलहिंमध्यसुकायप्रवीन पुन-इकदिनादुग्धकोंपाय षरलकरैपुनलेयसुकाय सूकोषरलकरैदिनसात पुनयहऔषदकरैमिलान काको-लिविदारिशतावरिमेद द्राक्षवृद्धरिद्धिमहामेद वीरारिषवजीवंतीआनै मुंडीअंशमतीसंगठानै दंतीरह-सणचित्रापावै चवककलिंगपाठापुनथावै ककडशृंगीपुष्करमूल कौडगजकणालेसमतूल अरुमुस्थ-रलेतासमिलाय पलपलसभकोमानधराय तालीसपत्रकुडवतिहपावै नागकेसरतजपत्रमिलावै पीसमि-लावैसभतिससाथ पायद्रोणजलकीजेंक्काथ पादशेषजवरहेछनाय षोडशपलशिलाजीतरलाय षरलकरै-पुनऔषदएह पीसमिलावैतामोंतेह ल्यावैसुंठीपलजोदोय धात्रीफलमघमरचसमोय ककडशृंगीएला-जान वंशलोचनदालचीनीठान विदारिपलपलपीसरलावै घृततैलमधुशरकरामिलावै टांकचारगुटका-

बंधवाय शुद्धपात्रमोलैग्यधराय जातिपुष्पकीधूणीदेय ताहिकुंभधरवावैतेय रसअनारसौंगुटकाषावै अथ-
वादुग्धसाथपीवावै अथवामदरासौंकरपान वाशीतलजलसौंअचवान इन्हअनुपाननसौंनितषावै वर्ष-
प्रयंतमिरजादरषावै जराअवस्थाहोवैनाश युवाअवस्थाकरैप्रकाश वातरक्तवहुवर्षनजावै राजयक्ष्मज्वर-
तुरतमिटावै योनिदोषअरुवीरजदोष लिफअर्शपांडुहोइशोष हृदयरोगपीनसनरहावै ग्रहणीगुल्म-
कासमिटजावै हिडकीश्वासअरुचजडताय उदररोगकुष्टमिटजाय शोषनपुंसकताउन्माद अपस्मा-
रहोवैवरवाद शिरमुखनेत्ररोगहोइनाश प्रमेहप्रदरकामलाविनाश भगंदररक्तपित्तयहनाशैं अतिकृशता-
तनकीसुविनाशैं अतिस्थूलतातनकीजावै प्रस्वेदरोगकौंदूरनसावै दंष्ट्रविषगरविषनरहात यशवलल-
क्ष्मीकांतउपजात नृपवल्लभनरहोवैसोय वादविवादहिंजयतिसहोय मेधास्मृतयहहोवैजास वलइंद्रय-
शरीरदृढभास वर्षप्रयंतभक्षणइंहगहै वरषचारशतजीवतरहै सर्वरोगयहकरैविनाश परमरसायणजा-
नोतास श्रीशिवजीगणपतिसौंअष्यो लोकहितारथइतिसौंभाष्यो ॥ दोहरा ॥ कहीचिकित्सावातरक्त-
कीवंगसेनअनुसार चतुरवैद्ययहसमुझकैकीजैपुनउपचार ॥ इतिवातरक्तचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथवातरक्तरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ वातरक्तकेपथअपथसुनहोपुरषसुजान जैसेंभाषेग्रंथमोतैसेंकरौंवषान ॥ अथपथ्यं ॥ चौपई ॥
वातरक्तरुजदोइपरकार तिन्हकोविवरौंकरौंउचार एकवातउत्तानकहावै दूजेकौंगंभीरलषावै तुचामा-
सआश्रयजोरहै नामउत्तानताहिकोकहै जोअांद्रोकेआश्रयहोय नामगंभीराकहियेसोय वुटनासिंघनवंध
तुलेपान उत्तानविषेंएतेपथमान गंभीरविषैघृतपानपछानो पुनरेचनएतेपथजानो दोनोंमेंजोपथ्यक-
हावें तिन्हसभहनकौंगायसुनावै रुधमोक्षजलौकनजोय अथवानाडिवेधकरैसोय महिषीदुग्धतनमर्द-
नजान घृतसतधौतपथ्यपरिमान भेडमहिषवकरीकोक्षीर करैपानसुखहोयशरीर चणकमोठमुंगसठी-
गेहुं सांउकयवकोटापथतेहु तोतातीतरलवावटेर कोकिलकुक्कुटकोलषहेर चिडाकवूतरएतेमास
जानोपथ्यकीनपरकाश वैंतकूमलीवाथूकहिये कायांकोठीशाकलहैये शाकचुलाईपटोलजुलहै अवर
करेलेपथ्यसुकहै घृद्धकूष्मांडघृतभाष्यों अरुनवनीतपथ्यसुनआष्यों अमलतासधतूराजान एरणतैलद्राक्षपुन-
मान श्वेतसर्षपाचंदनस्वेत रक्तचंदनलषहोयहभेत अरुकस्तूरीअगरकहावै देवदारुपुनपथ्यलषावै चीडतैल-
टाल्हीलषपैये तीक्षणवस्तूंपानकरैये दोहा वातरक्तरुजकेसभीकीन्हेपथ्यवषान अवजाकेजेतेअपथसोतुमसु
नोसुजान ॥ अथअपथ्यं ॥ चौपई ॥ दिनकासोनाअरुसंताप अरुव्यायामअपथ्यसुथाप आतपवैठण-
चलनोजान मैथुनमाषकुलत्थपछान केऊंअवररवांहिसुनीजै षारिवस्तुतनासिंचनकीजै अंडजअरुज-
लजीवनमास गन्नेगुडदधिमद्यप्रकाश मूलीकांजिअमलपुनजेते उश्नगुरूकटुलवणसुतेते ॥ दोहा ॥
वातरक्तकेपथअपथसभहीकहेसुनाय त्यागअपथसेवैजुपथताकौंविघननकाय ॥ इतिपथ्यापथ्यसमाप्तम् ॥
॥ दोहरा ॥ वातरक्तवरननकियोप्रथमहिंकह्योनिदान मध्यचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्री-
वातरक्तरोगचिकित्सासमाप्तम् ॥ शुभंहरिॐ ॥

॥ अथवातरक्तरोगदोषकारणउपायनिरूपणम् ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोजनयज्ञअदक्षिणकरै रत्नादिदानअदक्षिणअनुसरै संचयधनअधर्मकरैजोय आमवातरोगतिसहोय तासनिवारणकहोंउपाय सोमुननिजमनमांहिवसाय ॥ अथउपाय ॥ ॥ चौपई ॥ एकोपलस्वर्णंहरणवनावै वापलचाररजतवनवावै वादशपलताम्रकोकरै स्वर्णनेत्ररूपेषुरधरै शुक्लवसनऊपरओढाय आढिकतंडुलपरवैठाय बाहनवायुसोऊतिसजज्जै पवनमंत्रकरहवनाहिसज्जै करसंकल्पविप्रकोंदेय आमदोषतैंमुक्तलहेय ॥ दोहा ॥ आमवातकेदोषकोकारणकह्योउपाय अतिस्थूलतनदोषकोंभाष्योसभहिंसुनाय ॥ इतिवातरक्तरोगदोषकारणउपायसमाप्तम् ॥ शुभम् ॥ ॥

इतिश्रीचिकित्सासंग्रहेश्रीरणवीरप्रकाशभाषायांवातरोगाऽधिकारकथनंनामद्वात्रिंशोऽधिकारः ॥ ३२ ॥




Indira Gandhi National
Centre for the Arts